हमारी दूरदृष्टि

वांतरिक्ष उद्योग में महत्त्वपूर्ण वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनना

हमारा लक्ष्य

वांतरिक्ष उपस्करों के अभिकल्प, विकास, विनिर्माण, स्तरोत्थान तथा रखरखाव में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु संबंधित क्षेत्रों में विविधीकरण एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तथा निर्यात में वृद्धि हेतु विश्वस्तरीय निष्पादन मानक प्राप्त करने के लिए बढ़ती हुई व्यावसायिक क्षमता के वातावरण में व्यवसाय का प्रबन्धन करना

निदेशक मण्डल

श्री टी. सुवर्ण राजु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

श्री टी. सुवर्ण राजु भारत के प्रतिष्ठित संस्थान नैशनल डिफेंस अकादमी के छात्र रहे हैं, जहाँ से इन्होंने रक्षा सामरिक अध्ययन में एम.फिल की उपाधि प्राप्त की है । मैकेनिकल इंजीनियर स्नातक एवं एमबीए (मार्केटिंग) श्री राजु ने नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी से बौद्धिक संपदा अधिकार(आई पी आर) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है ।

श्री राजु ने जुलाई 1980 में मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में एचएएल में कार्यभार ग्रहण किया तथा विनिर्माण, पुनर्कल्पन (ओवरहॉल) व जगुआर एवं मिराज सहित कई विमान बेड़े के उन्नयन के विविध अनुभवों के साथ सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए। इन्होंने भारतीय वायु सेना एवं भारतीय नौ सेना के लिए भी हॉक मार्क 132 के उत्पादन कार्य के साथ-साथ अपनी विनिर्माण सुविधाओं को स्थापित करने के संबंध में समय से पहले ही सहायता करना प्रारंभ कर दिया था ।

विभिन्न पदों पर एयरक्राफ्ट एवं ओवरहाल प्रभागों में कार्य करते हुए, वे महाप्रबंधक, एयरक्राफ्ट प्रभाग तथा आगे निदेशक (अभिकल्प एवं विकास) के रूप में विभिन्न पदों पर आगे बढ़ते रहे । श्री राजु को दिनांक 01 फरवरी 2015 से अध्यक्ष का अतिरिक्त कार्यभार प्रदान किया गया तथा उन्हें दिनांक 05 मार्च 2015 को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया । इस पद को दिनांक 01 अप्रैल 2015 से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में पुनर्पदनामित किया गया ।

श्री राजु का इस बात में पक्का विश्वास है कि उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी को कभी भी खरीदा नहीं जा सकता, बल्कि इसे विकसित किया जा सकता है । कंपनी को प्रौद्योगिकीय शक्ति बनाने के उद्देश्य से, वे एचएएल के अनुसंधान एवं विकास स्थापना को प्रतिस्पर्धात्मक रूप में स्थापित करने की दृष्टि से विभिन्न प्रकार के नए उपायों को अपनाने में सक्रिय रहे हैं । उन्होंने कंपनी की अनुसंधान एवं विकास नीति की रूपरेखा तैयार की तथा संपूर्ण संगठन में सह-क्रियात्मक अध्ययन के लिए, उन्होंने समस्त अभिकल्प केंद्रों को सीओआईएन (कमिटी ऑफ इन्स्टिट्यूशनल नेटवर्क) की परिधि में ला दिया है । कंपनी के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार संपत्ति का निर्माण करने के लिए, वे 1000 से अधिक एकस्व अधिकारों (पेटेंट्स) को दर्ज करने में सक्रिय रहे हैं । इन्होंने मिराज एवं जगुआर डेरिन III के उन्नयन के अलावा एलसीए, एलयूएच, एल सी एच, आईजेटी एवं एचटीटी-40 जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित भी किया है । वे यूएवी, एफजीएफए एवं सिविल एयरक्राफ्ट विकास कार्यक्रमों को उत्साहपूर्वक संचालित भी कर रहे हैं । इन्होंने संभार तंत्र आधारित निष्पादन की संकल्पना की न केवल अगुआई की, बल्कि ये सैन्य परिसंपत्तियों हेतु इसके कार्यान्वयन का समर्थन भी करते रहे हैं।

श्री राजू एच एचएएल में नई प्रौद्योगिकों की योजना एवं स्थापना में उनके अनवरत प्रयास हेतु भारत की एरोनॉटिकल सोसाइटी के बिरेन रॉय ट्रस्ट पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं । इण्डियन नेशनल एकाडेमी फॉर इंजीनियर्स के 'फेलो' के रूप में वे वर्तमान में वांतरिक्ष एवं विमानन क्षेत्र कौशल परिषद के अध्यक्ष, नैशनल एरोनॉटिक्स को-ऑर्डिनेशन ग्रुप के सदस्य तथा रक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित डिजाइन एंड डेवलपमेंट मैनेजमेंट बोर्ड (डीडीएमबी) के प्रथम सदस्य सचिव हैं ।

श्री वी. एम. चमोला
निदेशक (मानव संसाधन)

श्री वी एम चमोला ने गढ़वाल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर, ए पी एस विश्वविद्यालय से एल एल बी एवं इग्नू से एम बी ए (एच आर एम) की उपाधि प्राप्त की है ।

वर्ष 1996 में एच ए एल के इंजन प्रभाग, बेंगलूर कांप्लेक्स में उप महाप्रबंधक (कार्मिक व प्रशासन) के रूप में कार्यभार ग्रहण से पूर्व श्री चमोला ने एन टी पी सी एवं एन जे पी सी में विभिन्न पदों पर काम किया । अपर महाप्रबंधक (कार्मिक व प्रशासन) के रूप में उनकी पदोन्नति हुई और तत्पश्चात उन्होंने मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण किया ।

उन्होंने बी ई एम एल में भी मुख्य महाप्रबंधक के रूप में काम किया है । मानव संसाधन विकास (एच आर डी) के क्षेत्र में उनका पर्याप्त अनुभव है और स्वस्थ कार्य-वातावरण निर्मित करने के लिए मानव संसाधन की पद्धतियों को सुदृढ़ करने में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया । श्री चमोला ने निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में दिनांक 27 जुलाई 2011 को कार्यभार ग्रहण किया ।

उन्हें पब्लिक रिलेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीसी) द्वारा फरवरी 2012 को मुम्बई में आयोजित वार्षिक समारोह के दौरान दिनांक 12 फरवरी 2012 को मानव संसाधन में बिजनेस एक्सेलंस के लिए 'चाणक्य पुरस्कार' से सम्मानित किया गया । उन्होंने दिनांक 1 अगस्त 2013 से 31 मार्च 2015 तक हैदराबाद एवं कोरवा प्रभाग के प्रबंध निदेशक (उपसाधन कांप्लेक्स) का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला ।

श्री डी के वेंकटेश राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत से मैकेनिकल इंजीनियर, इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के एसोसिएट, मार्केटिंग मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा एवं कंप्यूटर एप्लिकेशन में पोस्ट ग्रैजुएट हैं ।

श्री वेंकटेश ने अगस्त 1980 को मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में एचएएल में सेवा प्रारंभ की तथा दिनांक 27 नवंबर 2015 से कंपनी के निदेशक (अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास) के रूप में नियुक्त किए गए ।

इनका विमान, हेलिकॉप्टरों तथा गैस टर्बाइन इंजनों के उत्पादन के क्षेत्र में विनिर्माण, असेंब्ली, मरम्मत, ओवरहाल, प्रोटोटाइप विकास, प्रचालन, गुणवत्ता प्रबंधन, प्रोजेक्ट, डिजाइन, ग्राहक सहायता में 37 वर्षों से भी अधिक का अनुभव है। श्री वेंकटेश एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य एवं सोसाइटी फॉर फेल्योर एनालिसिस के सक्रिय सदस्य हैं ।

श्री डी. के. वेंकटेश
निदेशक
(अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास)

श्री सी वी रमणा राव इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विषय के साथ कला स्नातक हैं । स्नातक होने के बाद, इन्होंने 1985 में चार्टर्ड एकाउंटेंसी का पाठ्यक्रम पूर्ण किया । इसके पश्चात इन्होंने कंपनी सेक्रटरी की अंतिम परीक्षा ग्रुप–I एवं II भी उत्तीर्ण की है ।

श्री सी वी रमणा राव को वित्तीय प्रबंधन, एकाउंटिंग एवं आंतरिक नियंत्रण के क्षेत्र में 36 वर्ष से भी अधिक का अनुभव है । इन्होंने अपनी सेवाएँ फाउंड्री एवं फोर्ज प्रभाग से प्रारंभ कीं तथा कॉरपोरेट कार्यालय में कार्यभार संभाला तथा उसके पश्चात एचएएल की संयुक्त उद्यम कंपनी बीएई–एचएएल के सीएफओ के रूप में रिपोर्ट किया । आगे चलकर, वित्त एवं लेखा प्रभारी के रूप में पदोन्नति पर कॉरपोरेट कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया ।

इनकी विशेषज्ञता एकाउंटिंग एवं ऑडिट में है तथा श्री रमणा राव प्रणाली लेखापरीक्षा, कास्टिंग्स, एकाउंट्स एवं कार्य निष्पादन बजट आदि मैनुअलों को अद्यतन करते रहे हैं और इन्होंने यूनिफार्म मास्टर चार्ट ऑफ एकाउंट्स भी विकसित किया है ।

श्री सी. वी. रमणा राव
निदेशक (वित्त) एवं
मुख्य वित्त अधिकारी

निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व श्री रमणा राव महाप्रबंधक (वित्त)–लेखा एवं लेखापरीक्षा के पद पर कार्यरत थे ।

श्री चंद्राकर भारती दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है तथा उन्होंने सितंबर 1996 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया । इन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पोलिटिकल साइंस, यूके से सार्वजनिक प्रबंधक एवं नीति में एम. एस.सी. की डिग्री भी प्राप्त की है ।

इनके पास सिविल सेवाओं में 20 से भी अधिक वर्षों का अनुभव है तथा इन्होंने विभिन्न महत्त्वपूर्ण कार्यभार संभाले हैं, जिनमें अपर अधीक्षक, बिक्री कर विभाग, एनसीटी सरकार, दिल्ली ; निदेशक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ; पुदुचेरी संघ राज्य क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विभागों में विकास अधीक्षक जैसे कृषि, वित्त एवं योजना, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी आदि शामिल हैं । इन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा पर्यावरण एवं वन विभाग, एनसीटी सरकार, दिल्ली में भी अल्पावधि के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान की थीं ।

श्री चंद्राकर भारती
संयुक्त सचिव (एरोस्पेस)

सुश्री दीपाली खन्ना ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास विषय के साथ एम.ए की डिग्री प्राप्त की । इन्होंने नैशनल डिफेंस कॉलेज से एम.एस.सी (राष्ट्रीय सुरक्षा विषय सहित) भी प्राप्त की तथा इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली से कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंसी सर्टिफिकेट कोर्स भी पूरा किया । इन्हें 8 जनवरी 2016 से कंपनी के बोर्ड में अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया ।

सुश्री दीपाली खन्ना ने वर्ष 1976 भारतीय रेलवे लेखा सेवा के साथ अपनी सेवाएँ प्रारंभ कीं तथा विभिन्न सरकारी विभागों में 39 वर्षों की अपनी सेवावधि के दौरान महत्त्वपूर्ण रूप से अपना योगदान दिया है । दीर्घावधि योजनाओं को तैयार करने में इन्होंने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के महत्त्वपूर्ण विकासात्मक लक्ष्यों एवं उद्देश्यों जैसे क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है । सुश्री खन्ना ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की स्थापना में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) की तत्कालीन निष्क्रियता को पुनर्गठित कर उसे नया आकार देने में महती भूमिका निर्वहन किया है, जिसके परिणामस्वरूप इस कंपनी ने कई दशकों से हो रहे नुकसान के पश्चात पुनर्गठन के एक वर्ष के अंदर में लाभप्रदता हासिल की ।

सुश्री दीपाली खन्ना
स्वतंत्र निदेशक

सुश्री खन्ना ने रक्षा मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य उपक्रमों (पी एस यू) के बोर्ड में सक्रिय रूप से भी सेवाएँ प्रदान की हैं । वर्तमान में सुश्री खन्ना इंडिया पावर कार्पोरेशन लिमिटेड एवं नितीश एस्टेट्स लिमिटेड के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक हैं ।

सुश्री खन्ना रक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक – निजी भागीदारी हेतु रक्षा मंत्रालय के अधीन केलकर समिति की सदस्या हैं ।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

श्री वी सदगोपन
सीईओ (एचसी)

श्री वी सदगोपन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हेलिकॉप्टर कांप्लेक्स मद्रास विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियर हैं । इन्होंने दिनांक 6 अगस्त 1979 को मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में एचएएल में कार्यभार संभाला था और दिनांक 1 जुलाई 2013 से अधिशासी निदेशक, हेलिकॉप्टर कांप्लेक्स, बेंगलूर के पद पर पदोन्नत हुए । इन्हें दिनांक 1 अप्रैल 2015 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी, हेलिकॉप्टर कांप्लेक्स के रूप में नियुक्त किया गया । इन्होंने अपने विगत 38 वर्षों की सेवा अवधि के दौरान कंपनी में विभिन्न पदों पर कार्य किया है ।

श्री कावेरी रेंगनाथन
सीईओ (बीसी)

श्री कावेरी रेंगनाथन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बेंगलूर कांप्लेक्स बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी से मैकेनिकल इंजीनियर हैं। इन्होंने दिनांक 6 अगस्त 1979 को मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में एचएएल में कार्यभार संभाला था । इन्हें दिनांक 1 अप्रैल 2015 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी बेंगलूर कांप्लेक्स के रूप में नियुक्त किया गया । इन्होंने अपने विगत 38 वर्षों की सेवा अवधि के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य किया ।

श्री दलजीत सिंह
सीईओ (एमसी)

श्री दलजीत सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिग कांप्लेक्स रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर से मैकेनिकल इंजीनियर हैं । इन्होंने दिनांक 6 अगस्त 1979 को मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में एचएएल में कार्यभार संभाला था । इन्हें दिनांक 1 अप्रैल 2015 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी, मिग कांप्लेक्स के रूप में नियुक्त किया गया । इन्होंने अपने विगत 38 वर्षों की सेवा अवधि के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य किया है ।

श्री राजीव कुमार
सीईओ (एसी)

श्री राजीव कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), उपसाधन कांप्लेक्स गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से मैकेनिकल इंजीनियर तथा लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन हैं । इन्होंने दिनांक 28 जुलाई 1980 को मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में कार्यभार संभाला था । इन्हें दिनांक 1 अप्रैल 2015 से मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उपसाधन कांप्लेक्स के रूप में नियुक्त किया गया । इन्होंने अपने विगत 37 वर्षों की सेवा अवधि के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य किया है ।

निदेशक मंडल
(29 जुलाई 2017 के अनुसार)

श्री टी. सुवर्ण राजु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एवं
निदेशक (प्रचालन) का अतिरिक्त कार्यभार

श्री वी एम चमोला
निदेशक (मानव संसाधन)

श्री डी के वेंकटेश
निदेशक (अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास)

श्री सी वी रमणा राव
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

श्री चंद्राकर भारती
संयुक्त सचिव (एरोस्पेस)
रक्षा मंत्रालय
सरकारी नामिती निदेशक

श्रीमती दीपाली खन्ना
स्वतंत्र निदेशक

कंपनी सचिव
श्री जी वी शेषा रेड्डी

प्रबंध समिति के सदस्य

श्री टी. सुवर्ण राजु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एवं
निदेशक (प्रचालन) का अतिरिक्त कार्यभार

श्री वी एम चमोला
निदेशक (मानव संसाधन)

श्री डी के वेंकटेश
निदेशक (अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास)

श्री सी वी रमणा राव
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

श्री वी सदगोपन
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (हेलिकॉप्टर कांप्लेक्स)

श्री कावेरी रेंगनाथन
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (बेंगलूर कांप्लेक्स)

श्री दलजीत सिंह
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (मिग कांप्लेक्स)

श्री राजीव कुमार
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (उपसाधन कांप्लेक्स)

बैंकर्स

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
स्टेट बैंक ऑफ त्रावनकोर
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर
पंजाब नेशनल बैंक
इंडियन बैंक
इंडियन ओवरसीज़ बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
एक्जिम बैंक
सिंडिकेट बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

सांविधिक लेखापरीक्षक

मेसर्स एस वेंकटराम एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

शाखा लेखापरीक्षक

मेसर्स राजीव नंदन एंड कम्पनी
शासपित्रत लेखाकार, कानपुर

मेसर्स जैन एंड त्रिपाठी एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, मुम्बई

मेसर्स कृष्णा एंड प्रसाद
शासपत्रित लेखाकार, हैदराबाद

मेसर्स गणेश एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स एससीएम एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार, भुवनेश्वर

मेसर्स एस एन साहा एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, कोलकाता

मेसर्स जे.एन.शर्मा एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, कानपुर

मेसर्स एमएनएस वाई कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स पी के सुब्रमणियम एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स फिलिपोस एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स बीएनपीएसवाई एंड एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार, लखनऊ

मेसर्स एन. एन. युवराज एंड एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स एन एन आर एंड कम्पनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स आर के तंत्री एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स विजय श्रीराम एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स बीएसडी एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स एसएनआर एंड कंपनी
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स वेणु एंड विनय
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

मेसर्स पी.चन्द्रशेखर
शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर

लागत लेखापरीक्षक

मेसर्स केपीआर एंड एसोसिएट्स
लागत लेखाकार, बेंगलूर

कानूनी सलाहकार

मेसर्स सुंदरस्वामी एंड रामदास
एडवोकेट्स, बेंगलूर

कर परामर्शदाता

मेसर्स प्राईस वाटरहॉउस कूपर्स
प्राइवेट लिमिटेड

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी

केयर रेटिंग्स

फिट्च ग्रुप
(इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्रा.लि.)

वित्तीय विशेषताएँ

क्र.सं.	विवरण	इकाई	02-03	03-04	04-05	05-06	06-07
क	**हमारे उपार्जन**						
	बिक्री-स्वदेशी	रुपये करोड़ में	3017	3585	4384	5155	7513
	निर्यात बिक्री	रुपये करोड़ में	104	215	150	186	271
	कुल बिक्री	रुपये करोड़ में	**3121**	**3800**	**4534**	**5341**	**7784**
	प्रगतिशील कार्य और व्यापारगत माल एवं एफजी में परिवर्तन	रुपये करोड़ में	357	-44	450	575	1418
	कुल योग	**रुपये करोड़ में**	**3478**	**3756**	**4984**	**5916**	**9202**
ख	**हमारे व्यय**						
	सामग्री की लागत	रुपये करोड़ में	1607	1674	2686	3313	5980
	मानव शक्ति लागत	रुपये करोड़ में	747	773	809	838	1055
	निवल प्रचालन लागत	रुपये करोड़ में	954	900	918	1014	1163
	निवल वित्तपोषण लागत	रुपये करोड़ में	-308	-247	-251	-452	-840
	मूल्यहास	रुपये करोड़ में	45	57	65	77	100
	कुल योग	**रुपये करोड़ में**	**3045**	**3157**	**4227**	**4790**	**7458**
ग	**हमारी बचत**						
	कर पूर्व लाभ	रुपये करोड़ में	433	599	757	1126	1744
	कर हेतु प्रावधान	रुपये करोड़ में	43	189	256	355	595
	विनियोजन के लिए करोपरांत लाभ	**रुपये करोड़ में**	**390**	**410**	**501**	**771**	**1149**
घ	**हमारा स्वामित्व**						
	निवल ब्लॉक	रुपये करोड़ में	435	515	526	730	1021
	अन्य परिसम्पत्तियाँ (निवल)	रुपये करोड़ में	2038	2451	3108	3854	4352
	कुल योग	**रुपये करोड़ में**	**2473**	**2966**	**3634**	**4584**	**5373**
ङ	**हमारे ऋण**						
	साम्या	रुपये करोड़ में	121	121	121	121	121
	आरक्षित निधि एवं अधिशेष	रुपये करोड़ में	1810	2121	2508	3050	3913
	शेयरधारियों की निधियाँ	रुपये करोड़ में	**1931**	**2242**	**2629**	**3171**	**4034**
	आस्थगित कर देयता	रुपये करोड़ में	167	354	624	1048	1335
	उधार	रुपये करोड़ में	374	366	363	364	4
	नकद साख ऋण	रुपये करोड़ में	1	5	18	1	-
	कुल योग	रुपये करोड़ में	**2473**	**2967**	**3634**	**4584**	**5373**
च	**नकद शेष**	रुपये करोड़ में					
	ग्राहक नकद	रुपये करोड़ में	-	-	-	-	-
	कंपनी नकद	रुपये करोड़ में	-	-	-	-	-
	कुल योग	रुपये करोड़ में	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
छ	**वित्तीय आंकड़े**						
	उत्पादन का मूल्य	रुपये करोड़ में	3478	3756	4984	5916	9202
	संवर्द्धित मूल्य	रुपये करोड़ में	1871	2082	2298	2603	3222
	लाभांश (कर सहित)	रुपये करोड़ में	88	92	114	229	285
	अनु. एवं विकास व्यय	रुपये करोड़ में	265	314	307	434	638
	सकल मार्जिन (ब्याज आय सहित)	रुपये करोड़ में	595	800	974	1408	2125
	सकल ब्लॉक	रुपये करोड़ में	1211	1344	1417	1695	2081
	माल सूची	रुपये करोड़ में	2395	2577	3509	4810	7223
	फुटकर देनदार	रुपये करोड़ में	510	990	1106	1404	1281
	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	31138	30450	29807	29668	31666
ज	**वित्तीय अनुपात**						
	प्रति कर्मचारी बिक्री	रुपये	1002312	1247947	1521119	1800256	2458157
	संवर्द्धित मूल्य प्रति कर्मचारी	रुपये	600874	683744	770960	877376	1017495
	बिक्री की तुलना में कर पूर्व लाभ	%	14	16	17	21	22
	उपार्जन प्रति शेयर	रुपये	32.37	34.02	41.58	63.98	95.35
	साम्या की प्रतिशतता के रूप में लाभांश (लाभांश कर सहित)	%	73	76	95	190	237

1. *भारतीय लेखा मानकों के अनुसार लेखों को पुनःवर्गीकृत किया गया है।
2. कंपनी ने दिनांक 30 मार्च 2016 को रु. 10/- प्रति शेयर के 12,05,00,000 साम्या शेयरों को वापस लिया है। प्रति शेयर के उपार्जन की गणना हेतु शेयरों की वापसी के प्रभाव को विचार में नही लिया है, क्यों कि मूल्य में कोई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन नही है।
3. कंपनी ने दिनांक 7 फरवरी 2014 को बोनस शेयरों के रूप में 36,15,00,000 साम्या शेयरों को जारी किया है।

07–08	08–09	09–10	10–11	11–12	12–13	13–14	14–15*	15–16*	16–17*
8284	9937	11252	12878	13856	13941	14688	15131	16140	17140
341	437	205	237	348	383	440	490	446	465
8625	10374	11457	13115	14204	14324	15128	15621	16586	17605
166	1437	2033	3335	–1511	–122	740	667	566	–501
8791	**11811**	**13490**	**16450**	**12693**	**14202**	**15868**	**16288**	**17152**	**17104**
4684	7636	9222	11772	5761	8008	9149	8882	9172	8692
1803	2543	1954	2246	2721	2446	2685	3379	3274	3569
1686	887	985	765	2813	2383	2349	2215	2734	1875
–1664	–1732	–1525	–1341	–2107	–2316	–2064	–1622	–1549	–880
118	142	166	169	177	184	171	262	314	266
6627	**9476**	**10802**	**13611**	**9365**	**10705**	**12290**	**13116**	**13945**	**13522**
2164	2335	2688	2839	3328	3497	3578	3172	3207	3582
532	595	721	725	789	500	885	784	1209	967
1632	**1740**	**1967**	**2114**	**2539**	**2997**	**2693**	**2388**	**1998**	**2615**
1080	1328	1466	1509	1556	1548	1582	1559	1697	1987
5585	6816	8163	9722	11260	13397	15794	13996	10137	12460
6665	**8144**	**9629**	**11231**	**12816**	**14945**	**17376**	**15555**	**11834**	**14447**
121	121	121	121	121	121	482	482	362	362
5163	6496	8003	9625	11218	13257	14533	14412	10657	12175
5284	**6617**	**8124**	**9746**	**11339**	**13378**	**15015**	**14894**	**11019**	**12537**
1379	1525	1505	1485	1477	1567	1682	661	815	960
2	2	–	–	–	–	679	–	–	950
–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6665	**8144**	**9629**	**11231**	**12816**	**14945**	**17376**	**15555**	**11834**	**14447**
						–			
–	–	–	–	16746	12804	11607	11372	10426	8956
–	–	–	–	5187	6324	5328	6299	2877	2165
–	**–**	**–**	**–**	**21933**	**19128**	**16935**	**17671**	**13303**	**11121**
8791	11811	13490	16450	12693	14202	15868	16288	17152	17104
4107	4175	4268	4678	6932	6194	6719	7406	7980	8412
383	407	460	493	946	957	1041	576	614	1104
662	675	832	987	968	1949	1083	1042	1191	1284
2651	2905	3383	3654	4051	4098	4181	3987	4070	4306
2255	2638	2934	3143	3363	3525	3729	4023	4460	5003
8615	10431	13660	17427	16153	17980	22361	24965	23998	21340
1486	1848	1858	2318	3917	5530	6917	6108	4837	4221
34323	34822	33990	33681	32659	32644	32108	31144	30300	29526
2512892	2979151	3370697	3893887	4349184	4387943	4711598	5015733	5473927	5962541
1196574	1198955	1255663	1388914	2122539	1897439	2092625	2377986	2633663	2849014
25	23	23	22	23	24	24	20	19	20
135.44	144.40	163.24	175.44	210.71	62.18	55.87	49.54	41.45	72.34
318	338	382	409	785	199	216	120	170	305

अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारको,

आपकी कंपनी की 54वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करना मेरे लिए अत्यंत गौरव की बात है । मैं इस वित्तीय वर्ष 2016–17 की वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करने तथा वार्षिक आम बैठक के अवसर पर आप सभी को संबोधित करने में अत्यंत प्रसन्नता एवं गौरव का अनुभव कर रहा हूँ।

आपकी कंपनी ने कारोबार संबंधी चुनौतीपूर्ण वातावरण में राजस्व एवं लाभ के बढ़े हुए लक्ष्यों को पूरा किया । कंपनी ने पिछले वर्ष की कुल बिक्री रु.16586 करोड़ की तुलना में 6% की वृद्धि के साथ रु.17605 करोड़ की कुल बिक्री प्राप्त की ।

निष्पादन परिदृश्य :

(रु. करोड़ में)

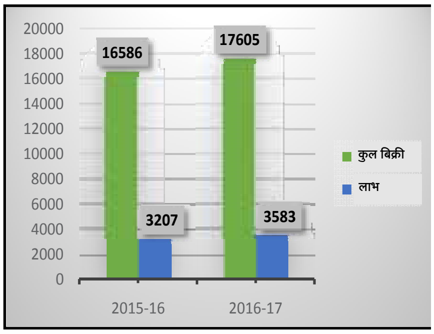

- पिछले वर्ष की तुलना में आपकी कंपनी का कर पूर्व लाभ रु.3207 करोड़ से बढकर 12% से भी अधिक की वृद्धि के साथ वर्ष 2016–17 हेतु रु.3,583 करोड़ रहा है ।
- वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपने विभिन्न प्रभागों में इंजनों एवं उपसाधनों के अतिरिक्त 56 नए विमानों तथा हेलिकॉप्टरों, जिसमें सुखोई 30 एम के आई, हॉक, एल सी ए तेजस, डॉर्नियर डी ओ–228, ए एल एच–ध्रुव, ए एल एच–डब्ल्यू एस आई–रुद्र तथा चीतल का भी विनिर्माण किया है। कंपनी ने वर्ष 2016–17 कच्चे माल के चरण से 13 सुखोई 30 एमकेआई हेतु सर्वथा उच्च उत्पादन प्राप्त किया है ।
- एल सी ए का पहला स्कवैड्रन, भारतीय वायु सेना का सं. 45 स्कवैड्रन फ्लाइंग डैगर्स दो एल सी ए तेजस विमान के प्रवेश के साथ बेंगलूर में 01 जुलाई, 2016 को प्रचालनीय हो गए। तीसरे एल सी ए तेजस विमान भी वर्ष 2016–17 में इस स्कवैड्रन में शामिल हुए। एच ए एल ने वर्ष 2016–17 में भारतीय वायु सेना को दो ए एल एच–डब्ल्यू एस आई (रुद्र) भी सुपुर्द किया । तदुपरांत, दिसंबर 2015 में भारतीय वायु सेना संस्करण (वर्ज़न) को प्रारंभिक प्रचालन संबंधी अनुमति के लिए भेजा गया ।
- बृहत अनुसंधान एवं विकास की उपलब्धियों में इस वर्ष के दौरान बेसिक प्रशिक्षक विमान (एच टी टी–40) की पहली उड़ान, हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एल यू एच) एफ ओ सी अपग्रेडेड मिराज 2000 विमान, अपग्रेडेड उन्नत जेट प्रशिक्षक हॉक–आई तथा जगुआर डेरिन–III अपग्रेड विमान हेतु प्रारंभिक प्रचालनीय अनुमति प्राप्त की गई है ।

- एच ए एल का कार्य निष्पादन इस वर्ष के दौरान रक्षा मंत्रालय के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत "उत्कृष्ट" रूप में अनंतिम रूप में आँका जाता है ।

लाभांश:

मुझे आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कंपनी ने 15 फरवरी, 2017 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में दिए गए अनुमोदन के पश्चात सचिव (आर्थिक कार्य), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय की अध्यक्षता में दिनांक 19 तथा 21 दिसंबर, 2016 को आयोजित बैठकों के कार्यवृत्तों के आधार पर वर्ष 2016-17 हेतु रु. 22.13 प्रति इक्विटी शेयर (221.30%) से रु.800 करोड़ का अंतरिम तथा अंतिम लाभांश (रु.163 करोड़ के लाभांश वितरण कर को छोड़कर) का कंपनी ने भुगतान किया है ।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

कंपनी ने उक्त वर्ष के दौरान कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं, जो निम्नवत हैं:-

- सुखोई-30 एम के आई विमान की पहली कैरेज उड़ान नए शस्त्रों के साथ संघटित रूप में दिनांक 25 जून, 2016 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।
- प्रथम एफ ओ सी अपग्रेडेड मिराज-2000 विमान ने नियत समय पर दिनांक 28 जुलाई, 2016 को अपनी पहली उड़ान भरी ।
- एच ए एल एयरपोर्ट, बेंगलूर में 23 दिसंबर, 2016 को ऊर्जा का उपयोग करने के उद्देश्य से संस्थापित 12,985 मॉड्यूल सहित 2 एकड़ में फैले 3.5 मेगावाट सोलर पॉवर प्रोजेक्ट का उद्घाटन 23 दिसंबर, 2016 को किया गया ।
- एच ए एल ने दिनांक 25 जनवरी, 2017 को हॉक-आई के रूप में पुनर्नामित प्रथम स्वदेशी रूप से अपग्रेडेड हॉक एम के-132 विमान को रोल आउट किया है, तत्पश्चात दिनांक 01 फरवरी, 2017 को इसकी पहली उड़ान संपन्न हुई ।

हॉक-आई को दिनांक 25 जनवरी, 2017 को रोल्ड आउट किया गया

- एच ए एल ने दिनांक: 17 फरवरी, 2017 को जगुआर विमान से डेरिन–III स्टैंडर्ड के सफल अपग्रेडेड रूप के लिए उड़न योग्यता एवं प्रमाणन केन्द्र (सेमिलैक) से प्रारंभिक प्रचालनीय अनुमति (आई ओ सी) प्राप्त की ।

- एरो इंडिया–2017 में, माननीय रक्षा मंत्री ने दिनांक 14 फरवरी, 2017 को सैन्य एवं असैन्य भूमिका दोनों के लिए एच ए एल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किए जाने के लिए योजनाबद्ध भारतीय बहु–भूमिका हेलिकॉप्टर के पूर्ण पैमाने पर अभ्यास (मॉक–अप) का अनावरण किया ।

- एच ए एल ने पहली बार 2000 उड़ान घंटों की समाप्ति पर हॉक एम के–132 विमान के बृहत मरम्मत/सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं तथा उक्त विमान दिनांक 20 मार्च 2017 को संविदात्मक शेड्यूल से तीन माह पहले सफलतापूर्वक उड़ान भरी ।

- एच ए एल ने उक्त वर्ष के दौरान कुल 70 पुरस्कार (कंपनी स्तर पर–18, प्रभाग स्तर पर–48 तथा व्यक्तिगत स्तर पर–4 प्राप्त किए हैं ।

भारत एवं रूस ने सुखोई–30 एमकेआई संबंधी बेड़े के लिए अनुरक्षण सहायता हेतु 17–18 मार्च, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित इंडो–रशियन सैन्य औद्योगिक सम्मेलन में दीर्घकालिक आपूर्ति संविदाओं पर हस्ताक्षर किया

नई पहल:

आपकी कंपनी द्वारा सर्वांगीण उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु कई नई पहल की गई हैं । मुख्य पहल निम्नवत हैं:

- हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड तथा सैफ्रान हेलिकॉप्टर इंजन, फ्रांस के माध्यम से निर्मित संयुक्त उद्यम कंपनी हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राईवेट लिमिटेड को गोवा में सुनियोजित सुविधाओं सहित 18 अगस्त, 2016 को निगमित किया गया । यह संयुक्त उद्यम भारतीय रक्षा सेवाओं द्वारा प्रचालित एच ए एल – निर्मित हेलिकॉप्टर पर संस्थापित सैफ्रान टी एम 3332 बी 2 तथा एच ए एल शक्ति इंजनों हेतु अनुरक्षण, मरम्मत एवं पुनर्कल्पन (एम आर ओ) सेवाएँ प्रदान करेगा।

- भारत में कामोव हेलिकॉप्टरों के संयुक्त उद्यम हेतु रूसी हेलिकॉप्टरों (आर एच), रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आर ओ ई) के साथ दिनांक: 02 मई, 2017 को निगमित किया गया।

- हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड (एच सी एल) की रुग्ण यूनिट का भार ग्रहण करते हुए नैनी एरोस्पेस लिमिटेड (एन ए ई एल) के रूप में एच ए एल की एक पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी स्थापित की गई है तथा इसमें ए एल एच के लिए लूम विनिर्माण संबंधी कार्यकलाप किया जा रहा है।

डॉर्नियर 228– सिविल रूपांतर (वेरिएंट)

- ➢ एच ए एल ने भारत सरकार के क्षेत्रीय संबद्धता योजना (आर सी एस) उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान–यू डी ए एन) के अंतर्गत डॉर्नियर–228 के वांछित प्रचालन हेतु एयर इंडिया को प्रस्ताव भेजा है ।

- ➢ माननीय नागर विमानन राज्य मंत्री, श्री जयंत सिन्हा द्वारा दिनांक 10 दिसंबर, 2016 को कानपुर प्रभाग, एच ए एल में डॉर्नियर डी ओ–228 (सिविल रूपांतर) की संरचनात्मक संयोजन (स्ट्रक्चरल एसेंब्ली) का उद्घाटन किया गया ।

- ➢ एच ए एल वर्तमान में आंतरिक निधि का उपयोग करके प्रौद्योगिकी निदर्शक विशेषताओं, कंपोजिट प्रोपेलर, उच्चतर स्तर की क्षमता वाले टी पी ई 331–10 इंजन के रूप में इस उद्देश्य से 02 डॉर्नियर–228 (सिविल) विमान का विनिर्माण कर रहा है ।

ग्राहक सहायता:

- ➢ एच ए एल ने 09 मई, 2016 को ए एल एच बेड़े हेतु एम आर ओ हब को स्थापित करने के लिए भारतीय थल सेना के साथ समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए हैं। उपरोक्त एम आर ओ हब भारतीय वायुसेना के उत्तरी एवं पूर्वी कमांडों के ए एल एच बेड़े हेतु तत्काल मरम्मत एवं अनुरक्षण सहायता प्रदान करने हेतु मौजूदा ए एल एच स्क्वैड्रॉन के साथ मैमन (पंजाब) एवं मिस्सामारि (असम) में सक्रिय हैं ।

- ➢ ए एल एच के चरण–I के कार्यकलापों के लिए मैमन में एम आर ओ हब के प्रचालनीकरण से स्वस्थाने मरम्मत कार्यकलापों के स्तर को बढ़ाने में सहायता मिली ।

- ◆ **बाह्यस्रोत–** एल सी ए तेजस के बृहद मॉड्यूलों को एल एंड टी से विंग्स, वीईएम टेक्नोलॉजिस से सेंट्रल फ्यूजलेज, अल्फा टोकोल से रियर फ्यूजलेज तथा डाइनामैटिक टेक्नोलॉजिस आदि से फ्रंट फ्यूजलेज जैसे मॉड्यूल सफलतापूर्वक प्राप्त किए गए हैं तथा विमान की वार्षिक उत्पादन क्षमता में सुनियोजित वृद्धि इनकी सफलता में सहायक सिद्ध होगी ।

- ◆ **कौशल भारत हेतु प्रेरक–** चित्रदुर्ग में अक्टूबर–2016 से प्रारंभ किए गए एच ए एल – भारतीय विज्ञान संस्थान (आई आई एस सी) कौशल विकास केंद्र विभिन्न स्तरों पर युवाओं के लिए कौशल एवं सुअवसर प्रदान करने एवं मान्यता की दृष्टि से प्रभावकारी रहेगा ।

- ◆ **निष्पादन आधारित लॉजिस्टिक (पी बी एल)–** एच ए एल ने भारतीय तटरक्षक के लिए 16 हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति हेतु मार्च 2017 में ए एल एच के लिए पी बी एल के माध्यम से रक्षा उपस्कर अनुरक्षण में नये अध्याय की शुरुआत की है ।

एएलएच ध्रुव व्हील्ड वर्जन

भावी दृष्टिकोण

विश्व बैंक की रिपोर्ट ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्टिव – जनवरी, 2017 तथा इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आई एम एफ) वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक – जनवरी, 2017 के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में तीव्रता के साथ बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में रही है । वर्ष 2017–18 एवं 2019 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7% से भी अधिक की वृद्धि होने की आशा है ।

विगत वर्षों में भारत सरकार ने प्रगामी वृद्धि प्राप्त करने हेतु उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित करने हेतु भारतीय एरोस्पेस एवं रक्षा उद्योग एवं नागर विमानन उद्योग हेतु कई सुधारों को लागू किया है। हाल के वर्षों में, कई वैश्विक एरोस्पेस एवं रक्षा कम्पनियों ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग बेस को बढ़ाने तथा भारतीय एरोस्पेस तथा रक्षा एवं नागर विमानन बाजारों में भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल और आ रहे सुअवसरों पर केन्द्रित करने के लिए स्थानीय भारतीय कम्पनियों के साथ भागीदारी की है।

बदल रहे आर्थिक एवं कारोबार संबंधी वातावरण को देखते हुए, एच ए एल ने सरकार की पहल के अनुरूप रणनीति तैयार की है तथा उन्हें कंपनी के हितों में वृद्धि की दृष्टि से कार्यान्वित किया जा रहा है तथा भारतीय एरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण उद्योग के विकास में सहायता प्रदान की जा रही है।

देश में बृहद एरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र उद्यम के रूप में, कंपनी ने निम्नलिखित पहल की है:–

- विमान, इंजन एवं संबद्ध प्रणालियों के विनिर्माण के साथ–साथ मरम्मत व ओवरहॉल के लिए अपेक्षित कम्पोनेंट, उपसाधन तथा प्रणालियों के स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित करने हेतु अभिकल्प एवं विकास पर बल दिया जाना ।
- अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में देश की उन्नति में तीव्रता लाने हेतु डी आर डी ओ स्थापनाओं, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं एवं अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के साथ सामरिक भागीदारी ।
- बृहत लोक निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वेंडर विकास संबंधी प्रयासों पर केन्द्रित किया गया तथा देश में सशक्त मैन्युफैक्चरिंग वेंडर बेस को विकसित करने के लिए एच ए एल अग्रणी भूमिका अदा करेगा ।
- रक्षा के क्षेत्र में भागीदारी के स्तर को बढ़ाने हेतु सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एम एस एम ई) सहित निजी क्षेत्रों को प्रोत्साहित करना:

- भारत सरकार की पहल के अनुरूप कंपनी ने अपनी क्रय नियमावली में अनुकूल नीतिगत उपायों को समावेशित किया है ।
- कंपनी ने अभिकल्पन एवं विकास संबंधी कार्यकलापों एवं विनिर्माण कार्यकलापों को बाह्यस्रोत के माध्यम से किए जाने में वृद्धि की है ।
- कंपनी ने मेक इन इंडिया के अंतर्गत स्वदेशीकरण हेतु निजी उद्योग के लिए सुअवसर भी प्रदान किए हैं ।

- राष्ट्रीय नागर विमानन नीति – 2016 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा की गई पहल को देखते हुए, एच ए एल ने अपने डॉर्नियर डी ओ–228 सिविल वेरियंट एयरक्राफ्ट के साथ सिविल सेगमैंट में विविधीकरण हेतु योजना तैयार की है ।

गोवा में दिनांक 15 अक्टूबर 2016 को आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2016 के दौरान भारत में कामोव हेलिकॉप्टर के संयुक्त उत्पादन हेतु करार हस्ताक्षरित

अनुसंधान एवं विकास

आपकी कंपनी ने आ रही प्रौद्योगिकीय चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रौद्योगिकी विकास पर केन्द्रित किया जाना जारी रखा है । इन चुनौतियों में एच ए एल को नये उत्पादों को विकसित करना होगा। अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों में प्रगति करते हुए, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2016–17 में रु.1284 करोड़ का कुल व्यय किया है, जो कि कुल बिक्री का 7% है ।

एच ए एल विमानन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता लाने हेतु भागीदारी रणनीति को निखारने में डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं, सी एस आई आर – एन ए एल, सीपेट, आई आई टी एवं आई आई एस सी जैसे अग्रणी अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ संयुक्त रूप से कार्य कर रहा है। अनुसंधान एवं विकास में वृद्धि हेतु अपने सतत प्रयासों में आपकी कंपनी ने आई आई टी मद्रास, आई आई टी रूड़की, आई आई टी खड़गपुर, आई आई टी मुम्बई, आई आई टी कानपुर तथा आई आई एस सी बेंगलूर में पीठों की स्थापना की है ।

आपकी कंपनी ने वर्ष 2016–17 के दौरान अनुसंधान एवं विकास मूल निधि (आर एंड डी कॉर्पस) में अंशदान हेतु आर एंड डी रिजर्व के लिए रु.197 करोड़ की धनराशि (अर्थात कर उपरांत प्रचालन लाभ स्वरूप रु.1966 करोड़ का 10%) अंतरित की है । आपकी कंपनी ने अपनी अनुसंधान एवं विकास संरचना को पुनर्गठित एवं सशक्त किया है । बोर्ड की उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी एवं अभिकल्पन नीति संबंधी समिति कंपनी के अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रयासों का मार्गदर्शन करती है । प्रोजक्टों एवं टैक्नोलॉजिज को संस्वीकृति प्रदान करते हुए उनकी समीक्षा करती है और यह कार्य नियमित आधार पर किया जाना है ।

आपकी कंपनी ने कई अनुसंधान एवं विकास/विकास प्रोजेक्टों नामत: हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एल यू एच), हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एलयूएच), हलका लड़ाकू विमान (एल सी ए), हिन्दुस्तान टर्बोप्रॉप प्रशिक्षक विमान (एच टी टी–40), पाँचवीं पीढ़ी लड़ाकू विमान (एफ जी एफ ए, जगुआर डेरिन–III अपग्रेड), मिराज–2000 अपग्रेड, यू ए वी तथा इंजनों के विकास जैसी मुख्य प्रगति प्राप्त की है ।

उक्त वर्ष के दौरान, एच ए एल ने निम्नलिखित के संबंध में अभिकल्प एवं विकास कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया है:

- सुखोई–30 एम के आई संबंधी शस्त्रों से भारित करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया,
- जगुआर, डेरिन–II रूपांतर संबंधी स्मार्ट प्रणालियों का एकीकरण कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया,
- एल सी ए के लिए गैस टर्बाइन यूनिट तथा जगुआर व हॉक के लिए एयर टर्बाइन स्टार्टर, जी एस आई के सिविल ध्रुव हेलिकॉप्टर को उन्नत हेलिबोर्न जियो फिजीकल सेंसर के साथ एकीकृत किया गया है ।
- ए एल एच के नेवल प्रोटोटाइप संबंधी आई ए डी एस का एकीकरण ।
- एयरबोर्न कंप्यूटरों हेतु स्वदेशी रियल टाइम ऑपरेटिंग सिस्टम (आर टी ओ एस) तथा
- विभिन्न सामग्रियों के साथ इंजन कंपोनेंट के प्रोटोटाइप विनिर्माण में प्रयुक्त 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी (एडीटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस)

एच ए एल ने उन प्रौद्योगिकियों एवं प्रक्रियाओं के मूल्यांकन एवं उन्हें पहचानने के लिए कंपनी भर में एक अभियान जारी रखा है, जो अपनी बौद्धिक सम्पदा क्षेत्र का निर्माण करेगा । उक्त वर्ष के दौरान एच ए एल ने 148 आई पी आर आवेदनों को दायर किया है, जो कंपनी द्वारा दायर आई पी आर की संचयी संख्या के रूप में 1425 हो जाएंगे । इसके अतिरिक्त, उक्त वर्ष के दौरान 15 आई पी आर को मंजूरी दी गई है तथा संगठन द्वारा धारित संचयी आई पी आर की संख्या 56 है ।

नैगम शासन

आपकी कंपनी सदैव नैगम शासन पद्धति के उच्चतम मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है । एच ए एल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए लोक उद्यम विभाग द्वारा निर्धारित नैगम शासन संबंधी सरकारी दिशानिर्देशों का वास्तव में अनुपालन कर रहा है। तथापि, निदेशकों के रिक्त पद को भरने से संबंधित कार्रवाई सरकारी स्तर पर प्रकियाधीन है, जो कि नैगम शासन की एक जरूरत है । बोर्ड की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में नैगम शासन अनुपालन संबंधी रिपोर्ट को रखा गया है । आपकी कंपनी नैगम शासन के विभिन्न मानदंडों के अनुपालन हेतु लोक उद्यम विभाग (डीपीई) से उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त करती रही है । आपकी कंपनी अपने पणधारियों के अधिकतम लाभ के लिए सतत रूप से कार्य कर रही है तथा कंपनी ने इन उत्तरदायित्वों को पूरा करने हेतु अपने नैगम आचरण को भी इसके अनुकूल बनाया है । कंपनी ने अपनी नीतियों के बारे में निदेशक मंडल को स्पष्ट रूप से सूचित करने के सुनिश्चयन हेतु प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को प्रभावी रूप से स्थापित किया है, ताकि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी कर सके तथा सभी पणधारियों के मूल्यों में सकल रूप से वृद्धि हो सके ।

नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत सुधार विकास

आपकी कंपनी अच्छे कार्पोरेट नागरिक (गुड कार्पोरेट सिटीजन) के रूप में अपने नैगम सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के प्रति वचनबद्ध है । उक्त वर्ष के दौरान सी एस आर कार्यकलापों पर रु.67.96 करोड़ की धनराशि व्यय की गई है । उक्त वर्ष के दौरान सम्पन्न कुछ कार्यकलाप समीक्षाधीन हैं, जो निम्नवत हैं:

- कुमदावती नदी पुनरूद्धार परियोजना की पहल वर्ष 2014–15 के दौरान इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज (आई ए एच वी), आर्ट ऑफ लिविंग, गैर सरकारी संगठन के सहयोग से की गई। एच ए एल ने कुल 18 मिनी वाटर शेड्स में से 4 मिनी वाटर शेड्स (वर्ष 2014–15 से वर्ष 2016–17 तक) को कार्यान्वित किया था। जैसा कि पुनरुद्धार प्रयासों के माध्यम से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं तथा आस–पास के क्षेत्रों में जलसारणी (वाटर टेबल) में सुधार हो रहा है, वर्ष 2017–18 के दौरान 2 और वाटर शेडों के कार्यान्वयन को प्रारंभ किया गया है।

- गुब्बि तालुक, तुमकुर जिला, कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में प्राय: बिजली की आपूर्ति लंबे समय से बाधित रही । स्कूलों के संसाधनों की प्रभावी उपयोगिता को समर्थ बनाने हेतु स्कूलों के लिए बैटरी बैकअप के साथ ऑफ–ग्रिड रूफ टॉप सोलर पावर सिस्टम प्रदान करने का निर्णय लिया गया। प्राप्त प्रतिक्रिया एवं अनुरोध के आधार पर उक्त परियोजना को वर्ष 2016–17 के दौरान 27 और सरकारी स्कूलों में कार्यान्वित किया गया था ।

- उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विकसित करने हेतु युवा प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रश्न पर, वर्ष 2015–16 के दौरान 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों (अंडर 15) के लिए एक फुटबाल एकेडमी की स्थापना की गई । आगे वर्ष 2016–17 में 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों (अंडर 18) का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया । इसका उद्देश्य बड़े राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को चुनना एवं उन्हें विकसित करने के साथ–साथ उन्हें क्षमतावान बनाना है । व्यावसायिक रूप से विकसित करने के अतिरिक्त युवा खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास पर बल देना है । अंडर–15 आयु के अंतर्गत 21 खिलाड़ियों एवं अंडर–18 आयु के अंतर्गत 15 खिलाड़ियों की क्षमता का ही प्रावधान है । 31 मार्च, 2017 के अनुसार, अंडर–15 के अंतर्गत 21 एवं अंडर–18 के अंतर्गत 15 खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे ।

- कंपनी ने चरण–1 के कार्यकलापों के अंतर्गत (वर्ष 2015–16 से 2019–20 तक) रु.73.70 करोड़ के अनुमानित बजट में चल्लकेरे, चित्रदुर्ग जिला कर्नाटक में आई आई एस सी के नये परिसर में एच ए एल – आई आई एस ई कौशल विकास केन्द्र को स्थापित करने हेतु आई आई एस सी बेंगलूर के साथ समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) किया गया था । यह पहल 'मेक इन इंडिया' मिशन के अनुरूप अनेक स्तर पर एरोस्पेस, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्त्वपूर्ण इंजीनियरिंग क्षेत्रों में क्रिटीकल ट्रेनिंग अंतरों को पूरा करेगी ।

- जिलाधीश की संस्तुति के आधार पर एच ए एल एवियॉनिक्स प्रभाग, हैदराबाद द्वारा विकास हेतु मुरली नगर (गाँव), रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना राज्य को लिया गया है। इस गाँव में उपलब्ध सामान्य जल फ्लोरॉइड से संदूषित है, जिसके कारण हड्डियों से संबंधित बीमारियाँ हो रही हैं। गाँव में समुदाय के लिए रिवर्स ऑसमॉसिस प्लांट की स्थापना की गई, जो स्वाइपिंग कार्ड के साथ ऑटोमैटिक मशीन के माध्यम से प्रति परिवार प्रतिदिन 20 लीटर जल प्रदान करता है ।

5 राज्य स्तरीय धनुर्विद्या चैंपियनशिप 16–17, कोरापुट, उड़ीसा

बाल चिकित्सा वार्ड, जीवीएसएम अस्पताल कानपुर का नवीकरण

बरौलिया कोरवा में पक्की सड़क का निर्माण

चिकित्सा शिविर, मुरलीनगर, हैदराबाद

आभार

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, हमें वांतरिक्ष उद्योग में महत्त्वपूर्ण वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनने के लिए विभिन्न उपलब्धियों का अनुसरण करते हुए उससे आगे निकलना है। मुझे विश्वास है कि सभी पणधारियों के सतत समर्थन एवं प्रोत्साहन से, कंपनी सभी क्षेत्रों के अपने कार्यकलापों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगी ।

मैं रक्षा उत्पादन, रक्षा अर्जन, रक्षा वित्त विभाग, नागर विमानन विभाग, हमारे महत्त्वपूर्ण ग्राहकों नामतः भारतीय वायु सेना, थलसेना, नौसेना, तटरक्षक, सीमा सुरक्षा बल एवं अन्य वैश्विक विमानन कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हमें समय–समय पर सहायता प्रदान की है ।

मैं डीजीएक्यूए, सीईएमआईएलएसी (सेमिलैक), प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक, प्रधान वाणिज्यिक लेखा परीक्षा निदेशक, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, सांविधिक एवं शाखा लेखा परीक्षक, बैंकर्स, विधि सलाहकार, सहयोगियों, आपूर्तिकर्ताओं एवं अन्य एजेंसियों को धन्यवाद देता हूँ तथा हमारी उपलब्धियों में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूँ ।

अंत में, महत्त्वपूर्ण रूप से, मैं बोर्ड के अपने सहकर्मियों के प्रति उनके मार्गदर्शन प्रदान करने एवं प्रोत्साहित करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ तथा कंपनी के कर्मचारियों की निष्ठा हेतु भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ ।

जय हिन्द

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक: 29.07.2017

वार्षिक आम बैठक की सूचना

एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित कारोबार के उद्देश्य से दिनांक 29 जुलाई, 2017, शनिवार को 1300 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय 15/1 कब्बन रोड, बेंगलूर – 560001 में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के सदस्यों की 54 वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की जाएगी :–

सामान्य कारोबार

1. प्राप्त करना, विचार करना एवं स्वीकार करना :

   (क) 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष हेतु संपरीक्षित वित्तीय विवरणों एवं उस पर निदेशक मंडल एवं लेखापरीक्षकों की रिपोर्टों ; एवं

   (ख) 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु कंपनी के संपरीक्षित समेकित वित्तीय विवरण एवं उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट ।

2. अंतिम लाभांश के रूप में वित्तीय वर्ष 2016–17 हेतु रु.22.13 साम्या शेयर के अंतरिम लाभांश के भुगतान सहित रु.800 करोड़ की पुष्टि ।

3. भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी आदेशों एवं निदेशों के अनुपालन हेतु वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों के पारिश्रमिक के निर्धारण हेतु निदेशक मंडल को प्राधिकृत किया जाना ।

विशेष कारोबार :

4. श्री चंद्राकर भारती (डीआईएन 02599261) को कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त करने हेतु तथा इस संबंध में विचार करने हेतु तथा यदि उपयुक्त पाया गया, तो निम्नलिखित संकल्प को **साधारण संकल्प** के रूप में बिना संशोधन अथवा संशोधनों के साथ पारित किए जाने हेतु :

   संकल्प किया जाता है कि कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 152 के उपबंधों तथा अन्य लागू उपबंधों, यदि कोई हो, उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में, भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2017 के पत्र संख्या 49016/4/2016–डी (एचएएल – III) के अनुसार श्री चंद्राकर भारती, (डीआईएन 02599261), भारत सरकार द्वारा निर्धारित विनियम एवं शर्तों के अनुसार जिन्हें सरकारी नामिती निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया ।

5. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 एवं सभी अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में, वित्तीय वर्ष 2016–17 हेतु कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा नियुक्त लागत लेखापरीक्षक के देय पारिश्रमिक के अनुसमर्थन में निम्नलिखित संकल्प को **साधारण संकल्प** के रूप में बिना संशोधन(नों) अथवा संशोधनों के साथ पारित किए जाने हेतु :

   संकल्प किया जाता है कि कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक नियमावली) 2014 के नियम 14 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 (3) के उपबंधों तथा कंपनी अधिनियम 2013 के अन्य लागू उपबंधों के अनुसार में, रु. 2,50,000/–(दो लाख पचास हजार मात्र) (सबको शामिल करते हुए) का पारिश्रमिक है और इसका अनुसमर्थन भी किया जाता है, जिसमें वित्त वर्ष 2016–17 हेतु कंपनी की लागत लेखापरीक्षा करने के लिए मेसर्स केपीआर एंड एसोसिएट्स, लागत लेखा लेखाकार को देय लागू सेवा कर शामिल नहीं है, जिसे दिनांक 6 सितंबर 2016 को आयोजित 399वीं बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन प्राप्त किया था ।

6. संस्था के अंतर्नियम में परिवर्तन करने के लिए निम्नलिखित संकल्प को **विशेष संकल्प** के रूप में बिना संशोधन(नों) अथवा संशोधनों के साथ पारित किए जाने हेतु :

   "**संकल्प किया जाता है कि** कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 14 के उपबंधों तथा अन्य लागू उपबंधों, यदि कोई हो, उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में तथा कंपनी के संस्थागत अंतर्नियमों के परिवर्तन हेतु पूर्व में जारी संकल्पों के उन्मूलन हेतु, कंपनी के सदस्यों एवं मौजूदा

संस्थागत अंतर्नियमों को अनुबंध–1 में संलग्न नए नियमों के साथ परिवर्तन, संशोधन तथा प्रतिनियुक्ति करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया जाता है तथा नए अंतर्नियम में उपलब्ध विनियमों को अनुमोदित किया जाता है तथा कंपनी के संस्थागत अंतर्नियमों के रूप में अपनाया जाता है ।"

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

जी वी. शेषा रेड्डी

(जी वी शेषा रेड्डी)
कंपनी सचिव

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक : 17 जुलाई 2017

नोट:

1) कोई सदस्य, जो बैठक में उपस्थित होने तथा वोट देने के लिए पात्र है, वह स्वयं के स्थान पर किसी परोक्षी को बैठक में उपस्थित होने तथा वोट देने हेतु नियुक्त करने का पात्र है तथा ऐसे नियुक्त किए गए परोक्षी को कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है । विधिवत भरा गया परोक्षी फार्म बैठक के समय से 48 घंटे पूर्व, पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए ।

   कोई भी व्यक्ति, सदस्यों की ओर से जिनकी संख्या पचास से अधिक न हो और जिसके पास मताधिकार संपन्न कुल शेयर पूँजी दस प्रतिशत से अधिक न हो, परोक्षी के रूप में कार्य कर सकता है । कंपनी की कुल शेयर पूँजी का दस प्रतिशत से अधिक शेयर रखनेवाला सदस्य परोक्षी के रूप में किसी एक सदस्य को नियुक्त कर सकता है तथा ऐसा व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति या सदस्य के परोक्षी के रूप में कार्य नहीं करेगा ।

2) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 102(1) के अंतर्गत यथापेक्षित ठोस तथ्यों को निर्धारित करने हेतु स्पष्टीकरण विवरण इसके साथ संलग्न है ।

3) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 170 के अंतर्गत रखी गई निदेशकों की शेयरधारिता से संबंधित पंजी तथा धारा 189 के अंतर्गत रखी गई संविदाओं की पंजी बैठक में सदस्यों द्वारा निरीक्षण हेतु उपलब्ध होंगी ।

स्पष्टीकरण विवरण

मद सं.4

श्री चंद्राकर भारती (डीआईएन 02599261), संयुक्त सचिव (एरोस्पेस), रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग को भारत के राष्ट्रपति द्वारा रक्षा मंत्रालय के दिनांक 27 अप्रैल 2017 के पत्र संख्या 49016/4/2016 –डी(एचएएल – III) के अनुसार, श्री राजीब कुमार सेन के स्थान पर सरकारी नामिती निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया ।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 152(2) के उपबंधों के अनुसरण में कंपनी के प्रत्येक निदेशक को कंपनी की आम बैठक में नियुक्ति की जानी है । अतः भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित समान विनियम एवं शर्तों पर श्री चंद्राकर भारती को सरकारी नामिती निदेशक के रूप में नियुक्ति के विनियमितीकरण हेतु शेयरधारकों का अनुमोदन वांछित है ।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 164 के अनुसार निदेशक के रूप में श्री चंद्राकर भारती को नियुक्त किए जाने के लिए अयोग्य नहीं ठहराया जाता है ।

कंपनी के किसी भी निदेशक, महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक अथवा उनके संबंधियों के सिवाय श्री चंद्राकर भारती, उक्त संकल्प में किसी भी प्रकार से वित्तीय रूप से अथवा अन्यथा रूप में संबद्ध, इच्छुक नहीं है ।

निदेशक मंडल आपके अनुमोदन हेतु साधारण संकल्प की संस्तुति करता है ।

मद सं. 5

बोर्ड ने लेखापरीक्षा समिति की संस्तुतियों के आधार पर, दिनांक 6 सितंबर 2016 को आयोजित अपनी 399 वीं बैठक में वित्त वर्ष 2016–17 हेतु कंपनी की लागत लेखापरीक्षा करने के लिए मेसर्स केपीआर एंड एसोसिएट्स, लागत लेखाकार, बेंगलूर को देय लागू सेवा कर शामिल नहीं करते हुए रु. 2,50,000/–(दो लाख पचास हजार मात्र) (सबको शामिल करते हुए) के पारिश्रमिक पर नियुक्ति हेतु अनुमोदन प्रदान किया है ।

कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक नियमावली) 2014 के नियम 14 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 (3) के उपबंधों तथा कंपनी अधिनियम 2013 के अन्य लागू उपबंधों के अनुसार में, कंपनी के सदस्यों द्वारा लागत लेखापरीक्षक को देय पारिश्रमिक का अनुसमर्थन किया जाना है ।

कंपनी के किसी भी निदेशक, महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक अथवा उक्त संकल्प में किसी भी प्रकार से वित्तीय रूप से अथवा अन्यथा रूप में संबद्ध, इच्छुक नहीं है ।

निदेशक मंडल आपके अनुमोदन हेतु साधारण संकल्प की संस्तुति करता है ।

मद सं. 6

भारत सरकार के निर्णय को ध्यान में रखते हुए, बिक्री हेतु प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी के 10 प्रतिशत शेयर को विनिवेश करने हेतु, कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसरण में कंपनी के संस्था के अंतर्नियमों को परिवर्तन करने की आवश्यकता है । उक्त संस्था के अंतर्नियमों को भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) (पूँजी एवं अप्रकटित आवश्यकताएँ) विनियम, 2009 के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेज/डीआरएचपी सहित भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) एवं शेयर बाजार के साथ दायर किया जाएगा ।

निदेशक मंडल ने दिनांक 29 जून 2017 को आयोजित अपनी 405 वीं बैठक में बशर्तें शेयरधारकों के अनुमोदन पर, कंपनी के अंतर्गत संस्था के अंतर्नियमों के परिवर्तन के संबंध में अनुमोदन प्रदान किया । तदनुसार, कंपनी अधिनियम 2013 एवं सेबी आवश्यकताओं के अनुसरण में कंपनी में संस्था के अंतर्नियमों में परिवर्तन किए जाने का प्रस्ताव है । परिवर्तित संस्था के अंतर्नियम कारोबार समय के दौरान कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में सदस्यों के लिए निरीक्षण हेतु उपलब्ध है ।

कंपनी के किसी भी निदेशक, महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक अथवा उक्त संकल्प में किसी भी प्रकार से वित्तीय रूप से अथवा अन्यथा रूप में संबद्ध, इच्छुक नहीं है ।

निदेशक मंडल आपके अनुमोदन हेतु विशेष संकल्प की संस्तुति करता है ।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

(जी वी शेषा रेड्डी)
कंपनी सचिव

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक : 17 जुलाई 2017

प्रपत्र सं. एमजीटी–11

परोक्षी प्रपत्र

[कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 105(6) तथा कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमावली 2014
के नियम 19(3) के अनुसरण में]

सीआईएन: **U35301K-1963GOI001622**
कंपनी की नाम: **हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड**
पंजीकृत कार्यालय : **15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर – 560 001**

सदस्य (यों) के नाम) : पंजीकृत पता: ई मेल आईडी : पृष्ठ संख्या: डीपी आईडी :

उपरोक्त नाम की कंपनी के................................शेयर के सदस्य होने के नाते मैं /हम, एतत द्वारा नियुक्त करता हूँ

1. नाम : ....
 पता :
 ई–मेल आईडी:
 हस्ताक्षर :... अथवा उनके न रहने पर

जैसा कि मेरे/हमारे परोक्षी के भाग लेने तथा 15/1 कब्बन रोड, बेंगलूर – 560001 में शनिवार, 29 जुलाई 2017 को 1300 बजे आयोजित होनेवाली कंपनी की 54 वीं वार्षिक आम बैठक में मेरी/हमारी ओर से तथा मेरे/हमारे लिए वोट (निर्वाचन प्रक्रिया में) देने तथा ऐसे संकल्पों के संबंध में उसके किसी स्थगन पर निम्नलिखित बिंदु दर्शाए गए हैं :

सामान्य कारोबार

संकल्प सं.

1. 31 मार्च 2017 हेतु वित्तीय विवरण को अपनाना ।
2. अंतरिम लाभांश की पुष्टि करने हेतु ।
3. वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों के पारिश्रमिक के निर्धारण हेतु

विशेष कारोबार

संकल्प सं.

4. कंपनी के निदेशक के रूप में श्री चंद्राकर भारती (डीआईएन: 02599261) को नियुक्त करना
5. लागत लेखापरीक्षक को देय पारिश्रमिक का अनुसमर्थन करना
6. कंपनी के संस्था के अंतर्नियम को परिवर्तन करना

दिन .... , ... 20...... को हस्ताक्षरित

शेयर धारक का हस्ताक्षर

राजस्व टिकट लगाएँ

परोक्षी धारक (कों) के हस्ताक्षर

नोट :

इस परोक्षी प्रपत्र को प्रभावी बनाने हेतु विधिवत रूप से भरकर बैठक के प्रारंभ होने के समय से न्यूनतम 48 घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए ।

बोर्ड का प्रतिवेदन

सेवा में

सदस्यगण,

आपके निदेशक 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु संपरीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ कंपनी के कार्य-निष्पादन संबंधी 54वें वार्षिक प्रतिवेदन तथा उस पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं।

वित्तीय परिणाम एवं निष्पादन संबंधी मुख्य बिंदु

31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु वित्तीय संबंधी मुख्य बिंदु सार रूप में निम्नवत हैं:

(रु. करोड़ में)

विवरण	2016-17	2015-16
कुल बिक्री	17605	16586
निर्यात	465	446
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	3583	3207
कर हेतु प्रावधान	967	1209
कर उपरांत लाभ (पीएटी)	2616	1998
अनु. एवं विकास संबंधी व्यय	1284	1191

कुल बिक्री रु. करोड़ में

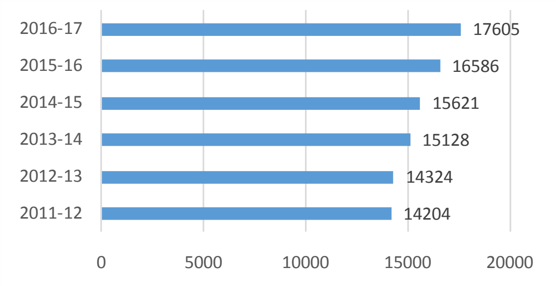

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी की कुल बिक्री वर्ष 2015-16 में रु.16586 करोड़ से 6% वृद्धि के साथ रु.17605 करोड़ रही है, उक्त वर्ष हेतु 12% वृद्धि के साथ कर पूर्व लाभ रु.3583 करोड़ हुआ, जबकि पिछले वर्ष में रु.3207 करोड़ रहा। करोपरांत लाभ (पीएटी) उक्त वर्ष हेतु रु.2616 करोड़ है।

लाभांश

निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 15 फरवरी, 2017 को हुई उनकी बैठक में अनुमोदन के पश्चात सचिव (आर्थिक कार्य), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय की अध्यक्षता में दिनांक 19 तथा 21 दिसंबर, 2016 को आयोजित बैठकों के कार्यवृत्तों के आधार पर वर्ष 2016-17 हेतु अंतरिम एवं अंतिम लाभांश रु.22.13 प्रति साम्या शेयर (221.30%) के अनुसार रु.800 करोड़ की धनराशि (रु.163 करोड़ के लाभांश वितरण कर को छोड़कर) का भुगतान किया गया।

आरक्षित निधियों हेतु अंतरित धनराशि

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान रु.1456 करोड़ तथा रु.197 करोड़ की धनराशि क्रमश: सामान्य आरक्षित निधि तथा अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि में अंतरित की गई।

वार्षिक विवरणी के निष्कर्ष

कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन नियमावली) 2014 के नियम 12 (1) के साथ पठित कंपनी अधिनियम-2013 की धारा 92 (3) एवं धारा 134 (3) (क) के उपबंधों के अनुसार फॉर्म एमजीटी - 9 वार्षिक विवरण के निष्कर्ष **अनुबंध -I** के रूप में निदेशक रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

बोर्ड की बैठकों की संख्या

31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, बोर्ड की 7 (सात) बैठकें आयोजित की गईं तथा किन्हीं 2 बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिन से अधिक नहीं रहा।

बोर्ड की बैठकें दिनांक 28 मई, 2016, 29 जून, 2016, 06 सितंबर, 2016, 30 सितंबर, 2016, 16 दिसंबर, 2016, 15 फरवरी, 2017 एवं 24 मार्च, 2017 को आयोजित की गईं।

स्वतंत्र निदेशकों द्वारा की गई घोषणा

आपकी कंपनी के सभी स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 149 (6) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट स्वतंत्र घोषणा की है ।

निदेशकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक के संबंध में कंपनी की नीति

आपकी कंपनी केंद्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम होने के नाते सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) के माध्यम से भारत सरकार द्वारा निदेशकों (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित फंक्शनल डायरेक्टर्स) की नियुक्ति, कार्यकाल एवं पारिश्रमिक का निर्धारण नियुक्ति के नियम एवं शर्तें, नियुक्ति की अवधि, वेतनमान एवं अन्य पात्रता सहित नियुक्ति के नियम व शर्तें दर्शाते हुए किया जाता हैं ।

रक्षा मंत्रालय द्वारा, सरकारी नामिती निदेशकों की नियुक्ति की जाती है तथा वह पारिश्रमिक / सीटिंग शुल्क के पात्र नहीं होते हैं ।

गैर कार्यपालक स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और सांविधिक नियमों एवं विधियों के अनुपालन में बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित बोर्ड/ समिति की बैठकों में भाग लेने हेतु वे सीटिंग शुल्क के लिए पात्र होते हैं ।

सरकारी कंपनी होने के नाते, आपकी कंपनी को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय एमसीए के दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या जी एस आर 463 (ई) योग्यताओं आदि के निर्धारण हेतु मानदंड सहित निदेशकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक संबंधी नीति को तैयार करने की आवश्यकता नहीं है ।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 186 के अंतर्गत प्रदत्त प्रतिभूतियों एवं दी गई गारंटियों, किए गए निवेशों, दिए गए ऋण का विवरण

कंपनी अधिनियम-2016 की धारा 186 के उपबंधों के अंतर्गत आने वाले निवेशों का उक्त वित्तीय विवरणों में दिया गया है। (कृपया वित्तीय विवरण के नोट सं. 7, 7ए, 9, 14, 18 तथा नोट 49 के खंड 14 को देखें) ।

कंपनी अधिनियम की धारा 186 के अंतर्गत आपकी कंपनी ने वर्ष 2016-17 के दौरान कोई भी ऋण पार्टियों के लिए मंजूर नहीं किया था।

समीक्षावधि वर्ष के दौरान, कंपनी ने उक्त अधिनियम की धारा 186 के अंतर्गत कोई गारंटी नहीं दी है तथा कोई भी प्रतिभूति प्रदान नहीं की गई है।

संबंधित पार्टियों के साथ संविदा अथवा करारों का विवरण

समीक्षावधि वर्ष के दौरान, सभी संबंधित पार्टियों के लेन-देन को कंपनी अधिनियम-2013 की धारा 177 के उपबंधों के अनुसार अनुमोदन हेतु लेखा परीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान, उक्त अधिनियम की धारा 188 के अंतर्गत यथाविनिर्दिष्ट कंपनी तथा निदेशकों, सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों अथवा संबंधियों के बीच वास्तव में पार्टी लेन-देन के संबंध में कोई भी महत्त्वपूर्ण नहीं रहा है । कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 (2) एवं कंपनी लेखा नियम 2014 के नियम 8 की अपेक्षाओं के अनुसार, फॉर्म एओसी 2 में कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 (1) में संदर्भित संबंधित पार्टियों के साथ वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान संविदा अथवा व्यवस्था का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है ।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्राओं का अर्जन एवं बहिर्गमन

रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होने के नाते, आपकी कंपनी को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के दिनांक 4 सितंबर 2015 की अधिसूचना जी एस आर संख्या 680 (ई) के अनुसार रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को प्रदान की गई छूट के अंतर्गत कंपनी लेखा नियम 2014 के नियम 8(3) के साथ पठित धारा 134 (3) (एम) के उपबंधों के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन एवं विदेश मुद्रा के अर्जन एवं बहिर्गमन के संबंध में सूचना का प्रकटीकरण करना आवश्यक नहीं है ।

जोखिम प्रबंधन नीति का विकास एवं कार्यान्वयन

कंपनी में बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति विद्यमान है। उक्त नीति का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के जोखिमों को जानने एवं उसका विश्लेषण करते हुए जोखिम खतरों को हटाना अथवा कम करने के साथ-साथ जोखिम शमन उपाय करते हुए समय पर कार्रवाई करना है। उक्त नीति के अंतर्गत सभी कार्यक्रम आते हैं, जिसके माध्यम से प्रोजेक्ट समीक्षा जोखिम शमन योजना में हुई प्रगति को शमन योजना की समाप्ति तथा पूर्ण होने तक दर्शाती रहेगी।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

वित्तीय विवरणों के संबंध में कंपनी ने उपयुक्त एवं पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया है । खरीद बाह्यस्रोत, भंडारण, लेखा प्रणाली, लेखापरीक्षा आदि जैसे विभिन्न कार्यों/कार्यकलापों से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं वाले मैनुअल को अद्यतन किया गया है तथा बोर्ड द्वारा अनुमोदित शक्तियों के प्रत्यायोजन के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुभव से विभिन्न गतिविधियों को पूरा करने हेतु कार्यान्वित भी किया गया है । प्रचालन में सामग्रियों के कमजोर होने जैसा कोई भी उदाहरण सामने नहीं आया है । आवश्यक प्रकटीकरण लेखा टिप्पणियों में दर्ज कर दिए गए हैं ।

प्रणाली लेखा परीक्षा जिसे चार्टर्ड अकाउंटेंट की कंपनियों की प्रैक्टिस द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा के अतिरिक्त तकनीकी पृष्ठभूमि के साथ-साथ आंतरिक वित्त अधिकारियों के माध्यम से पूरा किया जाता है, इन व्यवस्थित पहलुओं पर केंद्रित करने के साथ-साथ लेखा परीक्षा अध्ययन को शामिल करते हुए अध्ययन किया गया है ।

विनियामक अथवा न्यायालयों अथवा अधिकरण द्वारा पारित महत्त्वपूर्ण एवं सार्थक आदेश

वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में कंपनी के प्रचालन पर प्रभाव डालने की दृष्टि से विनियामकों अथवा न्यायालय अथवा अधिकरणों द्वारा कोई महत्त्वपूर्ण एवं सार्थक आदेश पारित नहीं किए गए हैं ।

सार्वजनिक जमा

आपकी कंपनी के समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक रूप से कोई भी जमा प्राप्त नहीं हुआ है ।

विभेदक अधिकारों सहित साम्या शेयरों का निर्गम

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस कंपनी ने लाभांश वोटिंग अथवा अन्यथा रूप में विभेदक अधिकारों सहित कोई साम्या शेयरों को जारी नहीं किया है ।

सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यम कंपनियाँ

कंपनी के अंतर्गत 2 (दो) सेक्शन-8 कंपनियों एवं 2 (दो) सहायक कंपनियों सहित 14 (चौदह) संयुक्त उद्यम कंपनियाँ हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान, संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं:

निर्मित संयुक्त उद्यम कंपनियाँ:

हेलिकॉप्टर इंजन एम आर ओ प्राईवेट लिमिटेड, 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी को सैफ्रान हेलिकॉप्टर इंजिन्स एस ए एस, फ्रांस के साथ दिनांक 18 अगस्त, 2016 को निगमित किया गया।

श्री मनोहर पर्रिकर, रक्षा मंत्री ने दिनांक 23 अक्टूबर 2013 को नार्थ गोवा में हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्रा. लिमिटेड (एचई–एमआरओ), एचएएल एवं सैफ्रॉन हेलिकॉप्टर इंजन, फ्रांस की एक संयुक्त उद्यम कंपनी, का उद्घाटन किया

निर्मित सहायक कंपनियाँ:

नैनी एरोस्पेस लिमिटेड को पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी के रूप में 29 दिसंबर, 2016 को स्थापित किया गया।

कंपनी अधिनियम – 2013 के उपबंधों के अनुसार प्रत्येक संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों के कार्यनिष्पादन एवं वित्तीय स्थिति से संबंधित प्रतिवेदन कंपनी (लेखा) नियमावली–2014 के नियम 8 (1) के साथ पठित धारा 134 (3) (क्यू) के उपबंधों के अनुसार **अनुबंध III** के रूप में इसके साथ संलग्न है।

कंपनी ने दिनांक 10 अप्रैल, 2017 को 50:50 साम्य शेयर की भागीदारी से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ "रक्षा नवाचार संगठन" नामक संयुक्त उद्यम कंपनी (सेक्शन–8 कंपनी) तथा कंपनी द्वारा धारित 50.5% एवं रूसी भागीदारों द्वारा 49.5% के साथ 02 मई, 2017 को "इंडो रशियन हेलिकॉप्टर्स लिमिटेड" नामक सहायक कंपनी भी स्थापित की है ।

समेकित वित्तीय विवरण

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 129 (3) के उपबंधों तथा लागू लेखाकरण मानकों के अनुसार कंपनी का समेकित वित्तीय विवरण तथा इसके संयुक्त उद्यम व सहायक कंपनियों को तैयार किया गया है, जो कि वार्षिक प्रतिवेदन का एक भाग भी है।

कंपनी (लेखा) नियमावली 2014 के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 129 (3) के पहले नियम के अनुसार सहायक/सहयोगी/ संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं से संबंधित विवरण फॉर्म ए ओ सी –I में वित्तीय विवरण संलग्न हैं ।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के उपबंधों तथा कंपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नियम 2014 एवं लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा निर्देशों के अनुसार, कंपनी की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की समिति के अनुसार विभिन्न कार्यकलाप किए गए हैं । कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अनुरूप परियोजनाएं / कार्यक्रमों और कार्यकलापों को प्रारंभ किया गया है । जिम्मेदार कार्पोरेट नागरिक के रूप में यह कंपनी तत्परता के साथ कंपनी के सिद्धांतों के भाग के रूप में कारपोरेट सामाजिक दायित्व का निर्वहन करती रही है ।

आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के उपबंधों के अनुरूप समिति कारपोरेट सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास संबंधी समिति गठित की है (कॉर्पोरेट शासन रिपोर्ट में प्रकटित) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII में यथा विनिर्दिष्ट कंपनी द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले प्रोजेक्ट/कार्यकलापों को दर्शाते हुए समिति ने कारपोरेट सामाजिक दायित्व नीति तैयार एवं संस्तुत कर बोर्ड को भेजी है ।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति, कंपनी की वेबसाइट (www.hal-india.com) पर प्रदर्शित है । समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के कार्यकलापों पर रुपए 67.96 करोड़ (लक्ष्य राशि का 100% अर्थात 66.92 करोड़ रुपए) खर्च किए हैं ।

कंपनी (कारपोरेट सामाजिक दायित्व) नियम 2014 के नियम 8 के उपबंधों के अनुसरण में वर्ष 2016-17 के वित्तीय वर्ष हेतु कारपोरेट सामाजिक दायित्व के क्रियाकलापों से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट **अनुबंध IV** के रूप में इसके साथ संलग्न है ।

बोर्ड का औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन तथा इनकी समितियां एवं निदेशक

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या 463 (ई) के अनुसरण में, सरकारी कंपनी होने के नाते आपकी कंपनी के विवरण में ऐसा दर्शाया गया है कि बोर्ड द्वारा ही अपने निष्पादन एवं अपनी समिति द्वारा औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन किया गया है और निदेशकों की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि निवेशकों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा किया जाता है ।

निदेशक मंडल एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों में परिवर्तन

कंपनी के निदेशक पदों में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए:

- डॉ. ए के जैन को दिनांक 8 अप्रैल 2016 से अचानक निधन के कारण निदेशक के पद से कार्यमुक्त किया गया ;
- श्री के के पंत को दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 से भारत सरकार द्वारा नामांकन वापस लेने के कारण सरकारी नामिती निदेशक के पद से सेवा मुक्त किया गया;
- श्री राजीब कुमार सेन, आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार को 18 नवंबर, 2016 से सरकारी नामिती निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया तथा 27 अप्रैल, 2017 से निदेशक के पद से कार्यमुक्त किया गया;
- श्री चंद्राकर भारती, संयुक्त सचिव, (एरो), रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग, भारत सरकार को दिनांक 27 अप्रैल, 2017 से सरकारी नामिती निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया;
- श्री एस सुब्रमण्यन को 30 अप्रैल, 2017 को इनकी सेवानिवृत्ति पर कंपनी के निदेशक (प्रचालन) पद से कार्यमुक्त किया जाना है;
- श्री गोपबंधु पटनायक, श्री पी एस कृष्णन, प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी तथा एयर वाइस मार्शल (से.नि) श्री डी के पाण्डे, ए वी एस एम, वी एस एम को उनका कार्यकाल पूरा होने पर 4 मई, 2017 से स्वतंत्र निदेशक के पद से कार्यमुक्त किया जाना है ।

आगे, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची IV तथा धारा 152 (2) के उपबंधों के अनुसरण में, श्री चंद्राकर भारती सरकारी नामिती निदेशक की नियुक्ति वार्षिक आम बैठक में विनियमित हो जाएगी।

लेखापरीक्षा समिति

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 के उपबंधों तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में, आपके बोर्ड ने लेखा परीक्षा समिति का गठन किया है। समिति उक्त बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित संदर्भों की शर्तों के अनुसार कार्य करती है। नैगम शासन प्रतिवेदन में इनका गठन व अन्य विवरण उल्लिखित है।

लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई सभी सिफारिशों को बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया ।

कर्मचारियों तथा संबंधित प्रकटन का विवरण

कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम 5 (2) के उपबंधों के अनुसार, कंपनी के किसी भी कर्मचारी को उक्त वित्तीय वर्ष में रु. 1.02 करोड़ अथवा उससे अधिक उक्त समीक्षाधीन अथवा वित्तीय वर्ष के दौरान रु.8.50 लाख अथवा उससे अधिक प्रतिमाह में पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ है।

निष्पादन बनाम समझौता ज्ञापन

आपकी कंपनी प्रत्येक वर्ष रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करती रही है । वर्ष 2015–16 हेतु कंपनी का कार्य–निष्पादन सरकार के साथ समझौता ज्ञापन के संदर्भ में "उत्कृष्ट" आँका गया है ।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन अनंतिम आँकड़ों के आधार पर किया गया है। कंपनी वर्ष 2016–17 हेतु भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के संदर्भ में भी "उत्कृष्ट रेटिंग" को बनाए रखा जाता है ।

श्री ए के गुप्ता, सचिव, डीडीपी, रक्षा मंत्रालय एवं एचएएल द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2017 को वर्ष 2017–18 हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया

साख निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी की रेटिंग रु.2500 करोड़ के दीर्घावधि एवं अल्पावधि बैंक ऋण सुविधाओं–सीसी/आईएलसी/एफएलसी/बीजी के लिए मेसर्स इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड द्वारा क्रमश: 'आई एन डी ए ए ए' तथा 'आई एन डी ए 1+' तथा मेसर्स क्रेडिट एनालिसिस एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा केयर ए ए ए/ए 1+ (ट्रिपल ए/ए वन प्लस) तथा केयर ए ए ए/ ए 1+ (ट्रिपल ए/ ए वन प्लस) के रूप में की गई ।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

उक्त वर्ष के दौरान कंपनी की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ निम्नवत हैं:–

- सुखोई–30 एम के आई की पहली कैरेज उड़ान नए शस्त्र के साथ एकीकृत रूप में दिनांक 25 जून, 2016 को सफलतापूर्वक पूरी की गई।
- 8 कि. ग्रा. यू ए वी का निदर्शन उत्तर–पूर्व फ्रंटियर रेलवे (एन एफ आर), दक्षिण रेलवे, कर्नाटक फॉरेस्ट विभाग, ग्रेहाउंडस स्पेशल फोर्सेस, आंध्र प्रदेश पुलिस तथा सी आर पी एफ इन सभी प्रभावी 'ग्राहकों' से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हुए किया गया है ।

उन्नयित मिराज 2000 विमान

- प्रथम एफ ओ सी अपग्रेडेड मिराज–2000 को विमान ने 26 मई, 2016 को समय पर अपनी पहली उड़ान पूरी की।

- एचएएल ने दिनांक 17 फरवरी, 2017 को जगुआर विमान को डेरिन–III स्टैंडर्ड तक की सफलता हेतु सैन्य उड़न योग्यता तथा प्रमाणन केन्द्र (सेमिलॉक) से प्रारंभिक प्रचालनीय अनुमति प्राप्त की ।

- एचएएल ने संबंधित प्रचालनीय एवं प्रशिक्षण क्षमताओं के साथ दिनांक 25 जनवरी, 2017 को हॉक–आई के रूप में प्रथम स्वदेशी रूप से उन्नयित (अपग्रेडेड) हॉक एम के 132 को रोल आउट किया है तथा दिनांक 1 फरवरी, 2017 को इसकी पहली उड़ान सम्पन्न हुई ।

- एचएएल ने पहली बार 2000 हवाई घंटों की समाप्ति पर हॉक एम के 132 विमान के बृहत सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं तथा उक्त विमान ने 20 मार्च, 2017 को संविदात्मक शेड्यूल से तीन माह पहले ही सफलतापूर्वक परीक्षण उड़ान पूरी की।

- एरो इंडिया, 2017 के दौरान, बी ए ई एस तथा एचएएल द्वारा सह–विकसित किए जा रहे उन्नत लड़ाकू हॉक के प्रौद्योगिकी निदर्शक को प्रदर्शित किया गया । यह एयर से एयर रि–फ्यूलिंग, ऑपरेशनल डाटा लिंक, ई डब्ल्यू जैमर, नाइट विज़न कॉकपिट आदि को समावेशित करता है।

- एरो इंडिया 2017 में पहली बार, हवाई परेड (फ्लाईट पास्ट) को वर्तमान एचएएल द्वारा निर्मित रोटरी तथा फिक्सड विंग प्लेट फार्मों द्वारा उद्घाटन दिवस पर अलग से संपन्न किया गया तथा तत्पश्चात एलसीए, एलसीएच, एचटीटी–40, हॉक–आई तथा एलयूएच द्वारा दैनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। एचएएल द्वारा निर्मित 11 विमानों ने फ्लाईंग तथा स्टैटिक प्रदर्शन में भाग लिया ।

माननीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर ने एरो–इंडिया 2017 में भारतीय बहु–भूमिका हेलिकॉप्टर (आईएमआरएच) का फुल स्केल मॉक–अप का अनावरण किया

- एरो इंडिया 2017 में, माननीय रक्षा मंत्री ने दिनांक 14 फरवरी, 2017 को सैन्य एवं असैन्य भूमिकाओं दोनों के लिए एचएएल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किए जाने वाले योजनाबद्ध 12 टन की श्रेणी के हेलिकॉप्टर भारतीय बहुभूमिका हेलिकॉप्टर (आईएमआरएच) का पूर्ण पैमाने पर अभ्यास (मॉक–अप) का अनावरण किया। आईएमआरएच भारतीय सशस्त्र सेनाओं की उपयोगिता एवं सशस्त्र भूमिकाओं को पूरा करने हेतु ट्विन इंजन, स्वचालित उड़ान नियंत्रण प्रणाली एएफसीएस से लैस, अत्याधुनिक मिशन प्रणाली, उन्नत कॉकपिट, डिस्प्ले तथा एवियॉनिक्स प्रणाली आदि द्वारा सशक्त बनाया जाएगा ।

- सैफ्रान हेलिकॉप्टर इंजन, फ्रांस (पूर्ववर्ती टर्बोमेका) ने टीएम 333 बी 2 एवं टीम 333 एम 2 इंजन तथा इंजन प्रभाग – बीसी हेतु अपने उपसाधनों के लिए असीमित अवधि के लिए वैधता के साथ "रिपेयर सेंटर" सर्टिफिकेशन/अनुमोदन प्रदान किया है । उक्त अनुमोदन एचएएल सुविधाओं एवं प्रणालियों, पिछले कार्य–निष्पादन तथा सैफ्रान गुणवत्ता अपेक्षाओं के अनुपालन निदर्शन के आधार पर होता है ।

- एशिया पैसिफिक एरोस्पेस क्वालिटी ग्रुप (एपीएक्यूजी) ने एपीएक्यूजी में सम्मिलित होने हेतु 7वें राष्ट्र के रूप में भारत निर्माण करने हेतु "मताधिकार के साथ पूर्ण सदस्यता" श्रेणी के अंतर्गत एचएएल को सदस्यता प्रदान की है । एपीएक्यूजी इंटरनेशनल एरोस्पेस क्वालिटी ग्रुप (आईएक्यूजी) का भाग है, जिसके अंतर्गत अमेरिका एरोस्पेस क्वालिटी ग्रुप (एएक्यूजी) तथा यूरोप एरोस्पेस क्वालिटी ग्रुप (ईएक्यूजी) आते हैं। आईएक्यूजी प्राधिकरणों के सदस्य होने के नाते, अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों में संशोधन कर उसे लागू करने वाले हस्ताक्षरकर्ता के रूप में अमेरिका, यूरोप तथा एशिया पैसिफिक में 67 संगठनों में से एक के रूप में एचएएल को सम्मिलित किया जाना है ।

- एचएएल ने 16 प्रकार के हॉक स्ट्रक्चरल असेंब्लिज (प्रत्येक के आठ सेट) की आपूर्ति हेतु किए गए ऑर्डर के अंतर्गत दिनांक 14 दिसंबर, 2016 को नोज व्हील्स डोर्स (एलएच एवं आरएच) से बीएई प्रणालियों तक के पहले सेट को सुपुर्द कर दिया है। एचएएल के कार्यक्षेत्र में टूलिंग के विकास एवं असेंब्लियों के विनिर्माण कार्य को भी शामिल किया गया। बीएई सिस्टम के प्रतिनिधि ने असेंब्ली की गुणवत्ता की सराहना की है।

- ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम (एचएसपी) क्रू मॉड्यूल (सीएम) फेयरिंग असेंब्ली की सुपुर्दगी दिनांक 10 मार्च, 2017 को इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर को की गई । सीएम फेयरिंग या श्राउड असेंब्ली में मॉड्यूल रहते हैं और क्रू एस्केप सिस्टम के निचले तल की संरचना का निर्माण करते हैं।

- एचएएल ने उक्त वर्ष के दौरान 70 पुरस्कार (कंपनी स्तर – 18, प्रभाग स्तर – 48 तथा व्यक्तिगत स्तर पर – 4) प्राप्त किए हैं ।

- बेंगलूर से लगभग 335 किलोमीटर पर देवनगरि के पास हरपनहल्ली में 6.3 मेगावाट विंड एनर्जी पावर प्लांट का उद्घाटन दिनांक 2 जुलाई, 2016 को किया गया । यह हरित पहल हार्नेस विंड पावर के लिए महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा तथा नवीनीकरण ऊर्जा को भी प्रोन्नत करेगा । यह प्रति वर्ष लगभग 10,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड (Co_2) उत्सर्जन तक एचएएल के कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा । इस प्लांट से उत्पन्न बिजली का उपयोग बंदी ऊर्जा खपत (कैप्टिव एनर्जी कन्जंप्शन) के लिए प्रयुक्त होगा ।

- एच ए एल एयरपोर्ट बेंगलूर में 23 दिसंबर, 2016 को हार्नेस ऊर्जा के लिए संस्थापित 12,985 मॉड्यूलों के साथ 23 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में फैले 3.5 मेगावाट सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया गया । चूँकि, भारत में एयरपोर्ट पर सोलर प्रोजेक्ट संस्थापन पर आधारित यह पहला सिंगल एक्सिस ट्रैकर है, अत: यह एक अनोखा प्रोजेक्ट है।

- एचएएल को राष्ट्रीय प्रशिक्षु प्रोन्नत योजना (एनएपीएस) के अंतर्गत एचएएल में प्रशिक्षुओं की अधिकतम संख्या में नियुक्ति देने हेतु दिनांक 19 दिसंबर, 2016 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से रु.82,19,368/- का चेक पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया ।

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 19 दिसंबर 2016 को सरकार की राष्ट्रीय प्रशिक्षु प्रोन्नत योजना (एनएपीएस) के अधीन सृजनात्मक भूमिका हेतु एच ए एल को चेक प्रदान करते हुए

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- एचएएल एवं बीईएल ने एवियॉनिक्स के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग एवं ज्ञान के आदान-प्रदान के उद्देश्य से 25 मई, 2016 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

- रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय द्वारा दिनांक: 28 मार्च, 2016 को नक्केरी क्विटोल, गोवा में नेवल एवं इंटर्नल होमलैण्ड सिक्यूरिटी सिस्टम के लिए द्विवार्षिक प्रदर्शन धरती पर डिफेक्स्पो इंडिया का 9वाँ संस्करण आयोजित किया गया ।

- सियाती (एसआईएटीआई) के सहयोग से एरोमैग एशिया द्वारा दिनांक 1-2 जुलाई, 2016 को एचएएल कन्वेंशन सेंटर में एरोस्पेस एवं डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग शो - एडीएमएस 2016 का आयोजन किया गया।

- चीता/चेतक/चीतल हेलिकॉप्टरों के लिए निरपेक्ष एवं विभेदक दबाव ट्रांसड्यूसर के अनुकूलन (कस्टमाइजेशन) तथा प्राप्ति हेतु 21 जुलाई, 2016 को हेलिकॉप्टर प्रभाग तथा आईआईएससी, बेंगलूरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएएल ने दिनांक 7 नवंबर, 2016 को माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी तथा ब्रिटिश प्रधानमंत्री, सुश्री थेरेसा के नेतृत्व में नई दिल्ली में आयोजित "यूके-इंडिया सीईओ फोरम" में भाग लिया ।

दिनांक 07 नवंबर 2016 को आयोजित इंडिया–यूके फोरम

- एचएएल ने दिनांक 22–23 नवंबर, 2016 को सतत वृद्धि तथा न्यायोचित विकास के लिए "वैश्विक एसएमई पार्टनरशिप" विषय पर आयोजित "वैश्विक एसएमई कारोबार शिखर सम्मेलन" – 2016 में भाग लिया।
- एचएएल ने 13 जनवरी, 2017 को पेरिस में इंडो–फ्रेंच सीईओ फोरम में भाग लिया।
- श्री जयंत सिन्हा, नागर विमानन राज्य मंत्री ने दिनांक 10 दिसंबर, 2016 को कानपुर प्रभाग में डॉर्नियर–228 (सिविल वेरियंट), की स्ट्रक्चरल असेंब्ली का उद्घाटन किया । क्षेत्रीय संबद्धता योजना (आरसीएस) हेतु "मेक इन इंडिया" के अंतर्गत सबसे उपयुक्त उत्पाद वर्तमान में परिवहन वायुयान प्रभाग में विनिर्मित किया जा रहा डॉर्नियर का अपग्रेडेड रूपांतर, 19 सीटर कम्प्यूटर एयरक्राफ्ट ही है ।

दिनांक 10 दिसंबर 2016 को एचएएल कानुपर प्रभाग में डीओ–228 का स्ट्रक्चरल एसेंब्ली का उद्घाटन

- एचएएल ने भारतीय वायु सेना तथा थल सेना के ए एल एच एम के – III तथा एम के IV बोर्ड पर फिटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर स्वीट की डिपो लेवल की अनुरक्षण सुविधा स्थापित करने हेतु दिनांक 27 जनवरी, 2017 को साब ग्रिनटेक डिफेंस, साउथ अफ्रीका के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) कॉन्ट्रैक्ट्स किए हैं ।

- एचएएल ने दिनांक 14–18 फरवरी, 2017 को येलहंका में आयोजित एरो इंडिया के 11वें संस्करण में भाग लिया ।

- एचएएल को बोईंग 737 मेन डेक इन कार्गो डोर की आगे आपूर्ति हेतु इज़राइल एरोस्पेएस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा चुना गया है तथा एरो इंडिया 2017 के दौरान दिनांक 17 फरवरी, 2017 को इसे प्रभावी बनाने हेतु एक कॉन्ट्रैक्ट भी हस्ताक्षरित किया गया ।

- एचएएल ने दिनांक 16 फरवरी, 2017 को डीजीसीए कामर्शियल हेलिकॉप्टर पाइलट लाइसेंस प्राप्ति करने हेतु कैडेट पाइलट प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किए गए ।

पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) के साथ दिनांक 16 फरवरी 2017 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया

निर्यात एवं एयर शो में प्रतिभागिता

आपकी कंपनी ने उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान रु.484 करोड़ का निर्यात ऑर्डर बुकिंग की है ।

उक्त वर्ष के दौरान बृहत निर्यातों में, मॉरिशस पुलिस फोर्स (एचएएल द्वारा की गई आपूर्ति के तीसरे डीओ – 228 विमान) हेतु एक डीओ – 228 की आपूर्ति, मॉरिशस सरकार के एक चेतक हेलिकॉप्टर की बृहद मरम्मत सेवा कार्य, नामिबियन वायु सेना के एरो इंजन का बृहत ओवरहॉल कार्य 16 प्रकार के हॉक स्ट्रक्चरल असेंब्लीज की आपूर्ति हेतु ऑर्डर के अंतर्गत मेसर्स बीएई सिस्टम के लिए नोज़ व्हील डोर्स का पहला सेट, एरो–स्ट्रक्चर्स की अपूर्ति, एवियॉनिक्स, उपसाधन, फोर्जिंग्स, कॉस्टिंग्स, अंतर्राष्ट्रीय एरोस्पेस से संबद्ध उनके कार्यक्रमों के लिए बृहत भाग हेतु रोल्ड रिंग्स शामिल हैं ।

अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को उत्पाद सहायता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से एचएएल द्वारा की गई आपूर्ति के विमानों के प्रचालन के संबंध में ऑनसाइट तकनीकी टीम के माध्यम प्रतिनियुक्ति कर इस प्रकार से प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि हमारे अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक उसी स्तर की तकनीकी दक्षता को प्राप्त कर भविष्य में स्वतंत्र रूप से अनुरक्षण कार्यकलापों को संभाल सकें । कंपनी ने एचएएल उत्पादों की जीवन चक्र आवश्यकताओं को सम्मिलित करने की दृष्टि से अनुरक्षण एवं ओवरहॉल सेवाएँ भी प्रदान की हैं ।

विभिन्न देशों से आए उच्च स्तर के प्रतिनिधि मंडलों ने एचएएल की सुविधाओं को देखा और एचएएल के विमान प्लैटफार्मों की सराहना भी संप्रेषित की । विभिन्न देशों को तकनीकी प्रस्ताव भी भेजे गए हैं तथा ऑर्डर के अंतिम रूप से आने तक अनुवर्ती कार्रवाई जारी है । इसके अतिरिक्त, कंपनी भारत सरकार तथा संबंधित देशों के बीच हस्ताक्षरित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग करारों के अंतर्गत विभागों तथा हेलिकॉप्टर प्लैटफार्मों के लिए निर्यात ऑर्डर को प्राप्त करने की दृष्टि से प्रयास जारी हैं ।

एचएएल द्वारा एयरबस, बोईंग, आईएआई, रॉल्स रॉयस, रुआग, सैफ्रान इंजन एवं अन्य वैश्विक विमानन बृहत के लिए अत्यधिक सूक्ष्म संरचनात्मक कार्य पैकेजों एवं असेंब्लीज के लिए सहायता प्रदान करना जारी है । इनके ऑर्डर एचएएल को इनके बृहत मूल उपस्कर विनिर्माताओं के प्रतिष्ठित विमान कार्यक्रमों के साथ विशेष संबद्धता को जारी रखने में दृढ़ विश्वसनीयता, गुणवत्ता तथा सुपुर्दगी विनिर्देशों को पूरा करने के लिए समर्थ बनाते हैं । इसके अतिरिक्त, एचएएल द्वारा सिविल विमान इंजन कार्यक्रम के लिए निर्यात रिंग्स, फोर्जिंग्स एवं कॉस्टिंग्स का कार्य जारी है ।

एचएएल की ब्रैंड इमेज तथ पहचान हेतु सामरिक रूप से अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय एयर शो/प्रदर्शनी में भाग लेकर अपने उत्पादों तथा क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया । एचएएल ने एरो इंडिया 2017 में "विमानन प्लैटफार्मों हेतु उत्कृष्ट केन्द्र तथा मेक इन इंडिया" विषय पर केन्द्रित किया । उक्त शो के दौरान एचएएल के प्रदर्शन में पावर प्लांट, एवियॉनिक्स आदि प्रौद्योगिकी को समाहित करते हुए स्वेदेशी रूप से अभिकल्पित एवं विकसित फिक्सड व रोटरी विंग

प्लैटफार्मों पर केन्द्रित किया । एचएएल द्वारा निर्मित प्लैटफार्मों द्वारा एरो इंडिया – 2017 के उद्घाटन दिवस पर पहली बार हवाई परेड (फलाइट पास्ट) संपन्न हुई । एचएएल द्वारा निर्मित 11 प्लेटफार्मों ने उड़ान एवं स्टैटिक प्रदर्शन में भाग लिया । कंपनी ने आईएलए बेरिन एयर शो–2016, फार्नबोरो एयर–शो 2016, यूके, एएडी – 2016, दक्षिण अफ्रीका एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया ।

ऑफसेट के माध्यम से कारोबार

एचएएल नई क्षमताओं को प्राप्त करने, निर्यात को बढ़ाने तथा उपलब्ध ऑफसेट सुअवसरों के माध्यम से स्वदेशी कन्टेंट/आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के लिए एरोस्पेस क्षेत्र के विभिन्न मूल उपस्कर विनिर्माताओं के साथ संपर्क करता रहा है । ऑफसेट के अंतर्गत, एचएएल ने कई अंतर्राष्ट्रीय एरोस्पेस बृहत कंपनियों के साथ अनुबंध हस्ताक्षरित/अथवा ऑर्डर प्राप्त किए हैं तथा मूल उपस्कर विनिर्माताओं के साथ दीर्घकालिक कारोबार करार (एलटीबीए) को अंतिम रूप देने हेतु कई सामरिक पहल की गई है ।

बाह्यस्रोत

सरकार के "मेक इन इंडिया" अभियान के अनुरूप, एचएएल बाह्यस्रोत के माध्यम से महत्त्वपूर्ण पुर्जों एवं असेंब्लीज के माध्यम से एलसीए, एलसीएच नामक नए प्रोजेक्टों सहित कई कार्यक्रमों में निजी वेंडरों के साथ संबद्ध रहा है । निजी भागीदारों में सफलतापूर्वक बाह्यस्रोत के माध्यम से कुछ महत्त्वपूर्ण असेंब्लिज के अंतर्गत हेलिकॉप्टर प्रोग्राम, सेंटर फ्यूज़लेज, रियर फ्यूज़लेज, पाइलॉन असेंब्लियों, एलसीए आदि के एयर इन–टेक के लिए गियर्स एंड हाउसिंग्स आते हैं ।

आगे, हेलिकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्रामों में बाह्स्रोत के माध्यम से तीव्रता प्रदान करने हेतु, एचएएल ने दिनांक 26 मई, 2016 को डॉ.वी एम घाटगे कन्वेंशन सेंटर में "बिजनेस पार्टनर्स" बैठक का आयोजन किया था, जिसमें 29 कंपनियों से 50 प्रतिभागियों ने उक्त बैठक में भाग लिया था । प्रतिभागियों को भागीदारी, बाह्यस्रोत स्वदेशीकरण, एमआरओ, अप्रचलित प्रबंधन आदि की दृष्टि से भावी संभावनाओं के लिए एचएएल में उपलब्ध विभिन्न सुअवसरों/मार्गों के बारे में बताया गया । स्वदेशीकरण एवं बाह्यस्रोत के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं संबंधी व्यापक मदों को सम्मेलन कक्ष में प्रदर्शित भी किया गया ।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

कंपनी ने अपनी आपूर्ति श्रृंखला में सुधार हेतु उक्त वर्ष के दौरान कई पहल की है, नामत:–

- प्रापण (खरीद) प्रक्रिया में अधिक लचीलापन लाने की दृष्टि से क्रय नियमावली में संशोधन जारी किए गए हैं ।
- विक्रेता (वेंडर) पंजीकरण पुस्तिका मुद्रित की गई है तथा विभिन्न प्रदर्शनियों/विक्रेता (वेंडर) विकास कार्यक्रमों में प्रदान की जा रही है ।
- ई–प्रापण के प्रारंभिक मूल्य को अप्रैल, 2016 से रु.2 लाख तक कम किया गया है ।
- ई–रिवर्स ऑक्शन (ई–आर ए) पाइलॅट प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरा किया गया ।
- एचएएल के प्राधिकृत आर्थिक प्रचालक (एईओ टियर–1) स्थिति केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से प्राप्त की। यह सामग्री के आयात एवं निर्यात हेतु एयरपोर्ट में सीमा शुल्क अनुमति के दौरान हरित चैनल सुविधाएँ प्रदान करता है ।
- जी एस टी संबंधी आपूर्ति श्रृंखला में संलग्न अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु पहल की गई है ।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम से प्रापण (खरीद) एमएसईएस

वर्ष 2016–17 के दौरान, रु.473 करोड़ के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में एमएसई से प्राप्त बाह्यस्रोत से हुई खरीद सहित प्राप्त की कुल मूल्य रु.511.30 करोड़ है। वर्ष 2017–18 हेतु वार्षिक लक्ष्य रु.289 करोड़ है।

वर्तमान प्रोजेक्ट एवं प्रोग्राम

वर्ष 2016–17 के दौरान, एचएएल ने भारतीय रक्षा ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सुखोई–30 एम के आई विमान, हॉक एम के 132, प्रोन्नत जेट प्रशिक्षक विमान, हलका लड़ाकू विमान (एलसीए तेजस), डॉर्नियर डीओ – 228 विमान, प्रोन्नत हलका हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव, चीतल हेलिकॉप्टर तथा मिराज 2000 अपग्रेड का उत्पादन एवं आपूर्ति संबंधित आॅर्डरों को पूरा किया जाना जारी रखा है ।

एचएएल ने उक्त वर्ष के दौरान अभिकल्पन एवं विकास प्रोजेक्टों में अत्यधिक प्रगति की है तथा बेसिक प्रशिक्षक एयरक्राफ्ट (एचटीटी–40), हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एलयूएच), अपग्रेडेड उन्नत जेट प्रशिक्षक हॉक–आई की पहली उड़ान एवं जगुआर डेरिन III अपग्रेड विमान के लिए प्रारंभिक प्रचालनीय अनुमति जैसी महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की है ।

अनुसंधान एवं विकास

वर्ष 2016–17 में, एचएएल ने अपने उत्पादों में प्रौद्योगिकीय उत्कृष्टता लाने की दृष्टि से अपनी क्षमता को बढ़ाने हेतु नये प्लेटफार्मों के विकास, प्रौद्योगिकी विकास एवं कार्यकलापों तथा नये उत्पादों को विकसित करने एवं उत्पादों को बढ़ाने की दृष्टि से कंपनी के लिए अपेक्षित भावी प्रौद्योगिकीय चुनौतियों से निपटने के लिए अपने प्रयासों पर केन्द्रित करना जारी रखा है । अनुसंधान एवं विकास की प्रगति हेतु, कंपनी ने वर्ष 2016–17 में रु.1284 करोड़ का कुल व्यय किया गया है जो कि कुल बिक्री का 7.29% है ।

एचएएल विमानन क्षेत्र में आत्म निर्भरता लाने हेतु डीआरडीओ, प्रयोगशालाओं, सीएसआईआर–एनएएल, सीपेट, आईआईटी एवं आईआईएससी जैसे अग्रणी अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ संयुक्त रूप से कार्य कर रहा है । कंपनी ने अनुसंधान एवं विकास में वृद्धि हेतु आई आई टी मद्रास, आई आई टी रूड़की, आई आई टी खड़गपुर, आई आई टी मुम्बई, आई आई टी कानपुर तथा आई आई एस सी बेंगलूर में पीठों की स्थापना की है ।

कंपनी ने वर्ष–2016–17 के दौरान अनुसंधान एवं विकास की मूल निधि (आर एंड डी कॉर्पस) में अंशदान हेतु आर एंड डी रिजर्व के लिए रु.197 करोड़ की राशि (करोपरांत प्रचालन लाभ का 10%) अंतरित की है ।

कंपनी ने विभिन्न अनुसंधान एवं विकास/विकास प्रोजेक्टों नामत: बेसिक प्रशिक्षक एयरक्राफ्ट (एचटीटी–40), हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलयूएच), हलका लडाकू विमान (एलसीए), जगुआर डेरिन III अपग्रेड, मिराज 2000 अपग्रेड, हॉक–आई, यूएवी तथा इंजनों के विकास में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है । उक्त वर्ष के दौरान इन प्रोजेक्टों के संबंध में हुई प्रगति निम्नवत है:

बेसिक प्रशिक्षक विमान (एचटीटी–40)

एचटीटी–40 का प्रथम प्रोटोटाइप पीटी–1 विमान की पहली उड़ान 31 मई, 2016 को सम्पन्न हुई तथा माननीय रक्षा मंत्री की उपस्थिति में दिनांक 17 जून, 2016 को इसकी प्रारंभिक उड़ान पूरी की गई । इस विमान ने अब तक संचयी रूप से 57 उडाऩ परीक्षण पूर्ण किए हैं । एचटीटी–40 ने एरो इंडिया 2017 में फ्लाइंग डिस्प्ले (पीटी–1) तथा स्टैटिक डिस्प्ले (पीटी–2) में भाग लिया । वर्तमान में विकास संबंधी कार्यकलाप प्रगति पर हैं । दूसरे प्रोटोटाइप (पीटी–2) ने 19 मई, 2017 को भी उड़ान भरी ।

बेसिक प्रशिक्षक विमान (एचटीटी–40) हिन्दुस्तान टर्बोप्रोप ट्रैनर

हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एलयूएच)

एलयूएच के पहले प्रोटोटाइप (पीटी–1) की पहली प्रशिक्षण उड़ान दिनांक 06 सितंबर, 2016 को संपन्न हुई (स्मार्ट कॉकपिट डिस्प्ले सिस्टम (एससीडीएस) के अंतरिम सॉफ्टवेयर सहित) इसके पश्चात पीटी–1 ने डिजिटल इंजन ऑप्रेटिंग सिस्टम (डीइओएस) सॉफ्टवेयर को संस्थापित किया गया। एससीडीएस आधारित डीइओएस सहित पहली उड़ान दिनांक 28 अक्टूबर, 2016 को पूर्ण की गई। एलयूएच ने संचयी रूप से अब तक 29 उड़ानें पूर्ण की हैं। एलसीएच ने एरो इंडिया 2017 में फ्लाइंग डिस्प्ले एवं स्टैटिक डिस्प्ले में भाग लिया। वर्तमान में एनवेलप एक्स्पैंशन हेतु पीटी–1 पर विकास उड़ानें प्रगति पर हैं। दूसरे प्रोटोटाइप (पीटी–2) की उड़ान 22 मई, 2017 को सफल रही थी।

हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एलयूएच) पीटी–2

हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच)

एलसीएच ने अब तक संचयी रूप से 954 उड़ानें पूर्ण की हैं, जिसमें से वर्ष 2016–17 में 239 उड़ानें पूरी की गई हैं। स्वदेशी आईएडीएस को एलसीएच के साथ एकीकृत किया गया है तथा आईएडीएस के साथ पहली उड़ान 16 जुलाई, 2016 को पूर्ण की गई। बाद में एलसीएच से मिशन एवं वेपन सिस्टम को भी एकीकृत किया गया है। अंतिम प्रचालन अनुमति हेतु मार्च, 2017 में एएफएस, कलाई कुंडा में एलसीएच संबंधी टरेट गन फाइरिंग अभ्यास पूर्ण किया। एलसीएच ने एरो इंडिया 2017 के दौरान फ्लाइंग डिस्प्ले एवं स्टैटिक डिस्प्ले में भाग लिया।

हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच)

हलका लड़ाकू विमान (एलसीए)

एलसीए ने अब तक संचयी रूप से 3292 उड़ानें पूर्ण की हैं, जिसमें से वर्ष 2016–17 के दौरान 247 उड़ाने पूरी की गईं। डर्बी बीवीआर मिसाइल एलएसपी–3, एलएसपी–4 एवं एलएसपी–5 विमान में एकीकृत किया गया। एलएसपी–8 में फिक्सड एयर टू एयर रिफ्यूलिंग (एफएएआर) प्रोब को भी एकीकृत किया गया तथा दिनांक 31 जनवरी, 2017 को कैरेज ट्रायल सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

एयर–टू–एयर रि–फ्यूइलिंग के साथ हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर

पाँचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए)

ड्राफ्ट सीएनसी रिपोर्ट तैयार की गई तथा दिनांक 21 जुलाई, 2016 को समीक्षा एवं टिप्पणी हेतु सभी सीएनसी सदस्यों (भारतीय पक्ष) में परिचालित की गई। अध्यक्ष सीएनसी को रिपोर्ट आगे की प्रक्रिया हेतु प्रस्तुत की गई है।

एफ़जीएफए प्रोजेक्ट के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन हेतु सरकार द्वारा विशेषज्ञ वर्ग का गठन किया गया है। विशेषज्ञ वर्ग की पहली बैठक दिनांक 04 फरवरी, 2017 को एचएएल में आयोजित की गई। तदनंतर 4 और बैठकें आयोजित की गई हैं।

25 किलो न्यूटन टर्बोफैन इंजन (एचटीएफई–25)

एचटीएफई–25 कोर इंजन सितंबर, 2016 में 100% अधिकतम आरपीएम तक सफलतापूर्वक पहुंचा। 100वाँ सफलतापूर्वक रन दिनांक 28 अक्टूबर, 2016 को पूरा किया गया। अब तक 142 रन पूरे हो चुके हैं।

इंजन नियंत्रण प्रणाली को विकसित किया गया है तथा परीक्षण हेतु कोर इंजन पर सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्नत एचपी कॉम्प्रेशर का कार्य पूरा किया गया है। एचटीएफई–25 इंजन का मॉडल एचएएल स्टॉल पर एरो इंडिया 2017 में प्रदर्शित किया गया।

1200 किलोवाट टर्बोशाफ्ट इंजन (एचटीएसई–1200)

1200 एसएचपी इंजन हेतु प्रारंभिक अभिकल्पन संबंधी कार्यकलाप पूरे हो चुके हैं। जून 2016 में प्राथमिक अभिकल्पन समीक्षा (पीडीआर) पूर्ण हो गई। नवंबर 2016 में सभी ड्राईंग जारी हो गई। इंजन को चलाने के लिए नियंत्रण प्रणाली के ब्रेडबोर्ड मॉडल को विकसित किया गया है तथा रिग का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। एरो इंडिया 2017 में इंजन फुलस्केल डिस्प्ले मॉडल को प्रदर्शित किया गया। एरो इंडिया 2017 में एचएएल स्टॉल पर एचटीएससी–1200 के मॉडल को प्रदर्शित किया गया।

मानव रहित विमान (यूएवी) – मिनी यूएवी (8 किलोग्राम श्रेणी)

मिनी यूएवी के प्रोटोटाइप (पीटी – 2) संबंधी स्वायत्त उड़ान परीक्षण दिनांक 6 अप्रैल, 2016 को पूर्ण किया गया। परीक्षण के दौरान फिक्स्ड डे कैमरा के साथ रेंज एवं भू–स्तर से 1000 मीटर की ऊँचाई प्राप्त की गई। कैमरा पेलोड के एकीकरण हेतु ऑटोपायलट में साफ्टवेयर प्रोग्रामिंग पूरी की जाती है।

संभावित ग्राहकों उत्तर–पूर्व फ्रंटियर रेलवे, दक्षिणी रेलवे पलक्कद मंडल, वन विभाग, ग्रे–हाउंडस स्पेशल फोर्सेस एवं सीआरपीएफ के लिए मिनी यूएवी का निदर्शन पूरा किया गया। संभावित ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर ग्राहकों के लिए अनुकूलन प्रक्रिया (कस्टमाईजेशन) की पहल की गई है।

जगुआर डेरिन III अपग्रेड

प्रारंभिक प्रचालन अनुमति संरूपण हेतु डेरिन III प्रणाली के साथ जगुआर विमान का उड़ान अभ्यास सितंबर, 2016 में पूरा किया गया। प्रारंभिक प्रचालन अनुमति के अंतर्गत विन्यास संबंधी अनुमति दिनांक 17 फरवरी, 2017 को प्राप्त किया गया।

जगुआर डॉरिन–III उन्नयन

मिराज 2000 अपग्रेड

अपग्रेडेड मिराज 2000 विमान की पहली उड़ान दिनांक 28 जुलाई, 2016 को संपन्न हुई। एफओसी विन्यासों में दूसरे विमान ने 1 अक्टूबर, 2016 को उड़ान भरी। मिराज अपग्रेड के लिए मिशन कम्प्यूटर (एमसी) विकास को योग्य परीक्षण के साथ पूरा किया गया। योग्यता परीक्षण रिपोर्ट आरडीएक्यूए को 17 मार्च, 2017 को अनुमति हेतु प्रस्तुत की गई। चरण – I शस्त्र अभ्यास जनवरी, 2017 में पूरा किया गया।

हॉक – आई

एचएएल ने संवर्धित प्रचालनीय एवं प्रशिक्षण क्षमताओं के साथ दिनांक 25 जनवरी, 2017 को हॉक आई के रूप में नामित पहला स्वदेशी रूप से अपग्रेडेड हॉक एमके 132 विमान को रोल आउट किया है। यह एचएएल में उत्पादित 100वाँ हॉक विमान है। हॉक आई की पहली उड़ान दिनांक 1 फरवरी, 2017 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

हॉक–आई विमान डिजीटल मैप जनरेशन के साथ ड्युल रिडंडेंट विन्यास में स्वदेशी मिशन कम्प्यूटर, इमबेडेड वर्चुअल ट्रेनिंग सिस्टम (इवीटीएस), सॉफ्टनेट रेडियो एवं कॉकपिट ह्यूमन मशीन इंटरफेस (एचएमआई) के साथ सुसज्जित है। हॉक–आई ने एरो इंडिया 2017 में उड़ान प्रदर्शन में भाग लिया।

हॉक–आई

उक्त वर्ष के दौरान, एचएएल ने निम्नलिखित अभिकल्पन एवं विकास कार्यकलापों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया है।

- सुखोई–30 एमकेआई संबंधी भारित शस्त्र का एकीकरण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- सुखोई–30 एमकेआई संबंधी प्रणालियों को बढ़ाने की क्षमताओं का सफलतापूर्वक एकीकरण।
- भारतीय वायुसेना को एएल–31 एफपी सीमित इंजन टेस्ट बेड सुपुर्द किया गया तथा टेस्ट बेड पर इंजनों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- जगुआर डेरिन –II वर्जन संबंधी स्मार्ट सिस्टम का एकीकरण।
- एलसीए हेतु गैस टर्बाइन स्टार्टर (एटीएस) यूनिट तथा जगुआर एवं हॉक हेतु एयर टर्बाइन स्टार्टर कार्य पूरा किया गया है।
- जीएसआई के सिविल ध्रुव हेलिकॉप्टर को संभावित खनिज के लिए लघु संभावित क्षेत्रों हेतु निम्न ऊँचाई अधिक रिजॉल्यूलशन टाइम डोमेन इलेक्ट्रो मैग्नेटिक (टीडीईएम) सर्वेक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- अक्टूबर 2016 के दौरान एएलएच के नेवल प्रोटोटाइप आईएडीएस का एकीकरण।

- पिपावव शिपयार्ड के लिए आईएफएफ एमके – XII ट्रांस्पोंडर का सफलतापूर्वक विकास किया गया ।
- एयरबोर्न कंप्यूटरों हेतु स्वदेशी रियल टाइम ऑपरेटिंग सिस्टंम (आर टी ओ एस) का अभिकल्पन एवं विकास पूरा किया गया ।
- विभिन्न सामग्रियों के साथ इंजन कंपोनेंट के प्रोटोटाइप विनिर्माण में 3डी प्रिटिंग टैकनोलॉजी (एडीटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस) का प्रयोग किया गया ।

  एचएएल ने प्रौद्योगिकियों एवं प्रक्रियाओं को जानने एवं उसके मूल्यांकन हेतु कम्पनी भर में यह अभियान जारी रखा है, जो अपनी बौद्धिक सम्पदा क्षेत्र को निर्मित करेगा । उक्त वर्ष के दौरान एचएएल ने 102 आईपीआर आवेदन दायर किए हैं, जिससे कम्पनी द्वारा दायर आईपीआर की संख्या संचयी रूप में 1308 हो गई है । उक्त वर्ष के दौरान 12 आईपीआर के लिए भी मंजूरी दी गई है, जिससे संगठन स्तर पर संचयी रूप में आईपीआर की संख्या 42 तक हो गई है ।

मेक इन इंडिया पहल

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत बृहत एरोस्पेस रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में एचएएल ने "मेक इन इंडिया" संकल्पना को अपनाने हेतु कई कदम उठाए हैं तथा तदनुसार विमान, हेलिकॉप्टर, एरो इंजन, यूएवी, एवियॉनिक्स, यांत्रिक प्रणाली आदि जैसे विमान आज जैसी विमान प्रणालियों के स्वदेशी विकास हेतु एचएएल में कई रणनीतियाँ कार्यान्वित की जा रही हैं । एचएएल में प्रारंभ की गई कुछ पहल निम्नवत है ।

- एचएएल ने विभिन्न एचएएल प्रोजेक्टों जैसे एचएएल पोर्टल में एएलएच, एलसीए, डीओ–228 एवं जगुआर आदि के लिए यांत्रिक, वैद्युत, एवियॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन की 300 से भी अधिक प्रणालियों तथा उप प्रणालियों को प्रदर्शित किया है, जिससे आयात के विकल्प के रूप में स्वदेशीकरण हेतु निजी उद्योग आगे बढ़ने में समर्थ हो सकें । इसे "मेक इन इंडिया" के अंतर्गत www.hal-india.com के माध्यम से देखा जा सकता है ।
- एचएएल ने सुखोई – 30 एमकेआई के आरओएच के लिए 270 स्पेयरों/मदों से भी अधिक को प्रदर्शित किया है जिसके लिए मैन्युफैक्चरिंग, आरओएच, टीओटी उपलब्ध नहीं है तथा जिन्हें "मेक इन इंडिया" के अन्तर्गत एचएएल वेबसाइट में रूसी मूल उपस्कर विनिर्माताओं (ओइएम) से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) के अंतर्गत भारत में निर्मित किया जाना है ।
- "मेक इन इंडिया" के अंतर्गत एचएएल वेबसाइट पर सिस्टम/एलआरयू के एकीकरण पर भारतीय उद्योगों से प्रतिक्रियाएं/प्रत्युत्तर प्राप्त हुए । तदनुसार प्रणालियों/उपप्रणालियों/स्पेयरों के स्वदेशीकरण हेतु कार्रवाइयाँ की गई हैं ।
- एचएएल में उपलब्ध परीक्षण सुविधाओं का विवरण, जिसका उपयोग निजी उद्योग द्वारा किया जा सके, उन्हें एचएएल वेबसाइट में भी प्रदर्शित किया जाता है और इन्हें "मेक इन इंडिया" के अंतर्गत www.hal-india.com के माध्यम से देखा जा सकता है ।

गुणवत्ता पहल एवं संरक्षा

एचएएल के सभी उत्पादन प्रभागों तथा अनुसंधान विकास केंद्रों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय एरोस्पेस स्टैंडर्ड एएस–9100 में प्रत्यायित (एक्रीडिटेड) किया जाना जारी है । इसके अतिरिक्त, सभी उत्पादन प्रभाग एवं अनुसंधान एवं अभिकल्प केंद्र कम्पनी के दस्तावेजी अनुमोदन एवं गुणवत्ता प्रबंधन अपेक्षाओं (एएफक्यूएमएस) के अनुसार वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) द्वारा अनुमोदित हैं। सिविल ग्राहकों के प्रबंधन हेतु उत्पादन प्रभाग नागर विमानन, महानिदेशक (डीजीसीए) द्वारा उत्पादन/अनुरक्षण संगठन के रूप में अनुमोदित हैं, जबकि उत्पादन प्रभाग जो उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं तथा जिनकी सेवाएँ राष्ट्रीय एरोस्पेस डिफेंस कॉन्ट्रैक्टर्स एक्रेडिटेशन प्रोग्राम (नैडकैप) में भी सर्टिफाइड हैं, जिनमें एयर बस, बोईंग, टर्बोमेका, रॉल्स रॉयस आदि जैसे मूल उपस्कर विनिर्माताओं से अनुमोदन प्राप्त है । एचएएल प्रयोगशालाओं को नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एवं कैलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एनएबीएल) द्वारा आईएस 17025 के अंतर्गत एक्रिडेटेड है ।

एचएएल के अनुसंधान एवं अभिकल्प केंद्र ने सैन्य उड़न योग्यता एवं प्रमाणन केंद्र (सेमिलैक) से अभिकल्प संगठन संबंधी अनुमोदन तथा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से इन हाउस अनुसंधान एवं विकास की मान्यता प्राप्त करना जारी रखा है । सॉफ्टवेयर के विकास में संलग्न अनुसंधान एवं विकास केंद्र के पीएमजी यूएसए द्वारा कैपेबिलिटी, मैच्योरिटी मॉडल इंटिग्रेशन फॉर डेवलपमेंट मेच्योरिटी लेवल 3 (सीएमएमआईएमएल–3) से सर्टिफाइड है ।

प्रभागों में गुणवत्ता चक्र, गुणवत्ता सुधार टीम तथा सिक्स सिग्मा प्रोजेक्ट टीम जैसी अभ्यास संकल्पना द्वारा "कर्मचारियों के माध्यम से गुणवत्ता सुधार" कार्यक्रम में प्रतिभागिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है । चेन्नई में आयोजित नेशनल कन्वेंशन क्वालिटी सर्कल (एनसीक्यूसी) में 100 सदस्यों से भी अधिक ने 26 क्वालिटी सर्कल टीम के अंतर्गत भाग लिया । सर्वोत्कृष्ट श्रेणी के अंतर्गत 12 सर्कल ने पुरस्कार जीते, उत्कृष्ट श्रेणी में 13 सर्कल ने पुरस्कार जीते तथा लब्ध प्रतिष्ठित पुरस्कार 01 सर्कल ने प्राप्त किया ।

बेड़े से संबंधित विशिष्ट प्रचालनीय समस्याओं के निवारण हेतु ग्राहक प्रचालन बेस पर प्रचालकों के लिए सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ अभ्यास हेतु जारी रखी जाती हैं ।

भारतीय वायु सेना द्वारा एएलएच, मिग–21, जगुआर, हॉक, सुखोई–30, मिराज तथा मिग–29 बेड़ो के लिए संयुक्त लेखापरीक्षा (जेक्यूए) को संपन्न किया गया । संयुक्त लेखा परीक्षा (जेक्यूए) की टिप्पणियों/संस्तुतियों को उत्पाद में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को सुधारने हेतु कार्यान्वित किया जा रहा है ।

पिछले एक वर्ष में, तीनों उड़ान स्थानों पर सभी वायुयान प्रभागों ने बेहतर उड़ान संरक्षण रिकॉर्ड बनाए रखा है। सभी प्रभागों में उडान संरक्षा लेखा परीक्षाओं से प्राप्त टिप्पणियों/संस्तुतियों को व्यापक रूप से कार्यान्वित किया गया है तथा उन्होंने वांछित परिणाम भी दिए हैं। सभी रक्षा प्रचालकों के विमान दुर्घटना जाँच में भाग लेने वाले एचएएल अधिकारियों के ज्ञान के स्तर में वृद्धि करने हेतु दिनांक 5–8 जून, 2017 तक एचएएल में "उड़ान संरक्षा एवं दुर्घटना जाँच" संबंधी चार दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया । विभिन्न प्रभागों से लगभग 60 अधिकारी इस कोर्स में भाग लेंगे ।

एचएएल प्रभागों में उपलब्ध त्रुटि जाँच संबंधी प्रक्रिया एवं विभिन्न सुविधाओं/आधारभूत सुविधाओं के बारे में जागरूक बनाने हेतु वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 08 मार्च, 2017 को आयोजित "एरोस्पेस सेफ्टी कॉनक्लेव" के दौरान एचएएल द्वारा एक प्रस्तुतीकरण तैयार किया गया है ।

हाल ही में एचएएल को आईएक्यूजी (अंतर्राष्ट्रीय एरोस्पेस गुणवत्ता समूह) के सदस्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है । इससे एचएएल को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक (नामत: एएस 9100 मानकों.......) के संसाधन एवं प्रस्तावना हेतु हस्ताक्षरकर्ता के रूप में अमेरिका, यूरोप एवं एशिया पेसिफिक के 67 संगठनों में सम्मिलित होकर उनमें से एक होने की मान्यता प्राप्त हुई है ।

मानव संसाधन विकास

कर्मचारियों की संख्या दिनांक 31 मार्च, 2017 के अनुसार 29,526 है ।

उक्त वर्ष 2016–17 के दौरान, 33 अधिकारियों को अपना ज्ञान तथा अपनी सक्षमता निर्मित करने हेतु उक्त अधिकारियों को सुअवसर प्रदान किए जाने के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम, क्रेनफील्ड विश्वविद्यालय, यूके; मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिच्यूट (एमडीआई), गुड़गाँव तथा कानपुर, रुड़की, मद्रास, बॉम्बे तथा खड़गपुर स्थित इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के लिए स्पांसर करते हुए भेजा गया। इसके अतिरिक्त अन्य 4 अधिकारियों को भी आईआईटी में पीएचडी कार्यक्रम हेतु स्पांसर किया गया ।

उक्त समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कुल 3542 प्रशिक्षुओं (डिप्लोमा धारकों तथा इंजीनियरिंग स्नातकों सहित) ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया ।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी / एसटी) के प्रतिनिधित्व के संबंध में स्थिति निम्नवत है:

01 जनवरी, 2016 एवं 01 जनवरी, 2017 को कंपनी की कुल संख्या में अनु. जाति तथा अनु.जनजाति के कर्मचारियों का विवरण

श्रेणी (ग्रेड/वेतनमान)	दिनांक तक कर्मचारियों की कुल संख्या		दिनांक तक अनु. जाति के कर्मचारियों की संख्या		दिनांक तक अनु. जनजाति के कर्मचारियों की संख्या	
	1.1.2016	1.1.2017	1.1.2016	1.1.2017	1.1.2016	1.1.2017
ग्रुप – ए (ग्रेड–II एवं इससे ऊपर)	9234	9041	1614	1599	541	541
ग्रुप – बी (ग्रेड–I)	216	92	35	17	12	7
ग्रुप – सी (स्केल – 3 से स्पेशल स्केल तक)	20908	20507	3623	3545	1502	1470
ग्रुप – डी (स्केल –1 एवं 2): (i) सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त (ii) सफाई कर्मचारी	19 –	18 –	5 –	5 –	– –	– –
कुल	**30376**	**29658**	**5277**	**5166**	**2055**	**2018**

01 जनवरी, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 तक की अवधि के दौरान की गई भर्तियाँ, तथा उनमें अनु.जाति एवं अनु.जनजातियों की स्थिति

श्रेणी (ग्रेड/वेतनमान)	भरे गए कुल पदों की संख्या	हेतु आरक्षित पदों की संख्या		नियुक्ति द्वारा भरे गए पदों की संख्या	
		अनु.जातियों	अनु. जनजातियों	अनु.जातियों	अनु. जनजातियों
ग्रुप – ए (ग्रेड–II एवं इससे ऊपर)	15	7	6	1	–
ग्रुप – बी (ग्रेड–I)	1	–	1	–	–
ग्रुप – सी (स्केल – 3 से स्पेशल स्केल तक)	236	67	37	45	20
ग्रुप – डी (स्केल –1 एवं 2) (iii) सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त (iv) सफाई कर्मचारी	– –	– –	– –	– –	– –
कुल	**252**	**74**	**44**	**46**	**20**

01 जनवरी, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 तक की अवधि में रिक्त पद आधारित की गई पदोन्नतियाँ तथा उनमें अनु.जाति एवं अनु. जनजातियों की स्थिति

श्रेणी (ग्रेड/वेतनमान)	पदोन्नत कर्मचारियों की कुल संख्या	हेतु किए गए आरक्षण की संख्या		पदोन्नति द्वारा भरे गए पदों की संख्या	
		अनु.जातियों	अनु. जनजातियों	अनु.जातियों	अनु. जनजातियों
ग्रुप – ए (ग्रेड–II एवं इससे ऊपर)	952	लागू नहीं	लागू नहीं	164	49
ग्रुप – बी (ग्रेड–I)	–	–	–	–	–
ग्रुप – सी (स्केल – 3 से स्पेशल स्केल तक)	–	–	–	–	–
ग्रुप – डी (स्केल –1 एवं 2):					
(v) सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त	–	–	–	–	–
(vi) सफाई कर्मचारी	–	–	–	–	–
कुल	**952**	**–**	**–**	**164**	**49**

कर्मचारी संबंध (ईआर)/औद्योगिक संबंध

कंपनी में कर्मचारी संबंध का परिदृश्य शांतिपूर्ण रहा है । प्रभावी संप्रेषण हेतु प्रबंधन एवं यूनियनों/एसोसिएशनों के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सहज संबंध बनाए रखे गए हैं, ताकि विरोध एवं गलतफहमी की कोई गुंजाइश न रहे तथा इस प्रकार औद्योगिक सौहार्दता बनी रहे । मुद्दों पर चर्चा हेतु प्रभागीय, कॉम्प्लेक्सों एवं मुख्यालय स्तर पर मान्यता प्राप्त यूनियनों/अधिकारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित की गईं ।

उत्पादन संबंधी मुद्दों तथा अन्यो संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने एवं उन्हें सुलझाने के लिए प्रभागों में संयंत्र स्तर तथा शॉप स्तर समितियों के प्रबंधन प्रतिनिधि कामगार/यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ सक्रिय होकर कार्य कर रहे हैं । कर्मचारी/लोक शिकायत/अभ्यावेदनों के निवारण हेतु, कंपनी में व्यथा निवारण प्रक्रिया का प्रावधान भी है ।

कर्मचारी कल्याण

विभिन्न उपायों के माध्यम से कर्मचारियों का कल्याण भी देखा जा रहा है, जिसमें चिकित्सा सुविधाएँ, आवासीय सुविधाएँ, कैंटीन सुविधाएँ, कर्मचारियों के बच्चों के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ, यूनिफॉर्म, स्पोर्ट्स सुविधाएँ, विभिन्न भत्ते आदि शामिल हैं ।

राजभाषा कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु एचएएल के सभी प्रभागों द्वारा सभी प्रयास किए जा रहे हैं । राजभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने हेतु, कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागृत करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । उक्त वर्ष के दौरान "अखिल एचएएल राजभाषा संगोष्ठी" का आयोजन एचएएल प्रबंध अकादमी में दिनांक 07–08 जुलाई, 2016 को आयोजित किया गया । इस असवर पर राजभाषा गृह पत्रिका **"नभरत्न"** का विमोचन किया गया । हिन्दी पखवाड़ा – 2016 का आयोजन दिनांक 14 सितंबर, 2016 से 28 सितंबर, 2016 तक किया गया। हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप अधिकांश प्रभाग नियमित रूप से हिन्दी पत्रिकाओं के प्रकाशन के साथ–साथ पाक्षिक/मासिक/तिमाही न्यूज लेटर भी प्रकाशित किए जाते हैं । एचएएल प्रत्येक एकांतर वर्ष में **अखिल एचएएल हिन्दी उत्सव** का भी आयोजन करता हैं, जिसमें भारी संख्या में कर्मचारी विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों में भाग लेते हैं । उक्त वर्ष के दौरान कोरापुट प्रभाग में दिनांक 9 से 12 नवंबर, 2016 तक अखिल एचएएल हिन्दी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्यालय स्तर पर यथागठित **हिन्दी मार्गदर्शन समिति** द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है । उक्त शीर्षस्थ समिति द्वारा लिए गए निर्णयों को पूरी कंपनी में कार्यान्वित किया जाता है । राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा नीति के संबंध में महत्त्वपूर्ण अनुदेशों को एचएएल डायरी 2017 में प्रकाशित भी किया गया है ।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर रोक

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं निदान) अधिनियम, 2013 को कंपनी में अधिसूचित किया गया है । समय–समय पर प्राप्त दिशा–निर्देशो के अनुसार कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने हेतु आवश्यक कार्रवाइयाँ की गई हैं । इस संबंध में एचएएल ने अधिकारियों के लिए लागू आचरण, अनुशासन एवं अपील (सीडीए) नियमावली तथा कर्मचारियों के लिए लागू प्रामाणिक स्थायी आदेश में उपयुक्त संशोधन किए हैं ।

उक्त अधिनियम की धारा–4 अनुसार आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई है । वर्ष 2016 से संबंधित सूचना उक्त अधिनियम की धारा 22 के अनुसार निम्न रूप में दर्शायी गई है:

(i)	दिनांक 1–1–2016 के अनुसार लंबित मामलों की संख्या	–	4
(ii)	वर्ष 2016 में प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	–	4
(iii)	वर्ष 2016 के दौरान निपटाये गए शिकायतों की संख्या	–	4
(iv)	दिनांक 31–12–2016 के अनुसार लंबित मामलों (4) की स्थिति	–	जाँच प्रक्रियाधीन

सूचना–प्रौद्योगिकी संबंधी पहल

भारत सरकार की डिजिटल इंडिया नीति के अनुरूप, एचएएल ने सूचना–प्रौद्योगिकी के नवाचार प्रयोग के माध्यम से ग्राहकों के अनुभव, प्रक्रियाओं में सुधार तथा गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु महत्त्वपूर्ण पहल प्रारंभ की है ।

ग्राहकोन्मुखी कार्यक्रम

ग्राहकों की प्रसन्नता हेतु एक नये पोर्टल "हैप्पी कस्टमर" को प्रारंभ किया गया जो आरएफक्यू के संबंध में ग्राहकों को कम से कम समय में कोट (quote) करने, प्रतिनियुक्ति पर टीम संबंधी अनुरोध की ऑनलाइन ट्रेकिंग एवं ग्राहकों के प्रश्नों/ पत्रों के प्रत्युत्तर के लिए यूनिफाइड ट्रैकिंग प्रक्रिया हेतु समर्थ बनाती है । आगे डाटा विश्लेषण का उपयोग करना, बेड़ेवार रिपोर्ट, निष्पादन को दर्शाना तथा बेड़े से संबंधित महत्त्वपूर्ण मुद्दों को मात्र सिंगल क्लिक द्वारा प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु प्राप्त किया जा सकता है ।

गुणवत्ता संबंधी जागरूकता

गुणवत्ता पहलुओं हेतु जागरूकता में सुधार करने के लिए, आपकी कंपनी गुणवत्ता डैशबोर्ड को लागू करने की प्रक्रिया में है, जो कम से कम समय में एलआरयू के त्रुटि विश्लेषण, इंजन पार्ट्स, प्राय: अस्वीकृत पार्ट्स एवं समय से पूर्व वापसी में सहायक होगा ।

प्रक्रिया में सुधार एवं सहयोग

कागज रहित कार्यालय निर्मित करने के उद्देश्य से आपकी कंपनी ने डिजिटल फाइल सिस्टम संबंधी पायलट प्रोजेक्ट प्रांरभ किया है । इस प्रणाली से फाइलों को निपटाने एवं निर्णय लेने की दक्षता में वृद्धि होने की आशा है । ई–फाइल की सुरक्षा के सुनिश्चयन हेतु टीओटीपी (समय आधारित ओटीपी प्रौद्योगिकी) का प्रयोग करके दो फैक्टर आधारित प्रमाणन का उपयोग किया गया है । आगे, कंपनी में प्रभावी सहयोग हेतु कारोबार के लिए स्काइप के माध्यम से क्लाउड आधारित विडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली को समर्थ बनाया जाता है ।

सूचना प्रौद्योगिकी की बुनियादी तैयारी हेतु, आपकी कंपनी नें पूरी कंपनी में एमपीएलएस कनेक्टिविटी के माध्यम से निजी नेटवर्क को सुरक्षित रखने हेतु उच्च बैंड विड्थ को स्थापित करने का निर्णय लिया हैं ।

सामग्री प्रबंधन प्रक्रिया की मॉनिटरिंग केन्द्रीकृत आईएमएम पोर्टल के अंतर्गत की गई है, जिससे क्रय आवेदनों पर कार्रवाई करने एवं रिपोर्टों को प्राप्त करके अंतिम रूप देने के संबंध में निर्धारित समय (cycle time) में कमी लाने के उद्देश्य से केन्द्रीकृत मॉनिटरिंग सुविधा प्रदान की गई है ।

शीर्ष प्रबंधन (ग्रेड–IX) एवं उससे ऊपर के लिए निष्पादन मूल्यांकन (पीएआर) को ऑनलाइन किया गया है, जो डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन के लिए शीर्ष प्रबंधन की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है ।

सूचना-प्रौद्योगिकी संबंधी सुरक्षा:

कंपनी ने एंड पवाइंट प्रोटेक्शन के साथ पूरी कंपनी में एक्टिव डायरेक्टरी (एडी) को कार्यान्वित किया है, जो सूचना-प्रौद्योगिकी संबंधी सुरक्षा नीति के लिए कंपनी के प्रत्येक डेस्क टॉप के अनुसरण को सुनिश्चित करता है तथा दैनिक आधार पर केन्द्रीय रूप से अद्यतन सुरक्षा पैचेज से सभी डेस्क-टॉप को अपडेट रूप में सुसज्जित करने में सहायकता प्रदान करता है ।

पुरस्कार एवं सम्मान

एचएएल ने वर्ष 2016-17 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्य-निष्पादन की मान्यता हेतु कई पुरस्कार जीते हैं । इन पुरस्कारों को सार रूप में नीचे दिया गया है:-

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा दिनांक 11 अप्रैल 2016 को नई दिल्ली में स्कोप एक्सलेंस अवार्ड प्रदान किया गया

कंपनी स्तर

- एचएएल को भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 11 अप्रैल, 2016 को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान हेतु "स्कोप एक्सेलेंस अवार्ड" प्रदान किया गया है ।
- एचएएल को वर्ष 2015-16 हेतु रु.500 करोड़ से अधिक की कुल बिक्री वाली सूचीबद्ध रहित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की श्रेणी में द्वितीय कार्पोरेट गवर्नेंस एक्सेलेंस अवार्ड के लिए दिनांक 2 दिसंबर, 2016 को नई दिल्ली में "एसोसिएटेड चैम्बेर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम-एएसएसओसीएचएम)" द्वारा चुना गया है ।
- एचएएल को कारोबार उत्कृष्टता में उच्चतम कार्य करने हेतु इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (आईईआई) द्वारा "इंडस्ट्री एक्सलेंस अवार्ड 2016 के विजेता के रूप में दिनांक 16 दिसंबर, 2016 को कोलकाता में चुना गया ।
- एचएएल ने "गवर्नेंस नॉव" मैगजीन द्वारा 23 दिसंबर, 2016 को नई दिल्ली में "सीएसआर पहल, "एचआर पहल तथा इनफॉर्मेशन एंड कॉम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) पहल की श्रेणियों के अंतर्गत "गवर्नेंस नॉव" पीएसयू अवार्ड 2016 प्राप्त किया ।
- एचएएल को स्कॉच ग्रुप द्वारा हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर के अभिकल्पन एवं विकास हेतु नई दिल्ली में 15 दिसंबर, 2016 को 46 वें स्कॉच सम्मिट 2016 में "स्कॉच ऑर्डर ऑफ-मेरिट अवार्ड" तथा "स्कॉच प्लैटिनम अवार्ड" प्रदान किया गया है ।
- एचएएल को भारतीय औद्योगिक इंजीनियरिंग संस्थान (आईआईआईई) द्वारा परफॉर्मेंस उत्कृष्टता पुरस्कार -2015 "एचएएल द्वारा राष्ट्र को दिए गए योगदान एवं उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने हेतु दिनांक 24 जून 2016 को नागपुर में प्रदान किया गया है ।

- एचएएल को मैन्युफैक्चरिंग – ट्रांसपोर्टेशन इक्विपमेंट सेक्टर की श्रेणी के अंतर्गत “इंडियाज टॉप पीएम अवार्ड–2016” दिनांक 22 अगस्त, 2016 को नई दिल्ली में इन एंड ब्रैडस्ट्रीट” द्वारा प्रदान किया गया है ।

- एचएएल को 13 फरवरी 2017 को बेंगलूरु में एसएपी मीडिया वर्ल्डवाइड लिमिटेड द्वारा “कंपनी ऑफ द इयर” श्रेणी के अंतर्गत “एरोस्पेस एंड डिफेन्स अवार्ड 2017” प्रदान किया गया है ।

- एचएएल को दिनांक 22 जून 2016 को फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) द्वारा व्यापक मैन्युफैक्चरिंग की गोल्ड–श्रेणी में “बेस्ट मैन्युफैक्चरिंग एक्सपोर्टर” के लिए “एक्सपोर्ट एक्सेलेंस अवार्ड–2016” प्रदान किया गया है ।

प्रभागीय स्तर

- कोरापुट प्रभाग को राजभाषा के क्षेत्र में प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा सेवा संस्थान द्वारा “कार्यालय दीप” पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।

- फाउंड्री एवं फोर्ज प्रभाग को दिनांक 14 अक्टूबर, 2016 को आईआईटी, मुम्बई में “प्रोन्नत प्रशिक्षक विमान हेतु मेटेलोसिरैमिक ब्रेक पैड्स के स्वदेशी विकास” प्रोजेक्ट हेतु एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एईएसआई) अवार्ड 2015 प्रदान किया गया ।

- इंजन प्रभाग, कोरापुट ने आईआईटी, मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना हेतु आपूर्ति करने के लिए 46 प्रकार के कॉम्प्रेसरों की स्वदेशी रूप से विनिर्मित मैन्युफैक्चरिंग तथा एएन–32 परिवहन वायुयान के टर्बाइन ब्लेड्स, एमआई–8 तथा एमआई–17 हेलिकॉप्टरों के लिए “प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी अवार्ड” – 2015 प्राप्त किया ।

- एचटीटी–40 टीम को 14 अक्टूरबर, 2016 को आईआईटी, मुंबई में एचटीटी–40 को रिकॉर्ड समय में विकसित करने हेतु “एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा विमानन में नवाचार हेतु भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार” पहली बार प्रदान किया गया ।

- विमानन अनुसंधान एवं अभिकल्प केंद्र (एआरडीसी), एचएएल ने वर्ष 2015–16 हेतु राजभाषा गृह पत्रिका “क्षितिज” को प्रथम पुरस्कार तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास–टॉलिक), बेंगलूर के अंतर्गत आनेवाले बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया ।

व्यक्तिगत स्तर

- इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (भारत) ने अपने चौथे इंडियन टेक्नोलॉजी कांग्रेस (आईटीसी–2016) ने दिनांक 1 दिसंबर, 2016 को बेंगलूर में श्री टी सुवर्ण राजु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएएल को “टेक्नोलॉजी लीडरशिप अवार्ड” प्रदान किया ।

- इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ मैटेरियल मैनेजमेंट (आईआईएमएम) ने दिनांक 25 नवम्बर, 2016 को हैदराबाद में नेशनल कन्वेंशन इवेंट (नैटकॉम 2016) के दौरान श्री टी सुवर्ण राजु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएएल को कॉर्पोरेट लीडरशिप अवार्ड –2016 प्रदान किया गया है ।

- वर्ष 2015 हेतु तेजस विमान हेतु उत्पादन सुविधा स्थापित करने में उनके निष्ठापूर्ण किए गए उद्यम तथा श्रृंखला उत्पादन हेतु सीमित श्रृंखला उत्पादन से एलसीए” के उत्पादन मानक के अपग्रेडेशन में उनके प्रयासों की मान्यता हेतु एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एईएसआई) द्वारा श्री वी. श्रीधरन, अधिशासी निदेशक, एलसीए तेजस प्रभाग को प्रतिष्ठित डॉ. वी एम घाटगे पुरस्कार प्रदान किया गया ।

- श्री अब्दुल रशीद तज़र, प्रबंधक (डी–एईआर), आरडब्ल्यूआरडीसी को वर्ष 2014–15 हेतु हेलिकॉप्टर के गुणवत्ता, कार्य–निष्पादन एवं सजगता की स्थिति के अनुसार हेलिकॉप्टर को संभालने में सुधार के कार्य की मान्याता के लिए “टेक्नोलॉजी इनोवेशन” हेतु सोडेट (SODET) ब्रांज पुरस्कार” प्रदान किया गया ।

सतर्कता

आपकी कंपनी में स्वतंत्र सतर्कता विभाग है, जिसके प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी, (सीवीओ) हैं । कंपनी के सतर्कता विभाग का मुख्य बल संगठन के हितों के सुरक्षोपाय को ध्यान में रखते हुए भ्रष्टाचार एवं दुर्भावना के साथ किए गए कार्यों को रोकने हेतु निवारणात्मक एवं अग्रसक्रिय रूप से सतर्कता संबंधी कार्यकलापों को करना तथा पारदर्शी रूप से सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने हेतु लोगों को अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रारंभ किए गए सतर्कता विभाग के कुछेक महत्त्वपूर्ण कार्यकलापों को निम्नवत दिया गया है :

(क) **भूमि संबंधी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण :** कंपनी के भूमि संबंधी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण दिसंबर 2016 में पूरा किया गया । बेंगलूर में 2100 एकड़ में फैली भूमि का लगभग 8000 पृष्ठों तथा तुमकुर में 600 एकड़ की भूमि के रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में तैयार किया गया है, जिसमें राजपत्र अधिसूचना, अवार्ड कॉपियाँ, आरटीसी, हैंडिंग/टेकिंग ओवर सर्टिफिकेट तथा गाँवों के नक्शे हैं ।

(ख) सतर्कता विभाग प्रचलित प्रणालियों में सुधार तथा पारदर्शिता बढ़ाने हेतु प्रबंधन को महत्त्वपूर्ण तथ्य प्रदान करता है । प्रक्रियाओं को उपयुक्त बनाने हेतु प्रणाली का अध्ययन पूरा कर उनके उपायों को कार्यान्वित किया गया:

- ➢ टाउनशिप प्रशासन, चहारदीवारी का भूमि प्रबंधन निर्माण कार्य आदि ।
- ➢ बाह्यस्रोत के विक्रेताओं का/सहित वेंडर रजिस्ट्रेशन
- ➢ ऑर्डर देने के अनुरोध, ऑर्डर के निष्पादन तथा भुगतान दिए जाने के संबंध में समय–सीमा का निर्धारण ।
- ➢ सीएसआर प्रोजेक्ट्स संबंधी निवारक जाँच, जिसमें इसका सुनिश्चयन हो सके कि इन्हें उपयुक्त रूप से निष्पादित किया जा रहा है तथा गलतियों पर उपयुक्त सुधार हेतु समय पर हस्तक्षेप किया जाना ।

उक्त वर्ष के दौरान 15 प्रणालियों में सुधार किए जाने का सुझाव दिया गया तथा कैप्टिव पावर जनरेशन हेतु डीजल में कमी, उप संविदाकार (सब–कॉन्ट्रैक्टर) को जारी सामग्री, आरआर को अंतिम रूप देना, आरटीजीएस भुगतानों की जाँच, सिविल कार्य, संस्थापन एवं कमिशनिंग में विलंब आदि जैस विभिन्न क्षेत्रों में कार्यान्वित किया गया ।

(ग) सतर्कता विभाग सतत रूप से प्रबंधकों में जागरूकता लाकर सचेत रखने तथा निर्णय लेने में “समर्थ बनानेवाले के रूप में सतर्कता” संबंधी कई निर्णयों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गई । सामग्री प्रबंधन, वित्त मानव संसाधन; सर्विस कॉन्ट्रैक्ट, वर्क कॉन्ट्रैक्ट आदि जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्षमता वाले अधिकारियों/पणधारियों के साथ कई कार्यशालाएँ आयोजित की गई ।

(घ) **विडियो ट्यूटोरियल:** सतर्कता दृष्टिकोण एवं शिकायतों/मामलों को निपटाने के संबंध में जागरूक बनाने की दृष्टि से “एचएएल सीडीए नियमावली” के अंतर्गत सतर्कता दृष्टिकोण संबंधी विडियो ट्यूटोरियल “**तेजस टॉक**” जारी किया गया ।

(ङ) **मार्गदर्शन, सतर्कता न्यूजलेटर:**

द्विवार्षिक सतर्कता न्यूजलेटर मार्गदर्शन का प्रकाशन नियमित रूप से किया जा रहा है । आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मुद्दों के निवारण हेतु आवश्यकता महसूस की गई । उक्त वर्ष के दौरान मार्गदर्शन का खंड–XIII, अंक सं. 1 अप्रैल, 2016 में तथा अक्टूबर, 2016 में अंक 2 जारी किया गया, जिसमें “आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन” में दूरदर्शी एवं अनुभवी कार्यपालकों के भी लेख शामिल किए गए ।

(च) **कार्य योजना संबंधी रिपोर्ट का कम्पूटरीकरण:**

निर्धारित कार्य योजना के अनुसार प्रभाग नेमी/आकस्मिक जाँच पूरी कर रहे हैं। प्रभागीय विभागाध्यक्षों द्वारा रिपोर्टों की प्रस्तुति की पहल हरित अनुकूल है, जिसने ओएलआईवी के माध्यम से ऑनलाइन होने के कारण विश्लेषण और आगे जाँच के निष्कर्ष संबंधी कार्रवाई पर निर्णय लेने में लगनेवाले समय को काफी कम कर दिया है ।

(छ) उक्त अवधि के दौरान प्रभागों में 497 आकस्मिक/नेमी जाँच पूरी की गई । भ्रष्टाचार संभावित क्षेत्रों में से 15 मामलों को विस्तृत जाँच के अंतर्गत लिया गया । इस अवधि के दौरान, 330 शिकायतों को निपटाया गया । प्रणाली अध्ययन के दौरान नोट किए गए अपेक्षित सुधार से संबंधित बिन्दुओं तथा जाँचों को उपयुक्त हस्तक्षेप हेतु प्रबंधन की जानकारी में लाया गया । कर्मचारियों के संवेदीकरण पर भी जोर दिया गया और सतर्कता मामलों पर 46 सत्र आयोजित किए गए ।

(ज) 34 मामलों की जाँच पूरी की गई, जिसमें से 12 मामलों को अनुशासनिक कार्रवाई तथा 12 मामलों को प्रशासनिक कार्रवाई के लिए भेजा गया । 11 मामलों को जाँच के दौरान कोई प्रतिकूलता न होने की स्थिति में आगे की कार्रवाई को बंद कर दिया गया । उक्त अवधि के दौरान अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा अंतिम आदेशों में 6 बड़े दंड व 11 छोटे दंड और 47 के मामलों में एडवाइजरी जारी की गई ।

निदेशक का उत्तरदायित्वपूर्ण वक्तव्य

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (ग) के उपबंधों के अनुसरण में आपके निदेशकों ने बताया है कि:–

(क) 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखे की तैयारी में प्रयुक्त लेखा मानकों को सामग्री प्रेषण संबंधी उचित स्पष्टीकरण दिया गया था ।

(ख) निदेशकों ने ऐसी लेखाकरण नीतियों का चयन किया है तथा उन्हें सतत रूप से प्रयोग में भी लाया है और ऐसा निर्णय भी लेते हुए अनुमानित बजट तैयार किया गया जो तर्कपूर्ण एवं वास्तविक हो, जिससे 31 मार्च 2017 को कंपनी के कार्यों की स्थिति सत्य एवं निष्पक्ष दिखाई दे तथा उसी तारीख पर समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लाभ एवं हानि को भी दर्शाया गया है ।

(ग) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों के सुरक्षोपायों के लिए तथा धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा इसका पता लगाने के लिए इन अधिनियमों के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखाकरण रिकार्ड के अनुरक्षण के लिए उचित एवं पर्याप्त देखभाल की गई है ।

(घ) निदेशकों ने "सतत सरोकार" के आधार पर वार्षिक लेखे तैयार किए हैं ।

(ङ) निदेशकों ने सभी लागू नियमों के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त प्रणालियाँ तैयार की है तथा ऐसी प्रणालियाँ पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से प्रचालित रहीं ।

लेखा परीक्षक एवं लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सांविधिक लेखा परीक्षक

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखे की लेखापरीक्षा करने के लिए मेसर्स वेंकटराम एवं कंपनी, शासपत्रित लेखाकार, बेंगलूर को सांवधिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया तथा शासपत्रित लेखाकारों की 19 फर्मों को शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया ।

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में संदर्भित वित्तीय विवरण में की गई टिप्पणियाँ स्वतः स्पष्ट हैं तथा इस संबंध में आगे टिप्पणी की कोई आवश्यकता नहीं है ।

लागत लेखापरीक्षक

मेसर्स केपीआर एंड एसोसिएट्स, लागत लेखाकार, बेंगलूर को वर्ष 2016–17 हेतु कंपनी की लागत लेखापरीक्षा करने हेतु लागत लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए ।

सचिवीय लेखा परीक्षक

मेसर्स बीआरकेएस एवं एसोसिस्ट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रटरीज, बेंगलूर को वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु सचिवीय लेखा परीक्षा को संचालित करने हेतु नियुक्त किए गए । उक्त लेखापरीक्षकों द्वारा प्रस्तुत सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट **अनुबंध -V** के अनुसार बोर्ड रिपोर्ट में संलग्न है तथा वार्षिक रिपोर्ट का भाग है । उक्त रिपोर्ट में कोई आशोधन, प्रतिबंध अथवा प्रतिकूल टिप्पणियाँ नहीं है ।

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए वार्षिक लेखा पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट तथा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) के भारत के अंतर्गत नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी इस रिपोर्ट में संलग्न है ।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) संशोधित नियमावली 2015 के नियम 13 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(12) के अधीन लेखापरीक्षक द्वारा कोई कपट के संबंध में रिपोर्ट नहीं की गई है ।

नैगम शासन

कंपनी नैगम शासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने हेतु प्रतिबद्ध है तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा निर्धारित नैगम शासन अपेक्षाओं का अनुपालन करती है । सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशा निर्देशों के अंतर्गत यथानिर्धारित नैगम शासन संबंधी रिपोर्ट इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है । नैगम शासन की शर्तों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए संबंधित मेसर्स बीआरकेएस एंड एसोशिएट्स, कंपनी सेक्रटरीज, बेंगलूर से प्राप्त आवश्यक प्रमाण पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है ।

प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

सार्वजनिक उद्यम विभाग के मार्गनिर्देशों के अंतर्गत यथानिर्धारित समीक्षाधीन वर्ष हेतु प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट संलग्न है तथा वह इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है ।

सतर्कता पद्धति

कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं इनकी शक्तियाँ) के नियम के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177(9) के उपबंधों तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशा निर्देशों के अनुपालन में, कंपनी ने अनैतिक व्यवहार, वास्तविक अथवा संदिग्ध धोखाधड़ी अथवा कंपनी की आचरण संहिता अथवा आचार नीति के उल्लंघन की रिपोर्ट के संबंध में निदेशकों एवं कर्मचारियों के लिए कदाचार सचेतक नीति को अपनाया तथा सतर्कता पद्धति को स्थापित किया है ।

कर्मचारियों को कदाचार सचेतक नीति के माध्यम से किसी भी प्रकार के मामले को उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा किसी भी कर्मचारी द्वारा लेखा परीक्षा समिति के पहुंचने पर मना नहीं किया गया है । कदाचार सचेतक नीति कंपनी की वेबसाइट www.hal-india.com पर उपलब्ध है ।

आभार

बोर्ड ने कंपनी के मूल्यवान ग्राहकों, विशेष रूप से रक्षा सेवाओं के प्रति उनके द्वारा कंपनी के प्रबंधन के लिए दी गई सहायता एवं विश्वास हेतु अपना आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में इस पारस्परिक सहयोगात्मक संबंध को जारी रखने की अपेक्षा रखता है ।

आपके निदेशक कंपनी के समस्त प्रयासों में भारत सरकार विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा प्राप्ति तथा रक्षा वित्त के साथ-साथ भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों से प्राप्त सहायता एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हैं ।

कंपनी भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षक एवं पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड, सांविधिक लेखापरीक्षक, बैंकर्स, सहयोगियों, संयुक्त उद्यम भागीदारों तथा आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदत्त सेवाओं एवं प्रदान किए गए सहयोग हेतु उनकी सराहना करती है ।

आपके निदेशक कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कामगरों द्वारा प्रतिबद्ध सेवाओं के लिए हृदय से इनकी सराहना करते हुए उनके प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं ।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

टी सुवर्ण राजु

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 17 जुलाई, 2017

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

1. उद्योग परिदृश्य

1.1 वैश्विक परिदृश्य

1.1.1 डेल्यॉइट के "2017 वैश्विक एरोस्पेस एंड डिफेंस सेक्टर आउटलुक" के अनुसार, वैश्विक एरोस्पेस एवं डिफेंस सेक्टर के अंतर्गत कॉमर्शियल एरोस्पेस आते हैं तथा उक्त रक्षा क्षेत्र के वर्ष 2017 में लगभग 2.0% तक बढ़ने की आशा है । उक्त अपेक्षित वृद्धि मुख्य क्षेत्रीय शक्तियों से प्राप्त हुए रक्षा व्यय में वृद्धि के कारण होगी, जो 3.2% तक रक्षा क्षेत्र के राजस्व की अपेक्षित वृद्धि को बढ़ाएगी, जबकि वर्ष 2017 में कॉमर्शियल एरोस्पेस क्षेत्र राजस्व में 0.3% की मार्जिनल वृद्धि के समतुल्य होने की संभावना है ।

1.1.2 वर्ष 2017 में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के रक्षा बज़ट में गिरावट के 5 वर्ष की अवधि के पश्चात, अपनी सेना को सशक्त बनाने पर केंद्रित करते हुए उनके रक्षा बज़ट में वृद्धि होने की आशा है । आगे वैश्विक रक्षा बाजार यूएई, सउदी अरब, भारत, दक्षिण कोरिया, जापान एवं चीन में विशेष रूप से रक्षा एवं सैन्य उत्पाद की माँग को पूरा करने हेतु रक्षा के क्षेत्र में व्यय में वृद्धि के लिए वैश्विक सुरक्षा खतरे के कारण वृद्धि होगी ।

1.1.3 वैश्विक कॉमर्शियल एरोस्पेस क्षेत्र वर्ष 2017 में अगली पीढ़ी के विमान एवं बढ़ते पैसेंजर ट्रैफिक की माँग से प्रभावित होगा। बहुत से देशों और क्षेत्रों में हवाई यात्रा की माँग दिनों-दिन बढ़ रही है, विशेष रूप से एशिया एवं मध्य पूर्व में इसे संपत्ति कमाने का जरिया माना जा रहा है। इन बाजारों में नए विमान की माँग पर पूँजी में वृद्धि हेतु कॉमर्शियल एरोस्पेस कंपनियों वाले क्षेत्रों पर केंद्रित किया जाना जारी रखा जाएगा।

1.2 भारतीय परिदृश्य:-

1.2.1 अप्रैल, 2017 में प्रकाशित "विश्व सैन्य व्यय संबंधी प्रवृत्तियाँ" सिप्री (एसआईपीआरआई) के अनुसार, भारत को वर्ष 2016 में सैन्य व्यय के संदर्भ में विश्व में 10 देशों में से 5वाँ रैंक दिया गया है। सिप्री (एसआईपीआरआई) की अब्द कोश (Year Book) - 2016 के अनुसार, चूँकि भारत अपनी सेना एवं उपस्करों की अत्याधुनिकता प्रदान करता है, अत: परंपरागत रक्षा उपस्कर के बड़े निर्यातक के रूप में भारत को भी रैंकिंग दी गयी है ।

1.2.2 भारतीय रक्षा बाजार विश्व में सबसे आकर्षक बाजार के रूप में माना जा रहा है और यह रक्षा विनिर्माण कंपनियों के लिए महत्त्वपूर्ण सुअवसर भी प्रदान करता है। वर्तमान में, भारत विश्व की सबसे बड़ी सशस्त्र सेना की नियुक्ति करता है तथा इसकी लगभग 60% तक की आवश्यकताओं का स्रोत आयात ही है।

1.2.3 वर्ष 2017-18 में केन्द्रीय बज़ट आबंटन रक्षा व्यय (पेंशन को छोड़कर) पिछले वर्ष के आबंटन रु.2,49,099 करोड़ (बजट अनुमान) से 5.34% अधिक की वृद्धि के साथ रु.2,62,390 करोड़ है । तथापि, यह रक्षा व्यय आबंटन पिछले वर्ष में 1.65% जीडीपी आबंटन से 1.56% जीडीपी तक नीचे आ गया है तथा वर्ष 2000-01 से यह निम्नतम आबंटन भी है । रक्षा व्यय के वर्तमान बज़ट आबंटन के अंतर्गत रु.1,75,861 करोड़ (राजस्व व्यय हेतु) तथा रु.86,529 करोड़ (राजस्व व्यय हेतु) शामिल है। राजस्व व्यय तथा पूँजीगत व्यय इस आबंटन के अंतर्गत पिछले वर्ष के आबंटनों में क्रमश: 8.05% तथा 0.22% तक की वृद्धि हुई है ।

1.2.4 वर्ष 2017-18 हेतु रक्षा व्यय हेतु जीडीपी की प्रतिशतता के संदर्भ में निम्नतर व्यय तथा पूँजीगत व्यय में मार्जिनल वृद्धि होने की आशा है, जिससे सशस्त्र सेना के नए अर्जन एवं आधुनिकीकरण योजना पर ऋणात्मक प्रभाव होगा और एचएएल जैसी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों हेतु चुनौतियाँ बनी रहेंगी।

1.2.5 भारतीय सिविल विमानन क्षेत्र तीव्रता के साथ बढ़ता हुआ एक बाजार है तथा वर्ष 2020 तक तीसरा सबसे बड़ा बाजार तथा 2030 तक सबसे बड़ा बाजार बनने की आशा है। वर्तमान में, भारत विश्व का 9वाँ सबसे बड़ा सिविल विमानन बाजार है। वर्ष 2016-17 में भारत में रजिस्टर्ड कुल पैसेंजर ट्रैफिक पिछले वर्ष के 190.1 मिलियन से 17.62% बढ़कर अब लगभग 223.6 मिलियन है। भारत में वर्ष 2006-2016 के दौरान 11.8% के चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से पैसेंजर ट्रैफिक में भी विस्तार हुआ है । भारत में कुल फ्रेट ट्रैफिक में वर्ष 2032 तक 11.4 मिलियन टन होने की आशा है। चूँकि कुल व्यापार का 30% एयरवेज द्वारा प्राप्त किया जाता है, अतः फ्रेट ट्रैफिक में वृद्धि हेतु भारत में आयात एवं निर्यात में वृद्धि के लिए यह मुख्य कारक होगा।

1.2.6 भारतीय एरोस्पेस तथा रक्षा बाजार में राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि तथा सशस्त्र सेनाओं से बढ़ी माँग के कारण विश्वव्यापी उभरते बाजारों के अनुरुप वृद्धि की प्रवृत्ति बने रहने की आशा है। आगे, सुरक्षा खतरों के भू-राजनैतिक परिदृश्य तथा सिविल क्षेत्र में बढ़ते एयर ट्रैफिक कारक ऐसे हैं, जो देश में संवर्धित एरोस्पेस एवं डिफेंस उत्पादों में वृद्धि करेंगे।

2. संगठन संरचना

2.1 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा कंपनी की अध्यक्षता की जाती है। इस कंपनी में चार कार्यात्मक निदेशक(प्रचालन, अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास, वित्त एवं मानव संसाधन) होते हैं, जो कंपनी की वृद्धि हेतु कारोबार की रणनीतियों, योजनाओं, नीतियों को बनाने में तथा योजनाबद्ध लक्ष्यों के अनुरूप कंपनी के निष्पादन की निगरानी करने में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की सहायता करते हैं।

2.2 वर्तमान में एचएएल के अंतर्गत 20 उत्पादन / ओवरहाल प्रभाग तथा देश भर में उत्पादन प्रभागों के साथ 11 अनुसंधान एवं विकास केंद्र सह स्थित हैं। इन प्रभागों को पांच कांप्लेक्स में रखा गया है :

- बेंगलूर कॉम्प्लेक्स : फिक्स्ड विंग विमान/ इंजन (भारतीय एवं पश्चिमी मूल) का उत्पादन एवं आरओएच।
- मिग कॉम्प्लेक्स: फिक्स्ड विंग विमान/ इंजन (रूसी मूल) का उत्पादन एवं आरओएच।
- हेलिकॉप्टर कॉम्प्लेक्स : हेलिकॉप्टरों का उत्पादन एवं आरओएच ।
- उपसाधन कॉम्प्लेक्स : उपसाधनों का उत्पादन एवं आरओएच तथा फिक्स्ड विंग एवं रोटरी विंग प्लेटफॉर्म दोनों के लिए एवियॉनिक्स।
- अभिकल्प कॉम्प्लेक्स : फिक्स्ड विंग तथा रोटरी विंग विमान, मानव रहित विमान(यूएवी) एरो इंजन, एवियॉनिक्स एवं उपसाधन का अभिकल्पन एवं विकास।

2.3 इन कारोबार संबंधी शीर्ष कार्यालयों का प्रबंधन संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) द्वारा स्वतंत्र लाभ केंद्रों के रूप में किया जाता है। तथापि, कंपनी के भावी उत्पादों के संदर्भ में एकीकृत कार्यों के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास केंद्र निदेशक(अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास) को रिपोर्ट करते हैं। सभी मुख्य कार्यपालक अधिकारियों को उन्हें दी गई जिम्मेदारियों को लागू कराने के लिए निर्णय लेने में स्वतंत्रता के साथ पूर्ण अधिकार दिया गया है ।

2.4 कंपनी ने 31 मार्च 2017 को अपने रोल पर 29,526 कर्मचारियों को रखा था, जिसमें 9.054 अधिकारी तथा 12,652 प्रत्यक्ष कामगर एवं 7,820 सहायता प्रदान करने वाले कर्मचारी थे ।

3. उत्पाद एवं सेवाएँ

3.1 कंपनी में व्यापक अभिकल्प एवं विकास के लिए सभी सुविधाएँ स्थापित हैं तथा विविध रूप में विमान एवं इसकी प्रणालियों के अभिकल्पन एवं विनिर्माण का बृहत अनुभव भी है। अब तक कंपनी द्वारा 31 प्रकार के तैयार किए गए विमानों में से 17 का स्वदेशी अभिकल्पन किया गया है। कंपनी वर्तमान में सु-30 एमकेआई, हॉक, डॉर्नियर, एएलएच, चीतल, एलसीए तथा संबंधित इंजनों एवं उपसाधनों का विनिर्माण कर रहा है। कंपनी ग्राहकों द्वारा प्रचालित किए जा रहे संबंधित इंजनों एवं उपसाधनों सहित विभिन्न विमानों एवं हेलिकाप्टरों के लिए मरम्मत एवं पुनर्कल्पन (ओवरहाल) सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है। कंपनी ने एरो इंजन यूएवी तथा सिविल विमानन तथा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की प्रौद्योगिकी एवं प्रमुख उत्पादों को पहचाना है, जिनका जोर देकर अनुसरण भी किया जा रहा है ।

4. **स्वॉट विश्लेषण**

यह कंपनी की आंतरिक शक्ति या सामर्थ्य तथा कमजोरियों का विश्लेषण करने के साथ-साथ प्रभावी सुअवसरों तथा संगठन के बाह्य वातावरण में मौजूद खतरों को पहचानने में सहायता प्रदान करता है। कंपनी का स्वॉट विश्लेषण निम्नवत है:-

सामर्थ्य

- अनुसंधान एवं विकास विनिर्माण एवं एम आर ओ सेवाओं का लंबा विश्वसनीय इतिहास।
- तीन से चार दशकों से अधिक की अवधियों तक उत्पाद जीवन-चक्र सहायता प्रदान करने में प्रस्तावित बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड ।
- आंतरिक अभिकल्पन एवं विकास क्षमता एवं बुनियादी सुविधा ।
- इंडियन एरोनॉटिकल इंडस्ट्री तथा भारत सरकार की नेतृत्वपूर्ण स्थिति ।
- एरोस्पेस क्षेत्र में विशेषज्ञता युक्त मानवशक्ति की उपलब्धता ।
- आवश्यक गुणवत्ता सर्टिफिकेशन स्टैंडर्ड के साथ मान्यता

कमजोरी

- भारतीय रक्षा ग्राहकों पर निर्भरता
- महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों एवं कच्ची सामग्री के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता
- अल्प विकसित स्वदेशी एरोस्पेस विनिर्माण इको सिस्टम के कारण कमजोर आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली।
- प्रतिभाओं को आकर्षित करने में सीमाएँ ।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहुँच की कमी
- विविधीकृत उत्पाद क्षेत्र में कमी

सुअवसर

- भारत में सिविल विमानन बाजार को बढ़ाना
- भारतीय रक्षा सेवाओं के आधुनिकीकरण में शामिल होना
- सरकार द्वारा विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष बल देना
- रक्षा विमान एवं हेलिकॉप्टरों के हलके हेलिकॉप्टरों, डॉर्नियर विमान एवं एमआरओ के लिए निर्यात बाजार
- बृहत प्लेटफार्मों के मूल्य उपस्कर विनिर्माण होने के नाते सिंगल विंडो सॉल्यूशन प्रोवाइडर स्थिति

खतरे

- भारत में विदेशी कंपनियों के आसानी से प्रवेश हेतु एफडीआई के दिशा निर्देशों में छूट ।
- विदेशी ओईएम एवं भारतीय निजी कंपनियों के बीच युति एवं सहयोग का बनना।
- रक्षा उत्पादन में निजी प्रतिभागिता पर सरकार का जोर
- मेक केटेगरी एक्विजिशन में भारतीय निजी कंपनियों की प्रतिभागिता
- एक स्रोत से अनेक स्रोतों तक जाने में रक्षा ग्राहकों की वरीयता में बदलाव

5. उत्पादवार निष्पादन

5.1 अपने कारोबार की प्रकृति तथा प्रकटन की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए लेखा मानक–17 के अनुसार अपेक्षित सूचना खण्डवार प्रकटन से एच ए एल को छूट दी गई है । ऐसे अप्रकटन से कंपनी के लेखे पर कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ता है । कंपनी के लेखे पर इस प्रकार के अप्रकटन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ता है ।

6. दृष्टिकोण(आउटलुक)

6.1 "मेक इन इण्डिया" पहल के अंतर्गत भारतीय एरोस्पेस एवं रक्षा कारोबार के वातावरण में परिवर्तन किया जा रहा है। सरकार 25% सकल घरेलू उत्पाद(जी डी पी) के लिए विनिर्माण परिणाम में योगदान बढ़ाने के उद्देश्य से भारत में पूर्ण विनिर्माण पारिस्थितिकी प्रणाली निर्मित एवं संवर्धित करने पर बल दे रही है ।

6.2 सरकार विभिन्न पहलुओं तथा नीतियों में परिवर्तन भी कर रही है तथा इन पहलुओं से विदेशी मूल उपस्कर विनिर्माताओं के सहयोग से भारतीय निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ एच ए एल के लिए चुनौतीपूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक निर्माण किए जाने की आशा है। कारोबार के वातावरण में इन परिवर्तनों से दीर्घकालिक सतत विकास को देखते हुए अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी एवं उत्पादों को विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित किए जाने हेतु कंपनी पर दबाव बन रहा है। कंपनी सतत रूप से इनहाउस अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के साथ–साथ भारतीय तथा विदेशी मूल उपस्कर विनिर्माताओं के साथ सहयोग कर रही है । कंपनी अग्रणी एरोस्पेस कंपनियों के साथ सहयोग करके सह–अभिकल्पन एवं सह–विकास कार्यक्रमों को भी कर रही है, इससे कंपनी के भावी कारोबार की संभावनाओं को भी बल मिलने की आशा है ।

6.3 निकट भविष्य में लड़ाकू विमान, हलके एवं मध्यम भार की श्रेणीवाले हेलिकाप्टरों के क्षेत्रों में भारतीय रक्षा सेवाओं की आवश्यकता के अनुसार उत्कृष्ट सुअवसर आपकी कंपनी को प्रस्तावित होंगे । आपकी कंपनी के पास बुनियादी सुविधाएं एवं विशेषज्ञता भी है तथा अल्पकाल में बहुत ही तीक्ष्ण प्रतिस्पर्धा रहेगी । इसके साथ–साथ कंपनी मूल उपस्कर विनिर्माताओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ कंपनी के भावी उत्पादों को बढ़ाने के लिए कारोबार में सहयोग पाने के लिए भी कार्य कर रही है तथा सिविल एरोनॉटिक्स एवं यू ए वी आदि जैसे विविधीकृत बाज़ारों में भी प्रवेश कर रही है ।

6.4 स्वदेशी विमान/हेलिकॉप्टर के विकास हेतु कंपनी में काफी प्रगति हुई है। ए एल एच वेपनाइज़्ड वर्जन (ए एल एच–डब्लयू एस आई), हलके लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एल सी एच), हलका उपयोगी हेलिकॉप्टर (एल यू एच) बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट (एच टी टी–40), 25 केएन हिन्दुस्तान टर्बो फेन इंजन (एचटीएफई–25) यू ए वी, जगुआर डेरीन III अपग्रेड और मिराज 2000 जैसे विकास प्रोजेक्टों के माध्यम से अगले 10 से 15 वर्षों की अवधि से भी अधिक इसके कारोबार में विस्तार होने के साथ–साथ कंपनी को आगे ले जाने की आशा है ।

6.5 कंपनी ने भारतीय सिविल विमानन में वृद्धि करने हेतु सिविल क्षेत्र में विविधीकरण के लिए उक्त वर्ष के दौरान संगठित प्रयास किए है। कंपनी ने भारत सरकार के रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम "उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान)" के अनुरूप शॉर्ट हॉल हेतु भारत में 20 सीटर क्षेत्रीय परिवहन विमान को विकसित एवं प्रमाणित रूप में विनिर्माण करने हेतु सहयोग प्राप्त करने के लिए मूल उपस्कर विनिर्माताओं से उनकी इच्छा जानने के लिए आर एफ आई जारी की है । कंपनी ने सिविल क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अनुदेशक के रूप में दो (02) डार्नियर डी ओ–228 के विनिर्माण की पहल की है।

6.6 एम आर ओ के क्षेत्र में आपकी कंपनी के लिए विशेष रूप से पुराने विमान/हेलिकाप्टरों के बेड़ों की एजिंग के लिए अप्रचलित स्थिति के संबंध में चिंता बनी हुई है। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में मूल उपस्कर विनिर्माताओं द्वारा प्रौद्योगिकी या सहायता न दिया जाना ग्राहकों के लिए एम आर ओ सहायता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसका निवारण स्वदेशीकरण, वैकल्पिक स्रोतो तथा मूल उपस्कर विनिर्माताओं से स्पेयर सहायता के लिए एल टी बी ए जैसे उपाय किए जा रहे हैं । अप्रचलित प्रबंधन प्रयास को जारी रखने के दौरान पुराने बेड़ों को फेज़ आउट करने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देशों को स्थापित करने के लिए भी प्रयास जारी है ।

7. चुनौतियों से निपटने हेतु उपाय

एचएएल द्वारा चुनौतियों, समस्याओं एवं जोखिमों के निवारण हेतु किए गए उपाय निम्नवत हैं:–

प्रौद्योगिकी विकास/अर्जन

7.1 कंपनी ने अपने कई प्रमुख अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम नामत: हलका लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच), हलका उपयोगिता हेलिकॉप्टर (एलयूएच), हलका लड़ाकू विमान (एलसीए), बेसिक प्रशिक्षक विमान (एचटीटी–40), जगुआर डेरिन III अपग्रेड, मिराज 2000 अपग्रेड, 8 किग्रा मिनी यूएवी, 25 किलोन्यूटन हिन्दुस्तान टर्बो फैन इंजन (एचटीएफई–25) तथा 1200 किलोवाट हिन्दुस्तान टर्बो शॉफ्ट इंजन (एचटीएसई–1200) ने काफी प्रगति की है। कंपनी ने विमान/हेलिकॉप्टर के स्वदेशी विकास की सहायता के लिए विभिन्न प्रणालियों/उप प्रणालियों/एलआरयू/कलपूर्जों के लिए अभिकल्पन एवं विकास कार्य भी प्रारंभ किए हैं ।

7.2 नये प्लेटफार्मों के विकास के अलावा, कंपनी ने अत्याधुनिक स्वदेशी एलआरयू/प्रणालियों/उप प्रणालियों/कलपुर्जों तथा हॉक आई जैसे शस्त्र प्रणाली में उनकी प्रचालनीय क्षमता को बढ़ाने हेतु कार्य प्रारंभ कर दिया है। कंपनी सुखोई–30 एम के आई को अपग्रेड करने के लिए भी विचार कर रही है ।

नई वृद्धि क्षेत्रों में उत्पाद क्षेत्र में विस्तार के माध्यम से विविधीकरण

7.3 कम्पनी ने अपने उत्पाद क्षेत्र का विश्लेषण कर कमियों का पता लगा लिया है। पहचानी गई कमियों की माँग के भविष्य में और बढ़ने की आशा तथा इन कमियों के कारण कंपनी के संभावित राजस्व का मार्ग बन सकता है। इन सभी कमियों के अंतर्गत सैन्य हेतु मध्यम श्रेणी के स्वदेशी हेलिकॉप्टर, 3 टन श्रेणी में स्वदेशी शस्त्रयुक्त हेलिकॉप्टर, सिविल भूमिका हेतु हेलिकॉप्टर, स्वदेशी ट्विन इंजन बहु भूमिका विमान, स्वदेशी यूएवी एवं कॉम्बैट यूएवी, 3 टन श्रेणी से अधिक के स्वदेशी सैन्य परिवहन विमान (अथवा 20 तथा उपरोक्त सीटर श्रेणी) तथा सिविल परिवहन वायुयान शामिल है।

7.4 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रक्षा तथा सिविल विमानन बाजार में वृद्धि को देखते हुए, पहचानी गई कमियों के लिए निकट भविष्य में कंपनी हेतु उपलब्ध सुअवसरों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है। हेलिकॉप्टर उत्पाद क्षेत्र में कमियों को देखते हुए, कम्पनी ने 12 टन मध्यम श्रेणी के हेलिकॉप्टर के भारतीय बहु भूमिका हेलिकॉप्टर (आईएमआरएच) के स्वदेशी अभिकल्पन व विकास हेतु पहल की है।

7.5 कंपनी वैश्विक सिविल सेग्मेंट में अपनी उपस्थिति में विस्तार पर केंद्रित करना जारी रखा है। एएलएच ध्रुव के सिविल वेरिएंट हेतु लैटिन अमेरिका एवं दक्षिण–पूर्व एशिया के लक्ष्य बाजार के साथ इस सेग्मेंट के प्रवेश हेतु, कम्पनी ने एएलएच ध्रुव हेतु नियामक अनुमोदन अर्थात यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी ("ईएएसए") से जारी यूरोपियन सिविल सर्टिफिकेशन, प्राप्त करने के लिए महत्त्वपूर्ण रूप से प्रगति की है।

7.6 कंपनी के पैसेंजर परिवहन विमान के अपने उत्पाद क्षेत्र में भारी कमी है, जिसके कारण यह भारतीय सिविल विमानन की वृद्धि का भाग बन पाने में असमर्थ है। इस कमी को दूर करने के लिए कंपनी ने इस सेग्मेंट में कार्य करने हेतु चरणबद्ध रूप में धीरे–धीरे आगे बढ़ने की योजना बनाई है। कंपनी प्राथमिक रूप से सिविल सेग्मेंट में मध्यम प्रविष्टि के रूप में 20 सीटर शॉर्ट हॉल एयरक्राफ्ट सेग्मेंट तक के लिए विचार कर रहा है। डार्नियर, डीओ–228, सिविल वेरियंट हमारे उत्पाद के ऑर्गेनिक एक्सटेंशन के रूप में इस सेग्मेंट में रखा जाएगा। वर्ष 2016–17 में कंपनी ने 2 डीओ–228 सिविल वेरिएंट एयरक्राफ्ट का विनिर्माण कार्य प्रारंभ किया है तथा डीओ–228 सिविल वेरिएंट एयरक्राफ्ट के विनिर्माण तथा इसके सिविल सर्टिफिकेशन हेतु महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है।

सामरिक भागीदारी अथवा सहयोग

7.7 कंपनी के अनेक उत्पादों के लिए व्यापक प्रौद्योगिकियां एवं सामर्थ्य की आवश्यकता है। वैमानिकीय उद्योग में प्राद्योगिकीय विकास की तीव्र गति, उत्पाद जीवनचक्र के विभिन्न क्षेत्रों में अपेक्षित उत्कृष्ट विशेषज्ञता, जो मूल रूप से हमारे उत्पादों को दे पाना हमारे लिए दुष्कर है। अत: हमारे अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से आर्गेनिक वृद्धि के अतिरिक्त एचएएल ने नई प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने हेतु ऐतिहासिक रूप से सहयोगी कंपनियों पर विश्वास किया है और आगे भी करता रहेगा।

7.8 पाँचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान तथा प्रोन्नत लड़ाकू हॉक आदि जैसे नये उत्पादों को विकसित करने में लगे समय तथा जोखिमों को कम करने तथा जानकारियाँ प्राप्त करके उन्नत करने हेतु सह–विकसित उत्पादों के लिए एचएएल सामरिक भागीदारी अथवा सहयोग निर्मित कर रहा है।

7.9 एचएएल ने एचएएल सैफ्रान टीएम–333 एवं एचएएल शक्ति इंजन, जो एचएएल निर्मित हेलिकॉप्टरों को शक्ति प्रदान करते हैं, के लिए अनुरक्षण, मरम्मत तथा ओवरहॉल सेवाएँ प्रदान करने हेतु सैफ्रान हेलिकॉप्टर इंजन तथा एचएएल के बीच संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्रा.लि., जैसे हमारे ग्राहकों को उत्पाद सहायता एवं सेवाएँ प्रदान करने हेतु हमारे सामरिक भागीदारों से भी सहयोग लिया है ।

मानव पूँजी का विकास करना

7.10 एच ए एल ने कौशल विकास के क्षेत्र में, कई उपाय किए हैं तथा कंपनी के विज़न एवं मिशन हेतु कौशल विकास प्रणालियों एवं अभ्यासों को एक समान करने हेतु कार्रवाई की है तथा एच ए एल के प्रतिस्पर्धात्कता में महत्त्वपूर्ण संवर्धन को समर्थ बनाया है ।

7.11 कुछ पहलों के अंतर्गत व्यावसायिक मानकों का विकास, कौशल विकास वेब पोर्टल का विकास, कौशल विकास संबंधी पाइलेट प्रोजेक्ट, महत्त्वपूर्ण कौशल की पहचान, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण तथा कौशल विकास नीति शामिल है । इसके अतिरिक्त, कार्यकाल के आधार पर कार्मिकों की भर्ती हेतु प्रशिक्षण मॉडयूल एवं पाठ्यक्रम भी तैयार किए गए ।

7.12 कौशल ज्ञान एवं जानकारी में सुधार करके गुणवत्ता, उत्पादकता एवं ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाने के लिए जॉब के प्रति भूमिका को स्तरीय किए जाने के उपाय किए गए। राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना(एन एस क्यू एफ) के लिए भर्ती नियमों को एक समान करने हेतु जॉब की भूमिका की पहचान पूरी की गई। प्रोजेक्ट उद्देश्य सिगमेंट, टार्गेट ट्रैनिंग ट्रेड्स एवं व्यापक निष्पादन योजना को शामिल करते हुए राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद(एन एस डी सी) के साथ टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए गए। एच ए एल ने आई टी आई एवं प्रशिक्षण संगठनों के लिए प्रशिक्षण हेतु भी स्पेयर उपस्कर प्रदान किए हैं ।

ग्राहक अभिमुखीकरण

7.13 द्वार पर सेवाएँ देने तथा समय को करने हेतु, एचएएल ने भारतीय थल सेना हेत एएलएच सर्विसिंग सहायता हेतु मैमन में एमआरओ हब को स्थापित किया है। ग्राहक सेवाओं ने अपना ध्यान अपने बेड़े के सर्विस कार्य में सुधार लाकर ग्राहकों को सहायता करने पर दिया है। एओजी (वायुयान खराब) की स्थिति को सेवाओं के माध्यम से कम करने का प्रयास सतत रूप से रहा है। इसके आगे, कंपनी ने स्पेयरों की आपूर्ति हेतु, जिसमें वेयर हाउस तुरंत उपलब्ध कराते हुए (ऑफ द शेल्फ) बिना प्रतीक्षा अवधि के आपूर्ति के आधार पर भी प्रस्ताव का सुझाव दिया है। मूल्य निर्धारण मॉडल के संबंध में निर्णय ग्राहकों एवं रक्षा मंत्रालय की परामर्श से लिया जाएगा ।

7.14 वर्ष 2016–17 हेतु, आपकी कंपनी ने ग्राहकों की समस्याओं और उनका समाधान पाने हेतु अधिक स्पष्टता के साथ कार्य करने हेतु कमांड मुख्यालय में शीर्ष कार्यपालकों द्वारा दौरा करते रहने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रचालकों के साथ उक्त मुद्दों पर सीधे पारस्परिक चर्चा से एचएएल को कई मुद्दों को सुलझाने में सहायता मिली, अन्यथा जिससे सहज प्रचालन रुक सकता है। इसके अलावा, संबंधित बेड़ों के प्रचालकों के सम्मेलनों में कई बेड़ों से विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी। ऐसे विशेषज्ञों द्वारा दी गई महत्त्वपूर्ण जानकारी से ग्राहकों को उड़ान प्रचालन एवं बेड़े के अनुरक्षण दोनों में ही सहायता मिली।

7.15 प्रशिक्षण संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करते हुए भारतीय वायुसेना की सहायता करने हेतु, आपकी कंपनी 2019 तक अपने किरण बेड़े को सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रही है । इसी प्रकार, अपने शक्तिशाली जगुआर बेड़े के अधिकतम क्षमता लाने में भारतीय वायुसेना की सहायता हेतु 1978 में इसे प्रारंभ किया गया । इस उद्देश्य से जगुआर बेड़े हेतु स्थायी समिति एचएएल एवं भारतीय वायु सेना के कार्यपालकों द्वारा निर्मित की जा रही है ।

7.16 एचएएल ने जगुआर, किरण, एवरो तथा डॉर्नियर बेड़ों के अप्रचलित प्रबंधन का कार्य प्रारंभ किया है। इसके अतिरिक, जगुआर तथा मिराज संबंधी अपग्रेड निष्पादन सुधार हेतु प्रारंभ किया जा रहा है। विदेशी मूल उपस्कर विनिर्माताओं तथा उच्च लागत पर निर्भरता को कम करने तथा वैकल्पिक प्रणालियों पर कार्य करने में स्वदेशीकरण प्रयासों में तीव्रता लाई गई है। हॉक एवं सुखोई–30 के मरम्मत एवं ओवरहॉल सुविधाओं को स्थापित किया गया है। आगामी वर्षों में, आपकी कंपनी के प्रयास मात्र प्रचालन पर केंद्रित न होकर सेवाओं के लिए भी लॉजिस्टिक्स आधारित निष्पादन जैसे पूर्ण अनुरक्षण प्रदान करने के लिए भी होगा ।

8. वित्तीय निष्पादन

8.1 कंपनी के वर्ष 2015–16 के वित्तीय निष्पादन का संक्षिप्त सार नीचे दिया गया है:–

विवरण	इकाई	31.3.2017	31.3.2016
कुल बिक्री	रु. करोड़	17605	16586
निर्यात	रु. करोड़	465	446
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	रु. करोड़	3583	3207
कुल मार्जिन	रु. करोड़	4306	4070
कुल मूल्य	रु. करोड़	12537	11019
अनु. एवं विकास व्यय	रु. करोड़	1284	1191
प्रति कार्मिक बिक्री (निवल उत्पाद शुल्क)	रु. लाख	60	55
उपार्जन प्रति शेयर	रु.	72.35	41.45

8.2 2016–17 के वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण:

- इस वर्ष कुल बिक्री 6% की वृद्धि के साथ रु. 17,605 करोड़ दर्ज की गई, जबकि विगत वर्ष में यह रु.16,586 करोड़ थी।
- कंपनी ने 12% की वृद्धि के साथ उक्त वर्ष के दौरान रू.3,583 करोड़ कर पूर्व लाभ प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष रु.3,207 करोड़ था।
- उक्त वर्ष के दौरान 6% की वृद्धि के साथ सकल मार्जिन रु. 4,306 करोड़ रही, जबकि पिछले वर्ष रु.4,070 करोड़ था ।
- पिछले वर्ष उपार्जन प्रति शेयर रु.41.45 की तुलना में इस वर्ष रु.72.35 है ।

9. मानव संसाधन विकास

(i) मध्यम प्रबंधन संवर्ग हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम

संगठनात्मक क्षमताओं हेतु प्रणालियों को निर्मित करने हेतु सतत प्रयास के रूप में, मध्य प्रबंधन हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम को संस्थागत रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इसे 6 माह की अवधि में चार चरणवार अवधि में चलाया जाता है तथा आईआईएम–लखनऊ में तीन सप्ताह का संस्थागत मॉड्यूल सम्मिलित है। वर्ष 2016–17 के दौरान, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 58 कार्यपालकों को नामित किया गया ।

(ii) एचएएल में संरचना, प्रणाली एवं प्रक्रियाओं का मूल्यांकन

वर्तमान व्यवसाय एवं चुनौतियों को देखते हुए, कंपनी ने "संरचनाओं, प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं के मूल्यांकन" संबंधी अध्ययन को पूरा करने हेतु भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर (आईआईएम, बेंगलूर) को संलग्न किया है। उक्त अध्ययन का उद्देश्य कंपनी की संरचना (अंतर–प्रभागीय एवं अंतरा–प्रभागीय) को परखना है तथा प्रक्रियाओं व प्रणालियों तथा संगठनात्मक संस्कृति और नवाचार एवं उच्च कार्य निष्पादन को सहायता प्रदान करने हेतु सुझाव देना है।

(iii) ज्ञानार्जन एवं विकास

वर्ष के दौरान, कंपनी में निदेशकों के लिए प्रशिक्षण नीति को लागू किया गया है। इस नीति का उद्देश्य एचएएल के निदेशक मंडल (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) के सदस्यों के लिए प्रस्तावित अभिमुखीकरण तथा प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करना है । यह नीति वैश्विक रणनीति, सर्वोत्तम अभ्यास एवं प्रबंधन तकनीकों के दृष्टिकोण को बताती है, ताकि कंपनी को वैश्विक रूप से उत्कृष्टता के तुलनात्मक स्तरों पर पहुँचने और बने रहने में समर्थ बनाया जा सके ।

कंपनी के शैक्षणिक आधार को समृद्ध बनाने की दृष्टि से, भारतीय प्रबंधन संस्थापन, बेंगलूर को उच्चतर अध्ययन के लिए अधिकारियों की स्पांसरशिप हेतु एक संस्थान के रूप सम्मिलित किया जा सके । अधिकारियों को उक्त संस्थान में पब्लिक पॉलिसी एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु अधिकारियों को स्पांसर किया जाएगा । यह कार्यक्रम एक वर्ष का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है तथा एचएएल से 5 स्पांसर किए गए अधिकारियों के पहले बैच ने वर्ष 2017–18 से आगे इस कोर्स में भाग लिया।

(iv) एचएएल कर्मचारी समयपूर्व सेवानिवृत्ति योजना

कंपनी ने दिनांक 05–04–2016 से संशोधित कर्मचारी समयपूर्व सेवानिवृत्ति योजना लागू की है। उक्त योजना का उद्देश्य प्रशासनिक तंत्र को सशक्त बनाना एवं संगठन के कर्मचारियों की दक्षता एवं कार्य–निष्पादन में सुधार लाना है। यह योजना समयपूर्व सेवानिवृत्ति के बारे में विचार करने वाले कर्मचारियों को पिछले दो वर्षों के दौरान परामर्श प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं । उक्त योजना वर्तमान में कंपनी के अधिकारियों के लिए लागू है तथा प्रामाणिक स्थायी आदेश में आवश्यक संशोधन करने के पश्चात कार्मिकों के लिए लागू की जाएगी ।

10. मानव शक्ति

दिनांक 31-03-2017 तक कर्मचारियों की स्थिति	अधिकारी	कामगर		कामगर की संख्या
		प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष	
29526	9054	12652	7820	20472

11. पर्यावरण बचाव एवं संरक्षण:

11.1 कंपनी प्रत्येक वर्ष पौधों को रोपित कर रही है । वर्ष 2016-17 एवं 2015-16 के दौरान प्रभागवार रोपित पौधों का विवरण नीचे दर्शाया गया है:

क्र. सं.	प्रभाग का नाम/कॉम्प्लेक्स	वर्ष के दौरान रोपित पौधों की कुल संख्या	
		2016-17	2015-16
1	बेंगलूर कॉम्प्लेक्स	4,570	4,092
2	कोरापुट प्रभाग	41,715	49,620
3	नासिक प्रभाग	6,223	10,417
4	कोरवा प्रभाग	11,150	1,000
5	लखनऊ प्रभाग	1,789	2,550
6	बैरकपुर प्रभाग	10,254	20,049
7	टी ए डी कानपुर	800	750
8	हैदराबाद प्रभाग	10,044	600
कुल		**86,545**	**89,078**

नैगम शासन का प्रतिवेदन

शासन का सिद्धांत एवं संहिता

कंपनी का नैगम शासन संबंधी सिद्धांत सभी पणधारियों के हितों का ध्यान रखने हेतु पारदर्शिता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, नैगम सामाजिक दायित्व, विधि का अनुपालन, प्रक्रियाओं तथा नीतिगत मानदंडों के सिद्धांत पर आधारित है। कंपनी नैगम मूल्यों एवं उद्देश्यों को महत्त्व देती है और नैगम नागरिक के रूप में सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करती है ।

नैगम शासन संबंधी भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों को कंपनी ने कार्यान्वित किया है । कंपनी में विकेंद्रीकृत तथा पारदर्शी निर्णय लिए जाने के लिए सशक्त एवं सुस्थापित प्रशासनिक व्यवस्था है । नैगम शासन कार्यों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, कंपनी में सुपरिभाषित निर्धारित नीतिगत ढाँचा है। एचएएल नैगम शासन नीति निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है:–

- वरिष्ठ प्रबंधन और निदेशक मंडल के लिए आचार संहिता
- जोखिम प्रबंधन नीति
- व्यापार में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए सत्यनिष्ठा समझौता
- कदाचार सचेतक की नीति
- विकेंद्रीकृत एवं पारदर्शी निर्णय को सुकर बनाने के लिए सुस्थापित प्रशासनिक व्यवस्था
- यथा लागू नियम, विधि और विनियमों का अनुपालन
- प्रचालनों, निष्पादन और वित्तीय स्थिति के संबंध में प्रकटन की यथातथ्यता एवं पारदर्शिता
- कर्मचारियों के लिए आचरण, अनुशासन एवं अपील नियम
- नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा
- डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुसार निर्धारित प्रपत्र में रक्षा मंत्रालय को नैगम शासन संबंधी त्रैमासिक एवं वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट प्रेषित की जा रही है ।

निदेशक मंडल

कार्यपालक अध्यक्ष की अध्यक्षता में निदेशक मंडल एक शीर्षस्थ निकाय है, जो कंपनी के कार्यों का सर्वेक्षण करता है । उक्त बोर्ड शासन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु दीर्घकालिक दूरदृष्टि एवं नीतियों का निर्धारण करता है । इसने निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुकर एवं दक्ष बनाने के लिए उप समितियाँ गठित की हैं ।

गठन

आपकी कंपनी सरकारी उपक्रम होने के नाते, समस्त निदेशकों की नियुक्ति रक्षा मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। बोर्ड में कार्यपालक, गैर–कार्यपालक (ऑफिशियल्स) और स्वतंत्र निदेशकों का मिश्रण है एवं कार्यपालक अध्यक्ष इसके प्रमुख हैं ।

दिनांक 31 मार्च, 2017 के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल के गठन के अंतर्गत अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, चार कार्यात्मक निदेशक, एक सरकारी नामिती निदेशक तथा पाँच स्वतंत्र निदेशक हैं। एचएएल के बोर्ड का गठन नैगम शासन संबंधी कंपनी अधिनियम, 2013 तथा सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ही है।

बैठकें एवं उपस्थिति

दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान, बोर्ड की 7 (सात) बैठकें निम्नलिखित तिथियों पर आयोजित की गईं :

क्र.सं.	मंडल बैठक की तिथि	क्र.सं.	मंडल बैठक की तिथि
1	28 मई, 2016	5	16 दिसंबर, 2016
2	29 जून, 2016	6	15 फरवरी, 2017
3	6 सितंबर, 2016	7	24 मार्च, 2017
4	30 सितंबर, 2016		

वर्ष 2016-17 को दौरान मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	निदेशक	निदेशकों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित मंडल बैठकें	मंडल बैठकों में उपस्थिति की संख्या
1	श्री टी सुवर्ण राजु (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक)	7	7
2	श्री के के पंत*	4	4
3	श्री राजीब कुमार सेन*	3	3
4	श्री वी एम चमोला	7	7
5	श्री एस सुब्रमण्यन	7	7
6	श्री डी के वेंकटेश	7	7
7	श्री सी वी रमण राव	7	7
8	श्री पी एस कृष्णन	7	5
9	श्री प्रदीप्त बैनर्जी	7	4
10	श्री गोपाल बंधु पटनायक	7	7
11	एवीएम (से.नि) डी के पाण्डे , एवीएसएम, वीएसएम	7	7
12	सुश्री दीपाली खन्ना	7	5

* निदेशक मंडल में परिवर्तन

- दिनांक 21 अक्टूबर, 2017 से श्री कमलेश कुमार पंत सरकार की ओर से नामिती निदेशक नियुक्त किए गए हैं।
- दिनांक 18 नवंबर, 2017 से श्री राजीब कुमार सेन सरकार की ओर से नामिती निदेशक नियुक्त किए गए हैं।

लेखापरीक्षा समिति

लेखापरीक्षा समिति का गठन कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों हेतु नैगम शासन संबंधी दिशानिर्देशों के अनुरूप है ।

उक्त बोर्ड द्वारा दिनांक 16 दिसंबर 2016 को आयोजित अपनी 401वीं बैठक में लेखापरीक्षा समिति को पुनर्गठित किया । इसमें 5 स्वतंत्र निदेशक एवं सरकारी नामिती निदेशक है । दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति ने 28 मई, 2016, 29 जून 2016, 06 सितम्बर 2016, 30 सितम्बर 2016, 16 दिसम्बर 2016, 15 फरवरी 2017 एवं 23 व 24 मार्च 2017 को कुल सात बैठकें आयोजित कीं । इन बैठकों में लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति निम्नवत रही :

क्र. सं.	निदेशक	निदेशकों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित मंडल बैठकें	मंडल बैठकों में उपस्थिति की संख्या
1	श्री गोपबंधु पटनायक	7	7
2	श्री पी एस कृष्णन	7	5
3	प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी	7	4
4	एवीएम (से.नि.) डी के पाण्डे, एवीएसएम, वीएसएम	7	7
5	सुश्री दीपाली खन्ना	6	4
6	श्री के के पंत*	4	2
7	श्री राजीब कुमार सेन*	2	2

*** लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों में परिवर्तन**

- श्री कमलेश कुमार पंत को 21 अक्टूबर 2016 से उक्त समिति के सदस्य के पद से कार्यमुक्त किया गया ।
- श्री राजीब कुमार सेन को 16 दिसंबर 2016 से उक्त समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया ।
- लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष पिछली वार्षिक आम बैठक में उपस्थित थे ।

दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार सिमिति का गठन निम्नवत है :-

- ➢ श्री गोपबंधु पटनायक – अध्यक्ष
- ➢ एयर वाइस मार्शल (से.नि.) डी के पाण्डे
- ➢ श्री पी एस कृष्णन
- ➢ प्रो प्रदीप्त बैनर्जी
- ➢ सुश्री दीपाली खन्ना
- ➢ सरकारी नामिती निदेशक

निदेशक (प्रचालन) एवं निदेशक (वित्त) स्थायी रूप से आमंत्रित सदस्य हैं ।

संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं संबंधित कार्यात्मक निदेशक बैठक की कार्यसूची के आधार पर आमंत्रित किए जाते हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव हैं ।

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है तथा वार्षिक बोनस / परिवर्तनीय वेतन(निष्पादन संबद्ध वेतन) प्रणाली हेतु नीति एवं सरकारी निदेशों के अनुरूप निर्धारित सीमाओं के अंदर कार्यपालकों में इसके वितरण के संबंध में निर्णय लेते हैं ।

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम होने के नाते, अध्यक्ष एवं पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है, जिसमें कार्यकाल, पारिश्रमिक राशि एवं नियुक्ति की अन्य निबंधन एवं शर्तों को दर्शाया जाता है ।

दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार समिति का गठन निम्नवत है :–

- प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी – अध्यक्ष
- श्री गोपबंधु पटनायक
- एयर वाइस मार्शल (से.नि.) डी के पाण्डे
- सरकारी नामिती निदेशक

निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (मानव संसाधन) समिति के स्थायी रूप से आमंत्रित सदस्य हैं । मुख्यालय के मानव संसाधन के प्रमुख इस समिति के सचिव हैं ।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, उक्त समिति की 01 (एक) बैठक दिनांक 27 सितंबर, 2016 को आयोजित की गई ।

नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति

एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में गठित नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति कंपनी में नैगम सामाजिक दायित्व और सतत विकास कार्यकलापों के कार्यान्वयन की देख–रेख करती है । दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास संबंधी समिति निम्नवत है :–

- प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी, अध्यक्ष
- निदेशक (मानव संसाधन)
- निदेशक (प्रचालन)
- निदेशक (वित्त)

मानव संसाधन प्रमुख उक्त समिति के सचिव हैं ।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बेंगलूर कांप्लेक्स/हेलिकॉप्टर कांप्लेक्स/उपसाधन कांप्लेक्स/मिग कांप्लेक्स तथा महाप्रबंधक (वित्त)– मुख्यालय, इस समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं ।

उक्त वर्ष के दौरान, नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति की 4(चार) बैठकें दिनांक 5 अप्रैल 2016, 30 अगस्त 2016, 14 दिसंबर, 2016 एवं 11 मार्च 2017 को आयोजित की गईं ।

शेयरधारकों / निवेशकों की व्यथा निवारण समिति

शेयरधारकों / निवेशक की व्यथा निवारण समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है ।

दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार समिति का गठन निम्नवत है:–

- श्री पी एस कृष्णन – अध्यक्ष
- निदेशक (मानव संसाधन)
- निदेशक (वित्त)

कंपनी सचिव इस समिति के सचिव होते हैं ।

मंडल की अन्य समितियाँ

मंडल ने अपने संबंधित क्षेत्रों में सहायता एवं सलाह देने हेतु निम्नलिखित उप–समितियों का गठन किया है:

क)   आईपीओ समिति

दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार आईपीओ समिति का गठन निम्नवत रहा :–

- निदेशक (मानव संसाधन)– अध्यक्ष
- निदेशक (वित्त)
- निदेशक (प्रचालन)

कंपनी सचिव इस समिति के सचिव हैं ।

ख)   मानव संसाधन समिति

स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में मानव संसाधन समिति विशेष रूप से नीतियों, दिशानिर्देशों के निर्धारण तथा मानव संसाधन रणनीतियाँ बनाने संबंधी मानव संसाधन मुद्दों पर मंडल को संस्तुति एवं सलाह देती है ।

दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार समिति का गठन निम्नवत रहा :–

- श्री पी एस कृष्णन – अध्यक्ष
- एयर वाइस मार्शल डी के पाण्डे (से.नि), सदस्य
- निदेशक (मानव संसाधन), सदस्य
- निदेशक (वित्त), सदस्य

मुख्यालय के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख इस समिति के सचिव हैं ।

ग)   प्रापण (खरीद) उप समिति

निम्नलिखित सदस्यों से युक्त प्रापण उप समिति को रु.60 करोड़ से रु.120 करोड़ तक के मूल्य के प्रापण प्रस्तावों को अनुमोदित करने हेतु शक्तियाँ प्रत्यायोजित की गई हैं:–

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)
- सरकारी नामिती निदेशक
- निदेशक (वित्त)
- निदेशक (प्रचालन)

संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी समिति के स्थायी रूप से आमंत्रित सदस्य हैं ।

कंपनी सचिव इस समिति के सचिव होते हैं ।

घ)   व्यवसाय रणनीति संबंधी उप समिति

स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में व्यवसाय रणनीति उप समिति व्यवसाय परिदृश्य का विश्लेषण करती है तथा व्यवसाय के सतत विकास हेतु निदेशक मंडल को रणनीति बनाने में एवं व्यवसाय के विविधीकरण में मार्गदर्शन प्रदान करती है । दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार समिति का गठन निम्नवत रहा :–

- श्री पी एस कृष्णन, अध्यक्ष
- प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी, सदस्य
- एयर वाइस मार्शल (से.नि.) डी के पाण्डे, सदस्य
- निदेशक (प्रचालन) , सदस्य

- निदेशक (अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास), सदस्य
- निदेशक (वित्त), सदस्य

संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी समिति के स्थायी रूप से आमंत्रित सदस्य हैं एवं महाप्रबंधक (परियोजना एवं योजना) समिति के सचिव हैं ।

ङ) प्रबंधन समिति

प्रबंध समिति को मंडल द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों के अंतर्गत प्रस्तावों को अनुमोदित करने का अधिकार दिया गया है । दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार समिति का गठन निम्नवत रहा –

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)
- सभी कार्यपरक निदेशक – सदस्य
- सभी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)

कंपनी सचिव इस समिति के सचिव होते हैं ।

च) प्रौद्योगिकी एवं अभिकल्प नीति समिति

कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में इस प्रौद्योगिकी एवं अभिकल्प समिति के सभी पूर्णकालिक निदेशकों को मंडल द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों के अंतर्गत प्रस्तावों को अनुमोदित करने का अधिकार दिया गया है ।

महाप्रबंधक (एआरडीसी) इस समिति के सचिव होते हैं ।

निदेशकों हेतु पारिश्रमिक

स्वतंत्र निदेशक को बोर्ड एवं इसकी समिति की बैठक में प्रति बैठक रु 20,000/– के उपस्थिति शुल्क को छोड़कर कोई अन्य पारिश्रमिक अदा नहीं किया जाता है। सरकारी निदेशकों को न ही पारिश्रमिक राशि और न ही उपस्थिति शुल्क अदा किया जाता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को अदा किया गया उपस्थिति शुल्क निम्नानुसार है :

(रु. लाखों में)

क्रसं	स्वतंत्र निदेशक का नाम	मंडल बैठकें	समिति बैठकें	कुल पारिश्रमिक
1	श्री गोपबंधु पटनायक	1.40	1.80	3.20
2	प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी	0.80	1.80	2.60
3	श्री पी एस कृष्णन	1.00	1.40	2.40
4	एयर मार्शल (से.नि) डी के पाण्डे, ए वी एस एम, वी एस एम	1.40	2.00	3.40
5	श्रीमती दीपाली खन्ना	1.00	1.00	2.00

वर्ष 2016–17 हेतु पूर्णकालिक निदेशकों के पारिश्रमिक अनुबंध I के संलग्नक IV पर प्रस्तुत है ।

आचार संहिता

आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने मंडल के समस्त सदस्यों और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आचार संहिता निर्धारित की है। यह आचार संहिता कंपनी की वेबसाइट www.hal-india.com पर उपलब्ध है । वर्ष 2016–17 के दौरान मंडल के समस्त सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंध कार्मिकों ने आचार संहिता के अनुपालन की अभिपुष्टि की है। इस संबंध में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित एक घोषणा इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) / मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) प्रमाणन

डी.पी.ई. दिशा निर्देशों की अपेक्षा के अनुसार, सीईओ, सीएफओ, प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया तथा उक्त बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।

51वीं, 52वीं एवं 53वीं वार्षिक आम बैठक में कोई विशेष संकल्प नहीं किए गए ।

शेयर धारण पद्दति

एचएएल भारत में अथवा विदेश में किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है। कंपनी की संपूर्ण चुकता साम्या शेयर पूँजी भारत के राष्ट्रपति और उनके नामितियों के नाम से है ।

आम बैठकें

पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों के विवरण निम्नानुसार हैं :-

बैठक सं	स्थान	दिनांक एवं समय
51 वीं	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर- 560001, कर्नाटक	27 सितंबर, 2014 1100 बजे
52 वीं	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर- 560001, कर्नाटक	28 सितंबर , 2015 1400 बजे
53 वीं	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर- 560001, कर्नाटक	30 जुलाई , 2016 1400 बजे

वर्ष 2016-17 हेतु वार्षिक आम बैठक का आयोजन इस प्रकार किया जाएगा :-

दिन एवं दिनांक	:	शनिवार, 29 जुलाई 2017
समय	:	1300 बजे
स्थान	:	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर-560001. कर्नाटक

पत्राचार के लिए पंजीकृत / मुख्यालय का पता

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर-560001. कर्नाटक
दूरभाष (080) 2232 0001, फैक्स (080) 2232 0758
ई-मेल: cosec@hal-india.com
वेबसाइट: www.hal-india.com

प्रकटन

क) **संबंधित पक्षों के लेन-देन** को लेखा टिप्पणी सं. 49 के खंड सं.14 में प्रकट किया गया है। कंपनी के पास संबंधित पक्षों की कोई ठोस महत्त्वपूर्ण लेन-देन नहीं है, जो व्यापक रूप से इसके हितों में संभावित द्वंद्व उत्पन्न करें।

ख) **लेखा मानक:** कंपनी समस्त अनिवार्य लेखा मानकों का अनुपालन कर रही है ।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय से प्राप्त दिनांक 16-05-2017 के पत्र द्वारा कंपनी को सूचित किया गया है कि आईएनडीएएस 108 – प्रचालन संग्मेंट के अंतर्गत छूट प्रदान करने हेतु, 05-06-2015 की अधिसूचना सं.463(ई) में संशोधन की आवश्यकता होगी। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 462 के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कथित संशोधन को पूरा करने हेतु उक्त अधिसूचना को संसद के समझ

प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता होगी। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने संसद में आईएनडीएएस 108 आवेदन से कंपनी हेतु छूट के लिए सुसंगत अधिसूचना को प्रस्तुत करने हेतु कार्रवाई की पहल की है। उपरोक्त को देखते हुए, आईएनडीएएस 108 के अंतर्गत यथापेक्षित कंपनी द्वारा कोई प्रकटीकरण नहीं किया जाता है।

इस संबंध में प्रकटीकरण का प्रावधान लेखा के नोट सं.–49 के खंड सं.–8 में किया गया है।

ग) **निदेशकों का प्रशिक्षण:** निदेशकों को नैगम शासन पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया था ।

घ) **कदाचार सचेतक नीति:** अनैतिक व्यवहार अथवा संदेहास्पद धोखाधड़ी, आचार एवं नैतिकता के संबंध में कंपनी के सामान्य दिशा–निर्देशों के उल्लंघन के विषय में कर्मचारियों द्वारा प्रबंधन को जानकारी देने हेतु एक प्रक्रिया स्थापित करने की दृष्टि से कंपनी ने वर्ष 2010 के दौरान कदाचार सचेतक नीति की घोषणा की है। यह नीति वास्तविक कदाचार सचेतक को किसी प्रकार के उत्पीड़न से बचाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती है। यह नीति कंपनी की वेबसाइट www.hal-india.com पर उपलब्ध है ।

(ङ) सूचना का अधिकार :

आपकी कंपनी ने नागरिकों को सूचना प्रदान करने तथा जवाबदेही एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम लागू किया है। कंपनी ने भारत के सभी नागरिकों के लिए अपनी वेबसाइट पर आरटीआई मैनुअल को प्रदर्शित किया है तथा कंपनी के सभी स्थापनों तथा कार्यालयों के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए), नोडल अधिकारी (एनओ), पारदर्शिता अधिकारी (टीओ) तथा सहायक जन सूचना अधिकारी (एपीआईओ) को पदनामित किया है।

वर्ष 2016–17 के दौरान, आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत 953 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से दिनांक 31–03–2017 तक 923 आवेदनों के उत्तर दिए गए ।

(च) लोक व्यथा का निवारण

पारदर्शिता एवं समयबद्ध रूप से जन शिकायतों के निवारण को संपन्न करने हेतु, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार ने www.hal-india.com में वैब आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली की पहल की है।

आपकी कंपनी लोक शिकायत को दक्षता एवं समयबद्ध रूप से सुलझाने के प्रति वचनबद्ध है। राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, रक्षा मंत्रालय आदि से ऑन लाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त लोक शिकायतों के शीघ्र निपटान के लिए नोडल अधिकारी (शिकायत) के रूप में अपर महाप्रबंधक (मा.सं) – मुख्यालय को पदनामित किया गया है ।

भारत सरकार के निदेशानुसार, लोक व्यथाओं का निवारण दो माह के समय के अंदर सुलझाया जाना चाहिए । यदि इसे दो माह की अवधि में नहीं सुलझाया जाना संभव नहीं है, तो एक अंतरिम उत्तर दिया जाना चाहिए । आपकी कंपनी उक्त निर्धारित समय में इसे सुलझा लेने का भरसक प्रयास कर रही है ।

(छ) राष्ट्रपति के निदेश:

अनु.जा., अनु.ज.जा., अन्य पिछड़े वर्ग, विकलांग एवं भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण के संबंध में समय–समय पर भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति आदेश एवं विनिर्देश एचएएल द्वारा अनुपालन किया जाता है । सरकार के निदेशों के प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में कंपनी की विभिन्न इकाइयों / कार्यालयों में संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। ऐसे अधिकारी, जो भर्ती एवं पदोन्नति में आरक्षण संबंधी विषयों को देख रहे हैं, उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे कि वे इस विषय के संबंध में अपने ज्ञान को अद्यतन बनाए रख सकें और कारगर ढंग से अपना कार्य कर सकें ।

दिनांक 31 दिसंबर 2016 के अनुसार अनु.जा/अनु.ज.जा/ अन्य पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधित्व निम्नवत रहा:

कर्मचारियों की श्रेणी	ग्रुप-ए	ग्रुप-बी	ग्रुप-सी	ग्रुप-डी	कुल
अनुसूचित जाति	1599	17	3545	5	5166
अनुसूचित जन जाति	541	7	1470	0	2018
अन्य पिछड़े वर्ग	2091	17	5106	6	7220

दिनांक 31 दिसंबर 2016 के अनुसार विकलांग एवं भूतपूर्व सैनिकों का प्रतिनिधित्व निम्नवत रहा:

कर्मचारियों की श्रेणी	ग्रुप-ए	ग्रुप-बी	ग्रुप-सी	ग्रुप-डी	कुल
शारीरिक रूप से विकलांग	157	5	524	3	689
भूतपूर्व सैनिक	98	1	1690	0	1789

(ज) लेखा बहियों में नामे व्यय की मदें, जो कारोबार के उद्देश्य से नहीं हैं :-

कंपनी के कारोबार से प्रत्यक्षत: संबंधित अथवा आकस्मिक व्यय, जिन्हें कर्मचारियों / भूतपूर्व कर्मचारियों के कल्याण की बाबत अपनी नैगम सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करने की दृष्टि से व्यय किया गया, को छोड़कर अन्य किसी व्यय की मदों को कंपनी की लेखा बहियों में नामे नहीं किया गया है ।

(झ) उपचित व्यय, जो वैयक्तिक प्रकृति के हैं और जिन्हें निदेशक मंडल और उच्च प्रबंध के लिए उपचित किया गया

निदेशक मंडल और उच्च प्रबंधन के लिए उपचित व्यय वेतन, भत्ते, परिलब्धियाँ, लाभ और बैठक शुल्क वाली प्रकृति के हैं, जिनके लिए कंपनी के नियमों में अनुमति प्राप्त है। वर्ष 2015-16 के दौरान वैयक्तिक प्रकृति वाले अन्य कोई व्यय निदेशक मंडल और उच्च प्रबंध के लिए उपचित नहीं किए गए ।

(ञ) नैगम सामाजिक दायित्व और सतत विकास (सीएसआर एवं एसडी)

वर्ष के दौरान कंपनी ने नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास की बाबत 67.96 करोड़ रुपए व्यय किए, जबकि आबंटित बजट धनराशि 66.92 करोड़ रुपए थी । कंपनी ने सरकार के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार विशिष्ट नैगम सामाजिक दायित्व कार्यकलापों को भी प्रारंभ किया था ।

जनवाड़ा, तेलंगाना में निर्मित रसोई घर, भोजन कक्ष एवं शौचालय

उड़ीसा में कोरापुट स्थित बिजु कॉलोनी में बृहत स्वास्थ्य शिविर

हरिहरपुर, कोरवा में संस्थापित वाटर हार्वेस्टिंग सुविधा के साथ हैंडपंप

(ट) सत्यनिष्ठा समझौता

एचएएल ने सत्यनिष्ठा समझौता को अपनाया है और कार्यान्वित किया है तथा क्रय नियमावली में इससे संबंधित खंड को जोड़ा गया है। संविदा पूर्व सत्यनिष्ठा समझौता एक विशिष्ट संविदा है, जिसके लिए कंपनी और बिडरों के बीच बाध्यकारी करार है, जिसमें दोनों पक्ष यह वायदा करते हैं कि वे संविदा के किसी पहलू /अवस्था में किसी प्रकार के भ्रष्ट आचरण का सहारा नहीं लेंगे ।

ट्रस्ट निर्मित कर सत्यनिष्ठा समझौते ने प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को सशक्त बनाया है और इसे केंद्रीय सतर्कता आयोग का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

(ठ) संचार का माध्यम

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट, सभी सदस्यों एवं अन्य पात्र व्यक्तियों में परिचालित की जाती है। कंपनी द्वारा लेखा और अन्य प्रासंगिक सूचना तथा सूचना के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपेक्षित सूचना को अपनी वेबसाइट www.hal-india.com पर प्रदर्शित किया जाता है ।

(ड) अनुपालन

कंपनी ने नैगम शासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों हेतु जारी दिशानिर्देशों का पालन किया है। कंपनी रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को तिमाही की समाप्ति से 15 दिन पहले त्रैमासिक अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत करती है । व्यवहार्यत: नैगम शासन से संबंधित नीति/ सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुपालन विषयक कंपनी सचिव का प्रमाण–पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है ।

घोषणा

सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिनांक 14 मई 2010 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18(8)/2005 जीएम में यथा उल्लिखित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए नैगम शासन के संबंध में सार्वजनिक उद्यम क्षेत्र विभाग के दिशानिर्देशों का अनुसरण करते हुए कंपनी के समस्त मंडल सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के मंडल सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन हेतु व्यापार आचार संहिता एवं नैतिकता के अनुपालन की अभिपुष्टि की है ।

कृते तथा निदेशक मंडल की ओर से
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

(टी . सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 17 जुलाई, 2017

नैगम शासन अनुपालन प्रमाण–पत्र

नैगम पहचान सं. : U35301K-1963GOI001622
प्राधिकृत पूँजी : रूपये 600,00,00,000

सेवा में,

सदस्य
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
बेंगलूर

केन्द्रीय सार्वजनिक उद्यमों के लिए नैगम शासन संबंधी लोक उद्यम विभाग (डीपीई) 2010 के दिशा–निर्देशों में यथा अनुबंधित नैगम शासन की शर्तों के अनुपालन को प्रमाणित करने के उद्देश्य से हमने 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के समस्त सुसंगत अभिलेखों की जाँच की । हमने उन समस्त सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है, जो हमारी जानकारी और विश्वास के मुताबिक प्रमाणन के उद्देश्य से जरूरी थे ।

नैगम शासन की शर्तों का पालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है । नैगम शासन की शर्तों का पालन सुनिश्चित करने हेतु कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं एवं कार्यान्वयन तक हमारा परीक्षण सीमित है ।

हमें प्रस्तुत किए गए अभिलेखों, स्पष्टीकरणों एवं सूचना की परीक्षा के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए समुचित दस्तावेजों का रख–रखाव किया है तथा सार्वजनिक उद्यमों के लिए नैगम शासन संबंधी सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) 2010 के दिशा–निर्देशों में यथा अनुबंधित नैगम शासन की शर्तों का पालन किया है ।

(के संध्या लक्ष्मी)
भागीदार
बी आर के एस एण्ड एसोसिएट्स
कम्पनी सचिव
सी.पी. संख्या 8538

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 2017

नैगम शासन के संबंध में सार्वजनिक उद्यम विभाग के खंड 4.5 के अधीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी / मुख्य वित्त अधिकारी प्रमाणन

सेवा में,
निदेशक मंडल
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

1. हमने 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण एवं नकद प्रवाह की समीक्षा की है और हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार :

   i. इन कथनों में कहीं भी कोई गलत जानकारी नहीं दी गई है और न ही किसी भी तथ्य को छिपाया गया है या फिर ऐसा कोई बयान नहीं है, जो भ्रम पैदा करे ;

   ii. कुल मिलाकर ये सभी विवरण कंपनी के मामलों की सही और उचित स्थिति दर्शाती है तथा ये सभी मौजूदा लेखा मानकों, लागू विधि एवं विनियमों का अनुपालन करते हैं ।

2. उनकी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार, कंपनी में वर्ष के दौरान ऐसा कोई लेन–देन नहीं किया गया है, जो धोखाधड़ी युक्त या अवैध हो या कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन करता हो ।

3. हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण को स्थापित करने एवं उनके रखरखाव की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं तथा हमने वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावकारिता का आकलन भी किया है । हमारी जानकारी में अभिकल्प एवं प्रचालन में रिपोर्ट करने योग्य ऐसे आंतरिक नियंत्रण प्राप्त नहीं हुए हैं ।

4. हमने लेखापरीक्षकों को सूचित किया है :

   i. कि वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक नियंत्रण में कोई मुख्य परिवर्तन नहीं किया गया है ;

   ii. भारतीय लेखा मानकों (आईएनडी एएस) के अनुपालन हेतु लेखा नीतियों में प्रमुख परिवर्तन किए गए हैं ;

   iii. कि हमारी जानकारी में प्रमुख धोखाधड़ी के संबंध में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है ।

(सी वी रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

बोर्ड के प्रतिवेदन का अनुबंध – I

प्रपत्र संख्या एमजीटी – 9

वार्षिक विवरणी सारांश

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 92 (3) तथा कंपनी (प्रबंध एवं प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 12(1) के अनुपालनार्थ

I) पंजीकरण एवं अन्य विवरण :

i)	सीआईएन	U35301KA1963GOI001622
ii)	पंजीकरण तिथि	16 / 08 / 1963
iii)	कंपनी का नाम	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
iv)	कंपनी की श्रेणी कंपनी की उप श्रेणी	सार्वजनिक कंपनी सरकारी कंपनी
v)	पंजीकृत कार्यालय का पता एवं संपर्क विवरण	सं.15/1, कब्बन रोड पीबी सं.5150 बेंगलूरु –560001 कर्नाटक दूरभाष सं. 080 22320001
vi)	क्या कंपनी सूचीबद्ध है	~~हाँ~~/नहीं
vii)	पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता, यदि कोई हो, का नाम, पता एवं संपर्क विवरण	लागू नहीं

II) कंपनी के प्रमुख कारोबार संबंधी क्रियाकलाप : ऐसे सभी कारोबार संबंधी कार्यकलाप जो कंपनी के सकल कुल बिक्री में 10 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का योगदान दे रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित रूप में व्यक्त किया जाएगा :–

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं के नाम एवं विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल बिक्री का प्रतिशत
1	विमान एवं हेलिकॉप्टर का विनिर्माण	35301	54
2	विमान एवं हेलिकॉप्टर की मरम्मत, अनुरक्षण	35308	40

III) नियंत्रक, सहायक एवं सहयोगी कंपनियों का विवरण :

क्रम. सं.	कंपनी का नाम एवं पता	सीआईएन/जीएलएन	नियंत्रक / सहायक / सहयोगी	धारित शेयर का %	लागू धारा
1	बीएईएचएएल साफ्टवेयर लिमिटेड एयरपोर्ट लेन, एचएएल एस्टेट, बेंगलूर –560017	U72200KA1993PLC013983	सहयोगी	एचएएल :49 % बीएई प्रणाली :40 % बीएईएचएएल कर्मचारी ट्रस्ट : 11 %	धारा 2(76)(viii)

2	स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड सं.140/1, हुडी वाइट फील्ड रोड, वाइट फील्ड औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूर 560 066	U35303KA2005PTC037539	सहयोगी	स्नेक्मा : 50 % एचएएल : 50 %	धारा 2(76)(viii)
3	सैम्टेल एचएएल डिसप्ले सिस्टम्स लिमिटेड नं.501, 5वाँ तल, कोपिया कार्पोरेट सूट्स, प्लॉट नं 9, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जसोला, दिल्ली –110 025	U32204DL2007PLC158372	सहयोगी	सैमटेल : 60 % एचएएल :40 %	धारा 2(76)(viii)
4	इनफोटेक एचएएल लिमिटेड 5 वॉ तल, इनफोटेक आईटी पार्क, फेज–1, 110 ए एंड 110 बी, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसूर मेन रोड, बेंगलूर – 560 100	U29200KA2007PLC043691	सहयोगी	एचएएल :50 % इनफोटेक (सिएंट लिमिटेड के पुनर्नामित) : 50 %	धारा 2(76)(viii)
5	एचएएल–एजवुड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड 3 वॉ तल, पुराना एडीबी बिल्डिंग, एचएएल मेन फैक्टरी, एचएएल एयरपोर्ट रोड, बेंगलूर 560 017	U73100KA2007PTC042634	सहयोगी	एचएएल :50 % एजवुड आईएनसी, यूएसए : 26 % एजवुड इंडिया : 24 %	धारा 2(76)(viii)
6	हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, नं. 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर 560 001	U35303KA2007PTC042680	सहयोगी	एचएएल :50 % एलबिट :26 % मर्लिनहॉक एसो. बेंगलूर : 24 %	धारा 2(76)(viii)
7	इंडो रूसी एवियेशन लिमिटेड नं. 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर 560 001	U35303KA1994PLC016219	सहयोगी	एचएएल : 48 % आईसीआईसीआई बैंक : 5% आरएसी मिग : 31 % रयाजान :10 % एवियाजॉपचेस्ट :6 %	धारा 2(76)(viii)
8	हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रैनिंग प्राइवेट लिमिटेड सर्वे नं.3 एंड 4, एचएएल एआरडीसी मेन गेट के सामने, विभूतिपुरा, बेंगलूर – 560037	U74999KA2008PTC044972	सहयोगी	एचएएल : 50 % सीएई कनॉडा : 50 %	धारा 2(76)(viii)
9	टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड वीनस बिल्डिंग, कल्याण मंडप रोड, जक्कसंद्रा, कोरमंगला, बेंगलूर –560034	U93000KA2008PLC046588	सहयोगी	एचएएल : 50 % टाटा टेक्नोलॉजीस: 50 %	धारा 2(76)(viii)

10	मल्टीरोल ट्रांस्पोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड एमटीएएल हाउस, एचएएल सीनियर ऑफिसर एनक्लेव, पुराना मद्रास रोड,बेंगलूर – 560 093	U29199KA2010PLC056091	सहयोगी	एचएएल : 50% रूसी :50% (यूएसी –टीए एंड आरओई)	धारा 2(76)(viii)
11	इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड सर्वे नं.3, केंपापुरा विलेज, वर्थूरहोबली, बेंगलूर ईस्ट तालूक, बेंगलूर – 560037	U29253KA2010PTC054509	सहयोगी	एचएएल : 50 % रोल्स रायस : 50 %	धारा 2(76)(viii)
12	एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल एचएएल, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, सुरंजनदास रोड, विमानपुरा रोड, बेगलूर – 560 017	U80301KA2014NPL076367	सहयोगी	एचएएल : 50% बीसीआईसी : 25% एसआईएटीआई: 25%	धारा 2(76)(viii)
13	हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड 2727, 80 फीट रोड, एचएएल 3 वॉ स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर 560075	U74999KA2016PTC095837	सहयोगी	एचएएल : 50% सैफ्रान हेलिकॉप्टर इंजन : 50%	धारा 2(76)(viii)
14	नैनी एरोस्पेस लिमिटेड नं. 15/1, पो.बा. नं.5150, कब्बन रोड, बेंगलूर 560 001	U29309KA2016GOI098895	सहायक	एचएएल : 100%	धारा 2(76)(viii)

IV) शेयर धारिता प्रणाली (कुल साम्या प्रतिशतता के रूप में साम्या शेयर पूँजी विवरण) :

i) श्रेणीवार शेयर धारिता **(संदर्भ – अनुलग्नक – I)**

ii) संप्रवर्तकों की शेयर धारिता **(संदर्भ – अनुलग्नक – II)**

iii) संप्रवर्तकों की शेयर धारिता में परिवर्तन (कृपया परिवर्तन न होने की स्थिति में सूचित करें)

क्रम. स.		वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में	36,15,00,000	100%	36,15,00,000	100%
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी (जैसे आबंटन/अंतरण/ बोनस, उद्यम साम्या आदि)	–	–	–	–
iii.	वर्ष के अंत में	**36,15,00,000**	**100%**	**36,15,00,000**	**100%**

iv. **सर्वश्रेष्ठ 10 शेयर धारकों की शेयर धारिता प्रणाली (जीडीआर व एडीआर के निदेशकों, संप्रवर्तकों एवं धारकों को छोड़कर)**

क्रम. सं.	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता		प्रत्येक सर्वश्रेष्ठ 10 शेयर धारकों के लिए	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	प्रत्येक सर्वश्रेष्ठ 10 शेयर धारकों के लिए
क.	वर्ष के प्रारंभ में	–	–	–	–
ख.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी (जैसे आबंटन/अंतरण/ बोनस, उद्यम साम्या आदि)	–	–	–	–
ग.	वर्ष के अंत में (वर्ष के दौरान पृथक होने की स्थिति में पृथकता की तिथि पर अथवा)	–	–	–	–

v) निदेशकों एवं महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता **(संदर्भ – अनुलग्नक – III)**

V) ऋणग्रस्तता

भुगतान हेतु अदेय बकाया/प्रोद्भुत व्याज सहित कंपनी की ऋणग्रस्तता

(रु. लाखों में)

	जमा राशियों के छोड़कर प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण	जमा राशियाँ	कुल ऋणग्रस्तता
वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में ऋणग्रस्तता i) मूल धन राशि ii) भुगतान न किया गया देय व्याज iii) अदेय प्रोद्भुत व्याज	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कुल योग (i+ii+iii)	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणग्रस्तता में परिवर्तन • जोड़ें • घटाएँ	95000 –	शून्य –	शून्य –	95000 –
निवल परिवर्तन	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता i) मूल धनराशि ii) भुगतान न किया गया व्याज iii) अदेय प्रोद्भुत व्याज	95000 288 –	– शून्य –	– शून्य –	95000 288 –
कुल योग (i+ii+iii)	**95288**	**शून्य**	**शून्य**	**95288**

VI) **निदेशकों एवं महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक का पारिश्रमिक**

क. प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक एवं/अथवा प्रबंधक हेतु पारिश्रमिक :

ख. अन्य निदेशकों के लिए पारिश्रमिक :

ग. प्रबंध निदेशक/प्रबंधक/पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक के लिए पारिश्रमिक

(अनुलग्नक IV देखें)

VII) **शास्ति/दंड/अपराधों का प्रशमन – शून्य**

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	शास्ति/दंड/लगाया गया प्रशमन शुल्क	प्राधिकारी (आरडी/एनसीएलटी/न्यायालय)	यदि कोई अपील की गई हो (विवरण दें)
क. कंपनी					
शास्ति					
दंड					
प्रशमन					
ख.निदेशक					
शास्ति					
दंड					
प्रशमन					
ग. चूककर्ता अन्य अधिकारी					
शास्ति					
दंड					
प्रशमन					

कृते तथा निदेशक मंडल की ओर से
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक : 17 जुलाई, 2017
स्थान: बेंगलूरु

अनुलग्नक ।

i) श्रेणीवार शेयर धारिता

शेयर धारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या [01 अप्रैल 2016 के अनुसार]				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या [31 मार्च 2017 के अनुसार]				वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
	डि-मैट	वास्तविक	कुल	कुल शेयरों का %	डि-मैट	वास्तविक	कुल	कुल शेयरों का %	
अ.संप्रवर्तक									
(1) भारतीय									
क) वैयक्तिक/एचयूएफ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) केंद्र सरकार	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	-
ग) राज्य सरकार (रों)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) निगम निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) बैंक/ वि.सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग (अ)(1)	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	-
(2) विदेश	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) अनिवासी भारतीय - वैयक्तिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) वैयक्तिक - अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) निगम निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बैंक/वि.सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) अन्य कोई	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग (अ) (2)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
संप्रवर्तक की कुल शेयरधारिता (अ) = अ (1) + अ(2)	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	-
ब. पब्लिक शेयरधारिता									
1. संस्थान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पारस्परिक निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) बैक/वि.सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) केंद्र सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) राज्य सरकार (रों)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) उद्यम पूँजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) बीमा निगम	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छ) एफआईआई		-	-	-	-	-	-	-	-
ज) विदेशी उद्यम पूँजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
झ) अन्य(उल्लेख करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग (ब) (1):-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. गैर संस्थान									
क) निगम निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
i) भारतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) ओवरसीज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) वैयक्तिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-

i) न्यूनतम रु.1 लाख तक की न्यूनतम शेयर पूँजीवाले वैयक्तिक शेयर धारक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) न्यूनतम रु.1 लाख से अधिक की शेयर पूँजीवाले वैयक्तिक शेयर धारक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनिवासी भारतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ओवरसीज निगम निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी नागरिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समाशोधन सदस्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ट्रस्ट	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विदेशी निकाय-डीआर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग(ब) (2):-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल पब्लिक शेयर धारिता (ब)= (ब)(1)+ (ब) (2)		-	-	-	-	-	-	-	-
स. जीडीआर एवं एडीआर के अभिरक्षक द्वारा धारित शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समग्र कुल योग (अ+ ब +स)	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	36,15,00,000	-	36,15,00,000	100%	-

(अनुलग्नक-II)

ii) संप्रवर्तकों की शेयरधारिता

क्रम. सं.	शेयर धारिता का नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता			वर्ष के अंत में शेयरधारिता			वर्ष के दौरान शेयर धारिता में परिवर्तन का %
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	कुल शेयरों में बंधक/ ऋणग्रस्त (%)	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	कुल शेयरों में बंधक/ ऋणग्रस्त (%)	
1	भारत के राष्ट्रपति	36,15,00,000	100%	-	36,15,00,000	100%	-	-
कुल		**36,15,00,000**	**100%**	-	**36,15,00,000**	**100%**	-	-

(अनुलग्नक – III)

निदेशकों तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिकों की शेयरधारिता

1. श्री राजीब कुमार सेन, आर्थिक सलाहकार*

क्रम. सं.	प्रत्येक निदेशक तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में **	–	–	–	–
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/ कमी जैसे आबंटन/ अंतरण/बोनस/उद्यम साम्या आदि):	40	–	40	–
iii.	वर्ष के अंत में	40	–	40	–

2. श्री टी. सुवर्ण राजु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक *

क्रम. सं.	प्रत्येक निदेशक तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में	40	–	40	–
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी जैसे आबंटन/ अंतरण/बोनस/उद्यम साम्या आदि):	–	–	–	–
iii.	वर्ष के अंत में	40	–	40	–

3. श्री वी एम चमोला, निदेशक(मानव संसाधन) *

क्रम. सं.	प्रत्येक निदेशक तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में	40	–	40	–
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी जैसे आबंटन/ अंतरण/बोनस/ उद्यम साम्या आदि):	–	–	–	–
iii.	वर्ष के अंत में	40	–	40	–

4. **श्री डी के वेंकटेश, निदेशक (इंजी. एवं अनु. व वि.)***

क्रम. सं.	प्रत्येक निदेशक तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में	40	–	40	–
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी जैसे आबंटन/ अंतरण/बोनस/उद्यम साम्या आदि):	–	–		–
iii.	वर्ष के अंत में	40	–	40	–

5. **श्री सी वी रमणा राव, निदेशक (वित्त)***

क्रम. सं.	प्रत्येक निदेशक तथा महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %	शेयर संख्या	कंपनी के कुल शेयर का %
i.	वर्ष के प्रारंभ में	40	–	40	–
ii.	वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी के कारणों को स्पष्ट करते हुए संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी जैसे आबंटन/ अंतरण/बोनस/उद्यम साम्या आदि):	–	–	–	–
iii.	वर्ष के अंत में	40	–	40	–

* भारत के राष्ट्रपति के नामिती शेयरधारक

** श्री राजीब कुमार सेन, आर्थिक सलाहकार दिनांक 18 नवंबर 2016 से अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त हुए ।

अनुलग्नक –IV

निदेशकों एवं महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

अ. प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक तथा/अथवा प्रबंधक के लिए पारिश्रमिक :

(रुपए में)

क्रम. सं.	पारिश्रमिक के विवरण	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम					कुल राशि
		टी सुवर्ण राजु	वी एम चमोला	एस. सुब्रह्मण्यन	डी के वेंकटेश	सी वी रमणा राव	
1.	सकल वेतन (क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में निहित उपबंधों के अनुसार वेतन***	3565171	3812281	3961069	2801506	2969597	17109624
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अधीन परिलब्धियों का मूल्य (ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के बदले लाभ	595827	612560	636373	392049	52400	2289209
2	भंडार विकल्प	–	–	–	–	–	–
3	उद्यम साम्या	–	–	–	–	–	–
4	अन्य लाभ की प्रतिशतता के रूप में कमीशन (उल्लेख करें)	–	–	–	–	–	–
5	अन्य, कृपया उल्लेख करें	–	–	–	–	–	–
	कुल (अ)	4160998	4424841	4597442	3193555	3021997	19398833
	*****अवकाश नकदीकरण सहित**	191573	604444	887823	165575	165225	2014640
	अधिनियम के अनुसार अधिकतम सीमा	दिनांक 05.06.2015 के एमसीए अधिसूचना संख्या 463(ई) के अनुसार प्रदत्त छूट					

ब. अन्य निदेशकों के पारिश्रमिक :

(रु.लाखों में)

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशकों के नाम					कुल राशि
	स्वतंत्र निदेशक	पी एस कृष्णन	प्रो.प्रदीप्त बैनर्जी	जी पट्टनायक	एवीएम (से.नि.) डी के पांडे	दीपाली खन्ना	
1.	क. मंडल एवं समिति बैठकों में भाग लेने हेतु शुल्क	2.40	2.60	3.20	3.40	2.00	13.60
	ख. कमीशन	–	–	–	–	–	–
	ग. अन्य, कृपया उल्लेख करें	–	–	–	–	–	–
	कुल (1)	2.40	2.60	3.20	3.40	2.00	13.60
2.	अन्य गैर अधिशासी निदेशक	के के पंत	राजीब कुमार सेन#	--			
	क. मंडल एवं समिति बैठकों में भाग लेने हेतु शुल्क	--	--	--	--		--
	ख. कमीशन	--	--	--	--		--
	ग. अन्य, कृपया उल्लेख करें	--	--	--	--		--
	कुल (2)	--	--	--	--		--
	कुल (ब)=(1+2)						
	अधिनियम के अनुसार कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक की समग्र रूप से अधिकतम सीमा	दिनांक 05.06.2015 के एमसीए अधिसूचना संख्या 463(ई) के अनुसार प्रदत्त छूट					

 # नोट : अंशकालिक सरकारी (सरकार द्वारा नामिती) निदेशक को कोई शुल्क/कमीशन नहीं किया जा रहा है ।

स. प्रबंध निदेशक/प्रबंधक/पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

(रुपए में)

क्रम. सं.	पारिश्रमिक का विवरण		महत्त्वपूर्ण प्रबंधकीय कार्मिक		
1	सकल वेतन	मुख्य कार्यपालक अधिकारी	कंपनी सचिव (जी वी शेषा रेड्डी)	सीएफओ (सी वी रमणा राव)	कुल
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में निहित उपबंधों के अनुसार वेतन	भाग ए में पहले से शामिल	1407530	भाग ए में पहले से शामिल	1407530
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अधीन परिलब्धियों का मूल्य		198542		198542
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के बदले लाभ		–		–
2	भंडार विकल्प		–		–
3	श्रम-जन्य ईक्विटी		–		–
4	अन्य लाभ की प्रतिशतता के रूप में कमीशन (उल्लेख करें)		–		–
5	अन्य, कृपया उल्लेख करें		–		–
	कुल		**1606072**		**1606072**

प्रपत्र सं. एओसी–2

(अधिनियम की धारा 134 की उप धारा (3) और कंपनी (लेखा) नियम 2014 के नियम 8(2) के खंड (एच) के अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 की उप धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा की गई संविदा / व्यवस्था तथा तीसरे परंतुक के अंतर्गत स्वतंत्र व समान स्तर के लेन–देन के विवरणों के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र

1. **संविदा या व्यवस्था अथवा लेन–देन से संबंधित विवरण जो स्वतंत्र व समान स्तर आधार पर नहीं है :**

क्र. सं.	संबंधित पक्ष का नाम	संबंधित की प्रकृति	संविदा / व्यवस्था / लेन–देन की प्रकृति	संविदा / व्यवस्था / लेन–देन की अवधि	संविदा अथवा व्यवस्था अथवा लेन–देन एवं मूल्य, यदि कोई हो, की प्रमुख शर्तें	इस प्रकार की संविदा अथवा व्यवस्था या लेन–देन किए जाने का औचित्य	मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि (याँ)	अग्रिम के रूप में प्रदत्त धनराशि, यदि कोई हो :	धारा 188 के पहले उपबंध के अधीन आवश्यकतानुसार आम बैठक में पारित विशेष संकल्प की तारीख
1	मेसर्स इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	सीमित निविदा के आधार पर आपूर्ति संविदा	–	सु–30 आरओएच परियोजना हेतु रु.465,112.51 यूएसडी अथवा आयातित माल लागत रु.3.55 करोड़ (सभी टैक्स मिलाकर) मूल्य पर 29 प्रकार के स्पेयर के लिए 3 खरीद आदेश देना	सीमित निविदा के अनुसार एल 1 पर प्राप्ण आधारित है ।	28 मई 2016	–	–

2	मेसर्स इंडो रशियन एवियेशन लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	सीमित निविदा के आधार पर आपूर्ति संविदा	–	मिग बिशन हेतु रु.247,132.60 यूएसडी अथवा आयातित माल लागत रु.1.84 करोड़ (कर सहित) मूल्य पर 54 प्रकार के स्पेयर, स्पेयर का ग्रुप-सेट तथा नॉन कॉप्यो स्पेयर्स के लिए 2 खरीद आदेश देना	सीमित निविदा के अनुसार एल 1 पर प्रापण आधारित है ।	28 मई 2016	–	–

2. <u>सामग्री संविदाओं अथवा व्यवस्थाओं अथवा लेन-देन से संबंधित विवरण जो स्वतंत्र व समान स्तरीय आधार पर है</u>

क्र. सं.	संबंधित पक्ष का नाम	संबंधित की प्रकृति	संविदा / व्यवस्था / लेन-देन की प्रकृति	संविदा / व्यवस्था / लेन-देन की अवधि	संविदा अथवा व्यवस्था अथवा लेन-देन एवं मूल्य, यदि कोई हो, की प्रमुख शर्तें	मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि (याँ)	अग्रिम के रूप में प्रदत्त धनराशि, यदि कोई हो
			------	शून्य	------		

कृते तथा निदेशक मंडल की ओर से
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक: 17 जुलाई , 2017
स्थान : बेंगलूरु

बोर्ड के प्रतिवेदन पर अनुबंध – III

संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों के वित्तीय निष्पादन पर रिपोर्ट

एचएएल ने अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय विमानन और भारतीय संगठनों के साथ दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार रु.227.22 करोड़ के कुल साम्या पूँजी निवेश के साथ 13 (तेरह) संयुक्त उद्यम कंपनियों एवं 1 (एक) पूर्णतः स्वामित्व सहायक कंपनी को स्थापित किया है ।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम कंपनियों एवं सहायक कंपनी की कुलबिक्री रु.451.33 करोड़ रुपए रहा, जिसका विवरण निम्नलिखित है :

(धनराशि रुपए करोड़ों में)

क्र.सं.	क. संयुक्त उद्यम का नाम	एचएएल की शेयरधारिता (%)	कुल बिक्री	कर पूर्व लाभ
i	बीएईएचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	49	19.57	0.77
ii	इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	48	114.87	30.98
iii	स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	50	69.15	7.08
iv	सैमटेल एचएएल डिसप्ले सिस्टम लिमिटेड	40	15.72	-2.54
v	एचएएल-एजवुड टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड	50	0.99	-0.80
vi	हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	50	3.62	0.29
vii	इन्फोटेक एचएएल लिमिटेड	50	6.58	1.14
viii	टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	50	5.05	-2.91
ix	हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रैनिंग प्राइवेट लिमिटेड	50	32.90	10.45
x	इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	50	182.88	23.46
xi	मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	50	-	4.83
xii	एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)*	50	-	-0.68
xiii	हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	50	-	-1.20
ख. सहायक कंपनियों का नाम				
i.	नैनी एरोस्पेस लिमिटेड **	100	-	-1.74

टिप्पणी : कोष्ठकों () के आंकड़े हानि सूचित करते हैं

*** रु.12.50 लाख साम्या सहभागिता के साथ धारा – 8 (लाभरहित) संगठन**

**** कारोबार प्रारंभ किया जाना है**

13 संयुक्त उद्यम कंपनियों में से, मल्टी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड (एमटीएएल) एवं हेलिकॉप्टर इंजन प्राईवेट लिमिटेड (एचईएमआरओ) द्वारा वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ किया जाना है । शेष 11 संयुक्त उद्यम कंपनियों में से, 7 संयुक्त उद्यम कंपनियों ने लाभप्रद प्रचालन प्राप्त किए हैं, जबकि अन्य 3 कंपनियों ने हानि प्राप्त की हैं ।

वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान, चार संयुक्त उद्यम कंपनियाँ नामतः इंडो रशियन एवियेशन लिमिटेड, स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, बीएईएचएएल साफ्टवेयर लिमिटेड एवं इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड मिलकर एचएएल को रु.2.43 करोड़ लाभांश का भुगतान किए हैं ।

कृते तथा निदेशक मंडल की ओर से
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक : 17 जुलाई 2017
स्थान : बेंगलूरु

बोर्ड के प्रतिवेदन पर अनुबंध IV

वित्त वर्ष 2016-17 हेतु नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के कार्यकलापों संबंधी वार्षिक रिपोर्ट

1. प्रारंभ किए गए प्रोजेक्ट अथवा कार्यक्रम तथा सीएसआर नीति एवं प्रोजेक्ट या कार्यक्रमों में वेब लिंक के संदर्भ सहित कंपनी की सीएसआर नीति का संक्षिप्त विवरण :

क) सीएसआर नीति का संक्षिप्त परिचय:

- नैगम सामाजिक दायित्व नीति कंपनी अधिनियम 2013 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के उपबंधों के आधार पर तैयार की जाती है ।
- बजट प्रावधान नए कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार था अर्थात निकटवर्ती विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के औसत निवल लाभ के 2% की दर से आँका जाता है ।
- कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII की सीमा में आनेवाली केवल उन्हीं नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाओं/कार्यकलापों को वैध नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाएँ/कार्यकलाप माना जाएगा ।
- निष्पादन कार्य विधियों, समय सीमा एवं व्यय सहित विशिष्ट नैगम सामाजिक दायित्व परियोजनाओं/कार्यकलापों को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए तथा उक्त वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में कंपनी की वेबसाइट में इसे प्रदर्शित किए जाने की आवश्यकता है ।
- नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाओं/कार्यकलापों के अधिशेष कंपनी के कारोबार लाभ का भाग नहीं होंगे ।

ख) वर्ष 2016-17 के दौराम कार्यान्वित सीएसआर परियोजनाएँ :

- एचएएल अपने प्रभागों के परिसर में स्थित लोगों की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मूल स्तर पर नैगम सामाजिक दायित्व संबंधी परियोजनाओं/कार्यकलापों को प्रारंभ करता है । एचएएल ने पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग सभी क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कौशल विकास, पर्यावरण, खेलकूद एवं ग्रामीण विकास आदि में नैगम सामाजिक दायित्व संबंधी परियोजनाओं/कार्यकलापों को प्रारंभ किया है ।
- उक्त क्षेत्रों में एचएएल द्वारा सामान्य नैगम सामाजिक दायित्व कार्यकलापों के कार्यान्वयन के दौरान कुछ सीएसआर परियोजनाओं ने एचएएल के गौरव को बढ़ाया है। इनमें कुछ परियोजनाएँ निम्नलिखित हैं:

i) बेंगलूरु में कुमुदावती नदी कायाकल्प कार्यक्रम :

- एचएएल ने इंटरनैशनल एसोसिएशन फार ह्यूमन वैल्यूज आईएएचवी, आर्ट ऑफ लिविंग, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के संबद्ध होकर कुमुदावती नदी कायाकल्प प्रोजेक्ट को प्रारंभ किया था । इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य बोल्डर चेक्स के निर्माण के माध्यम से क्षरण नियंत्रण उपायों के जरिए जलधारा का कायाकल्प, कुएँ में भजल भरना तथा तालाब का निर्माण कर जल निकायों का कायाकल्प तथा वृक्षारोपण करना है ।
- एचएएल ने वर्ष 2014-15 से 2015-16 तक 18 मिनी वाटर शेड में से रु.4.77 करोड़ की लागत पर 3 मिनी वाटर शेड को कार्यान्वित किया है । पिछले दो वर्षों के अनुभव से, यह पाया गया कि स्थानीय क्षेत्र में जल स्तर (वाटर टेबल) में सुधार आ रहा है । आगे, सकारात्मक प्रतिक्रिया एवं एक्विफायर के सफल कृत्रिम रि-चार्ज के माध्यम से भूजल के संवर्धन की आवश्यकता को विचार में लेते हुए, एचएएल ने वर्ष 2016-17 के दौरान रु.1.94 करोड़ की लागत पर एक और मिनी वाटर शेड के कार्यान्वयन का कार्य प्रारंभ किया है । तदनुसार, एचएएल ने 18 मिनी वाटर शेड में से रु.6.70 करोड़ की लागत पर 4 (2014-15 से 2016-17 तक) मिनी वाटर शेड को कार्यान्वित किया है । कार्य की समाप्ति पर, इन वाटर शेड को संबंधित गाँवों को सुपुर्द किया गया । शेष वाटर शेड के कायाकल्प से रिवर बेड की जल क्षमता में सुधार लाने की अपेक्षा है ।

ii) बेंगलूरु के सरकारी स्कूल के छतों पर सौर विद्युत संयत्र का संस्थापन:

- एचएएल ने ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टीईआरआई) से संबद्ध होकर वर्ष 2015-16 के दौरान 20 चुने गए सरकारी विद्यालयों में 8-12 क्षमतावाले रूफ सोलार पावर प्लांट की संस्थापना की है । सकारात्मक प्रतिक्रिया एवं स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों से प्राप्त अनुरोध पर विचार करते हुए वर्ष 2016-17 के दौरान एचएएल ने 12 और सरकारी विद्यालयों के छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की है । अन्य 12 सरकारी विद्यालयों में कार्य प्रगति पर है । कंपनी ने दिनांक 31.3.17 तक इस परियोजना पर रु.5.55 करोड़ रूपए का व्यय किया है ।

- सौर छतों पर सौर विद्युत संयंत्रों को ग्रिड टाइड के माध्यम से बिना किसी भंडारण के नेट मीटरिंग की जाती है । पैदा की गई बिजली को दिन के समय में विद्यालय के चलने पर तत्काल उपयोग में लाया जा रहा है । किसी भी रूप में ऊर्जा अधिक होने की स्थिति में ग्रिड में बिजली देने से स्कूल के विद्युत बिल को इसके द्वारा कम किया जा रहा है । यदि ग्रिड से प्राप्त ऊर्जा ग्रिड में इंजेक्ट करने से अधिक हो जाती है, तो बेंगलूर इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड (बेसकाम) प्रचलित टैरिफ के अनुसार स्कूल को सुसंगत प्रभार का भुगतान कर रहा है । यह स्कूल का राजस्व स्रोत हो गया है और स्कूल के अंदर अन्य कल्याणकारी कार्यकलापों में इसे उपयोग में लाया जा रहा है ।

iii) तुमकुर जिला, कर्नाटक में सरकारी विदयालयों को ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्रों को प्रदान करना :

- गुब्बि तालूक, तुमकुर जिला, कर्नाटक के सरकारी विद्यालय निरंतर एवं दीर्घ समय के लिए बिजली अवरोध की समस्या का सामना कर रहे थे । अतः बैटरी बैक-अप के साथ ऑफ-ग्रिड रूफ टॉप सोलार पावर सिस्टम को प्रदान करने का निर्णय लिया गया, जिससे मौजूदा संसाधनों के प्रभावी उपयोगिता में सक्षम हो जाएँगे ।

- भार आवश्यकता के आधार पर, वर्ष 2015-16 के दौरान, 36 विद्यालयों में 4 केडब्ल्यूपी ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणालियों को प्रदान किया गया । इस कार्य से बिजली अवरोध के समय विद्यालयों में उपलब्ध कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, स्मार्ट-क्लास सुविधाओं आदि को बिना कोई कठिनाई से उपयोग करने में सहायता मिली है ।

- प्राप्त प्रतिक्रिया एवं अनुरोध के आधार पर, उक्त प्रोजेक्ट को वर्ष 2016-17 के दौरान गुब्बि तालूक में 27 विद्यालयों में भी कार्यान्वित किया गया है ।

iv) एचएएल -आईआईएससी कौशल विकास केंद्र की स्थापना :

- वर्ष 2015-16 के दौरान चेल्लेकेरे, चित्रदुर्गा, कर्नाटक के आईआईएससी के नए कैंपस में चरण-1 (2015-16 से 2019-20 तक) कार्यकलापों के लिए रु.73.70 करोड़ के अनुमानित बजट के साथ एचएएल-आईआईएससी कौशल विकास केंद्र की स्थापना हेतु एचएएल ने आईआईएससी के साथ समझौता ज्ञापन किया था । उक्त परियोजना के लिए वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 के दौरान क्रमशः रु.5.90 करोड़ एवं रु.7.68 करोड़ की राशि प्रदान की गई ।

- कौशल विकास के अंतर्गत केंद्र में योजनाबद्ध रूप से प्रारंभ किए जाने वाले कार्यकलापों में टर्निंग, माइलिंग, शेपिंग, ड्रिल्लिंग आदि जैसे मूल कौशल विकास कार्यक्रम; वेल्डिंग, ब्रेजिंग, रिवेटिंग आदि जैसे जाइनिंग ऑपरेशन्स सहित पारंपरिक विनिर्माण सुविधाएँ; तथा जिग्स एवं फिक्चर्स, असेंब्ली प्रोसेस आदि का उपयोग जैसे बेसिक शीट मेटल ऑपरेशन्स शामिल हैं । अपेक्षा है कि राष्ट्र में कौशल विकास अंतराल को पूरा करने के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध होंगे ।

उक्त परियोजना के अधीन निम्नलिखित परिणाम प्रस्तुत है :

- मूल एवं अग्रवर्ती कौशल विकास कार्यक्रमों में प्रशिक्षण
- पिछड़े क्षेत्र में स्थानीय /क्षेत्रीय उद्योगों में रोजगार प्राप्त करना
- राष्ट्रीय संगठनों में रोजगार प्राप्त करना

- स्थानीय उद्यमकर्ता बनना
- स्व–रोजगार
- अग्रवर्ती प्रशिक्षण प्राप्त करनेवाले उद्योग कार्मिक
- महत्त्वपूर्ण कौशल सेट्स में वृद्धि के साथ संगठनों में वापसी

➢ उक्त पहल "मेक इन इंडिया" मिशन के अनुसार बहुल स्तर पर वांतरिक्ष, यांत्रिकी एवं वैद्युत क्षेत्र आदि जैसे सशक्त अभियांत्रिकी क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण प्रशिक्षण अंतराल को पूरा करेगा ।

v) बेंगलूरु में फुटबाल अकादमी की स्थापना :

➢ युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें उत्तम श्रेणी खिलाड़ियों के रूप में विकसित करने के लिए वर्ष 2015–16 के दौरान बेंगलूर में 15 वर्ष से कम आयु (अंडर 15) के समुदाय के लिए फुटबाल अकादमी की स्थापना की गई । आगे, 18 वर्ष से कम आयु के लिए अगस्त 2016 से कोचिंग शुरु की गई । इसका उद्देश्य है कि खिलाड़ियों की निपुणता को पहचान कर उसे विकसित करके उन्हें कठिन देशीय एवं अतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए तैयार करना है । व्यावसायिक शिक्षण के साथ साथ युवा खिलाड़ियों के संपूर्ण वैयक्तिक विकास पर भी जोर दिया जाता है । 15 वर्ष से कम आयु में 21 खिलाड़ी एवं 18 वर्ष से कम आयु में 15 खिलाड़ी हैं ।

vi) एचएएल कोरापुट में एसएआई–एचएएल खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र :

➢ जनजाति /स्थानीय खेलकूद प्रतिभा को पहचानकर उसे प्रोत्साहित करके एवं उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने की दृष्टि से वर्ष 2010 में एचएएल कोरापुट प्रभाग में तकनीकी सहायता एवं भारतीय खेलकूद प्राधिकरण (एसएआई) से शिक्षकों को तैनात करते हुए एसएआई–एचएएल खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है । विद्यार्थियों की वर्तमान संख्या इस प्रकार है – फुटबाल–30, धनुर्विद्या – 15 एवं एथलेटिक्स – 7 (वर्ष 2016–17 के दौरान एथलेटिक्स को जोड़ा गया है) ।

➢ प्रशिक्षण की अवधि 3 वर्ष है, जो संबंधित क्षेत्रों में कार्यनिष्पादन के आधार पर 21 आयु तक विस्तार की जाती है । उड़ीसा (कोरापुट, बलंगीर, कलहंडी अर्थात केबीके क्षेत्र) के अधिक पिछड़े एवं एससी/एसटी प्रबल 9 जिलों में से 12 से 15 वर्ष की आयु समुदाय से अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है । अब तक, केंद्र ने 17 फुटबाल एवं 10 धनुर्विद्या खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है ।

➢ सुसज्जित आवास, एचएएल अस्पताल में चिकित्सा सुविधा, भोजन–व्यवस्था(बोर्डिंग), स्पोर्ट्स किट/ अत्याधुनिक खेलकूद उपस्कर, शिक्षा, अध्ययन सामग्री, स्कूल बैग, जूते, स्कूल यूनिफार्म एवं स्वेटर, साइकिल, रेन कोट, आधुनिक जिम्नाजियम सुविधाएँ, राज्य /राष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट में भाग लेने हेतु खिलाड़ियों की प्रतिनियुक्ति, रि–क्रिएशन एवं मनोरंजन सुविधाएँ (इनडोर एवं आउटडोर) आदि सुविधाएँ प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रदान की जा रही हैं ।

धनुर्विद्या : एसएआई–एचएएल खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षार्थी धनुर्विद्या में विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में भाग लेते आ रहे हैं तथा राष्ट्र के साथ साथ केंद्र का गौरव बढ़ा रहे हैं । दिनांक 31.3.17 तक, वे राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रमों के लिए 7 स्वर्ण, 21 रजत एवं 23 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं । राज्य स्तर के टूर्नामेंट में, वे 15 स्वरण, 31 रजत एवं 14 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं । दो प्रशिक्षार्थी राष्ट्रीय चयन अभ्यासों के लिए उपस्थित हुए ।

फुटबाल : फुटबाल में, 19 प्रशिक्षार्थी ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्तर टूर्नामेंट में उड़ीसा के राज्य फुटबाल टीम के लिए प्रतिनिधित्व किया था । छः प्रशिक्षार्थी (वर्ष 2015–16 के दौरान 1 प्रशिक्षार्थी एवं वर्ष 2016–17 के दौरान 5 प्रशिक्षार्थी) ने दिल्ली में सुब्रोतो मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट में प्रतिनिधित्व किया था । छः प्रशिक्षार्थी (वर्ष 2015–16 के दौरान 3 प्रशिक्षार्थी एवं वर्ष 2016–17 के दौरान 3 प्रशिक्षार्थी) ने अखिल भारतीय फुटबाल संघ (एआईएफएफ) द्वारा आयोजित "I–लीग" फुटबाल टूर्नामेंट में भाग लिया है । एसएआई–एचएएल खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त एक प्रशिक्षार्थी ने जनवरी 2017 में आयोजित संतोष ट्रॉफी (सीनियर नैशनल लेवल चैंपियनशिप्स) में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व किया है ।

vii) मुरली नगर, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना राज्य में रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) प्लांट :

- तेलंगाना, रंगारेड्डी जिले के अंतर्गत मुरली नगर गाँव में 284 परिवार हैं, इनमें से 216 परिवार अनुसूचित जनजाति (एसटी) हैं । उक्त गाँव में फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण पेय जल की समस्या है तथा लोग अस्थि संबंधित बीमारियों से पीड़ित हैं ।
- गाँव की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, एवियॉनिक्स प्रभाग, हैदराबाद ने प्रभाग में रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) प्लांट को प्रायोजित किया था । प्रत्येक परिवार को जल प्राप्त करने हेतु एक इलेक्ट्रानिक (स्मार्ट) कार्ड जारी किया गया । हरेक परिवार प्रतिदिन 20 लीटर जल प्राप्त कर सकते हैं । उक्त प्लांट में प्रति घंटा 500 लीटर पेयजल प्रदान करने की क्षमता है ।

viii) नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास के अधीन वर्ष के दौरान एचएएल द्वारा प्राप्त पुरस्कार :

- सतत विकास के लिए नैगम सामाजिक दायित्व रणनीति हेतु 3 वीं राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास केस प्रतियोगिता (थर्ड नैशनल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट केस कॉम्पिटिशन) (एनएचआरडी) में प्रथम उप विजेता पुरस्कार
- उत्तम पर्यावरण परियोजना हेतु एबीपी – सीएसआर लीडरशिप अवार्ड

2. नैगम सामाजिक दायित्व समिति का गठन :

दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति का गठन निम्नांकित रूप में किया गया :

- प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी, स्वतंत्र निदेशक, अध्यक्ष ;
- श्री वी एम चमोला, निदेशक (मानव संसाधन), सदस्य;
- श्री एस सुब्रह्मण्यन, निदेशक (प्रचालन), सदस्य;
- श्री सी वी रमणा राव, निदेशक (वित्त), सदस्य;
- श्री वी सदगोपन, सीईओ, एचसी, स्थायी आमंत्रित;
- श्री कावेरी रेंगनाथन, सीईओ, बीसी, स्थायी आमंत्रित;
- श्री राजीव कुमार, सीईओ, एसी, स्थायी आमंत्रित;
- श्री दलजीत सिंह, सीईओ, एमसी, स्थायी आमंत्रित;
- श्री ए के त्यागी, अ.नि. (मा.सं.)– मुख्यालय, सचिव
- श्री डी सुधाकरन नायर, म.प्र. (वित्त), मुख्यालय, स्थायी आमंत्रित;

3. पिछले तीन वित्तीय वर्षों (2013-14, 2014-15 एवं 2015-16) में कंपनी के औसत निवल लाभ : रु. 3346.22 करोड़

4. निर्धारित सीएसआर व्यय (मद 3 के 2 %राशि) : रु. 66.92 करोड़

5. वित्त वर्ष के दौरान सीएसआर में व्यय का विवरण :

क) वित्त वर्ष के लिए व्यय की जानेवाली राशि: रु. 67.96 करोड़

ख) व्यय न की गई राशि, यदि हो तो : शून्य

ग) वित्त वर्ष के दौरान व्यय की राशि का विवरण **परिशिष्ट क** में दिया गया है ।

6. **यदि कंपनी ने पिछले तीन वित्त वर्ष के औसत निवल लाभ के 2% अथवा उसके भाग को व्यय नहीं किया तो कपंनी अपने निदेशक रिपोर्ट में व्यय न किए जाने के संबंध में कारण दर्शाएगी:** लागू नहीं

7. **दायित्व संबंधी विवरण :**

कंपनी के निदेशक मंडल की नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति का दायित्व संबंधी विवरण निम्नलिखित है :

नैगम सामाजिक दायित्व नीति का कार्यान्वयन और अनुश्रवण नैगम सामाजिक दायित्व के उद्देश्यों एवं कंपनी की नीति के अनुपालन के अनुसार है ।

(वी.एम. चमोला)
निदेशक (मानव संसाधन)

(प्रो. प्रदीप्त बैनर्जी)
अध्यक्ष, नैगम सामाजिक दायित्व
एवं सतत विकास समिति

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 हेतु नैगम सामाजिक दायित्व परियोजनाओं का विवरण

रु.लाखों में

क्रम सं.	प्रभाग का नाम	पहचानी गई नैगम सामाजिक दायित्व परियोजना अथवा क्रियाकलाप	परियोजना का संबंधित क्षेत्र	परियोजना अथवा कार्यक्रम 1) स्थानीय क्षेत्र अथवा अन्य 2) परियोजना अथवा कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित जिला एवं राज्य का उल्लेख करें	परियोजना अथवा कार्यक्रम वार परिव्यय राशि (बजट)	परियोजना अथवा कार्यक्रमों पर व्यय की गई राशि	परियोजना अथवा कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	प्रशासनिक शीर्षो परि व्यय	रिपोर्टिंग अवधि तक व्यय की गई संचयी राशि कार्यान्वयन का माध्यम (प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन अभिकरण के माध्यम से)
1	नासिक	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टाइल फ्लोरिंग के साथ शेड	i	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	6.97	6.84	0.13	6.97	प्रत्यक्ष
2		स्वास्थ्य देख-भाल : सामान्य स्वास्थ्य शिविर, दवाओं एवं शल्य चिकित्सकीय मदों की आपूर्ति, एचपीवी वैक्सिन लगाना	i	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	19.77	30.85	0.57	31.42	प्रत्यक्ष
3		स्कूलों में स्वच्छ विद्यालय के अधीन शौचालय ब्लाक का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	48.58	48.57	0.89	49.46	प्रत्यक्ष
4		विद्यालयों में सुविधाएँ : वैयक्तिक एवं डेस्कटाप कंप्यूटर, प्रिंटर, कंप्यूटर टेबल, बेंच आदि का प्रावधान	ii	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	17.02	40.57	0.74	41.31	प्रत्यक्ष
5		विद्यालयों में कार्य : नवीकरण, टाइल फ्लोरिंग के साथ शेड, चहारदीवार /फेंसिंग, भोजन कक्ष का निर्माण आदि	x	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	77.29	75.90	1.39	77.29	प्रत्यक्ष

6		विद्यालयों में खेलकूद : खेलकूद टूर्नामेंट को आयोजित करना एवं खेलकूद उपकरणों को प्रदान करना	ii	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	1.56	1.53	0.03	1.56	प्रत्यक्ष
7		विद्यालयों का विकास : रोटी बनाने का मशीन, वाटर कूलर, नोट बुक प्रदान करना	ii	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	12.13	11.91	0.22	12.13	प्रत्यक्ष
8		आईटीआई को अपनाना : मशीनों एवं उपस्करों का प्रापण ; वैद्युत / यांत्रिक / टूलिंग मदें ; प्रशिक्षण कार्यक्रम / कोर्सवेयर आदि को आयोजित करना	ii	सरकारी आईटीआई, कलवान, महाराष्ट्र	28.92	27.11	0.50	27.61	प्रत्यक्ष
9	नासिक	आईटीआई के लिए स्पेयर उपस्कर /मशीनों को प्रदान करना	ii	सरकारी आईटीआई कलवान, चंदवाड, सटाना, निफाड एवं डिंडोरी महाराष्ट्र	8.56	8.53	0.16	8.69	प्रत्यक्ष
10		सांविधिक सीमित अवधि 2.5% से 10% तक से भी ज्यादा शिक्षुओं को नियोजित करना	ii	टीटीआई, नासिक, महाराष्ट्र	256.11	251.50	4.61	256.11	प्रत्यक्ष
11		सड़क बत्तियों का संस्थापन	x	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	99.89	129.10	2.37	131.47	प्रत्यक्ष
12		वृक्षारोपण	iv	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	2.60	2.55	0.05	2.60	प्रत्यक्ष
13		दहन संस्कार (श्मशान) ग्राउंड के लिए चहारदीवार	x	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	7.56	7.56	0.14	7.70	प्रत्यक्ष
14		पक्की सड़कें बनाना / सड़कों का पुनःआवरण (रि–सर्फेसिंग) करना	x	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	543.29	533.51	9.78	543.29	प्रत्यक्ष

15	नासिक	त्र्यंबकेश्वर में चहारदीवार /फेंसिंग का निर्माण, रसोई घर / हॉल रूफ का नवीकरण	v	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	58.65	57.59	1.06	58.65	प्रत्यक्ष
16		विद्यालयों में सोलार वाटर हीटर	iv	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	1.52	1.49	0.03	1.52	प्रत्यक्ष
17		ओझर (ओझर से डिक्सी जंक्शन तक) में डॉ अंबेडकर कमान से ड्रैनेज के साथ पक्की सड़कों का पुनःआवरण (रि-सर्फेसिंग)	x	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	38.32	0.00	0.00	0.00	प्रत्यक्ष
18		आसपास के गाँवों में प्रगतिशील विविधि सिविल कार्य	x	महाराष्ट्र के पिछड़े जिले	14.60	14.34	0.26	14.60	माध्यम : जिला प्रशासन
19		खेलकूद टूर्नामेंट को आयोजित करना	vii	स्थानीय क्षेत्र, नासिक जिला, महाराष्ट्र	4.09	4.09	0.08	4.17	प्रत्यक्ष
कुल					**1247.42**	**1253.54**	**22.99**	**1276.53**	
1	कोरापुट	शिक्षा को प्रोत्साहित करना : विद्यालयों का निर्माण / नवीकरण, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा कमरे, रसोई घर, भोजन कक्ष आदि	ii	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	773.00	652.95	19.86	672.81	प्रत्यक्ष
2		ग्रामीण खेलकूद को प्रोत्साहित करने हेतु प्रशिक्षण	vii	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	80.00	121.90	3.71	125.61	प्रत्यक्ष
3		स्वास्थ्य देख-भाल : निवारक स्वास्थ्य देख-भाल सहित स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना	i	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	40.00	41.95	1.28	43.23	प्रत्यक्ष
4		व्यावसायिक कौशल में वृद्धि करते हुए रोजगार को प्रोत्साहित करना	ii	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	30.00	62.56	1.90	64.46	प्रत्यक्ष

5	कोरापुट	विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा को प्रोत्साहित करना	ii	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	17.00	10.96	0.33	11.29	प्रत्यक्ष
6		स्वच्छता को प्रोत्साहित करना : स्वच्छ विद्यालय के अधीन स्कूलों में शौचालय का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	22.00	13.63	0.41	14.04	प्रत्यक्ष
7		ग्रामीण विकास परियोजनाएँ	x	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	10.00	73.81	2.24	76.05	प्रत्यक्ष
8		सौर सड़क बत्तियों का प्रावधान	iv	स्थानीय क्षेत्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	6.00	33.12	1.01	34.13	प्रत्यक्ष
9		2.5% से 10% तक से भी ज्यादा प्रशिक्षुओं पर व्यय	ii	स्थानीय क्षेत्र, तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र, कोरापुट जिला, उड़ीसा	160.20	155.47	4.73	160.20	प्रत्यक्ष
कुल					**1138.20**	**1166.35**	**35.47**	**1201.82**	
1	कोरवा	ग्रामीण विकास के अंतर्गत सड़कों का निर्माण /नवीकरण	x	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	323.22	303.54	28.80	332.34	प्रत्यक्ष
2		जल /सुरक्षित पेय जल : हैंड पंप, तालाब नवीकरण का प्रावधान	i	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	125.24	56.02	5.32	61.33	प्रत्यक्ष
3		शिक्षा प्रोत्साहन के अंतर्गत विद्यालय नवीकरण कार्य	ii	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	66.29	58.91	5.59	64.50	प्रत्यक्ष

4	कोरवा	स्वास्थ्य देख-भाल : स्वास्थ्य देख-भाल रोकथाम एवं चिकित्सकीय उपचार, चिकित्सा शिविर का आयोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नवीकरण	i	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	59.00	17.18	1.63	18.81	प्रत्यक्ष
5		सौर बत्तियाँ: पर्यावरण सतत विकास के अंतर्गत घरेलू उपयोग हेतु लालटेन, सौर सड़क बत्तियाँ	iv	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	23.00	20.69	1.96	22.65	प्रत्यक्ष
6		विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों में शौचालय का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	65.43	56.14	5.33	61.47	प्रत्यक्ष
7		बरौलिया गाँव के प्रवेश पर ग्राम द्वार (विलेज गेट) का निर्माण	x	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	10.00	5.98	0.57	6.55	प्रत्यक्ष
8		बरौलिया गाँव में पेड़ पौधों का वितरण /वृक्षारोपण	iv	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	2.25	2.38	0.23	2.61	प्रत्यक्ष
9		एक आईटीआई को अपनाना क) डेस्कटॉप पीसी, कलर/बी/डब्ल्यू प्रिंटर्स ख) कंप्यूटर टेबल/कुर्सियाँ	ii	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	25.00	6.90	0.65	7.55	प्रत्यक्ष
10		आईटीआई/एटीआई को स्पेयर उपकरण/मशीनों को प्रदान करना	ii	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	15.00	0.29	0.03	0.32	प्रत्यक्ष
11		2.5% से 10% से भी ज्यादा प्रशिक्षुओं पर किया गया व्यय	ii	स्थानीय क्षेत्र, अमेठी जिला, उत्तरप्रदेश	70.36	64.26	6.10	70.36	प्रत्यक्ष
कुल					**784.79**	**592.29**	**56.20**	**648.49**	
1	एवियानिक्स प्रभाग, हैदराबाद	मुरलीनगर में अंडर ग्राउंड ड्रैनेज का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, रंगारेड्डी जिला	2.50	2.50	0.11	2.61	माध्यम: जिलाधीश, रंगारेड्डी जिला

2	एवियानिक्स प्रभाग, हैदराबाद	चुने गए गाँवों में युवाओं के लिए सामग्री /पुस्तकें एवं खेलकूद किट /मटीरियल के साथ पुस्तकालय कक्ष का निर्माण	x	स्थानीय क्षेत्र, रंगारेड्डी जिला, विकाराबाद जिला (पूर्व में रंगारेड्डी जिले के अधीन)	19.96	11.30	0.50	11.80	माध्यम: जिलाधीश, रंगारेड्डी जिला एवं जिलाधीश, विकाराबाद जिला
3		चुने गए गाँवों में बस शेल्टर, बहु–उद्देशीय सामुदायिक भवन, सिमेंट कांक्रीट रोड का निर्माण, पेयजल सुविधा (रिवर्स ऑस्मोसिस) के साथ भोजन कक्ष का निर्माण	x	स्थानीय क्षेत्र, रंगारेड्डी जिला, (विकाराबाद जिला पूर्व में रंगारेड्डी जिले के अधीन)	105.00	52.50	2.33	54.83	माध्यम: जिलाधीश, रंगारेड्डी जिला एवं जिलाधीश, विकाराबाद जिला
4		तिम्माइपल्ली गाँव के एससी कॉलोनी में सोलार स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम	iv	तिम्माइपल्ली	30.50	30.50	1.35	31.85	माध्यम: जिलाधीश, विकाराबाद जिला
5		कौशल विकास केंद्र में विभिन्न विभागीय कार्य जैसे सेप्टिक टैंक हेतु खुदाई, मल्टीमीडिया सुविधा के साथ कंप्यूटर टेबल, फर्नीचर, रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) के साथ पेय जल सुविधा	ii	स्थानीय क्षेत्र, रंगारेड्डी जिला, (विकाराबाद जिला पूर्व में रंगारेड्डी जिले के अधीन)	20.41	20.40	0.90	21.30	माध्यम: जिलाधीश, विकाराबाद जिला
6		गाँवों में चिकित्सा शिविर	i	रंगारेड्डी जिले में विभिन्न मंडल	9.93	2.98	0.13	3.11	माध्यम: जिलाधीश, रंगारेड्डी जिला
7		सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन में प्रौढ़ एवं विकलांग व्यक्तियों के लिए पैसिंजर लिफ्ट का प्रावधान	iii	सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन	117.11	91.88	4.07	95.95	माध्यम: प्रभागीय रेलवे प्रबंधक, सिकंदराबाद प्रभाग, दक्षिण मध्य रेलवे

8	एवियानिक्स प्रभाग, हैदराबाद	सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन में पेट–बोतल रि–साइकिल रिवर्स वेंडिंग मशीन का संस्थापन एवं कमीशनिंग	iv	सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन	5.50	4.85	0.22	5.07	माध्यम: प्रभागीय रेलवे प्रबंधक, सिकंदराबाद प्रभाग, दक्षिण मध्य रेलवे
9		हैदराबाद रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित उद्यान का विकास	iv	हैदराबाद रेलवे स्टेशन	9.01	3.01	0.13	3.14	माध्यम: प्रभागीय रेलवे प्रबंधक, सिकंदराबाद प्रभाग, दक्षिण मध्य रेलवे
10		आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा उत्तम कृषि हेतु ई–सागु	ii	रंगारेड्डी जिले के 15 गाँव	15.00	8.00	0.35	8.35	मेसर्स आईआईआईटी हैदराबाद
11		स्वच्छ विद्यालय के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में शौचालय का निर्माण	i	रंगारेड्डी जिले में विभिन्न गाँव	20.00	4.50	0.20	4.70	माध्यम: जिलाधीश, रंगारेड्डी जिला
12		खुले शौच से मुक्ति संबंधी परियोजना के अंतर्गत कासरगोड़, केरल में शौचालयों का निर्माण	i	कुंब्ला एवं मोग्रल पुतूर गाँव	22.00	22.00	0.98	22.98	माध्यम: जिलाधीश, कासरगोड़ जिला
13		2.5% से 10% से भी ज्यादा शिक्षुओं के प्रशिक्षण के संबंध में किया गया व्यय	ii	हैदराबाद, तेलंगाना राज्य	112.26	107.49	4.77	112.26	प्रत्यक्ष
कुल					**489.18**	**361.91**	**16.05**	**377.96**	
1	टीएडी कानपुर	हेवन होम, अनाथाश्रम में निवासी बच्चों की शिक्षा हेतु प्रायोजन	ii	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	2.62	2.62	0.42	3.04	प्रत्यक्ष
2		कानपुर चिड़ियाघर के जंगली जंतुओं /पक्षियों को अपनाना	iv	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	6.92	6.92	1.11	8.03	प्रत्यक्ष
3		गंगा घाट का विकास	iv	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	115.69	31.35	5.05	36.40	प्रत्यक्ष

4	टीएडी कानपुर	अपनाया गया गाँव का संपूर्ण विकास (सड़क, शौचालय, सामुदायिक केंद्र, नया प्राथमिक भवन, आरओ प्लांट, सौर ऊर्जा प्रक्रिया का निर्माण)	x	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	55.58	37.76	6.08	43.84	प्रत्यक्ष
5		स्वच्छ विद्यालय – विद्यालयों में शौचालय का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	15.31	15.87	2.55	18.42	प्रत्यक्ष
6		देवीगंज एवं बीबीपुर गाँव के द्वारा टीटीआई एवं एनएच2 के बीच सड़क का निर्माण	x	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	23.95	23.46	3.78	27.24	प्रत्यक्ष
7		पेय जल : अस्पताल में रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) प्लांट)	i	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	0.76	0.32	0.05	0.37	प्रत्यक्ष
8		विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सहायता उपकरणों का वितरण	ii	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	20.39	20.39	3.28	23.67	प्रत्यक्ष
9		चिकित्सा शिविर	i	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	1.57	1.57	0.25	1.82	प्रत्यक्ष
10		2.5% से 10% से भी अधिक शिक्षुओं पर किया गया व्यय	ii	स्थानीय क्षेत्र, कानपुर जिला	75.64	75.64	0.00	75.64	प्रत्यक्ष
कुल					**318.43**	**215.9**	**22.58**	**238.48**	
1	लखनऊ	पक्की सड़कों का निर्माण	x	बाराबंकी जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	49.96	26.01	2.32	28.33	प्रत्यक्ष
2		स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत चिकित्सा शिविर एवं कार्यकलाप	i	बाराबंकी जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	8.63	8.63	0.77	9.40	प्रत्यक्ष
3		आईटीआई अनुदेशकों के लिए प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण	ii	लखनऊ जिला, उत्तरप्रदेश	0.26	0.26	0.02	0.28	प्रत्यक्ष

4	लखनऊ	छात्रों का दौरा, छात्रों को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण	ii	लखनऊ जिला, उत्तरप्रदेश	0.23	0.23	0.02	0.25	प्रत्यक्ष
5		सौर सड़क बत्तियाँ	iv	बाराबंकी एवं लखनऊ जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	235.95	207.84	18.58	226.42	प्रत्यक्ष
6		वर्ष 2013-14 में संस्थापित सौर बत्तियों का एक ही बार मरम्मत	iv	बाराबंकी एवं लखनऊ जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	2.29	2.29	0.20	2.49	प्रत्यक्ष
7		सड़कें (गढ़ी अर्जी, बाराबंकी जिला)	x	बाराबंकी जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	16.29	10.67	0.95	11.62	प्रत्यक्ष
8		शौचालय /हैंडपंप/छत (रूफिंग) का प्रावधान	x	बाराबंकी जिला, उत्तरप्रदेश में अपनाए गए गाँव	14.69	6.90	0.62	7.52	प्रत्यक्ष
9		न्यूनतम सांविधिक सीमावधि 2.5% से 10% तक से भी ज्यादा शिक्षुओं का नियोजन	ii	तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश	158.33	145.34	12.99	158.33	प्रत्यक्ष
कुल					**486.62**	**408.16**	**36.49**	**444.65**	
1	एफएमडी	चिकित्सा सहायता	i	बेंगलूर, कर्नाटक	3.17	2.90	0.27	3.17	प्रत्यक्ष
2		सरकारी विद्यालयों में शौचालय का निर्माण	i	स्थानीय क्षेत्र, बेंगलूर एवं गुब्बि तालूक, कर्नाटक	220.00	222.89	20.99	243.88	प्रत्यक्ष
3		कुमुदावती नदी कायाकल्प चरण-III	iv	तेप्पदबेगुरु, तुमकुर जिला (नदी जो बेंगलूर के 30% पेयजल की आपूर्ति कर रही थी)	200.00	193.88	18.26	212.14	आईएएचवी, बेंगलूर
4		जल प्रबंधन : एकीकृत वर्षा जल संग्रहण	iv	बेंगलूर, कर्नाटक	14.17	12.95	1.22	14.17	प्रत्यक्ष

5	कर्नाटक	सतत शैक्षणिक संस्थान चरण–**III** (विद्यालयों में बिजली आवश्यकता की सहायता हेतु ग्रिड संबद्ध सोलार पावर प्लांट)	iv	बेंगलूर में एवं आसपास के सरकारी विद्यालय	220.00	142.78	13.45	156.23	टीईआरआई, बेंगलूर
6		सौर सड़क बत्तियाँ	iv	बेंगलूरु ग्रामीण, कर्नाटक	47.83	43.71	4.12	47.83	प्रत्यक्ष
7		विद्यालयों में बिजली आवश्यकता की सहायता के लिए ऑफ–ग्रिड रूफटॉप सोलार पावर प्लांट को प्रदान करना	iv	गुब्बि तालूक	60.03	54.86	5.17	60.03	टीईआरआई, बेंगलूर
8		सतत शैक्षणिक संस्थान चरण–**II** (विद्यालयों में बिजली आवश्यकता की सहायता हेतु ग्रिड संबद्ध सोलार पावर प्लांट)	iv	बेंगलूर में एवं आसपास के सरकारी विद्यालय	28.90	26.41	2.49	28.90	टीईआरआई, बेंगलूर
9		सतत शैक्षणिक संस्थान चरण–**I** (विद्यालयों में बिजली आवश्यकता की सहायता हेतु ग्रिड संबद्ध सोलार पावर प्लांट)	iv	बेंगलूर में एवं आसपास के सरकारी विद्यालय	11.76	10.75	1.01	11.76	टीईआरआई, बेंगलूर
10		कांक्रीट रोड का निर्माण	x	उप्पकुंटे एवं नचहल्ली गाँव, बेंगलूर में एवं उसके आसपास सरकारी विद्यालय, पावगड़ा	123.62	112.98	10.64	123.62	प्रत्यक्ष
11		खेलकूद के प्रोत्साहित करना : फुटबाल में ग्रामीण युवाओं के लिए प्रशिक्षण	vii	कर्नाटक के बच्चे	20	14.64	1.38	16.02	प्रत्यक्ष
कुल					**949.48**	**838.75**	**79.00**	**917.75**	

1	बैरकपुर	विकलांग बच्चों के लिए कौशल वृद्धि हेतु उपकरणों को प्रदान करना	ii	बैरकपुर, पश्चिम बंगाल	3.00	3.00	0.00	3.00	प्रत्यक्ष
2		स्वच्छता एवं स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम, विद्यालयों में शौचालय का निर्माण	i	बैरकपुर, पश्चिम बंगाल	19.84	19.59	0.25	19.84	प्रत्यक्ष
3		शैक्षणिक विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का प्रावधान	x	बैरकपुर, पश्चिम बंगाल	21.09	18.16	0.14	18.30	प्रत्यक्ष
4		युवा के लिए स्व-रोजगार अभिमुखी कौशल विकास कार्यक्रम	ii	i) महदेवनंद महाविद्यालय, मोनिरामपुर, बैरकपुर ii) चकदहा कॉलेज iii) रामनगर कॉलेज	3.00	1.45	0.00	1.45	प्रत्यक्ष
5		ग्रामीण विकास	x	एचएएल गेट से मेन रोड तक जाने वाले घोसिपारा, बैरकपुर का बाई-लेन	7.32	7.17	0.15	7.32	प्रत्यक्ष
6		चिकित्सा सुविधाएँ	i	बैरकपुर, पश्चिम बंगाल	6.00	6.00	0.00	6.00	प्रत्यक्ष
7		पर्यावरणीय संधारण एवं पारिस्थितिकी समतुल्य (जंतु कल्याण)	iv	बैरकपुर, पश्चिम बंगाल	0.84	0.00	0.00	0.00	प्रत्यक्ष
कुल					**61.08**	**55.37**	**0.54**	**55.90**	
1	एमसीएस आरडीसी	जल उपचार संयत्र का संस्थापन एवं कमीशनिंग (आरओ प्लांट) (दो प्लांट)	i	i) मुरुगमल्ला ii) गुदरलहल्ली + गुंड्लहल्ली चिंतामणि तालूक एवं चिक्कबल्लापुर जिले के गाँव	20.00	4.00	0.00	4.00	मेसर्स निर्मिती केंद्र, चिक्कबल्लापुर जिला (जिला प्रशासन के माध्यम से)

2	एमसीएस आरडीसी	शौचालय ब्लाक का निर्माण (दो विद्यालयों में)	i	i) बीएनए सरकारी उच्च विद्यालय, मुरुगमल्ला गाँव ii) चिक्कबल्लापुर जिले के चिंतामणि तालूक के चिन्नसंद्रा के सरकारी उच्च विद्याल	20.00	1.60	0.00	1.60	प्रत्यक्ष
3		विद्यालय में बाउंडरी मेश का मरम्मत	ii	शिक्षा को प्रोत्साहित करना (आधारभूत संरचना) विमानपुरा पोस्ट, बेंगलूर	2.00	0.02	0	0.02	प्रत्यक्ष
कुल					**42.00**	**5.62**	**0.00**	**5.62**	
1	एआरडीसी	देवनहल्ली में बिदलपुरा एवं रामनहल्ली के सरकारी विद्यालयों में शौचालय ब्लाक का निर्माण	i	देवनहल्ली, बेंगलूर के बिदलपुरा एवं रामनहल्ली	15.62	6.25	0.00	6.25	प्रत्यक्ष
2		कनकपुरा टाउन में सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	i	कनकपुरा टाउन, बेंगलूर	20.25	2.03	0.00	2.03	प्रत्यक्ष
3		सरकारी उच्चतर प्राथमिक विद्यालय, केंगेरी में शौचालय ब्लाक का निर्माण	i	केंगेरी, बेंगलूर	8.64	8.64	0.00	8.64	प्रत्यक्ष
4		कृष्णय्यना दोड्डी गाँव, कनकपुरा में सामुदायिक भवन का निर्माण	x	कृष्णय्यना दोड्डी गाँव, कनकपुरा, बेंगलूर	110.16	77.16	0.00	77.16	प्रत्यक्ष
कुल					**154.67**	**94.07**	**0.00**	**94.07**	
1	मुख्यालय	आईआईटी बॉम्बे– कौशल विकास	ii	बॉम्बे (मुंबई)	40.00	36.24	2.29	38.53	प्रत्यक्ष
2		आईआईएससी – बेंगलूर एवं अन्य व्यय	ii	चित्रदुर्गा, कर्नाटक	586.00	768.52	48.59	817.11	प्रत्यक्ष
कुल					**626.00**	**804.76**	**50.88**	**855.64**	

1	टीटीआई, बेंगलूर	उत्कृष्टता एवं कौशल विकास केंद्र	ii	बेंगलूर, कर्नाटक	380.00	665	0.000	665.000	प्रत्यक्ष
कुल					**380.00**	**665.00**	**0.00**	**665.00**	
1	हेलिकॉप्टर	ग्रामीण आधारभूत संरचना	x	बेंगलूर, कर्नाटक	7.00	7.00	0.00	7.00	प्रत्यक्ष
कुल					**7.00**	**7.00**	**0.00**	**7.00**	
1	एमआरओ	ग्रामीण आधारभूत संरचना	x	बेंगलूर, कर्नाटक	1.00	1.00	0.00	1.00	प्रत्यक्ष
कुल					**1.00**	**1.00**	**0.00**	**1.00**	
1	एसीडी (सीएमडी)	ग्रामीण विकास	x	बेंगलूर, कर्नाटक	6.00	6.00	0.00	6.00	प्रत्यक्ष
कुल					**6.00**	**6.00**	**0.00**	**6.00**	
कुल					**6691.87**	**6475.72**	**320.20**	**6795.91**	

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्यगण,
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
15/1, कब्बन रोड
बेंगलूर-560 001

1. हमने हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (कंपनी) द्वारा यथा लागू सांविधिक प्रावधानों और समुचित नैगम पद्धतियों के अनुपालन के संबंध में सचिवीय लेखापरीक्षा की है । सचिवीय लेखा परीक्षा इस ढंग से की गई जिससे नैगम आचरण / सांविधिक अनुपालनों के मूल्यांकन और उस पर अपने विचार देने का हमें यथोचित आधार प्राप्त हुआ ।

2. सचिवीय लेखापरीक्षा करने के दौरान कंपनी की लेखा बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तक, प्रपत्रों और दिए गए विवरणों तथा कंपनी द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों तथा कंपनी, इसके अधिकारियों, अभिकर्त्ताओं और प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदत्त सूचना के सत्यापन के आधार पर हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्त वर्ष की अवधि की लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी ने यहाँ सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह कि कंपनी में एक सीमा तक, एक तरीके से और रिपोर्टिंग के अधीन समुचित बोर्ड प्रक्रिया और अनुपालन विधि उपलब्ध है ।

3. हमने 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिकाओं, प्रपत्रों और फाइल किए गए विवरणों तथा कंपनी द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों की परीक्षा निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार की है :

   (i) कंपनी अधिनियम, 2013 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम ;

   (ii) यह कंपनी सूचीबद्ध कंपनी नहीं है तथा इस प्रकार प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 ("एससीआरए") के उपबंध तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम लागू नहीं है ;

   (iii) यह कंपनी सूचीबद्ध कंपनी नहीं है तथापि कंपनी अपने पूरे शेयरों को डीमेटड किया है । इसके शेयर डिमटीरियलाइजेशन मोड में भी नहीं है । इस प्रकार जमाकर्ता अधिनियम,1996 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए विनियम एवं उपविधियाँ के अधीन कंपनी ने कस्टोडियन शुल्क एवं कार्पोरेट कार्यों के संबंध में किए जाने भुगतान का अनुपालन किया है ;

   (iv) इस प्रकार की कोई लेन देन नहीं है जिसमें विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, ओवरसीज प्रत्यक्ष निवेश एवं बाह्य वाणिज्यिक ऋणों की सीमा तक विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम, 1999 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियमें एवं विनियमों के अनुपालन अपेक्षित हो ;

   (v) यह कंपनी सूचीबद्ध कंपनी नहीं है तथा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ("सेबी एक्ट") के अंतर्गत निर्धारित विनियम एवं दिशानिर्देश लागू नहीं हैं ।

4. भारत के कंपनी सचिवालय संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानकों के लागू उपबंधों के साथ अनुपालन के संबंध में भी हमने जाँच की है ।

5. समीक्षावधि के दौरान, कंपनी ने उपरोक्त अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधान का अनुपालन किया है ।

6. कंपनी के निदेशक मंडल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है । मण्डल का गठन सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी नैगम शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार किया जाता है ।

7. मंडल बैठकों एवं कार्यसूची के अनुसार समस्त निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी जाती है और कार्यसूची तथा कार्यसूची पर विस्तृत टिप्पणियाँ, कुछ दृष्टांतों में जहाँ कंपनी ने तत्काल कारोबार मामलों पर चर्चा करने हेतु द्वितीय /तृतीय कार्यसूची देते हुए बैठक बुलायी हो, को छोड़कर 7 दिन पहले भेजी जाती हैं। अल्प सूचना पर 7 दिन से पहले बुलायी गई बैठकों जहाँ कार्यसूची एवं संक्षिप्त नोट प्रदान किया गया, में स्वतंत्र निदेशकों ने भाग लिया है। बैठक से पहले और बैठक में सार्थक सहभागिता के लिए कार्यसूची पर कोई सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त करने की प्रणाली मौजूद है।

8. कार्यवृत्त के भाग के रूप में सदस्यों के विचारों को प्राप्त और अभिलिखित करते हुए अधिसंख्य सदस्यों के निर्णय का पालन किया जाता है।

हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि

9. बोर्ड को आवधिक आधार पर अनुपलान को रिपोर्ट करने की प्रणाली के साथ साथ लागू विधि, नियम, विनियम एवं विनिर्देशों का अनुपालन एवं सुनिश्चयन को निगरानी करने हेतु कंपनी में सिस्टम एवं प्रक्रियाएँ उपलब्ध हैं। तथापि, कंपनी में स्थित प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को लागू विधि, नियम, विनियम एवं विनिर्देशों की निगरानी एवं अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि

10. हमें कंपनी द्वारा प्रदत्त सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार :

(i) कंपनी में जोखिम के मामलों को सुलझाने हेतु सख्त प्रक्रियाओं का प्रावधान है। कंपनी ने जोखिम प्रबंध नीति तैयार की है।

(ii) गैर कार्यपालक एवं स्वतंत्र निदेशकों सहित सभी निदेशक एक निश्चित कार्यकाल के लिए सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा अपनाई गई चयन प्रक्रिया के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। पूर्णकालिक निदेशकों के निष्पादन का मूल्यांकन वार्षिक आधार पर तथा पुनर्नियुक्ति के समय भी संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा किया जाता है। आगे प्रशासनिक मंत्रालय के नामिती निदेशक मंडल तथा समितियों की बैठकों में भाग लेकर पूर्ण रूप से बोर्ड एवं वैयक्तिक रूप से निदेशकों के निष्पादन का ध्यानपूर्वक अनुश्रवण करते हैं। हमारी रिपोर्ट की तिथि तक, बोर्ड के मूल्यांकन के संबंध में किए गए प्रावधानों से सरकारी कंपनियों को छूट प्राप्त है।

11. हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, कंपनी ने निम्नलिखित के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों एवं इस अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए नियमों का अनुपालन किया है :

(क) विभिन्न प्रकार की सांविधिक पंजियों और दस्तावेजों का रखरखाव तथा उनमें आवश्यक प्रविष्टियाँ;

(ख) कंपनी पंजीयक और केन्द्र सरकार के समक्ष फाइल किए जाने हेतु अपेक्षित प्रपत्र, विवरण, दस्तावेज और संकल्प; कतिपय मामलों में कंपनी ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत यथाअनुमेय अतिरिक्त शुल्क सहित फार्म जमा किया है।

(ग) कंपनी द्वारा अपने सदस्यों, लेखा परीक्षकों और कम्पनी/पंजीयक को दस्तावेज प्रदान किया जाना;

(घ) मंडल बैठकों और निदेशकों की समिति बैठकों की सूचना;

(ड) परिचालन द्वारा संकल्पों को जारी करने सहित निदेशकों, निदेशक समितियों तथा पणधारियों की बैठकें;

(च) दिनांक 30 जुलाई 2016 को 53 वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन;

(छ) आम बैठकों तथा मंडल एवं इसकी समिति की बैठकों की कार्यवाहियों के कार्यवृत्त;

(ज) सदस्यों, निदेशक मंडल, निदेशक समितियों और सरकारी प्राधिकारियों का यथापेक्षित अनुमोदन;

(झ) निदेशकों को पारिश्रमिक का भुगतान;

(ञ) कंपनी के शेयरों का अंतरण;

(ट) लाभांशों की घोषणा और भुगतान;

(ठ) अधिनियम के अधीन यथा निर्धारित तुलन-पत्र का प्रपत्र;

(ड) निदेशकों का प्रतिवेदन;

(ढ) सामान्य तौर पर अधिनियम के यथा लागू समस्त प्रावधान और अधिनियम के अन्तर्गत बने नियम

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून, 2017

(के संध्या लक्ष्मी)
भागीदार
बी आर के एस एवं असोसिएट्स
कंपनी सचिव
एम संख्या.16597
सी.पी. संख्या 8538

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवा में
सदस्यगण,
मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
15/1 कब्बन रोड,
बेंगलूरु – 560 001

स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट :

1. हमने मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ("कंपनी") के स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के साथ संपरीक्षण किया है, जिसके अंतर्गत 31 मार्च 2017 के अनुसार तुलन पत्र में लाभ–हानि का विवरण (अन्य विस्तृत आय सहित), नकदी प्रवाह का विवरण, विगत वर्ष की समाप्ति हेतु साम्या में परिवर्तनों का विवरण तथा महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकरण सूचना का सार है, जिसमें विभिन्न स्थानों पर स्थित कंपनी के 37 प्रभागों के प्रभागीय लेखापरीक्षकों द्वारा संपरीक्षित उस तिथि को समाप्त वर्ष की विवरणी को समावेशित किया जाता है । (इसके पश्चात स्टैंडअलोन "भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित किया जाए)

स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का दायित्व :

2. कंपनी का निदेशक मंडल इन स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 134(5) में उल्लिखित उन बातों के लिए जिम्मेदार है, जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) सहित सामान्य तौर पर भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार कार्य अवस्था (वित्तीय स्थिति), लाभ अथवा हानि (अन्य विस्तृत आय सहित वित्तीय निष्पादन) का वास्तविक एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है ।

3. इन दायित्वों के अंतर्गत कंपनी की परिसंपत्तियों के सुरक्षोपाय हेतु अधिनियम के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखा–रिकार्डों का अनुरक्षण तथा धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को रोकना और पता लगाना; उपयुक्त लेखानीतियों का चयन और उपयोग करने, यथोचित और विवेकपूर्ण निर्णयों तथा प्राक्कलनों को लागू करना और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्पन, कार्यान्वयन तथा रख–रखाव करने, जो लेखा अभिलेखों में वास्तविकता और पूर्णता सुनिश्चित करने में कारगर रूप से कार्य कर रहे थे, स्टैंडअलोन भारतीय लेखामानक वित्तीय विवरणों की तैयारी एवं प्रस्तुति हतु सुसंगत, जो वास्तविक एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हों, तथा धोखाधड़ी या गलती के कारण होनेवाले भारी त्रुटि से मुक्त हों, से संबंधित कार्य शामिल हैं ।

लेखा परीक्षकों का दायित्व :

4. हमारा दायित्व इन स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर अपनी राय देना है ।

5. हमने उक्त अधिनियम के उपबंधों, लेखा एवं लेखापरीक्षा मानकों तथा उक्त अधिनियम के उपबंधों तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अधीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित किए जानेवाले मामलों को भी ध्यान में रखा है ।

6. हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है । उन मानकों की अपेक्षानुसार हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हैं और स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों को भारी त्रुटि से मुक्त रखने के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने हेतु उक्त लेखा परीक्षा योजना तैयार कर उसे निष्पादित करते हैं।

7. लेखापरीक्षा में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की धनराशियों एवं प्रकटीकरणों के विषय में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का निष्पादन किया जाता है । चुनी गई प्रक्रियाएँ, स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की गलत बयानी, चाहे यह धोखाधड़ी या गलती के कारण हो, के जोखिम निर्धारण सहित लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती है । जोखिम वाले निर्णय करते समय, लेखापरीक्षक आंतरिक स्टैंडअलोन वित्तीय निर्णय पर विचार करते हैं, जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संबंध में धारक कंपनी की तैयारी के अनुसार प्रासंगिक हो और जो सत्य एवं उचित विवरण प्रस्तुत करते हों, जिससे कि लेखापरीक्षा प्रक्रिया तैयार की जा सके, जो परिस्थितियों के अनुसार उचित हो । लेखाकरण नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन तथा धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा तैयार किए गए लेखाकरण अनुमानों की तर्कसंगति के साथ–साथ स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति का समग्र मूल्यांकन भी शामिल है ।

8. हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त हुए लेखापरीक्षा साक्ष्य पर्याप्त है तथा स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करते हैं ।

राय :

9. हमारी राय में और हमारी श्रेष्ठतम जानकारी तथा हमें उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, कथित स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण ऐसी सूचना प्रदान करते हैं जो अधिनियम द्वारा अपेक्षित हैं और जो सामान्य तौर पर भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार कंपनी के कार्यों तथा इसके लाभ (अन्य विस्तृत आय सहित वित्तीय निष्पादन) तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष की बाबत नकद प्रवाह के विषय में वास्तविक और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं ।

अन्य मामले :

भारतीय लेखा मानकों में परिवर्तन हेतु समायोजन के लिए तुलनात्मक सूचना की लेखापरीक्षा हेतु आने वाले लेखा परीक्षक

10. इन स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में समाविष्ट दिनांक 01 अप्रैल, 2015 को तैयार किए गए प्रारंभिक तुलन पत्र की परिवर्तन तिथि पर कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय सूचना पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक द्वारा संपरीक्षित कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार पूर्व में जारी किए गए सांविधिक वित्तीय विवरण पर आधारित है, जिनकी 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष की दिनांक 08 अगस्त 2015 की रिपोर्ट में भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन पर कंपनी द्वारा अपनाए गए लेखा सिद्धांतों में हुए अंतरों को समायोजित करके उन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर संशोधित राय व्यक्त की गई है, जिसकी संपरीक्षा हमारे द्वारा की गई है ।

11. हमने स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में शामिल कंपनी के 37 प्रभागों के स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरण के अंतर्गत कुल परिसंपत्तियाँ दिनांक 31 मार्च 2017 तक रु. 37,51,050 लाख और उक्त तिथि पर समाप्त वर्ष हेतु कुल राजस्व रु.18,68,561 लाख दर्शाया गया है । इन प्रभागों के भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की संपरीक्षा प्रभागीय लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई हैं और हमारी राय में अब तक यह इन प्रभागों के संबंध में शामिल धनराशि एवं प्रकटन से संबंध रखती है, जोकि ऐसे प्रभागीय लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर पूर्णतः आधारित है। उक्त स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में हमें उपलब्ध कराये गए विवरण और सूचना का भी ध्यान रखा गया है तथा साथ में प्रभागीय लेखा परीक्षकों के टिप्पणियों तथा अधिनियम 143 की धारा (6) के अधीन प्रभागों के स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक के समीक्षाओं के आधार पर कार्पोरेट स्तर पर किए गए परिवर्तनों को लिया गया है ।

12. हमारी राय में इन मामलों के संबंध में कोई परिवर्तन नहीं है ।

अन्य कानूनी एवं नियामक अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट :

13. अधिनियम की धारा 143 (11) के संदर्भ में भारत के केंद्रीय सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षा रिपोर्ट) आदेश, 2016 (आदेश) द्वारा यथापेक्षित रूप में हम उक्त आदेश के पैरा 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों के संबंध में विवरण **अनुबंध – क** में प्रस्तुत करते हैं ।

14. अधिनियम की धारा 143 (3) द्वारा यथापेक्षित, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

क) हमारे द्वारा यथावांछित सभी सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए हैं, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन हेतु हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के लिए आवश्यक थे ;

ख) हमारी राय में, विधि के अनुसार अपेक्षित लेखा बहियों का कंपनी द्वारा उचित रखरखाव किया गया है, जहाँ तक यह हमारे द्वारा इन बहियों के परीक्षण से प्रकट होता है और उक्त प्रभागों से लेखा परीक्षण के उद्देश्यों से पर्याप्त रूप से उपयुक्त विवरणियाँ प्राप्त हुई हैं, उन्हें हमने नहीं देखा है ।

ग) प्रभागीय लेखा परीक्षकों द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 143(8) के अंतर्गत संपरीक्षित कंपनी के प्रभागों की लेखा संबंधी रिपोर्ट हमें प्रेषित की गई है और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा उपयुक्त रूप से समायोजित किया गया है ।

घ) इस रिपोर्ट द्वारा समायोजित तुलन–पत्र, लाभ–हानि विवरण, नकद प्रवाह विवरण एवं साम्या में परिवर्तन संबंधी प्रभागों से प्राप्त विवरणी एवं लेखा बहियों के अनुरूप हैं, जिन्हें हमने नहीं देखा है ।

ङ) नैगम कार्य मंत्रालय के दिनांक 16 मई, 2017 द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार कंपनी को यह सूचित किया गया है कि उक्त कंपनी हेतु भारतीय लेखा मानक 108 – प्रचालन खंड में छूट प्रदान करने के लिए दिनांक 05 जून, 2015 की अधिसूचना सं. 463(ई) में संशोधन अपेक्षित होगा। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 462 के अधीन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कथित संशोधन को पूरा करने के लिए उक्त अधिसूचना को संसद के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की आवश्यकता होगी । संसद में भारतीय लेखा मानक 108 को लागू करने से कंपनी को छूट प्रदान करने के लिए सुसंगत अधिसूचना प्रस्तुत करने हेतु नैगम कार्य मंत्रालय ने कार्रवाई प्रारंभ की है। उपरोक्त को देखते हुए भारतीय लेखा मानक 108 के अंतर्गत कंपनी द्वारा कोई प्रकटीकरण नहीं किया जाता है। उपरोक्त के अधीन हम अपनी राय के अंतर्गत स्पष्ट करते हैं कि उपर्युक्त स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत भारतीय लेखा मानक का अनुपालन किया जाता है ;

च) नैगम कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 05 जून, 2015 को जारी परिपत्र सं. जीएसआर 463(ई) के संदर्भ में, चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, अत: निदेशकों अनर्हता के संबंध में अधिनियम की धारा 164 (2) के प्रावधानों से इसे छूट प्राप्त है ;

छ) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता तथा ऐसे नियंत्रणों के प्रभावकारिता को लागू करने के संबंध कृपया **"अनुबंध ख"** में प्रस्तुत हमारी पृथक रिपोर्ट देखें।

ज) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षक रिपोर्ट में सम्मिलित किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुरूप है ;

i) उक्त कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में वित्तीय स्थिति पर बकाया मुकदमों के प्रभावों को प्रकट किया है– कृपया स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं.49 का खंड 20 देखें ;

ii) कंपनी ने दीर्घकालिक संविदाओं संबंधी निकटतम ठोस हानि के लिए लागू कानून अथवा लेखा मानकों के अधीन यथापेक्षित प्रावधान किए हैं – कृपया स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं.49 का खंड 22 (एच) देखें । कंपनी के पास कोई व्युत्पन्नी संविदाएँ नहीं है ;

iii) इसमें कोई भी राशि नहीं रखी गई, जिसे इन्वेस्टर एजुकेशन एवं बचाव निधि में अंतरित किया जाना अपेक्षित था ;

iv) कंपनी ने स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में 08 नवंबर 2016 से 30 दिसंबर 2016 तक की अवधि के दौरान संपत्तियों तथा लेन देन से संबंधित आवश्यक प्रकटन विनिर्दिष्ट बैंक टिप्पणियों में दिया है और यह कंपनी द्वारा रखी गईं लेखा बहियों के अनुसार हैं । (कृपया स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं.49 का खंड 55 देखें)

15. अधिनियम की धारा 143(5) में यथापेक्षित, भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा कंपनी के लिए विनिर्दिष्ट मामलों पर विवरण, '**अनुबंध ग**' में प्रस्तुत है।

कृते एस वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर सं. 0046565एस

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता सं.201028

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून 2017

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 'अनुबंध क'

(31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण हेतु सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के 'अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकता संबंधी रिपोर्ट' शीर्षक के अंतर्गत पैराग्राफ 13 में संदर्भित । इस अनुबंध में निहित जानकारी कंपनी के 37 प्रभागों से प्राप्त लेखापरीक्षण रिपोर्टों पर आधारित है)

हमारे सामने प्रस्तुत किए गए बहियों एवं अभिलेखों तथा हमें दिए गए सूचनाओं एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा ऐसे लेखा परीक्षण जाँच, जो हमने आवश्यक और उचित माना है, के आधार पर हम यह पुष्टि करते हैं कि:

(i) (क) कंपनी द्वारा उचित अभिलेख रखा गया है, जिसमें अचल परिसंपत्तियों के मात्रात्मक ब्यौरे एवं स्थिति सहित संपूर्ण विवरण दिए गए हैं ;

(ख) इन संपत्तियों की सभी मदों को 1 से 5 साल तक की अवधि में संपूर्ण रूप से समेटते हुए निरूपित चरणबद्ध कार्यक्रम के अधीन परीक्षित करने हेतु प्रबन्धन द्वारा वास्तविक रूप से सत्यापित किया जाता है, जो हमारी राय में कंपनी के आकार और इसकी परिसंपत्तियों की प्रकृति को देखते हुए तर्कसंगत लगता है ।

(ग) अचल संपत्ति का हक विलेख कंपनी के नाम रखा जाता है ।

(ii) प्रबन्धन द्वारा लेखापरीक्षा के अंतर्गत उक्त अवधि के दौरान यथोचित अंतरालों पर कंपनी की सामग्री सूचियों का प्रत्यक्ष रूप से सत्यापन किया गया है। हमें सूचित किया गया है कि स्टॉक की वास्तविक स्थिति और बहियों में बताई गई स्थिति में पाया गया अंतर गणनीय नहीं था और कंपनी की लेखा–बहियों में इनका उचित निर्वहन किया गया है;

(iii) कंपनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उक्त वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 189 के अंतर्गत रखे गए रजिस्टर में निहित किन्हीं कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी अथवा अन्य पार्टियों के लिए कोई ऋण प्रतिभूत अथवा अप्रतिभूत राशि मंजूर नहीं की है ।

(iv) हमारी राय में कंपनी ने ऋण तथा निवेश के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 185 और 186 के उपबंधों का अनुपालन किया है ।

(v) कंपनी ने सार्वजनिकों से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

(vi) हमने कंपनी अधिनियम की धारा 148 (1) के अंतर्गत लागत अभिलेखों के रखरखाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुपालन में कंपनी द्वारा रखी गई सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों से संबंधित लेखा बहियों की व्यापक समीक्षा की है और हमारा विचार है कि प्रथम दृष्ट्या निर्धारित लेखों एवं अभिलेखों को तैयार किया गया है और इनका रखरखाव किया गया है। तथापि, इनकी यथातथ्यता अथवा पूर्णता को निर्धारित करने की विचार से हमने अभिलेखों की विस्तृत जाँच नहीं की है ।

(vii) (क) कंपनी भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, संपदा कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और अन्य सांविधिक बकायों सहित सभी अविवादित सांविधिक बकायों को नियमित रूप से जमा करता रहा है । कंपनी द्वारा 31 मार्च 2017 तक आयकर, संपदा कर, सेवा कर, बिक्री कर, मूल्य वर्धित कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं उपकर देय होने की तारीख से छः महीने से अधिक अवधि तक बकाया नहीं हैं ।

(ख) कोई भी आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं मूल्य वर्धित कर देय नहीं हैं जिन्हें, निम्नलिखित को छोड़कर, किसी विवाद के कारण जमा न कराया गया हो :

परिनियम	बकायों की प्रकृति	धनराशि (रुपए लाखों में)	धनराशि से संबंधित अवधि	लंबित विवाद से संबद्ध न्यायालय/अधिकरण
आयकर अधिनियम 1961	आयकर	53,866	2005-06, 2006-07, 2009-10, 2010-11	उच्च न्यायालय, कर्नाटक
		8,303	2008-09	आयकर अपीलीय अधिकरण
		4,919	2004-05	आयकर उपायुक्त
		1,09,871	2007-08, 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15	आयकर आयुक्त (अपील)
सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क	23,569	2012-13	सीमा, उत्पाद व सेवा कर अपीलीय अधिकरण
वित्त अधिनियम, 1994	सेवा शुल्क	27,128	2003-14	सीमा, उत्पाद व सेवा कर अपीलीय अधिकरण
		7,242	2004-05 से 2014-15 तक	आयुक्त
		211	2009-11, 2012-13	आयुक्त (अपील)
		13,974	2007-08 से 2014-15 तक	विभाग
		4,621	2006-07 से 2007-08 तक	उच्चतम न्यायालय
बिक्रीकर /वैट/प्रवेश कर	बिक्री कर/ वैट/ प्रवेश कर	71,341	1996-97 से 2013-14 तक	अपीलीय अधिकरण
		19,375	1986-89 से 2001-02 तक	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी
		5,42,436	2005-06 से 2011-12 तक	द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी
		20,735	2000-01, 2004 से 2014 तक	आयुक्त
		15,663	2003-12	उच्च न्यायालय
कुल		**9,23,254**		

(viii) कंपनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान किसी वित्तीय संस्थान, बैंकों, सरकार को ऋण या उधार अथवा ऋणपत्र धारकों के बकायों की अदायगी में चूक नहीं की है ।

(ix) कंपनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव अथवा इसके अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण लिखत सहित) और आवधिक ऋण के माध्यम से कोई धनराशि नहीं माँगी । तदनुसार, उक्त आदेश का पैराग्राफ 3 (viii) लागू नहीं है।

(x) लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी अथवा कंपनी पर अपने अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कोई धोखाधड़ी संबंधी सूचना या रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है ।

(xi) चूँकि प्रबंधकीय पारिश्रमिक के रूप में भारत सरकार से नियुक्ति पत्र के अनुसार भुगतान किया जाता है, अतः धारा 197 के उपबंध किसी सरकारी कंपनी (एमसीए अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 05 वें जून, 2015 के अनुसार) पर लागू नहीं होते हैं ।

(xii) चूंकि कंपनी ने न ही निधि का कारोबार किया है और न ही किसी निधि कंपनी के रूप में रिपोर्ट किया है, अतः उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 (xii) लागू नहीं है।

(xiii) कंपनी अधिनियम की धारा 177 और 188 के अनुपालन में संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन किया जाता है, जहाँ कहीं भी लागू हो, वहाँ विवरणों को लागू लेखा मानकों द्वारा यथापेक्षित स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में प्रकट किया गया है।

(xiv) कंपनी ने उक्त वर्ष के दौरान पूर्णतः अथवा अंशतः परिवर्तनीय डिबेंचर अथवा किसी अधिमान्य आबंटन अथवा शेयरों का निजी प्लेसमेंट नहीं किया है ।

(xv) कंपनी ने इनके संबंधित निदेशक अथवा व्यक्तियों के साथ किसी भी गैर–नकदी लेन–देन नहीं किया है। तदनुसार, उक्त आदेश का पैराग्राफ 3(xv) लागू नहीं है ।

(xvi) चूंकि कंपनी गैर–बैंकिंग वित्त के व्यवसाय नहीं कर रही है, कंपनी को रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 की धारा 45–आईए के तहत पंजीकृत होना जरूरी नहीं है ।

कृते एस वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर सं. 0046565एस

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता सं.201028

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून 2017

मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के स्टैंडअलोन भारतीय मानक वित्तीय विवरणों पर सम दिनांक की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट हेतु अनुबंध – ख

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट

1. हमने स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा के साथ दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष हेतु मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ("कंपनी") वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है ।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन का उत्तरदायित्व

2. इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर उक्त मार्गदर्शी नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों के बारे में विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग ("मार्गदर्शी नोट") मानकों के संबंध में आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को स्थापित करने तथा अनुरक्षण हेतु कंपनी प्रबंधन उत्तरदायी हैं । इन उत्तरदायित्वों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के अभिकल्पन, कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण, जिनका प्रचालन प्रभावी रूप से अपने कारोबार व्यवस्थित तथा दक्षतापूर्ण संचालन के सुनिश्चयन हेतु प्रभावी रूप से प्रचालित करना था, जिसमें कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत यथावश्यक कंपनियों की नीतियों, अपनी परिसंपत्तियों के सुरक्षोपाय, धोखाधड़ी तथा त्रुटियों के निवारण एवं जाँच, लेखाकरण रिकार्डों की परिशुद्धता तथा पूर्णता एवं विश्वसनीय वित्तीय सूचना की समय से तैयारी करना आदि शामिल हैं ।

3. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को स्थापित करने हेतु बेंचमार्क मानदंड के रूप में कंपनी प्रबंधन द्वारा अन्य क्षेत्रों के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित क्षेत्रों को विशेष रूप से पहचाना गया है । i) मार्गस्थ माल ii) पूँजीगत कार्य प्रगति पर iii) व्यापार प्राप्ति तथा iv) व्यापार देय

लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

4. हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अपनी राय को अभिव्यक्त करना है । हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखापरीक्षा संबंधी उक्त मानकों तथा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत जहाँ तक यथावश्यक समझी गई आईसीएआई द्वारा जारी दोनों वित्तीय रिपोर्टिंग (मार्गदर्शी नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा के लिए मार्गदर्शी नोट के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा संचालित की । ऐसे मानकों तथा मार्गदर्शी नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए उपयुक्त आश्वासन को प्राप्त करने के लिए योजना बनाकर लेखापरीक्षा को पूरा करें, जिससे इसका सुनिश्चयन हो कि क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वित्तीय रिपोर्टिंग के समय स्थापित एवं अनुरक्षित किया गया तथा ऐसे नियंत्रणों को प्रभावी रूप से प्रचालित करने के लिए सभी सार्थक तथ्यों को देखा गया है ।

5. हमारी लेखापरीक्षा के अंतर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग तथा उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु की जानेवाली प्रक्रियाएँ शामिल हैं ।

6. हमारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संबंधी समझ को प्राप्त करना शामिल किया गया, जिससे मूल्यांकित जोखिम आधारित आंतरिक नियंत्रण के प्रचालन संबंधी प्रभावकारी एवं अभिकल्पन एवं मूल्यांकन परीक्षण के साथ–साथ मौजूदा महत्त्वपूर्ण कमजोरियों को देखा जा सके। लेखापरीक्षा के निर्णयों पर आधारित चयन प्रक्रिया के अतंर्गत स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिमों का मूल्यांकन जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि का मूल्यांकन शामिल है।

7. हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा साक्ष्य के रूप में प्राप्त की गई सूचना पर्याप्त एवं वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के संबंध में हमारी लेखापरीक्षा के मतानुसार उपयुक्त है ।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का तात्पर्य

8. वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की प्रक्रिया का अभिकल्पन सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अंतर्गत बाह्य उद्देश्यों हेतु वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करना है । वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अंतर्गत जिन नीतियों एवं प्रक्रियाओं को शामिल किया है, वे निम्नवत हैं – 1) कंपनी की परिसंपत्तियों के संव्यवहार एवं निपटानों को उपयुक्त रूप से परिशुद्धता के साथ निष्पक्ष रूप में प्रतिबिंबित करने से संबंधित रिकार्डों का अनुरक्षण 2) इसके अंतर्गत उपयुक्त आश्वासन जिसमें सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण की तैयारी की अनुमति हेतु यथावश्यक संव्यवहारों को रिकार्ड किया जाता है तथा कंपनी के प्रबंधन एवं निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही कंपनी की प्राप्तियाँ एवं व्यय को मान्य किया जाता है। 3) इसके माध्यम से कंपनी की परिसंपत्तियों के उपयोग एवं निपटान, अप्राधिकृत प्राप्ति की समय पर जाँच अथवा निवारण के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करना है, जिससे वित्तीय विवरणों पर सार्थक प्रभाव पड़ सके ।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

9. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण मिलीभगत की संभावनाओं अथवा अनुपयुक्त प्रबंधन से अनियंत्रित स्थिति, सामग्रियों के गलत विवरणों को दिया जाना, ये सभी स्थितियाँ धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण घटती हैं, जिनका पता नहीं लग पाता है । इसके अतिरिक्त भावी अवधियों के लिए अत्यधिक वित्तीय रिपोर्टिंग के कारण आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के मूल्यांकन हेतु लगाया गया अनुमानों में इस बात का जोखिम बहुत अधिक होता है कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों अथवा प्रक्रियाओं एवं नीतियों में कमी होने के कारण अनुपालन की स्थिति कमजोर हो जाती है और शर्तों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्तता बढ़ जाती है ।

राय

10. हमारी राय में कंपनी के पास इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर एकाउंटेट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर उक्त मार्गदर्शी नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों के बारे में विचार करते हुए सभी सामग्री के संबंध में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है तथा ऐसे दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को प्रभावी रूप से प्रचालित की गई ।

अन्य मामले

11. उक्त कंपनी के 38 प्रभागों में से कंपनी के 37 प्रभागों की लेखापरीक्षा प्रभागीय सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा की जाती है तथा हमारा कार्य लेखों के समेकन तक सीमित है । जहाँ तक 37 प्रभागों का संबंध है, उनकी वित्तीय रिपोर्टिंग के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता एवं प्रचालन प्रभाव पर अधिनियम 143(3)(i) के अधीन हमारी रिपोर्ट 37 प्रभागों की सुसंगत लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर आधारित है ।

कृते एस वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर सं. 0046565एस

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता सं.201028

स्थान – बेंगलूरु
दिनांक 29 जून 2017

स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट हेतु अनुबंध – ग

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी वर्ष 2016–17 हेतु हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (स्टैंडअलोन) के वार्षिक लेखे के लेखापरीक्षा के दौरान सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जाँच किए जाने वाले क्षेत्रों हेतु निदेश

क्रम सं	जाँच किए गए क्षेत्र	टिप्पणी / परिणाम
1.	क्या कंपनी के पास पूर्ण स्वामित्व /किराए पर स्थित भूमि से संबंधी पूर्ण स्वामित्व/पट्टा विलेख दस्तावेज हैं ? यदि नहीं, तो कृपया बताएँ ऐसा कौन सा क्षेत्र है, जहाँ भूमि संबंधी पूर्ण स्वामित्व / किराए हेतु पूर्ण स्वामित्व / पट्टा विलेख दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं ।	हमें सूचित किया गया है कि स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के टिप्पणी संख्या 49 में प्रकट किए गए मामलों के अलावा कंपनी के पास पूर्ण स्वामित्व/किराए पर स्थित भूमि से संबंधी पूर्ण स्वामित्व/पट्टा विलेख दस्तावेज हैं ।
2.	वेवर/ऋण माफी/ब्याज आदि से संबंधित कोई मामला यदि हो, तो कृपया बताएँ। यदि हाँ, तो उसका कारण एवं राशि के बारे में उल्लेख करें।	हमें सूचित किया गया है कि वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा वेवर/ऋण माफी/ब्याज आदि से संबंधित कोई मामला नहीं है।
3.	क्या कंपनी ने भारत सरकार या अन्य प्राधिकरणों से प्राप्त उपहार एवं अन्य पक्षों के साथ स्थित सामग्री सूची का उपयुक्त रिकार्ड रखा है।	हमें सूचित किया गया है कि कंपनी ने भारत सरकार या अन्य प्राधिकरणों से प्राप्त उपहार एवं अन्य पक्षों के साथ स्थित सामग्री सूची का उचित रिकॉर्ड रखा है।

कृते एस. वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर संख्या 004656 एस

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता संख्या 201028

स्थान – बेंगलूरु
दिनांक 29 जून 2017

सं. रिपोर्ट/2017-18/एचएएल लेखा/165
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर -560 001
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL
AUDIT and Ex-Officio Member, AUDIT BOARD,
BANGALORE - 560 001

गोपनीय
स्पीड पोस्ट द्वारा

दिनांक 14 जुलाई 2017

सेवा में,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
मुख्यालय, 15/1 कब्बन रोड
बेंगलूर - 560 001

महोदय,

विषय : कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

मैं 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के लेखाओं पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का शून्य टिप्पणी प्रमाण-पत्र अग्रेषित करता हूँ।

कृपया सुनिश्चित करें कि टिप्पणियाँ

1. बिना कोई संशोधन किए पूर्ण रूप से छापी जाए।
2. सूची में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाए।
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत आवश्यकतानुसार वार्षिक आम बैठक में रखा जाए।

कृपया पत्र की पावती भेजें।

भवदीय,

(एस गुणशेकरन, आईए एंड एएस)
उप निदेशक (रिपोर्ट्स)

संलग्न : यथोपरि।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT
पहला तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर -560 001
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bangalore - 560 001
दू.भा./Phone.2226 7646/2261168 फैक्स/Fax. 080-22262491
ई-मेल : mabbangalore@cag.gov.in

दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के वित्तीय लेखे पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6) (बी) के अधीन भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन निर्धारित वित्तीय प्रतिवेदन ढाँचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के वित्तीय विवरणों (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण) की तैयारी कंपनी के प्रबंध का उत्तरदायित्व है । भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(5) के अधीन नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक इन वित्तीय विवरणों पर अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार धारा 143 के अधीन किए गए स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर मत अभिव्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं । उनके द्वारा ऐसा किया गया है, जिसे दिनांक 29.06.2017 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया है ।

मैंने, भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की तरफ से उक्त अधिनियम की धारा 143(6)(ए) के अधीन दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है । यह अनुपूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्य–पत्रक देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है तथा प्रमुख रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों तथा कंपनी के प्रतिनिधियों से पूछताछ और कुछ चुनिंदा लेखा अभिलेखों की परीक्षा तक सीमित है । मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसे किसी प्रकार की टिप्पणी अथवा सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर कोई अनुपूरक स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो ।

कृते एवं भारत के नियंत्रक व
महालेखापरीक्षक की ओर से

Prachi Pandey
14.7.XVII

(प्राची पाण्डेय, आई ए एण्ड ए एस)
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा व
पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड, बेंगलूर

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 14 जुलाई 2017

31 मार्च 2017 के अनुसार स्टैंडअलोन तुलन पत्र

(रुपये लाखों में)

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015
परिसंपत्तियाँ				
(1) क. गैर चालू परिसंपत्तियाँ				
(क)–i संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर	1			
सकल ब्लॉक	1ए	1116558	1028892	929156
घटाएँ : संचित मूल्यहास	1बी	538112	484450	425573
निवल ब्लॉक		578446	544442	503583
ii. संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर–ग्राहक द्वारा निधिपोषित	1			
सकल ब्लॉक	1डी	5854	–	–
घटाएँ : संचित मूल्यहास	1ई	322	–	–
निवल ब्लॉक		5532	–	–
(ख) पूँजीगत चालू कार्य	2	62112	37537	22702
(ग) निवेश संपत्ति	3			
सकल ब्लॉक	3ए	9	9	9
घटाएँ : संचित मूल्यहास	3बी	5	5	5
निवल ब्लॉक		4	4	4
(घ) गुडविल (सुनाम)	4	–	–	–
(ड.) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5			
सकल ब्लॉक	5ए	307310	303562	298009
घटाएँ : संचित परिशोधन	5बी	165948	155478	134314
निवल ब्लॉक		141362	148084	163695
(च) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	6			
सकल ब्लॉक	6ए	130094	102598	76945
घटाएँ संचित परिशोधन	6बी	31698	29047	25280
घटाएँ : क्षतिग्रस्त	6सी	11762	8552	7548
निवल ब्लॉक		86634	64999	44117
(छ) संयुक्त उद्यम तथा सहायक कंपनी में निवेश	7	19139	16067	17540
(ज) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश–अन्य	7ए	78935	72573	56993
(ii) प्राप्य व्यापार	8	1023	–	1554
(iii) ऋण	9	5888	5199	5225
(iv) अन्य	10	36745	40132	37333
(झ) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	11	–	–	–
(ञ) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	12	121067	148624	135656
उप योग – क		**1136887**	**1077661**	**988402**
(2) ख. चालू परिसंपत्तियाँ				
(अ) माल सूची	13	2134039	2399778	2496516
(ब) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	14	–	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	15	421028	483689	609287
(iii) नकद एवं नकद के समतुल्य	16	1112111	1330343	1767139
(iv) उपरोक्त (iii) के अतिरिक्त बैंक में जमा शेष धनराशि	17	–	–	–
(v) ऋण	18	9873	9805	17596
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	19	257200	220882	198680
(स) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	20	11493	–	10040
(द) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	21	69009	129697	159404
उप योग – ख		**4014753**	**4574194**	**5258662**
कुल परिसंपत्तियाँ (क+ख)		**5151640**	**5651855**	**6247064**

31 मार्च 2017 के अनुसार स्टैंडअलोन तुलन पत्र

(रुपये लाखों में)

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015
साम्या एवं देयताएँ				
1. क. साम्या				
(अ) साम्य शेयर पूंजी	22	36150	36150	48200
(ब)अन्य साम्या	23	1217513	1065747	1441220
उप योग – क		**1253663**	**1101897**	**1489420**
2. ख. देयताएँ				
ख. गैर चालू देयताएँ				
(अ) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार		–	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	24	19255	–	340
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	25	37157	39731	37323
(ब) प्रावधान	26	201782	248251	257282
(स) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	27	95992	81475	66078
(द) अन्य गैर चालू देयताएँ	28	984724	915455	875131
उप योग – ख	29	**1338910**	**1284912**	**1236154**
3. ग. चालू देयताएँ				
(अ) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	30	95000	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	31	160467	215122	226757
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	32	109648	97695	111701
(ब) अन्य चालू देयताएँ	33	1906140	2678740	2935853
(स) प्रावधान	34	287812	263766	247179
(द) अन्य चालू देयताएँ (निवल)	35	–	9723	–
उप योग – ग		**2559067**	**3265046**	**3521490**
कुल साम्या एवं देयताएँ– (क+ख+ग)		**5151640**	**5651855**	**6247064**

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

31 मार्च 2017 के अनुसार स्टैंडअलोन लाभ हानि विवरण

(रुपये लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
	राजस्व–			
I.	प्रचालन से प्राप्त राजस्व	36	1855521	1715860
II.	अन्य आय	37	104424	159821
III.	**कुल आय (I + II)**		**1959945**	**1875681**
IV.	**व्यय**			
	खपत सामग्री की लागत	38	840149	880792
	व्यापारगत माल का क्रय	38क	29073	36368
	तैयार माल की सामग्री सूची, स्टॉक इन ट्रेड, प्रगत कार्य और व्यापारगत माल में परिवर्तन	39	51085	-56217
	उत्पाद शुल्क		60336	40012
	कर्मचारी लाभ पर व्यय	40	356919	327438
	वित्तीय लागतें	41	1022	–
	मूल्यह्रास परिशोधन व्यय एवं क्षतिग्रस्त हानि	42	71285	86282
	अन्य व्यय	43	124864	117606
	प्रगत कार्य पर प्रत्यक्ष इनपुट / पूंजीगत व्यय	44	46561	51193
	प्रावधान	45	81187	105112
	कुल सकल व्यय		1662481	1588586
	घटाएँ : पूंजी एवं अन्य खाते से संबंधित व्यय	46	60794	33602
	कुल व्यय (IV)		**1601687**	**1554984**
V.	**असाधारण मदों एवं कर से पूर्व लाभ/ (हानि) (III-IV)**		**358258**	**320697**
VI.	आपवादिक मदें		–	–
VII.	कर पूर्व लाभ/(हानि) (V-VI)		**358258**	**320697**
VIII.	कर व्यय :			
	(1) वर्तमान कर		82178	84589
	(2) न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) ऋण हकदारी/उपयोगिता		–	20906
	(3) पूर्व कर		–	–
	(4) आस्थगित कर		14517	15397
IX.	चालू प्रचालनों से उक्त में अवधि की बाबत लाभ / (हानि) (VII-VIII)		**261563**	**199805**
X.	प्रचालन बंद होने से लाभ/(हानि)		–	–
XI.	प्रचालनों के बंद होने से कर व्यय		–	–
XII.	प्रचालनों के बंद होने से लाभ/(हानि) (करोपरांत) (X-XI)		–	–
XIII.	अवधि की बाबत लाभ/(हानि) (IX+XII)		**261563**	**199805**
XIV.	**अन्य विस्तृत आय**			
	(अ) (i) मदें जो लाभ या हानि में पुन:वर्गीकृत नहीं की जाएँगी	47	930	1029
	(ii) मदों संबंधी आयकर, जो लाभ या हानि में पुन: वर्गीकृत की जाएँगी।		-322	-356
	(ब) (i) मदें जो लाभ या हानि में पुन:वर्गीकृत की जाएँगी		1	-4
	(ii) मदों संबंधी आयकर, जो लाभ या हानि में पुन: वर्गीकृत की जाएँगी ।	48	–	2
			609	671
XV.	**उक्त अवधि हेतु कुल विस्तृत आय (XIII+XIV) लाभ के अंतर्गत (उक्त अवधि हेतु (हानि) एवं अन्य विस्तृत आय)**		**262172**	**200476**
XVI.	उपार्जन प्रति साम्या शेयर (जारी प्रचालनों हेतु)			
	(1) प्राथमिक		72.35	41.45
	(2) मिश्रित		72.35	41.45
XVII.	उपार्जन प्रति साम्या शेयर (अवरूद्ध प्रचालनों हेतु)			
	(1) प्राथमिक		–	–
	(2) मिश्रित		–	–
XVIII.	उपार्जन प्रति साम्या शेयर (चालू तथा अवरूद्ध प्रचालनों हेतु)			
	(1) प्राथमिक		72.35	41.45
	(2) मिश्रित		72.35	41.45

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028
स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्टैंडअलोन – 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए साम्या में परिवर्तन का विवरण

क. साम्या शेयर पूंजी

(रु. लाखों में)

1 अप्रैल 2015 को शेष	वर्ष 2015-16 के दौरान साम्या शेयर पूंजी में परिवर्तन	31 मार्च 2016 को शेष	वर्ष 2016-17 के दौरान साम्या शेयर पूंजी में परिवर्तन	31 मार्च 2017 को शेष
48200	-12050	36150	–	36150

ख. अन्य साम्या

(रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
1 अप्रैल 2015 के दौरान शेष	**17438**	–	**1430286**	–	**-6503**	–	**1441221**
चालू वर्ष अंतरण	14669	12050	–	–	–	–	26719
वर्ष के दौरान लाभ	–	–	–	199805	–	–	199805
चालू वर्ष में वापसी	-593	–	–	–	–	–	-593
लाभ एवं हानि विवरण से अंतरित अधिशेष	–	–	111704	–	–	–	111704
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि से अंतरण	–	–	593	–	–	–	593
परिवर्तन में मूल्यह्रास	–	–	-25	–	–	–	-25
शेयर की पुनः खरीद पर वापसी	–	–	-514542	–	–	–	-514542
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-14669	–	–	-14669
कर सहित अंतरिम लाभांश	–	–	–	-61382	–	–	-61382
पूंजी मोचन आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-12050	–	–	-12050
सामान्य आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-111704	–	–	-111704
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद	–	–	–	–	–	-4	-4
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	–	2	2
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद	–	–	–	–	1029	–	1029

(रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	-356	–	-356
31 मार्च 2016 को शेष	**31514**	**12050**	**1028016**	**–**	**-5831**	**-2**	**1065747**
1 अप्रैल 2016 को शेष	**31514**	**12050**	**1028016**	**–**	**-5831**	**-2**	**1065747**
चालू वर्ष अंतरण	19656	–	–	–	–	–	19656
वर्ष के लिए लाभ	–	–	–	261563	–	–	261563
चालू वर्ष में वापसी	-1604	–	–	–	–	–	-1604
लाभ एवं हानि के विवरण से अंतरण अधिशेष	–	–	145621	–	–	–	145621
लाभ एवं हानि के विवरण को अंतरण		–	-14120	–	–	–	-14120
सामान्य आरक्षित निधि से अंतरण		–	–	14120	–	–	14120
कर सहित अंतरिम लाभांश	–	–	–	-96286	–	–	-96286
कर सहित अंतिम लाभांश	–	–	–	-14120	–	–	-14120
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-19656	–	–	-19656
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद	–	–	–	–	–	1	1
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मदों से संबंधित आय कर	–	–	–	–	–	–	–
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद	–	–	–	–	930	–	930

(रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षित निधि एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मदों से संबंधित आय कर	–	–	–	–	-322	–	-322
सामान्य आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-145621	–	–	-145621
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि से अंतरण	–	–	1604	–	–	–	1604
31 मार्च 2017 को शेष	**49566**	**12050**	**1161121**	**–**	**-5223**	**-1**	**1217513**

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(Sd/-)
(एस. सुदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

(Sd/-)
(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(Sd/-)
(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(Sd/-)
(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन नकद प्रवाह का विवरण

(रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	2016-17		2015-16	
I.	**प्रचालन कार्यकलापों से नकद प्रवाह**				
	लाभ एवं हानि विवरण के अनुसार निवल लाभ		**359189**		**321722**
	प्रचालन कार्यकलापों द्वारा प्रावधान किए गए निवल नकद की तुलना में प्रचालन संबंधी कार्यकलापों द्वारा प्रदत्त:				
	संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर की बिक्री पर (लाभ) / हानि	-80		-198	
	प्रदत्त ब्याज	1022		-	
	प्राप्त ब्याज-ग्राहक को निवल ब्याज की देयता	-		-	
	प्राप्त लाभांश	-304		-221	
	उचित मूल्य समायोजन पर निवल (अभिलाभ)/ हानि	820		-	
	निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	123		1472	
	मूल्यहास एवं परिशोधन व्यय	71285		86282	
	उप-योग		**72866**		**87335**
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ		**432055**		**409057**
	प्रचालन परिसंपत्तियों और देयताओं में परिवर्तन हेतु समायोजन:				
	व्यापार प्राप्यताएँ	61638		127152	
	ऋण, वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं अन्य परिसंपत्तियाँ	53483		-450	
	सामग्री सूचियाँ	265739		96738	
	व्यापार देय	-35401		-11974	
	वित्तीय देयताएँ, प्रावधान एवं अन्य देयताएँ	-716121		-220824	
	उप-योग		**-370662**		**-9358**
	प्रचालनों से उत्पन्न नकद		**61393**		**399699**
	प्रदत्त प्रत्यक्ष कर		-103716		-86087
	प्रचालन कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध निवल नकद (क)		**-42323**		**313612**
II.	**निवेश कार्यकलापों से नकद प्रवाह**				
	किया गया निवेश	-6362		-15580	
	संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर में निवेश[1]	-120140		-116129	
	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-31244		-31206	
	संयुक्त उद्यम में निवेश	-195		-	
	सहायक कंपनी में निवेश	-3000		-	
	अल्पावधि जमा का निवेश/ (अवधिपूर्ण)	461817		298344	
	प्राप्त ब्याज-ग्राहक को देयता निवल ब्याज	-		-	
	प्राप्त लाभांश	304		221	
	संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर का बिक्री	1156		261	
	निवेश कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध कराया गया (उपयोगिता)निवल नकद (ख)		**302336**		**135911**

क्र. सं.	विवरण	2016-17		2015-16	
III.	वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह				
	शेयरों की पुनः खरीद	-		-526592	
	प्रदत्त ब्याज	-1022		-	
	बैंक से ऋण	95000		-	
	वित्तीय कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (ग)	-110406		-61382	
	वित्तीय कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (ग)		**-16428**		**-587974**
	सार-संक्षेप :				
I.	प्रचालन कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (क)		-42323		313612
II.	निवेश कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध कराया गया (उपयोगिता) निवल नकद (ख)		302336		135911
III.	वित्तीय कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (ग)		-16428		-587974
	वर्ष के दौरान नकद एवं नकद के समतुल्य निवल वृद्धि		**243585**		**-138451**
	वर्ष के प्रारंभिक नकद एवं नकद के समतुल्य[2]		34405		172857
	वर्ष के अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य[2]		277990		34405
	वर्ष के दौरान नकद एवं नकद के समतुल्य निवल वृद्धि		**243585**		**-138451**
	आईएनडी-एस 7 के अनुसार अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य		277990		34405
	जोड़े : नोट 16 में शामिल अन्य बैंक शेष		834121		1295938
	नोट 16 अनुसार अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य		**1112111**		**1330343**

टिप्पणी :

1. अवधि के प्रारंभ और अंत में प्रगति कार्यपूंजी सहित अचल परिसंपत्तियों की खरीद का उल्लेख किया गया है।
2. नकद एवं नकद के समतुल्य में बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं में रखे गए अल्पावधिक जमाएँ शामिल हैं।
3. जहाँ कहीं भी आवश्यक हुआ है, विगत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्व्यवस्थित अथवा पुनःवर्गीकृत किया गया है।
4. नकद एवं नकद का समतुल्य उपयोग के लिए पूर्ण रूप से उपलब्ध है।

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक: 29 जून, 2017

महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखांकन का आधार

समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 01 अप्रैल, 2016 से कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली के सुसंगत नियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम – 2013 की धारा 133 के अंतर्गत यथा निर्धारित भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) में निहित सभी महत्त्वपूर्ण पहलुओं के अनुपालन हेतु तैयार किये जाते हैं ।

2. अनुमानित आँकड़ों का उपयोग

भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) की मान्यता एवं मापन सिद्धांतों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी, निर्णय तथा धारणा को मूर्त रूप देने में कम्पनी प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जो परिसंपत्तियों एवं देयताओं के सूचित किए गए बकायों, वित्तीय विवरणों की तारीख तक आकस्मिक देयताओं संबंधी प्रकटन तथा सूचित की गई राजस्व राशि एवं रिपोर्ट की अवधि से संबंधित व्यय को प्रभावित करती है।

वर्तमान आधार पर अनुमानित आँकड़ों तथा रेखांकित धारणाओं की समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानित आँकड़ों में संशोधन स्थिति में यदि उक्त अवधि में सामग्री के संबंध में जानकारी प्राप्त हो जाती है, तो लेखांकन अनुमानित आँकड़ों में संशोधन किया जाता है ।

3. समेकन का आधार

संयुक्त उद्यम कंपनियों में हितों का आकलन किए गए निवेश की सीमा तक लेखांकन की साम्या पद्धति का उपयोग करके किया गया है। सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण को पंक्तिबद्ध आधार पर समेकित किया जाता है ।

4. संपत्ति, संयत्र एवं उपस्कर :

क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण से संबंधित संचित मूल्यह्रास तथा क्षति, नुकसान यदि कोई हो तो उन्हें निवल लागत कहा जाता है ।

ख) प्रबंधन के उद्देश्य के अनुरूप जब संयंत्र और उपकरण उपयोग के लिए तैयार हो जाते हैं, तब योग्य परिसंपत्ति संबंधी उधार लागत सहित प्रत्यक्ष रूप से लगी लागत भी पूँजीगत हो जाती है ।

ग) प्रमुख निरीक्षण लागतें, सहायक पुर्जे, वैकल्पिक एवं सेवाकार्य उपकरणों सहित संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर संबंधी परवर्ती व्यय, को तभी पूँजीकृत किया जाता है, जब इनसे संबंधित भावी आर्थिक हित जिनसे कंपनी को आगे बढ़ने में मदद मिले और वस्तु की लागत का भलीभाँति मूल्यांकन हो सके ।

घ) पहली बार अधिग्रहण संबंधी आईएनडी एएस 101 के उपबंधों के अनुसार, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2015 के अनुसार प्रारंभिक तुलन पत्र में आँकी गई लागत के अनुरूप अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की धारित कीमत के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है ।

ङ) पट्टे की भूमि को पूँजीगत किया जाता है तथा पट्टे की अवधि के साथ इसका अवमूल्यन होता है ।

च) आईएनडी एएस के पैरा डी–36 के अनुसार, ग्राहक द्वारा वित्तपोषित परिसंपत्तियों के संबंध में कंपनी ने दिनांक 01–04–2016 के बाद खरीदी गई पूँजीगत परिसम्पत्तियों को अधिग्रहण करते हुए आईएनडी एस के परिशिष्ट–ग के माध्यम से आवेदन दिया है ।

छ) कंपनी अधिनियम – 2013 की अनुसूची II में यथानिर्धारित अनुमानित उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक होने पर अवमूल्यन का आकलन साधारण रूप से किया जाता है। रु.50,000 एवं उससे कम की लागत वाले संयंत्र और उपस्कर में भी खरीद के वर्ष में पूर्णत: अवमूल्यन हो जाता है।

ज) जहाँ सम्पत्ति, संयंत्र और उपस्कर के किसी मद की लागत अधिक है तथा जिनकी अलग उपयोगी कार्यक्षमता अवधि होती है, उन्हें पृथक कलपुर्जों के रूप में मान कर उनके अनुमानित उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक होने पर उनमें भी अवमूल्यन होता है।

झ) संबंधित परिसंपत्तियों की प्रकृति एवं उपयोग के आधार पर तकनीकी मूल्यांकन एवं प्रबंधन के अनुमानित आँकड़ों पर आधारित उक्त परिसंपत्तियों से प्राप्त किये जाने में अपेक्षित उत्पादन के यूनिटों की संख्या अधिक होने पर कतिपय विशेष औजार जैसे मदों में परिशोधन किया जाता है।

ञ) उक्त पूँजीकरण वर्ष में सीएसआर परिसम्पत्ति का पूर्णतः अवमूल्यन हो जाता है।

ट) उक्त परिसंपत्ति की बिक्री अथवा अमान्य अथवा परिसम्पत्ति की समाप्त अवधि के साथ–साथ उक्त सुसंगत अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्य प्राप्ति अथवा नुकसान होने पर वित्तीय विवरण से लागत तथा संबंधित संचित अवमूल्यन को हटा दिया जाता है।

ठ) किसी संभावना के आधार पर आंकलित अनुमानित आँकड़ों में परिवर्तन करते हुए प्रत्येक रिपोर्ट की अवधि के अंत तक अनुमानित उपयोगी कार्यक्षता अवधि, निम्नतम मूल्यों एवं अवमूल्यन/परिशोधन पद्धति की समीक्षा की जाती है ।

5. निवेश संपत्ति

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण से संबंधित संचित मूल्यह्रास तथा क्षति, नुकसान यदि कोई हो तो उन्हें निवल लागत कहा जाता है। पहली बार अधिग्रहण संबंधी आईएनडी एएस 101 के उपबंधों के अनुसार, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2015 के अनुसार, परिवर्तित तिथि यथा 01 अप्रैल, 2015 को मानी गई लागत के अनुसार अपने भारतीय जीएएपी वित्तीय विवरण में मान्य अपनी सभी निवेश संपत्ति के लिए धारित मूल्यों के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है।

6. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

क) संचित परिशोधन तथा संचित क्षति, नुकसान, यदि कोई हो, के संबंध में निम्न लागत पर अमूर्त परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है ।

ख) अनुसंधान एवं विकास संबंधी व्यय, जिस वर्ष में किया जाता है, उसी वर्ष में उसे प्रभारित किया जाता है ।

ग) किसी उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से संबंधित विकास लागत को अमूर्त परिसंपत्ति तथा उसके उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक परिशोधन के रूप में मान्यता दी जाती है ।

घ) उक्त परिसंपत्तियों से भावी आर्थिक लाभ तथा लागत के मापन की विश्वसनियता के संदर्भ में अमूर्त परिसंपत्तियों के मानदंडों की परिभाषा पर आधारित लाईसेंस शुल्क, प्रलेखन प्रभार आदि संबंधी व्यय में तकनीकी अनुमानों संबंधी अति उत्पादन की स्थिति में परिशोधन किया जाता है तथा किसी सीमा तक परिशोधित न किये जाने पर उसे आगे ले लिया जाता है ।

ङ) आंतरिक प्रयोग हेतु सृजित/प्राप्त आंतरिक रूप से सॉफ्टवेयर की लागत, जो कि संबंधित हार्डवेयर का एकीकृत भाग नहीं है को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है तथा सीधी रेखा पद्धति के अनुसार इसके उपयोगी कार्यक्षमता अवधि में परिशोधन किया जाता है। परिशोधन का कार्य तब प्रारंभ होता है जब उक्त परिसंपत्ति उपयोग किये जाने के लिए उपलब्ध हो ।

च) जहां कहीं किसी अमूर्त परिसंपत्ति की उपयोगी कार्यक्षमता अवधि का मूल्यांकन करना संभव न हो, तो उसे परिशोधित नहीं किया जाता। अमूर्त परिसंपत्तियों से संबंधित क्षति की वार्षिक रूप से समीक्षा की जाती है तथा जब क्षति होने का संकेत हो तभी परिसंपत्ति में क्षति देखी जाती है ।

7. **दीर्घकालिक निवेश**

क) भारतीय लेखा मानक 101 के अनुसार, पहली बार अधिग्रहण संबंधी उपबंधों के अंतर्गत कंपनी ने 01 अपैल, 2015 को प्रारंभिक तुलन पत्र में दर्शायी गई लागत के अनुसार निवेश की गई धनराशि के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है।

ख) ऐसे निवेश के मूल्य में निम्न लागत की संचित क्षति पर प्रत्येक के संबंध में निवेश किये जाते हैं।

ग) निवेश लागत में दलाली, शुल्क एवं सीमा शुल्क जैसे अधिग्रहण प्रभार शामिल है।

घ) जब निवेश के मूल्य में गिरावट होती है तब निवेश के मूल्य में क्षति देखी जाती है।

8. **परिसंपत्तियों की क्षति**

जैसा कि प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख के अंत में, परिसंपत्ति की धारित राशि का मूल्यांकन किया जाता है, मानो जैसे वहां कोई क्षति का संकेत हो। यदि अनुमानित वसूली राशि धारित राशि से कम पाई जाती है, तो क्षति की हानि को मान कर वसूली योग्य राशि को परिसंपत्ति के साथ लिखा जाता है।

9. **वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ**

कंपनी प्रारंभ से सभी वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं के उचित मूल्य को जानती है तथा परवर्ती मूल्यांकन परिशोधित लागत पर किये जाते हैं।

10. **आस्थगित ऋण**

आयातित सामग्री की लागत हेतु आस्थगित भुगतान शर्तों के अधीन भुगतान न की गई किस्तों तथा उपस्कर/उत्पाद की टूलिंग मात्रा को ग्राहक से आस्थगित ऋण के रूप में आँका जाता है तथा यदा-कदा वसूली कर किस्तों का भुगतान किया जाता है।

11. **व्यापार से प्राप्य राशियाँ**

सरकारी विभागों से प्राप्त ऋण को सामान्यत: पूर्ण रूप से वसूली योग्य माना जाता है तथा इस प्रकार कंपनी ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के ऋण जोखिम को नहीं मानती है। अपेक्षित ऋण-हानि के कारण हुई क्षति का मूल्यांकन किसी महत्त्वपूर्ण समयावधि के लिए शेष बकायों के संबंध में मामलों के आधार पर किया जा रहा है।

12. **व्यापार एवं अन्य देयताएँ**

ऐसे माल/सेवाओं, जिसके संबंध में आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल प्राप्त हुआ हो या नहीं, भविष्य में भुगतान की जाने वाली राशियों को देयताएँ माना जाता है ।

13. **माँग-सूचियाँ**

क) निम्नतर लागत एवं निवल वसूली योग्य मूल्य पर माँग-सूचियों का मूल्य निर्धारण होता है ।

ख) मार्गस्थ माल को छोड़कर कच्ची सामग्री की लागत में, भार संबंधी औसत लागत सूत्र का उपयोग करके कलपुर्जे एवं सामग्रियाँ सुपुर्द की जाती हैं। मार्गस्थ माल का मूल्य प्राप्ति की तारीख पर लागत के अनुसार निर्धारित की जाती है। तैयार माल, विक्रय माल एवं प्रक्रिया चालू कार्य की स्थिति में, लागत के अंतर्गत क्रय लागत, संपरिवर्तन लागत एवं मांग-सूचियों के अनुसार उनके वर्तमान स्थान एवं स्थिति से लाये जाने में व्यय की गई अन्य लागत शामिल है ।

ग) प्रचुरता के प्रावधान का मूल्यांकन कच्ची सामग्री तथा कलपुर्जों, माल एवं स्पेयर पुर्जों तथा निर्माण कार्य से संबंध सामग्रियों की अंतिम मांग सूची के मूल्य की उपयुक्त प्रतिशतता/स्तर पर पुरानेपन के आधार पर किया जाता है। इसके अतिरिक्त जहां कही आवश्यक हो पूरे किये गये/विशिष्ट प्रोजेक्टों तथा अवशिष्ट माल के रूप में अंतरण हेतु लंबित अन्य अधिशेष/प्रचुर सामग्री के संबंध में ऐसी सामग्री की प्रचुरता के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है ।

घ) निवल प्राप्य मूल्य पर बिक्री योग्य/निपटान योग्य अवशिष्ट की कीमत बढ़ जाती है ।

ङ) वर्ष के अंत में घोषित अधिशेष/अप्रयुक्त/प्रचुर माल मांग–सूची के रूप में मान्य नहीं होते हैं ।

च) वर्ष के अंत में भंडार से जारी खपत योग्य माल एवं अप्रयुक्त माल मांग–सूची में मान्य नहीं होते हैं ।

14. राजस्व मान्यता

14.1 विनिर्माण, मरम्मत तथा पुनर्कल्पन/अतिरिक्त बिक्री

क) विक्रय निम्न आधार पर किया जाता है ।

i. विमानों एवं हेलिकॉप्टरों के विनिर्माण के संबंध में सिग्नलिंग आउट प्रमाणपत्र रूप में विक्रेता के निरीक्षक द्वारा स्वीकृति।

ii. अतिरिक्त पुरज़ों जैसे अन्य प्रदेय सामग्री के लिए विक्रेता की निरीक्षण एजेंसी या विक्रेता की सहमति के आधार पर बिक्री की जाती है ।

iii. विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन एवं मरम्मत रोटेबल की मरम्मत/ओवरहॉल, साइट रिपेयर, कैट "बी" रिपेयर सर्विसिंग आदि के लिए, विक्रेता की निरीक्षण एजेंसी की स्वीकृति अथवा विक्रेता की सहमति की मान्यता पर बिक्री की जाती है ।

iv. विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन के लिए कार्यासमाप्ति सेवा की प्रतिशतता (पीओसी) पद्धति के आधार पर बिक्री की जाती है ।

ख) ग्राहकों से मूल्य संबंधी सहमति के आधार पर बिक्री की जाती है । जहां ग्राहकों से मूल्य के संबंध में सहमति अभी होनी है, तो वहां अनंतिम आधार पर बिक्री की जाती है।

ग) रिपोर्ट की अवधि के अंदर आने वाली वारंटी की सीमा तक वारंटी संबंधी राजस्व को अनुपातिक रूप में मान्य किया जा रहा है ।

14.2 विकास बिक्री

कार्यादेशों एवं ठेके के अनुसार प्राप्त उपलब्धियों के अनुरूप जानने योग्य व्यय के आधार पर विकास बिक्री को मान्यता दी जाती है। जहां संबंधित संविदा के अनुसार उपलब्धियां परिभाषित नहीं की गई हैं, वहां वास्तविक होने वाले व्यय के आधार पर बिक्री को मान्यता दी जाती है।

15. कर्मचारियों के लिए लाभ

क) उपदान तथा भविष्य निधि सुस्पष्ट लाभप्रद योजनाएँ हैं और पात्र कर्मचारियों के संबंध में वास्तविक बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता प्रदान की जाती है तथा प्रगामी रूप से ट्रस्ट को प्रेषित की जाती है

ख) अर्जित छुट्टी के लिए प्रावधान सुस्पष्ट लाभप्रद योजना के अंतर्गत हैं तथा बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता प्रदान की जाती है।

ग) कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना और सेवानिवृति पश्चात सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना सुस्पष्ट अंशदान योजना के अंतर्गत है और इस संबंध में मूल निधि (कॉर्पस) में दिए गए अंशदान को कंपनी द्वारा ट्रस्ट को भेजा जाता है । कंपनी की देयता इन निधियों के लिए किए गए अंशदान की सीमा तक सीमित है।

16. विदेशी मुद्रा संबंधी लेनदेन

परिसंपत्ति एवं देयताओं को प्रत्येक तुलन पत्र में प्रचलित दर के अनुसार पुन: स्थापित किया जाता है। इसके कारण आय/व्यय को लाभ तथा हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ।

17. आयकर

क) आयकर अधिनियम, 1961 ('अधिनियम') के उपबंधों के अनुसार यथानिर्धारित उक्त कर के लिए कर योग्य आय संबंधी देयकर की धनराशि वर्तमान कर होती है। वर्तमान कर में उक्त अधिनियम की धारा 115 जेबी के अधीन/तथा उक्त अधिनियम के सामान्य उपबंधों के अनुसार आकलित कर–देयता शामिल है ।

ख) आस्थगित कर को कर–निर्धारण उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त उक्त धन राशियों तथा वित्तीय रिपोर्ट के उद्देश्य से परिसंपत्तियों एवं देयताओं की धारित राशि के बीच के अस्थायी अंतरों के लिए तुलन पत्र पद्धति का उपयोग करके आस्थगित कर को स्वीकृति प्रदान की जाती है। आस्थगित कर देयता से अधिक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को उस सीमा तक मान्यता दी जाती है, जहां तक यह संभावित हो कि भावी कर योग्य लाभ अस्थायी अंतर के उपयोग किये जाने पर भी उपलब्ध रहेंगे। आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर की जाती है तथा उसे उस सीमा तक कम किया जाता है, जिससे इसके अधिक लंबे समय तक होने की संभावना कम करते हुए संबंधित कर लाभ भी प्राप्त हो जाए।

18. कंपनी द्वारा दावे

आपूर्तिकर्ताओं/हामीदारों/संवाहकों संबंधी दावों, निर्यात, सब्सिडी, ड्यूटी ड्राबैक्स हेतु दावों तथा वापसी हेतु सीमा शुल्क संबंधी दावों का आकलन तब तक किया जाता है ,जब दावों को वरीयता दी जाती है और इसे आगे उस समय तक रखना होता है, जब तक कि कंपनी के पास ऐसी धनराशियों की वसूली करने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो।

19. प्रावधान तथा आकस्मिक देयताएँ

क) विगत घटनाओं के परिणामस्वरूप जब कंपनी के पास वर्तमान दायित्व होता है और इसकी संभावना भी हो कि अधिक संसाधनों की आवश्यकता होगी तो ऐसे उपबंध मान्य होते हैं जिसके अंतर्गत दायित्वों के निर्वहन के लिए विश्वसनीय अनुमान तैयार किये जा सकते हैं।

ख) जहाँ पर विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है अथवा जहां दायित्व की संभावना अथवा वर्तमान दायित्व हों, जो अधिक संसाधनों की अपेक्षा रखती हो, लेकिन उसकी संभावना न हो तो भी आकस्मिक देयता के रूप में प्रकटन किया जाता है।

ग) जब संसाधनों की अधिकता की संभावना के संबंध में कोई संभावित दायित्व अथवा वर्तमान दायित्व सुदूर हो, तो कोई भी प्रावधान अथवा प्रकटीकरण नहीं किया जाता है।

19.1 वारंटी के लिए प्रावधान

विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन/रोटेबल्स का ओवरहाल तथा पुरजे और विकास गतिविधियां आदि के लिए विनिर्माण एवं मरम्मत हेतु बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वारंटी का प्रावधान मान्य होता है ।

19.2 परिसमापन नुकसान के लिए प्रावधान

जब सुपुदर्गी समय के अनुसार किसी माल की आपूर्ति/सेवाएँ प्रदान करने की देय तिथि तथा विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन/रोटेबल्स, पुर्जे एवं विकास संबंधी आदि के विनिर्माण एवं मरम्मत व ओवरहॉल के संबंध में उक्त माल के संबंध में सेवाएँ प्रदान करने की अपेक्षित तारीख में विलंब होता है, तो परिशोधन क्षति का प्रावधान मान्य हो जाता है।

19.3 दुर्वह (Onerous) संविदाओं के लिए प्रावधान

जब उक्त संविदा से कंपनी द्वारा सुपुर्द किये जाने वाले अपेक्षित लाभ उक्त संविदा के अंतर्गत दायित्वों के अधीन मिलने वाले अपरिहार्य लागत से कम हो तो दुर्वह (onerous) संविदा हेतु प्रावधान मान्य हो जाता है। प्रावधान के स्थापित होने से पूर्व, उस संविदा से संबद्ध परिसंपत्तियों के संबंध में किसी भी क्षति–नुकसान को कंपनी मान्य करती है।

(सी वी रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी.वी. शेषा रेड्डी)
कंपनी सचिव

स्थान : बेंगलूर
दिनांक: 29 जून 2017

नोट –1 : संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

नोट –1क : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है।

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत					
अचल परिसंपत्तियाँ [1]					
भूमि					
– पट्टे के अधीन	846	–	–	–	846
– पूर्ण स्वामित्व	1781	6	–	–	1787
भवन	92350	9665	–	–	102015
संयंत्र तथा उपस्कर	276444	36411	-4	777	312074
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	12225	1252	1	36	13442
वाहन	8357	1356	–	176	9537
कार्यालय उपस्कर	18331	2107	3	32	20409
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	4254	268	–	–	4522
अन्य					
सडकें तथा नालियाँ	6351	927	–	–	7278
जल आपूर्ति	4086	643	–	–	4729
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71
रनवेज	5566	–	–	–	5566
विमान/हेलिकॉप्टर	15343	2676	–	–	18019
उप योग	**446005**	**55311**	–	**1021**	**500295**
विशेष उपकरण	582887	34400	–	1024	616263
कुल योग	**1028892**	**89711**	–	**2045**	**1116558**

नोट – 1ख : संचित मूल्यह्रास –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/समायोजन	निपटान/वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास[2]							
भूमि							
– पट्टे के अधीन*	64	12	–	–	76	770	782
– पूर्ण स्वामित्व	–	–	–	–	–	1787	1781
भवन	34013	3218	–	–	37231	64784	58337
संयंत्र तथा उपस्कर	191448	16705	2	765	207390	104684	84996
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	9033	1365	(2)	33	10363	3079	3192
वाहन	5310	699	–	142	5867	3670	3047
कार्यालय उपस्कर	15207	1922	–	29	17100	3309	3124
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	4254	268	–	–	4522	–	–
					–	–	–
अन्य							
सडकें तथा नालियाँ	4982	745	–	–	5727	1551	1369
जल आपूर्ति	2634	258	–	–	2892	1837	1452
रेल रोड साइडिंग	71	0	–	–	71	–	–
रनवेज	4821	260	–	–	5081	485	745
विमान/हेलिकॉप्टर	4531	790	–	–	5321	12698	10812
उप–योग	**276368**	**26242**	**–**	**969**	**301641**	**198654**	**169637**
विशेष उपकरण	208082	28389	–	–	236471	379792	374805
कुल योग	**484450**	**54631**	**–**	**969**	**538112**	**578446**	**544442**

उपरोक्त सम्मिलितः	**31 मार्च 2017**
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	1195
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का संचित मूल्यह्रास	823
	373

	31 मार्च 2017
1 सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	2974
2 घटाएँ : सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का संचित अवमूल्यित मूल्य	2968
सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का अवलिखित मूल्य (डब्ल्यूडीवी)	6

* वर्ष के कुल मूल्यह्रास के अंतर्गत कासरगोड़ एवं संपर्क कार्यालय, मुम्बई में यूनिटों की स्थापना के लिए पट्टे पर ली गई भूमि हेतु पट्टा प्रभार सम्मिलित है

संदर्भ नोट 49 के खंड संख्या. 28 एवं 35

नोट – 1क : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत					
अचल परिसंपत्तियाँ					
भूमि					
– पट्टे के अधीन*	711	135	–	–	846
– पूर्ण स्वामित्व	1781	–	–	–	1781
भवन	84774	7540	52	16	92350
संयंत्र तथा उपस्कर	249368	27831	146	901	276444
फर्नीचर तथा फिक्चरर्स	10604	1724	–	103	12225
वाहन	7451	1028	–	122	8357
कार्यालय उपस्कर	16771	2102	-146	396	18331
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	–	4254	–	–	4254
अन्य					
सडकें तथा नालियाँ	5965	402	–	16	6351
जल आपूर्ति	3889	253	-52	4	4086
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71
रनवेज	5566	–	–	–	5566
विमान/हेलिकॉप्टर	15343	–	–	–	15343
उप योग	**402294**	**45269**	–	**1558**	**446005**
विशेष उपकरण	526862	56025	–	–	582887
कुल योग	**929156**	**101294**	–	**1558**	**1028892**
विगत वर्ष – अचल परिसंपत्तियाँ	372862	30584	–	1152	402294
विगत वर्ष – विशेष उपकरण	501037	25825	–	–	526862

नोट – 1ख : संचित मूल्यह्रास– संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2016 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2015 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भूमि							
– पट्टे के अधीन*	56	8	–	–	64	782	655
– पूर्ण स्वामित्व	–	–	–	–	–	1781	1781
भवन	30168	3809	52	16	34013	58337	54606
संयंत्र तथा उपस्कर	175452	16838	28	870	191448	84996	73916
फर्नीचर तथा फिक्चरर्स	7501	1615	-3	80	9033	3192	3103
वाहन	4873	543	–	106	5310	3047	2578
कार्यालय उपस्कर	13353	2257	–	403	15207	3124	3418
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	–	4254	–	–	4254	–	–
अन्य							
सडकें तथा नालियाँ	4106	892	–	16	4982	1369	1859
जल आपूर्ति	2463	227	-52	4	2634	1452	1426
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71	–	–
रनवेज	4555	266	–	–	4821	745	1011
विमान/हेलिकॉप्टर	3807	724	–	–	4531	10812	11536
उप योग	**246405**	**31433**	**25**	**1495**	**276368**	**169637**	**155889**
विशेष उपकरण	179168	28914	–	–	208082	374805	347694
कुल योग	**425573**	**60347**	**25**	**1495**	**484450**	**544442**	**503583**
विगत वर्ष – अचल परिसंपत्तियाँ	214695	26243	6215	748	246405	155889	–
विगत वर्ष – विशेष उपकरण	150885	28283	–	–	179168	347694	–

उपरोक्त सम्मिलितः	31 मार्च 2016	31 मार्च 2015
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	1195	1195
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का संचित मूल्यह्रास	532	444
	663	752

	31 मार्च 2016	31 मार्च 2015
1 सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	2730	2883
2 घटाएँ : सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का संचित अवमूल्यित मूल्य	2724	2870
सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का अवलिखित मूल्य (डब्ल्यूडीवी)	6	13

* वर्ष के कुल मूल्यह्रास के अंतर्गत कासरगोड़ एवं संपर्क कार्यालय, मुम्बई में यूनिटों की स्थापना के लिए पट्टे पर ली गई भूमि हेतु पट्टा प्रभार सम्मिलित है

संदर्भ नोट 49 के खंड सं. 28 एवं 35

नोट – 1घ : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर (ग्राहक निधि पोषित)

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	संयुक्त कारोबार के माध्यम से अर्जन	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत						
अचल परिसंपत्तियाँ						
भूमि	–	1704	–	–	–	1704
भवन	–	3908	–	–	–	3908
संयंत्र तथा उपस्कर	–	97	–	–	–	97
फर्नीचर तथा फिक्चरर्स	–	71	–	–	–	71
वाहन	–	37	–	–	–	37
कार्यालय उपस्कर						
अन्य						–
जल आपूर्ति	–	37	–	–	–	37
उप–योग	–	**5854**	–	–	–	**5854**
विशेष उपकरण	–		–	–	–	–
कुल	–	**5854**	–	–	–	**5854**

संदर्भ नोट सं. 49 खंड सं. 29

नोट – 1 ङ : संचित मूल्यह्रास – संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर (ग्राहक निधिपोषित)

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भवन	–	30	–	–	30	1674	–
संयंत्र तथा उपस्कर	–	169	–	–	169	3739	–
फर्नीचर तथा फिक्चरर्स	–	90	–	–	90	7	–
वाहन	–	17	–	–	17	54	–
कार्यालय उपस्कर	–	15	–	–	15	22	–
अन्य							
जल आपूर्ति	–	1	–	–	1	36	–
उप–योग	–	**322**	–	–	**322**	**5532**	–
कुल	–	**322**	–	–	**322**	**5532**	–

नोट – 2 : चालू पूँजीगत कार्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
भवन	39625	19396	10220
संयंत्र एवं उपस्कर	8879	12830	7022
सड़क तथा नालियाँ	–	98	97
कार्यालय उपस्कर	15	165	28
जल आपूर्ति	–	178	45
निरीक्षणाधीन तथा मार्गस्थ संयंत्र, मशीनरी एवं उपस्कर	12785	4749	5189
विशेष उपकरण	808	121	101
कुल	**62112**	**37537**	**22702**

नोट – 3 : निवेश संपत्ति

वर्ष की समाप्ति पर निवेश संपत्ति से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

नोट – 3क : सकल ब्लॉक – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
अचल परिसंपत्तियाँ					
भवन	9	–	–	–	9
कुल योग	**9**	**–**	**–**	**–**	**9**

संदर्भ नोट संख्या 49 खंड सं. 23

नोट –3ख –संचित मूल्यह्रास – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी मूल्यह्रास	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भवन	5	–	–	–	5	4	4
कुल योग	**5**	**–**	**–**	**–**	**5**	**4**	**4**

वर्ष की समाप्ति पर निवेश संपत्ति से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

नोट –3क : निवल ब्लॉक निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक
अचल परिसंपत्तियाँ					
भवन	9	–	–	–	9
कुल योग	**9**	**–**	**–**	**–**	**9**
विगत वर्ष निवेश संपत्ति	9	–	–	–	9

संदर्भ नोट संख्या 49 खंड सं. 23

नोट – 3ख : संचित मूल्यह्रास – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी मूल्यह्रास	31 मार्च 2016 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2015 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भवन	5	–	–	–	5	4	4
कुल योग	**5**	**–**	**–**	**–**	**5**	**4**	**4**
विगत वर्ष निवेश संपत्ति	5	–	–	–	5	4	4

नोट –5 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

नोट – 5क : सकल ब्लॉक – अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	योग	समायोजन / निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	248613	507	–	249120
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	11607	723	–	12330
प्रलेखन	43342	2518	–	45860
कुल योग	**303562**	**3748**	**–**	**307310**

नोट – 5ख : संचित परिशोधन–अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	परिशोधन	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	132575	7353	–	139928
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	8807	1129	–	9936
प्रलेखन	14096	1988	–	16084
कुल योग	**155478**	**10470**	**–**	**165948**

नोट – 5 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

नोट – 5 : सकल ब्लॉक – अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	योग	समायोजन / निपटान	31 मार्च 2016 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	246452	2161	–	248613
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	9062	2545	–	11607
प्रलेखन	42495	847	–	43342
कुल योग	**298009**	**5553**	**–**	**303562**
विगत वर्ष	310960	12438	-25389	298009

नोट – 5ख : संचित परिशोधन–अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	परिशोधन	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	113946	18629	–	132575
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	7789	1018	–	8807
प्रलेखन	12579	1517	–	14096
कुल योग	**134314**	**21164**	**–**	**155478**
विगत वर्ष	136437	23255	-25378	134314

नोट – 6 : विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है।

नोट – 6क : सकल ब्लॉक – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	योग	समायोजन / निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	102598	27496	–	130094
कुल योग	**102598**	**27496**	**–**	**130094**

नोट –6ख : संचित परिशोधन– विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	परिशोधन	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	29047	2651	–	31698
कुल योग	**29047**	**2651**	**–**	**31698**

नोट –6ग : क्षतिग्रस्त हानि – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	क्षतिग्रस्त हानि	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	8552	3210	–	11762
कुल योग	**8552**	**3210**	**–**	**11762**

नोट – 6 : विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

नोट – 6क : सकल ब्लॉक –विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	योग	समायोजन / निपटान	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	76945	25653	–	102598
कुल योग	**76945**	**25653**	**–**	**102598**
विगत वर्ष	61590	15355	–	76945

नोट – 6ख : संचित परिशोधन – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	परिशोधन	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	25280	3767	–	29047
कुल योग	**25280**	**3767**	**–**	**29047**
विगत वर्ष	22298	2982	–	25280

नोट –6ग : क्षतिग्रस्त हानि –विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	क्षतिग्रस्त हानि	समायोजन / वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	7548	1004	–	8552
कुल योग	**7548**	**1004**	**–**	**8552**
विगत वर्ष	7548	–	–	7548

नोट 7–निवेश : संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
कम लागत पर निवेश का प्रावधान (व्यापारेतर / जो कोट न किए गए)			
साम्या लिखतों में निवेश			
1) संयुक्त उद्यमों में			
क) मे. बीएई–एचएएल सॉफ्टवेयर लि. – प्रत्येक 10 के अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता साम्या शेयर 29,40,000 (29,40,000 वि.व.)	294	294	294
नेट– मेसर्स बीएई–एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	**294**	**294**	**294**
ख) मे. स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 11,40,000 (11,40,000 वि.व.) शेयर	1140	1140	1140
नेट–मे. स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	**1140**	**1140**	**1140**
ग)मे. इंडो रशियन एविएशन लि. – प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 9,36,525 (9,36,525 वि.व.) शेयर	94	94	94
नेट–मेसर्स इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	**94**	**94**	**94**
घ) मे. एचएएलबीआईटी एवियॉनिक्स प्राइ. लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 3,82,500 (3,82,500 वि.व.) शेयर	383	383	383
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	383	383	320
नेट– मे. एचएएलबीआईटी एवियॉनिक्स प्रा. लि.	**–**	**–**	**63**
ड.) मे. एचएएल एजबुड टेक्नालाजीज़ प्रा. लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 3,00,000 (3,00,000 वि.व.) शेयर	300	300	300
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	300	300	300
नेट–मेसर्स एजवुड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	**–**	**–**	**–**
च) मे. सेमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 1,60,000 (1,60,000–वि.व.) शेयर	160	160	160
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	160	105	–
नेट– मे. सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लिमिटेड	**–**	**55**	**160**
छ) मे. इंफोटेक एचएएल लि. – प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 20,00,000 (20,00,000–वि.व.) शेयर	200	200	200
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	166	166	166
नेट– मेसर्स इन्फोटेक एचएएल लिमिटेड	**34**	**34**	**34**
ज) मे. हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइ. लि. – प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 3,84,04,204 (3,84,04,204 वि.व.) शेयर	3840	3840	3840
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	3840	3840	3840
नेट– मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	**–**	**–**	**–**
झ) मे. टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लि. – प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 50,70,000 (50,70,000 वि.व.) शेयर	507	507	507
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	423	362	362
नेट– मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	**84**	**145**	**145**

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
झ) मे. इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफक्चर्स प्रा. लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 42,50,000 (42,50,000 – वि.व.) शेयर	4250	4250	4250
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	855	855	–
नेट– मेसर्स इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्यूफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	**3395**	**3395**	**4250**
ट) मे. मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयक्राफ्ट लि. – प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता113,46,564 (113,46,564 वि.व.) शेयर	11347	11347	11347
घटाएँ : निवेश मूल्य में क्षति का प्रावधान	457	450	–
नेट– मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	**10890**	**10897**	**11347**
ठ) मेसर्स एरोस्पेस एवियेशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी) 125 (विगत वर्ष 125) प्रत्येक को प्रति वर्ष पूर्णतः अदा किये गये शेयर रु. 10000	13	13	13
नेट– मेसर्स एरोस्पेस एवियेशन सेक्टर स्किल काउंसिल	**13**	**13**	**13**
ड) मेसर्स हेलिकाप्टर इंजन्स एमआरओ प्रा. लिमिटेड*	195	–	–
नेट– मेसर्स हेलिकाप्टर इंजन्स एमआरओ प्रा. लिमिटेड	**195**	**–**	**–**
संयुक्त उद्यम (1) की कुल साम्या	**16139**	**16067**	**17540**
2) सहायक कंपनी में			
मेसर्स नैनी एरोस्पेस लिमिटेड– प्रत्येक 10रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता 3,00,00,000 शेयर	3000	–	–
सहायक कंपनी (2) की कुल साम्या	**3000**	**–**	**–**
कुल योग (1+2)	**19139**	**16067**	**17540**

प्रकटीकरण

(i) कोट किए गए निवेश तथा बाजार मूल्य की कुल धनराशि	शून्य	शून्य	शून्य
(ii) कोट न किए गए निवेशों की कुल धनराशि	19139	16067	17540
(iii) निवेश के मूल्य में घटौती का समग्र प्रावधान	6584	6461	4988

*दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार कुल निवेश धनराशि रु. 195 लाख में से रु. 50 लाख (प्रत्येक रु. 100 के 50,000 शेयर) को आबंटित किया गया है।

नोट – 7ए : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– निवेश– अन्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016	01 अप्रैल, 2015
क) स्ट्रक्चर्ड कंपनी में निवेश (कोट न किया गया हो)			
अ) एचएई कॉ–ऑपरेटिव सोसाइटी रु.100 के प्रारंभिक मूल्य के पूर्ण चुकता 25 शेयर (विगत वर्ष 25 शेयर)	–	–	–
ब) मेसर्स सतनाम एपार्टमेंट लिमिटेड – फ्लैट के अधिग्रहण की लागत पर प्रत्येक के रु.100 के लिए 41 शेयर (41 विगत वर्ष)	–	–	–
अन्य कुल साम्या (अ)	–	–	–
ख) अन्य निवेश (कोट न किया गया हो)			
मैसर्स. एल आई सी ऑफ इंडिया (निधिकरण दीर्घावकाश हेतु)	78935	72573	56993
अन्य कुल निवेश (ब)	**78935**	**72573**	**56993**
कुल (अ)+(ब)	**78935**	**72573**	**56993**

नोट – 8 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ–व्यापार प्रापण

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
व्यापार प्रापण			
प्रतिभूत, जिन्हें उचित माना गया	–	–	–
अप्रतिभूत, जिन्हें उचित माना गया	1023	–	154
संदिग्ध	1313	994	253
	2336	994	1807
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	1313	994	253
कुल योग	**1023**	**–**	**1554**

नोट – 9 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – ऋण

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क . प्रतिभूत , जिन्हें उचित माना गया			
अ) प्रतिभूति जमा	–	–	–
ब) अन्य			
संबंधित पार्टियों को ऋण एवं अग्रिम	–	–	400
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	–	1	1
उप योग (क)	**–**	**1**	**401**
ख. अप्रतिभूत , जिन्हें उचित माना गया			
अ) प्रतिभूति जमा			
सीमा शुल्क और आपूर्तियों के लिए सरकारी विभाग	633	250	288
जन सुविधाओं से संबंधित	3023	2941	2697
अन्य	519	553	542
ब) अन्य			
संबंधित पार्टियों को ऋण एवं अग्रिम	–	–	–
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	1713	1454	1297
उप योग (ख)	**5888**	**5198**	**4824**
कुल योग (क+ख)	**5888**	**5199**	**5225**
($) वर्ष के अंत में कंपनी के अधिकारियों द्वारा देय राशि	–	–	

नोट – 10 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ–अन्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क) प्राप्य दावे			
जिन्हें उचित माना गया	1	1375	504
जिन्हें संदिग्ध माना गया	9299	7925	4816
	9300	9300	5320
घटाएँ : संदिग्ध दावे के लिए प्रावधान	9299	7925	4816
उप योग – क	**1**	**1375**	**504**
ख) बैंक में शेष			
अल्पावधि जमा – 12 महीने से अधिक*	61	–	48
उप योग – ख	**61**	**–**	48
ग) अन्य			
उपचित एवं देय ब्याज	1	–	–
उपचित एवंअ अदेय ब्याज	36682	38757	36781
उप योग – ग	**36683**	**38757**	**36781**
कुल योग (क +ख +ग)	**36745**	**40132**	**37333**

*12 महीने से अधिक की प्रतिबद्ध देयताओं हेतु पूर्णतः निर्धारित

नोट – 11 : आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
कुल योग	–	–	–

नोट 12– अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015
क) माल सूचियाँ (लागत अथवा प्राप्य मूल्य जो भी कम हो)#			
(i) कच्चा माल एवं घटक	43206	35397	30658
घटाएँ : अनावश्यकता हेतु प्रावधान	43206	35397	30658
	–	–	–
(ii) भंडार एवं फुटकर पुर्जे	2977	2100	2661
घटाएँ : अनावश्यकता हेतु प्रावधान	2977	2100	2661
	–	–	–
(iii) खुले औजार एवं उपस्कर	2296	2175	810
घटाएँ : अनावश्यकता हेतु प्रावधान	2296	2175	810
	–	–	–
(iv) निर्माण सामग्री	5	2	2
घटाएँ : अनावश्यकता हेतु प्रावधान	5	2	2
	–	–	–
(v) मालसूची – वारंटी	1656	–	–
घटाएँ : अनावश्यकता हेतु प्रावधान	1656	–	–
	–	–	–
उप योग मालसूची	–	–	–
ख) अग्रिम			
पूंजीगत अग्रिम	12155	11758	9393
माल और सेवाओं पर अग्रिम	3001	3117	1584
विशेष औजारों पर अग्रिम	666	4022	8285
अन्य ऋण एवं अग्रिम	651	791	1779
	16473	**19688**	**21041**
ग) अन्य			
राजस्व प्राधिकारियों के साथ विवादाधीन बकाया			
–आय कर	104071	128936	114595
– अन्य	523	–	–
घ) पूर्वदत्त व्यय	–	–	20
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**121067**	**148624**	**135656**
# इनमें वे शामिल हैं, जिन्हें कार्य के उद्देश्य से उप-ठेकेदारों को जारी किया गया है।	–	–	–

नोट – 13 : सामग्री सूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
सामग्री सूची (लागत व निवल प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो)#			
(i) कच्चा माल तथा घटक	1032216	1231231	1309519
घटाएँः अनावश्यकता के लिए प्रावधान	19044	21433	24977
	1013172	1209798	1284542
(ii) चालू कार्य	1024358	1072122	1013675
(iii) तैयार माल	–	–	–
(iv) व्यापारगत माल	2304	4646	5347
(v) भंडार तथा फुटकर पुर्जे	30209	30009	24640
घटाएँः अनावश्यकता के लिए प्रावधान	586	567	798
	29623	29442	23842
(vi) खुले औजार तथा उपस्कर	8651	7672	8059
घटाएँः अनावश्यकता के लिए प्रावधान	153	144	136
	8498	7528	7923
(vii) निर्माण सामग्री	105	100	88
घटाएँः अनावश्यकता के लिए प्रावधान	4	4	4
	101	96	84
(viii) निपटान योग्य रद्दी	402	1381	1789
(ix) निरीक्षण एवं मार्गस्थ माल			
– कच्चा माल एवं घटक	42507	64945	149563
– भंडार तथा फुटकर पुर्जे	447	4013	2804
– खुले औजार तथा उपस्कर	65	1571	1725
	43019	70529	154092
(x) सामग्री सूची – वारंटी	12714	4301	5302
घटाएँः अनावश्यकता के लिए प्रावधान	152	65	80
	12562	4236	5222
कुल योग	**2134039**	**2399778**	**2496516**
(#)इसमें वे शामिल हैं, जिन्हें कार्य के उद्देश्य से उप-ठेकेदारों को जारी किया गया है।	37553	31783	32504

नोट – 14 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– निवेश (व्यापारेतर / जो कोट नहीं किए गए)

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
लागत पर निवेश (व्यापारेतर / जो कोट नहीं किए गए)	–	–	–
कुल योग	–	–	–

नोट – 15 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – व्यापार से प्राप्य राशियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
व्यापार से प्राप्य राशियाँ			
प्रतिभूत, जिन्हें उचित माना गया	15	10	132
अप्रतिभूत, जिन्हें उचित माना गया	398533	477319	602785
संदिग्ध	12941	10071	909
	411489	487400	603826
घटाएँ: संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	12941	10071	909
उप–योग	**398548**	**477329**	**602917**
बिल रहित आरक्षित निधि	22480	6360	6370
उप–योग	**22480**	**6360**	**6370**
कुल योग	**421028**	**483689**	**609287**

टिप्पणी 16 – वित्तीय परिसंपत्तियाँ– नकद एवं नकद के समतुल्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क) बैंक में शेष			
– चालू खाता	33428	33391	47053
– अल्पावधि जमा	240000	–	125000
– अन्य संस्थानों के साथ अन्य अल्पकालिक जमा धनराशि	1273	998	783
ख) उपलब्ध नकद	6	16	20
ग) उपलब्ध चैक, ड्राफ्ट	3283	–	1
उप योग (क+ख+ग)	**277990**	**34405**	**172857**
घ) अन्य बैंक शेष			
अन्य			
– अल्पावधि जमा*	834121	1295938	1594282
उप–योग–घ	**834121**	**1295938**	**1594282**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)+(घ)	**1112111**	**1330343**	**1767139**
*उधार, गारंटी, अन्य प्रतिबद्धताओं हेतु मार्जिन धनराशि या प्रतिभूति में धारित सीमा तक बैंक में शेष जमा धनराशि	100019	18	16

नोट –17 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– उपरोक्त (iii) के अलावा बैंक शेष

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
कुल योग	–	–	–

नोट – 18 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– ऋण

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क. प्रतिभूत , जिन्हें उचित माना गया			
प्रतिभूति जमा			
संबंधित पार्टियों के लिए ऋण एवं अग्रिम	–	–	1782
अन्य			
कर्मचारी अग्रिम ($)	102	107	277
उप–योग(क)	**102**	**107**	**2059**
ख. अप्रतिभूत , जिन्हें उचित माना गया			
i) प्रतिभूति जमा			
आपूर्ति एवं सीमा–शुल्क के लिए सरकारी विभाग	3425	3481	3280
जन सुविधाओं से संबंधित	38	38	49
अन्य	2866	1687	1387
ii) अन्य			
संबंधित पार्टियों के लिए ऋण एवं अग्रिम	33	266	6931
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	3409	4226	3890
उप–योग (ख)	**9771**	**9698**	**15537**
कुल योग (क + ख)	**9873**	**9805**	**17596**
($) वर्ष के अंत में कंपनी के अधिकारियों द्वारा देय धनराशि	7	43	8

नोट – 19 : अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
दावे से प्राप्य राशियाँ			
जिन्हें उचित माना गया है	212343	156792	121154
जिन्हें संदिग्ध माना गया है	4576	3978	3052
	216919	**160770**	**124206**
घटाएँ: संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	4576	3978	3052
उप–योग	**212343**	**156792**	**121154**
ब्याज उपचित एवं बकाया	7163	5986	5586
ब्याज उपचित एवं बकाया नहीं	29484	49390	63424
आस्थगित ऋण की चालू परिपक्वताएँ	8210	8714	8516
कुल योग	**257200**	**220882**	**198680**

नोट – 20 : चालू कर परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
चालू कर (निवल)	11493	–	10040
कुल योग	**11493**	**–**	**10040**

नोट – 21 : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
माल एवं सेवाओं पर अग्रिम	66014	125949	152619
विशेष औजार पर अग्रिम	–	1024	1485
अन्य ऋण एवं अग्रिम	1185	1109	722
अन्य			
पूर्वदत्त व्यय	1805	1585	4572
राजस्व टिकट	–	25	–
फ्रेंकिंग मशीन में शेष	5	5	6
कुल योग	**69009**	**129697**	**159404**

साम्या

नोट – 22 : साम्या शेयर पूँजी

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
प्राधिकृत पूंजी			
प्रत्येक 10 रूपये के 60,00,00,000 (विगत वर्ष 60,00,00,000) के साम्या शेयर	60000	60000	60000
जारी, अंशदत्त और पूर्णचुकता			
पूर्ण चुकता 10रुपए के 36,15,00,000 साम्या शेयर	36150	36150	48200
अंशदत्त तथा अपूर्ण चुकता	–	–	–
प्रत्येक शेयर का सममूल्य (रु)	10	10	10
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों का समाधान			
प्रारंभिक साम्या शेयर (संख्या)	361500000	482000000	482000000
जोड़ें : जारी बोनस शेयर (संख्या)	–	–	–
घटाएँ : पुनर्खरीद शेयर (संख्या)	–	120500000	–
अंतिम साम्या शेयर (संख्या)	361500000	361500000	482000000
कंपनी के 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयर धारकों के पास कुल शेयरों की संख्या	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास समग्र 36,15,00,000 शेयर हैं।	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास समग्र 36,15,00,000 शेयर हैं।	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास समग्र 48,20,00,000 शेयर हैं।

ईक्विटी शेयर हेतु संबधित शर्ते / अधिकार :

साम्या शेयरों के साथ शर्तें / अधिकारः कंपनी के पास एक (1) श्रेणी के शेयर अर्थात साम्या शेयर हैं। साम्या शेयर हर प्रकार से बराबर है जिसमें लाभांश का अधिकार, नए शेयर जारी करने का अधिकार और परिसमापन की स्थिति में कंपनी की परिसंपत्तियों में वोटिंग का अधिकार शामिल हैं। संपूर्ण पूंजी एकल शेयरधारी के पास है ।

शेयरों को पुनः खरीद :

खरीदः निदेशक मंडल की दिनांक 22 मार्च, 2016 को हुई अपनी 39वीं बैठक में उनके अनुमोदन तथा उक्त तिथि पर हुई असाधारण आम बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से शेयरधारकों के अनुमोदन के अनुसार कंपनी ने चुकता शेयर पूँजी तथा जिसमें भारत के राष्ट्रपति से रु. 355.55 प्रति साम्या शेयर में रु. 428438 लाख की कुल धनराशि के लिए कंपनी का नि:शुल्क आरक्षित निधि का 25% के समतुल्य रु.10/– के 12, 05, 00, 000 पूर्णतः चुकता साम्या शेयर की पुनर्खरीद की है । शेयरों के पुनःखरीद हेतु मान्य राशि का भुगतान 30 मार्च 2016 को भारत सरकार को किया गया तथा इस प्रकार पुनःखरीद किए गए शेयरों को 5 अप्रैल 2016 को हटा दिया गया ।

नोट – 23 : अन्य साम्या

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
अन्य आरक्षित		
क. अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	31514	17438
जोड़ें : चालू वर्ष के अंतरण	19656	14669
घटाएँ, उपयोगिता संबंधी सामान्य आरक्षित निधियों में अंतरण	1604	593
अंतिम शेष– (क)	**49566**	**31514**
ख. पूंजीगत ऋणमुक्ति आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	12050	–
जोड़ें : चालू वर्ष के अंतरण	–	12050
अंतिम शेष– (ख)	**12050**	**12050**
ग. विगत तुलन–पत्र के अनुसार सामान्य आरक्षित निधि	1028016	1430286
(+/–) लाभ एवं हानि के विवरण से अंतरित अधिशेष	145621	111704
जोड़ें : अनु व वि आरक्षित निधि से अंतरण	1604	593
घटाएँ : परिवर्तन संबंधी मूल्यहास	–	25
घटाएँ : शेयरों की पुनः खरीद हेतु आहरित राशि	–	514542
घटाएँ : लाभ एवं हानि विवरण में अंतरण*	14120	–
अंतशेष – (ग)	**1161121**	**1028016**
लाभ एवं हानि विवरण में अधिशेष		
जोड़ें : चालू वर्ष के लिए निवल लाभ/निवल हानि (i)	261563	199805
जोड़ें : सामान्य आरक्षित निधि से अंतरण* (ii)	14120	–
घटाएँ : विनियोजन / आबंटन		
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि की बाबत अंतरित	19656	14669
31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु कर सहित अंतरिम लाभांश लाभांश रु.80,000 लाख + कर रु.16286 लाख (मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु लाभांश रु.51,000 लाख + कर रु. 10,382 लाख)	96286	61382
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु कर सहित अंतिम लाभांश लाभांश रु.11,732लाख + कर रु.2388 लाख	14120	–
पूँजी रिडेम्पशन रिजर्व में अंतरण।	–	12050
कुल योग (iii)	**130062**	**88101**
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित (i)+(ii)–(iii)	**145621**	**111704**
घ. अन्य घटकों में साम्य		
अन्य विस्तृत आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई) ($)		
प्रारंभिक शेष	–5833	–6503
जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया योग	609	670
घटाएँ : वर्ष के दौरान किया गया घटाव		
अंतशेष– (घ)	**–5224**	**–5833**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**1217513**	**1065747**

($) नोट – 49 के खंड 17 में अलग से विवरण दिया जाता है ।

* वर्ष 2015–16 हेतु लाभांश कर सहित अंतिम लाभांश को इंगित करता है ।

नोट – 24 : ऋण

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
कुल योग	–	–	–

नोट – 25 : व्यापार देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
व्यापार देयताएँ*	19255	–	340
कुल योग	**19255**	**–**	**340**
*संबंधित पार्टियों के लिए देय शामिल	–	–	–

नोट – 26 : अन्य वित्तीय देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
अन्य देयताए	71	563	151
आस्थगित ऋण	37086	39168	37172
कुल योग	**37157**	**39731**	**37323**

नोट – 27 : प्रावधान

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क. कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान			
उपदान	2339	3023	12669
अर्जित अवकाश	46055	45348	39785
उप योग(क)	**48394**	**48371**	**52454**
ख. अन्य			
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	10619	9518	9460
परिनिर्धारित क्षतियाँ	58925	79893	84899
दुर्वह संविदा	83844	110469	110469
उप योग (ख)	**153388**	**199880**	**204828**
कुल योग (क + ख)	**201782**	**248251**	**257282**

नोट – 28 : आस्थगित कर देयताएँ (निवल)

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
आस्थगित कर देयताओं के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण अस्थायी अंतरों का कर प्रभाव			
अंतिम तुलन-पत्र के अनुसार	81475	66078	168160
जोड़ें / घटाएँ : चालू वर्ष का प्रावधान	14517	15397	-99931
जोड़ें / घटाएँ : परिवर्तन पर मूल्यहास का प्रभाव	-	-	-2151
कुल योग	**95992**	**81475**	**66078**

नोट – 29 : अन्य गैर चालू देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क. ग्राहकों से अग्रिम			
रक्षा	307106	323089	259594
उप-योग (क)	**307106**	**323089**	**259594**
ख. महत्वपूर्ण प्राप्ति			
रक्षा	661033	574638	615537
अन्य	16585	17728	-
उप-योग (ख)	**677618**	**592366**	**615537**
कुल योग (क+ख)	**984724**	**915455**	**875131**

नोट – 30 : उधार

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क. प्रतिभूत दीर्घावधि उधार :			
माँग पर पुनर्देय ऋण			
(i) बैंक से	95000	-	-
(ii) अन्य से	-	-	-
उप-योग (क)	**95000**	**-**	**-**
ख. अप्रतिभूत दीर्घावधि उधार :			
उप-योग (ख)	-	-	-
कुल योग (क+ख)	**95000**	**-**	-

सुरक्षा	रु. 1,00,000 लाख की सीमा तक समान बैंक में सावधि जमा
ऋण की अवधि / चुकौती शर्तें	जारी होने की तिथि से देय तिथि पर एक वर्ष का एक बारगी भुगतान
ब्याज दर	5.90% प्रति वर्ष

नोट – 31 : व्यापार देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
व्यापार देयताएँ *	160467	215122	226757
कुल योग	**160467**	**215122**	**226757**
* संबधित पक्षों की देयराशि सहित	8136	7323	4273

नोट – 32 : अन्य वित्तीय देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
कर्मचारियों के लिए देय	39818	30763	37285
अन्य देयताएँ*	62627	58949	66576
आस्थगित ऋण की वर्तमान परिपक्वता	7203	7983	7840
कुल योग	**109648**	**97695**	**111701**
*संबधित पक्षों की देयराशि सहित	7	10	77

नोट – 33 : अन्य चालू देयताएँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क) ग्राहकों से अग्रिम			
ग्राहकों से बकाया अग्रिम			
रक्षा	469116	427343	549594
अन्य	9394	4607	3270
उप–योग (क)	**478510**	**431950**	**552864**
ख) बकाया महत्त्वपूर्ण प्राप्तियाँ			
रक्षा	1360874	2072821	2305079
अन्य	49369	58658	56895
उप योग (ख)	**1410243**	**2131479**	**2361974**
ग्राहकों से बकाया अग्रिम (क+ख)	**1888753**	**2563429**	**2914838**
ग) अन्य देयताएँ			
कर (आय कर के अतिरिक्त)	8431	108256	14486
अन्य	8956	7055	6529
कुल योग(क+ख+ग)	**1906140**	**2678740**	**2935853**

नोट – 34 : प्रावधान

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
क. कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान			
उपदान	–	–	–
अर्जित अवकाश	35383	33587	32788
अन्य	23944	5894	21306
उप योग(क)	**59327**	**39481**	**54094**
ख.अन्य			
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	78071	86288	56816
वारंटी	53890	66034	61448
परिनिर्धारित क्षतियाँ	69577	70842	74821
उत्पाद शुल्क	322	1121	–
दुर्वह संविदा	26625	–	–
उप योग – (ख)	**228485**	**224285**	**193085**
कुल योग (क+ ख)	**287812**	**263766**	**247179**

नोट – 35 : चालू कर देयताएँ (निवल)

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल, 2015
चालू कर देयताएँ (निवल)	–	9723	–
कुल योग	–	9723	–

नोट – 36 : प्रचालनों से राजस्व

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क. उत्पादों की विक्री		
(i) अंतर्देशीय बिक्रियाँ		
तैयार माल	983007	1012072
फुटकर पुर्जे	147226	174358
विकास	61520	61091
विविध	1930	2046
उत्पादों की कुल निर्यात बिक्रियाँ	**1193683**	**1249567**
(ii) निर्यात बिक्रियाँ		
तैयार माल	27124	23131
फुटकर पुर्जे	18470	16477
उत्पादों की कुल अंतर्देशीय बिक्रियाँ	**45594**	**39608**
उत्पादों की कुल बिक्री (क)	**1239277**	**1289175**
ख. सेवाओं की बिक्री		
(i) सेवाओं की अन्तर्देशीय बिक्री		
मरम्मत एवं ओवरहॉल	579146	402702
अन्य सेवाएँ	1549	1760
उत्पादों की कुल अंतर्देशीय बिक्रियाँ	**580695**	**404462**
(ii) सेवाओं की निर्यात बिक्रियाँ		
मरम्मत एवं ओवरहॉल	889	3058
अन्य सेवाएँ	19	1944
सेवाओं की कुल निर्यात बिक्रियाँ	**908**	**5002**
सेवाओं की कुल बिक्रियाँ (ख)	**581603**	**409464**
कुल बिक्रियाँ (क+ख)	**1820880**	**1698639**
ग. अन्य प्रचालन राजस्व		
(i) रद्दी एवं अधिशेष/अनुपयोज्य भण्डार का निपटान	1513	366
(ii) अधिक समय तक प्रावधान अपेक्षित नहीं	29754	11918
(iii) अन्य	3374	4937
कुल प्रचालन राजस्व (ग)	**34641**	**17221**
प्रचालनों से राजस्व (क+ख+ग)	**1855521**	**1715860**

नोट – 37: अन्य आय

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
आय ब्याज		
– अल्पावधि जमा / ऋण	89043	154857
– फुटकर अग्रिम – कर्मचारी	124	119
– अन्य जमा	188	191
उप–योग	**89355**	**155167**
लाभांश आय		
लाभांश आय	304	221
अन्य गैर प्रचालन आय		
विदेशी मुद्रा विनिमय एवं अंतरण	7006	–
परिसंपत्ति की बिक्री पर लाभ (निवल)	80	198
विविध	7425	4228
उचित मूल्य संबंधी लाभ का समायोजन	254	7
कुल योग	**104424**	**159821**

नोट – 38 : खपत की गई सामग्री की लागत

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
कच्चे माल, घटकों, भंडारों तथा अतिरिक्त पुर्जों की खपत		
प्रारंभिक शेष भंडार	1303139	1372869
जोड़ें : क्रय	678584	855994
जोड़ें : उप–ठेका, संरचना एवं मशीनीकरण प्रभार	26942	22273
घटाएँ : अंतिम शेष भंडार	1123089	1303139
	885576	**947997**
घटाएँ : निम्न का अंतरण		
विशेष औजार एव उपस्कर	32227	51471
पूँजी कार्य	–0	5
विकास व्यय	2339	4216
व्यय खाते तथा अन्य	10861	11513
	45427	**67205**
कुल योग	**840149**	**880792**

नोट – 38 क : व्यापारगत क्रय

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
व्यापारगत क्रय	29073	36368

नोट – 39 : तैयार माल, चालू कार्य, व्यापारगत माल तथा रद्दी की सामग्री सूचियों में परिवर्तन

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
तैयार माल, चालू कार्य, व्यापारगत माल तथा रद्दी की सामग्री सूचियों में परिवर्तन		
प्रारंभिक शेष		
(i) तैयार माल	–	–
(ii) चालू कार्य	1072122	1013675
(iii) व्यापारगत माल	4646	5347
	1076768	**1019022**
अंतशेष		
(i) तैयार माल	–	–
(ii) चालू कार्य	1024358	1072122
(iii) व्यापारगत माल	2304	4646
	1026662	**1076768**
घटाएँ – स्टाक में वृद्धि/कमी पर उत्पाद शुल्क	–	-1121
वृद्धि / (कमी) –क	**-50106**	**56625**
निपटान योग्य स्क्रैप में परिवर्तन		
अथशेष	1381	1789
अंतशेष	402	1381
वृद्धि /(कमी) – ख	**-979**	**-408**
कुल योग (क+ख)	**-51085**	**56217**

नोट – 40 : कर्मचारी लाभ संबंधी व्यय*

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
वेतन तथा मजदूरी	298130	264944
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	–	–
– भविष्य निधि / अन्य निधियों में अंशदान**	39930	43362
–उपदान में अंशदान	3269	4051
स्टाफ कल्याण पर व्यय(निवल)	14298	14030
अधिकारियों/स्टाफ के लिए आवास भाड़े पर लेने हेतु किराया	1292	1051
कुल योग	**356919**	**327438**
*इसमें निदेशकों का पारिश्रमिक शामिल है		
वेतन	171	128
भविष्य निधि में अंशदान	13	11
उपदान	–	10

**संदर्भ नोट संख्या 49 खंड 11 (ग) एवं 11 (घ)

नोट – 41 : वित्तीय लागत

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
उधार लागत – अन्य	667	–
अल्पावधि ऋणों पर ब्याज	355	–
कुल योग	**1022**	**–**

नोट – 42 : मूल्यह्रास तथा परिशोधन व्यय एवं क्षतिग्रस्त हानि

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क.परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास	26565	31433
ख. परिशोधन		
अमूर्त परिसंपत्तियाँ – विकास व्यय	2651	3767
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ		
– लाइसेंस शुल्क	7353	18629
– कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	1129	1018
– प्रलेखन	1988	1517
विशेष औजार	28389	28914
उप योग	**41510**	**53845**
ग. क्षतिग्रस्त हानि	**3210**	**1004**
कुल योग (क + ख+ग)	**71285**	**86282**

नोट – 43 : अन्य व्यय

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
शॉप आपूर्तियाँ	10485	10657
बिजली एवं इंधन	17200	17149
जल प्रभार	5538	6229
कार्यालय परिसर आदि का किराया	252	254
यात्रा (विदेश यात्रा सहित)	7301	7144
प्रशिक्षण (विदेशी प्रशिक्षण सहित)	1262	1186
मरम्मतें :		
भवन	8071	7592
संयंत्र, मशीनरी एवं उपस्कर	13524	10481
अन्य	4166	3786
औजारों एवं उपस्करों पर व्यय	4875	5059
बीमा	1938	1707
दरें एवं कर	2018	847
डाक व्यय तथा टेलिफोन	1133	1190
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	1226	1223
प्रचार	3086	1983
विज्ञापन	1219	1809
बैंक प्रभार	615	593
विदेशी मुद्रा विनिमय तथा अंतरण संबध हानि (निवल)	–	4408
विधिक व्यय	521	303
लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिकः		
लेखापरीक्षा शुल्क के लिए	38	38
कर–निर्धारण के लिए	7	4
अन्य सेवाओं के लिए	98	43
विक्रय एजेंटों का कमीशन	69	42
दान	2	1
लदाई–उतराई प्रभार	413	371
बट्टे खाते		
अचल परिसम्पत्तियाँ	–	2
भंडार	151	192
कमी/अस्वीकृति	1	1
फ्राइट एवं बीमा	1565	1076
लाभ में जेडब्ल्यूजी का शेयर	250	185
नैगम सामाजिक दायित्व#	6528	4817
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पर ब्याज	8	1
उचित मूल्य समायोजन संबंधी हानि	1074	7
अन्य प्रचालन व्यय (@)	30230	27226
कुल योग	**124864**	**117606**
(@) इसमें निदेशकों का उपस्थिति शुल्क शामिल है।	16	19

(#) नोट – 1ए के अंतर्गत पूँजीगत रु. 268 लाख की सीएसआर परिसंपत्ति में शामिल नहीं है। कुल सीएसआर व्यय रु.6796 लाख है।

नोट – 44 : चालू कार्य में प्रत्यक्ष समायोजन तथा पूंजीकृत व्यय

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क) चालू कार्य में प्रत्यक्ष समायोजन		
परियोजना संबंधी यात्रा	730	672
परियोजना संबंधी प्रशिक्षण	363	1008
परियोजना संबंधी अन्य व्यय	1961	4181
स्वत्व शुल्क	748	904
विदेशी तकनीशियन शुल्क	6733	8489
भू–जोखिम बीमा	2178	2261
अभिकल्प एवं विकास	11505	6426
फुटकर सीधे प्रभार – अन्य	18595	21699
उप योग(क)	**42813**	**45640**
ख) पूंजीकृत व्यय		
लाइसेंस शुल्क	507	2161
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	723	2545
प्रलेखन	2518	847
उप योग(ख)	**3748**	**5553**
कुल योग(क+ ख)	**46561**	**51193**

नोट – 45 : प्रावधान

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	24216	32315
वारंटी	8394	15005
कच्चा माल व घटक, भंडार एवं अतिरिक्त पुर्जे तथा निर्माण सामग्री	10011	7345
परिशोधित ऋण	30877	34986
संदिग्ध ऋण	4530	9903
संदिग्ध दावे	3036	4086
निवेश	123	1472
कुल योग	**81187**	**105112**

नोट – 46 : पूंजी तथा अन्य लेखों से संबंधित व्यय

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
निम्न के लिए आबंटित व्यय:		
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ व्यय	3748	5553
विशेष औजार	2173	4554
पूँजीगत कार्य	1040	
विकास व्यय	25157	21437
अन्य	28676	2058
कुल योग	**60794**	**33602**

अन्य विस्तृत आय

नोट – 47 : लाभ या हानि में पुनःवर्गीकृत नहीं की जानेवाली मदें

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
(क) पुनर्मूल्यांकन अधिशेष में परिवर्तन	–	–
(ख) सुस्पष्ट लाभ योजना का पुनर्मूल्यांकन	930	1029
(ग) अन्य विस्तृत आय के माध्यम से साम्या	–	–
कुल योग (क+ ख+ ग)	**930**	**1029**

नोट – 48 : लाभ या हानि में पुनःवर्गीकृत की जानेवाली मदें

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों के अंतरण में विनिमय अंतर	1	–4
कुल योग	**1**	**–4**

लेखा संबंधी टिप्पणी टिप्पणी सं-49 – स्टैंडअलोन

(रु. अन्यथा लाखों में उल्लिखित है)

क्र.सं	अनिवार्य प्रकटीकरण
1.	आईएनडी एएस का पहली बार अभिग्रहण हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के वर्ष 31 मार्च, 2017 के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण को आईएनडी एएस के अनुसार बनाया गया है। आईएनडी एएस में परिवर्तन के उद्देश्य हेतु, कंपनी ने आईएनडी एएस 101 में निर्दिष्ट दिशानिर्देशों, 01 अप्रैल, 2015 जो कि परिवर्तन तिथि पर भारतीय लेखा मानकों का पहली बार अभिग्रहण और भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्त (आईजीएएपी) जैसे कि पूर्व जीएएपी का पालन किया है। आईएनडी एएस के परिवर्तन का परिणाम वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण, इसके अलावा टिप्पणियों में प्रकटीकरण और लेखा नीतियों और सिद्धातों में पारिवर्तन के कारण हुआ है। टिप्पणियों में परिवर्तन लेखा नीतियों को 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और तुलनात्मक जानकारी को तैयार करते समय लागू किया है। पूर्व जीएएपी से आईएनडी एएस किस तरह से परिवर्तन हुआ है उससे कंपनी का तुलन पत्र और लाभ तथा हानि का विवरण प्रभावित हुआ है, और उसे खंड 1(i) और (ii) में प्रदर्शित किया है। आईएनडी एएस के पहली बार अभिग्रहण पर रियायतों का आईएनडी एएस 101 के अनुरूप लाभ उठाया गया है और उसे खंड 1 (vi) में प्रदर्शित किया गया है।
	निम्नलिखित समाधान आईएनडी एएस 101 के अनुसार आईजीएएपी से आईएनडी एएस में परिवर्तन को दर्शाता है : 1. 01 अप्रैल, 2015 और 31 मार्च, 2016 तक की इक्विटी 2. 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए निवल लाभ

(i) आईजीएएपी से आईएनडी एएस में इक्विटी के पुन:समाधान का निम्नानुसार उल्लेख है : **(रुपये लाखों में)**

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
आईजीएएपी के अनुसार	**1678607**	**1241864**
आईएनडी एएस समायोजन :		
1) प्रस्तावित लाभांश की वापसी	-	14120
2) परिनिर्धारित हर्जाने के लिए प्रावधान	-109183	-107322
3) दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान	-110469	-110469
4) अचल परिसंपत्तियों का नुकसान	-7548	-8553
5) वारंटी देयता का वापसी	41627	45573
6) वारंटी विक्रय का वापसी/मान्यता	-34545	-46029
7) उचित मूल्य समायोजन	508	508
8) अवधि पूर्व समायोजन	-65420	-4688
9) सेवा संविदा के लिए पीओसी विक्रय की मान्यता	19041	16033
10) पीओसी से संबंधित चालू कार्य का वापसी	-19041	-16033
11) आईएनडी एएस के अधीन मान्य नए तत्कालीन विभेदों पर आस्थगित कर परिणाम	95844	76892
आईएनडी एएस के अनुसार इक्विटी	**1489420**	**1101897**

(ii) 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष लिए निवल लाभ का पुन:समाधान	(रु.लाखों में)
विवरण	**31 मार्च 2016**
आईजीएएपी के अनुसार कर पश्चात लाभ (क)	**165377**
आईएनडी एएस समायोजन :	
1) 01 अप्रैल, 2015 तक प्रदान परिनिर्धारित क्षति का वापसी	22172
2) परिनिर्धारित क्षति के लिए प्रावधान	-20310
3) वारंटी विक्रय की मान्यता	27730
4) वारंटी विक्रय का वापसी	-39214
5) वारंटी देयता का वापसी	3946
6) सेवा संविदा के लिए पीओसी विक्रय की मान्यता	16033
7) पीओसी से संबंधित चालू कार्य का वापसी	-16033
8) 01 अप्रैल, 2015 तक दर्ज पीओसी विक्रय का वापसी	-18927
9) 01 अप्रैल, 2015 तक दर्ज पीओसी से संबंधित चालू कार्य के वापसी का पूर्ण रूप से परिवर्तन नहीं हुआ है ।	18927
10) अमूर्त परिसंपत्तियों का नुकसान	-1004
11) रशियन रूबल हेतु देयता का परिशोधन	7
12) रशियन रूबल हेतु देयता के प्रतिपूर्ति का परिशोधन	-7
13) अवधि पूर्व समायोजन	60732
14) उपर्युक्त समायोजनों पर आस्थगित कर प्रभाव	-18953
15) प्रस्तावित लाभांश की वापसी	-
16) ओसीआई में अंतरित निवल परिभाषित लाभ पर प्राप्ति	-1029
17) ओसीआई में अंतरित निवल परिभाषित लाभ पर प्राप्ति राशि पर कर	356
18) ओसीआई में अंतरित विदेशी मुद्रा कार्य के अंतरण पर हानि	4
19) ओसीआई में अंतरित विदेशी मुद्रा कार्य के अंतरण पर हानि संबंधी कर	-2
कुल समायोजन (ख)	**34429**
आईएनडी एएस के अनुसार कर पश्चात लाभ (क)+(ख)	**199806**
अन्य विस्तृत आय/हानि	**670**
आईएनडी एएस के अनुसार कुल विस्तृत आय	**200476**

(iii) 01 अप्रैल, 2015 तक तुलन पत्र का समाधान				(रुपये लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
गैर–चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) संपत्ति संयंत्र और उपकरण	503743	-156	-4	503583
2) चालू पूँजीगत कार्य	22702	-	-	22702
3) निवेश संपत्ति	-	-	4	4
4) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	163707	-12	-	163695
5) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	51665	-7548	-	44117
6) संयुक्त उद्यमों में निवेश	17540	-	-	17540
7) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	56993	-	-	56993
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	1554	-	-	1554
(iii) ऋण	5225	-	-	5225
(iv) अन्य	86928	-49595	-	37333
8) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)				
9) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	140344	-4688	-	135656
चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) माल सूची	2515231	-18716	-	2496516
2) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश				
(ii) व्यापार प्राप्त राशियाँ	624260	-14973	-	609287
(iii) नकद और नकद तुल्य	1767139	-	-	1767139
(iv) उपर्युक्त(ळळळ) के अलावा बैंक शेष	-	-	-	-
(v) ऋण	17596	-	-	17596
(vi) अन्य	199002	-322	-	198680
3) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		-13546	23586	10040
4) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	230619	-47629	-23586	159404
कुल	**6404249**	**-157185**	**-**	**6247064**

(iii) 01 अप्रैल, 2015 तक तुलन पत्र का समाधान				(रुपये लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
इक्विटी और देयताएँ :				
इक्विटी :				
1) इक्विटी शेयर पूँजी	48200	–	–	48200
2) अन्य इक्विटी	1630407	-189187	–	1441220
देयताएँ				
गैर-चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार देय	50439	-50099	–	340
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	37290	33	–	37323
2) प्रावधान	49245	195368	12669	257282
3) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	161922	-95844	–	66078
4) अन्य गैर चालू देयताएँ	875131	–	–	875131
चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार देय	227000	-244	–	226757
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	111569	131	–	111701
2) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	2935853	–	–	2935853
3) प्रावधान	277191	-17342	-12669	247179
4) अन्य कर देयताएँ (निवल)	–	–	–	–
कुल	**6404249**	**-157185**	**–**	**6247064**

(iv) 31 मार्च, 2016 तक के तुलन पत्र का समाधान				(रुपये लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
गैर–चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) संपत्ति संयंत्र और उपकरण	544446	–	-4	544442
2) चालू पूँजीगत कार्य	37537	–	–	37537
3) निवेश संपत्ति	–	–	4	4
4) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	148084	–	–	148084.49
5) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	73552	-8553	–	64999
6) संयुक्त उद्यमों में निवेश	16067	–	–	16067
7) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	72573	–	–	72573
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ		–	–	–
(iii) ऋण	5199	–	–	5199
(iv) अन्य	89710	-49579	–	40132
8) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		–	–	–
9) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	153312	-4688		148624
चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) माल सूची	2415811	-16033		2399778
2) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश		–	–	–
(ii) व्यापार प्राप्त राशियाँ	513182	-29493	–	483689
(iii) नकद और नकद तुल्य	1330343	–	–	1330343
(iv) उपर्युक्त (iii) के अलावा बैंक शेष		–	–	–
(v) ऋण	9805	–	–	9805
(vi) अन्य	221227	-345	–	220882
3) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		–	–	–
4) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	119974	–	9723	129697
कुल	**5750823**	**-108691**	**9723**	**5651855**

(iv) 31 मार्च, 2016 तक के तुलन पत्र का समाधान				(रुपये लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
इक्विटी और देयताएँ :				
इक्विटी :				
1) इक्विटी शेयर पूँजी	36150	–	–	36150
2) अन्य इक्विटी	1205716	-139968	–	1065747
देयताएँ				
गैर चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	0	–	–	–
(ii) व्यापार देय	50083	-50083	–	–
(iii) अन्य वित्तीय देय	39731	–	–	39731
2) प्रावधान	46038	199190	3023	248251
3) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	158367	-76891	–	81475
4) अन्य गैर-चालू देयताएँ	915455	–	–	915455
चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार		–	–	–
(ii) व्यापार देय	215471	-349	–	215122
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	97695	–	–	97695
2) अन्य वित्तीय देयताएँ	2678236	503	–	2678740
3) प्रावधान	307881	-41092	-3023	263766
4) चालू कर देयताएँ (निवल)	–	–	9723	9723
कुल	**5750823**	**-108690**	**9723**	**5651855**

v) आईजीएएपी के अधीन और आईएनडी एएस के अधीन बनाए गए नकद प्रवाह के बीच में कोई भी महत्त्वपूर्ण समाधान मदें नहीं थी ।

(vi) परिवर्तन तिथि को आईएनडी एएस 101 के पहली बार अभिग्रहण पर प्राप्त छूट :

आईएनडी एएस 101 आईएनडी एएस के अधीन कतिपय आवश्यकताओं के पूर्वव्यापी प्रयोग से पहली बार अभिग्राहकों को कतिपय छूट की अनुमति देता है । तदनुसार कंपनी ने निम्नलिखित रियायतें लागू कीं ।

(क) आईएनडी एएस 101 के पैरा डी7एए के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अमूर्त परिसंपत्तियों को 31 मार्च, 2015 को आईजीएएपी के अनुरूप तैयार वित्तीय स्थिति के विवरण में रखा गया । कंपनी ने परिवर्तन तिथि को मान्य लागत के रूप में ऐसे धारित मूल्यों को स्वीकार किया है।

(ख) ग्राहक वित्तपोषित परिसंपत्तियों के संबंध में आईएनडी एएस 101 के पैरा डी 36 के अनुसार कंपनी आईएनडी एएस के परिशिष्ट सी को लागू करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें ग्राहक निधिपोषण सहित दिनांक 01.04.2016 के पश्चात तैयार की परिसंपत्ति को पूंजीकृत किया जाएगा ।

(ग) आईएनडी एएस के पैरा बी 8 सी के अनुसार, कंपनी ने उसकी वित्तीय परिसंपत्तियों को नए कुल रखाव राशि पर वित्तीय परिसंपत्तियों/देयताओं की उचित लागत अथवा आईएनडी एएस के परिवर्तन की तिथि पर उसकी वित्तीय देयता की परिशोधित लागत को मान्य किया है ।

(घ) आईएनडी एएस 101 के पैरा डी13 के अनुसार, जो बताता है कि आईएनडी एएस 21 में यथावर्णित परिवर्तित तारीख पर मौजूदा संचयी अंतरण भिन्नताओं के लिए अपेक्षाओं को अनुपालन करने की आवश्यकता नहीं है। परिवर्तन तिथि पर सभी विदेशी प्रचालनों के लिए उक्त अंतरों के स्थान पर शून्य समझा जा सकता है तथा किसी विदेशी प्रचालन के परवर्ती निपटान पर लाभ या हानि आईएनडी एएस के लिए परिवर्तन तिथि से पूर्व बढ़े अंतरण भिन्नताओं को पृथक करेगा तथा बाद की अंतरण भिन्नताओं को शामिल करेगा ।

(vii) अन्य :

(क) आईजीएएपी के अधीन, कर्मचारी अवकाश नकदीकरण हेतु उपदान और देयताओं के लिए परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित बीमांकिक लाभ और हानि को लाभ-हानि के विवरण में मान्यता दी गयी । आईएनडी एएस के अधीन, निवल परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति के पुन: मापन का भाग बीमांकिक लाभ एवं हानि निर्मित करता है, जो अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्य होता है । परिणामत: इसके लागू कर को भी लाभ अथवा हानि के विवरण के बजाय ओसीआई में मान्यता दी गई है ।

(ख) निष्प्रभावी जारी किए गए मानक - आईएनडी एएस 115 - ग्राहकों के साथ संविदा से प्राप्त राजस्व :

फ़रवरी 2015 में, कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने ग्राहकों के साथ संविदा से प्राप्त राजस्व के संबंध में आईएनडी एएस 115 को अधिसूचित किया था। नए मानक का मूल सिद्धांत यह है कि किसी संस्था को किसी ऐसी धनराशि से ग्राहकों को आश्वस्त माल एवं सेवाओं के अंतरण के संबंध में राजस्व को मान्यता देनी चाहिए जो उन मालों अथवा सेवाओं के बदले में कंपनी / संस्था द्वारा अपेक्षित पात्रता के संबंध में विचार किए जाने को परिलक्षित करती है । आगे नए मानक के अंतर्गत राजस्व का स्वरूप, धनराशि, समय एवं अनिश्चितता तथा ग्राहकों के साथ संस्था की संविदा से बढ़े हुए नकद प्रवाह के बारे में संवर्धित प्रकटीकरण अपेक्षित है । एमसीए द्वारा आईएनडी एएस 115 की प्रभावी तिथि को आस्थगित किया है।

(viii) खंड 1 के नोट 1 (i) :

(क) प्रस्तावित लाभांश की वापसी :

आईजीएएपी के अधीन, प्रस्तावित लाभांश को उक्त अवधि में देयता के रूप में मान्यता दी जाती है, जिससे यह संबंधित होता है । आईएनडी एएस के अधीन, लाभांश को जिसके साथ उसका संबंध है, उसके बावजूद जिस कालावधि में उसका भुगतान किया है, उसमें प्रत्यक्ष रूप में इक्विटी में समायोजित किया जाता है । तदनुसार, चूँकि वित्तीय वर्ष 2014-15 प्रस्तावित लाभांश हेतु देयता की वापसी की गयी है तथा वर्ष 2015-16 में साम्या के रूप में भुगतान की गयी राशि के रूप में समायोजित किया जाता है, अतः किसी भी धनराशि को मान्यता नहीं दी गयी है । वर्ष 2015-16 के दौरान आईजीएएपी के अनुसार प्रस्तावित लाभांश के रूप में मान्य रु.14120 लाख (लाभांश वितरण कर सहित) की वापसी की गयी है, उसे 01.04.2016 से 31.03.2017 की अवधि में साम्या में समायोजित किया जाता है ।

(ख) परिनिर्धारित हर्जाने के लिए प्रावधान :

आईजीएएपी के अधीन, कंपनी के सामने के परिनिर्धारित हर्जाने के प्रावधान को स्वीकृति पर लेखा को मान्यता दी है, उदा. विक्रय की स्थापना करते समय आईएनडी एएस प्रावधान के अधीन, परिनिर्धारित हर्जाने के प्रावधान को वितरण कार्यक्रम के अनुसार सामग्री के आपूर्ति/सेवा देने की देय तिथि और कही गयी सामग्री का वितरण, निर्माण से संबंधित सेवाएँ देना/ एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर/इंजिंस/रोटेबल्स की मरम्मत और ओवरहाल, पुर्जों और विकास गतिविधियों की आपूर्ति की अपेक्षित तिथि इन दोनों के बीच की अवधि को मान्यता दी है । इसे परिवर्तन तिथि (उदा.01 अप्रैल, 2015) को रु. 109183 लाख से परिनिर्धारित हर्जाने के प्रावधान की वृद्धि हुई है, जो कि परिनिर्धारित आय के अंतर्गत समायोजित किया गती थी । बाद में वर्ष 2015-16 के दौरान, लाभ तथा हानि के विवरण में 20310 लाख रु. के परिनिर्धारित हर्जाने के प्रावधान को मान्यता दी है और लाभ तथा हानि की विवरण में 22171 लाख रु परिनिर्धारित हानि के प्रावधान में वापसी हुआ और उसे 01.04.2015 को प्रतिधारित आय में मान्य किया था ।

(ग) दुर्वह संविदा के लिए संविदा :

140 सुखोई -30 निर्माण कार्यक्रम (ब्लॉक IV) से संबंधित दुर्वह संविदा को मान्य किया गया है । संविदा के अधीन सुपुर्दगी शेड्यूल वर्ष 2012-13 से 2014-15 तक था, जहाँ पर उसे वर्ष 2017-18 से 2019-20 से सुपुर्दगी की जानी अपेक्षित थी । जबकि विक्रय कीमत स्थिर रहती है, सामग्री लागत में वृद्धि होती है, श्रमिक लागत और अन्य लागत के कारण संविदा दुर्वह हो गई और 01 अप्रैल, 2015 तक रु 110469 लाख की राशि की हानि को मान्य किया है ।

(घ) अमूर्त परिसंपत्तियों की हानि :

जहाँ कहीं अमूर्त परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनावधी का मूल्यांकन करना संभव नहीं होता है, वहाँ तब उसका परिशोधन नहीं किया जाता है । हालांकि जब अमूर्त परिसंपत्तियों को हानि पहुँच सकने का संकेत मिलता है, तब उस पर हानि को मान्य किया जाता है । तद्नुसार, 01 अप्रैल, 2015 तक रु 7548 लाख और वर्ष 2015-16 के लिए 1004 लाख रु. की राशि को हानि नुकसान के रूप में मान्य किया है ।

(ङ) वारंटी देयता में परिवर्तन :

आईजीएएपी के अधीन, एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर/इंजिस/रोटेबल्स और पुर्जे की आपूर्ति और विकास संबंधी कार्यकलापों, विनिर्माण / मरम्मत और ओवरहाल विक्रय के समय पर वारंटी के प्रावधान को ग्राहकों के साथ सहमत शर्तों के अनुसार मानदंड बनाए गए हैं । आईएनडी एएस के अधीन, एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर/इंजिस/रोटेबल्स और पुर्जो के निर्माण और मरम्मत और ओवरहॉल के लिए प्रावधान को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर बनाया गया है । इससे परिवर्तन तिथि (01 अप्रैल, 2015 तक) को 41627 लाख रु. की कमी हुई है और जिसे प्रतिधारित आमदनी के सामने 01.04.2015 तक समायोजित किया है । उसके पश्चात वर्ष 2015-16 के दौरान, वारंटी देयता के प्रावधान को रु. 3946 लाख से कम किया गया था और उसे लाभ तथा हानि के विवरण में समायोजित किया गया था।

(च) वारंटी विक्रय में परिवर्तन :

आईजीएएपी के अधीन, ग्राहकों के साथ सहमत शर्तों के मानदंडों के अनुसार विनिर्माण किए गए/ओवरहाल किए गए/ एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर्स/इंजिस/रोटेबल्स/सामग्री और पुर्जों के विक्रय की स्थापना करते समय वारंटी से संबंधित राजस्व को मान्यता दी है । आईएनडी एएस के अधीन, ग्राहकों के साथ सहमत शर्तों के मानदंडों के अधीन विनिर्माण और ओवरहॉल के संबंध में राजस्व को वारंटी के कालावधि में राजस्व को आनुपातिक रूप से मान्यता दी है । उपर्युक्त परिवर्तन के कारण, निम्नलिखित परिवर्तन 01.04.2015 तक के प्रतिधारित आय और 31 मार्च,2016 को समाप्त वर्ष में किया गया है ।

(रु. लाखों में)

विवरण	01.04.2015 तक प्रतिधारित आय	31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ तथा हानि
वारंटी विक्रय में परिवर्तन	34545	39214
हाल ही के वर्षों से वारंटी विक्रय का प्रभाव विस्तार	-	27730

(छ) रशियन कर्ज के लिए उचित मूल्य :

(i) आईजीएएपी के अनुसार, रशियन कर्ज की ओर देयता की राशि और ग्राहकों से इसी के अनुरूप प्रतिपूर्ति को लेखा पुस्तक के कुल राशि में मान्य किया है । हालांकि आईएनडी एएस -109 के अधीन, रशियन कर्ज और ग्राहकों से अनुरूप प्रतिपूर्ति को शुरूआती में उचित मूल्य पर मान्य किया जाना चाहिए और तत्पश्चात उसे परिशोधित लागत में रखा जाना चाहिए । लेन देन कीमत और उचित मूल्य के अंतर को उचित मूल्यांकन पर लाभ/हानि के रूप में माना जाता है और उसे रशियन कर्ज के कालावधि में परिशोधित किया है । 01 अप्रैल, 2015 तक प्रतिधारित आमदनी की 50424 लाख रु. से वृद्धि हुई है और 49917 लाख रु. से कमी हुई है और तद्नुसार आस्थगित देयताएँ और आस्थगित परिसंपत्तियाँ भी कम हुई है, जिसका खुलासा नीचे किया है :

(रु. लाखों में)

विवरण	चालू	गैर चालू	प्रतिधारित आय पर परिणाम
क) आस्थगित देयताएँ	325	50100	50425
ख) आस्थगित परिसंपत्तियाँ	322	49595	49917
कुल (क-ख)	**3**	**505**	**508**

(ii)7 लाख रु. के रशियन कर्ज की देयता और 7 लाख रु. के रशियन कर्ज की प्रतिपूर्ति पर हानि ये दोनों लाभ और हानि के विवरण में परिशोधित किया है, जिसे नीचे दिया है :

(रु. लाखों में)

विवरण	चालू	गैर चालू	प्रतिधारित आय पर परिणाम
क) आस्थगित देयताएँ	23	-16	7
ख) आस्थगित परिसंपत्तियाँ	-23	16	-7
कुल (क+ख)	-	-	-

(ज) पूर्व अवधि की मदें :

कंपनी ने जिस अवधि में गलती हुई उस पूर्व कालावधि के लिए तुलनात्मक राशि को पुन: कह कर वित्तीय विवरणों के प्रथम समुच्चय में पहली अवधि की गलतियों को पूर्वव्यापी रूप से सुधारा है। 01 अप्रैल, 2015 के पूर्व जब-जब गलतियाँ हुई, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2015 तक के परिसपत्तियों की प्रारंभिक शेष, देयताएँ और इक्विटी का पुनःउल्लेख किया है। निम्नलिखित पूर्व कालावधि समायोजन 01 अप्रैल 2015 तक किए हैं।

विवरण	(रु. लाखों में)
क) आय कर*	65863
ख) अन्य विविध समायोजन	-443
कुल (क+ख)	**65420**

* कंपनी वारंटी, प्रतिस्थापन, सामग्रियाँ, परिनिर्धारित क्षति के लिए निषेध और इस तरह के प्रावधानों में परिवर्तन के संबंध में आय कर विभाग से निपटान तक पहुंची है। इन एएस 8 के अनुसार, 01 अप्रैल, 2015 तक के रु. 54620 लाख के प्रावधान को प्रारंभिक इक्विटी में रु. 11243 लाख के ब्याज के साथ समायोजित किया गया है।

(झ) प्रतिशत पूर्णता पद्धति (पीओसी) के अधीन ओवरहाल विक्रय की मान्यता :

आईजीएएपी के अधीन, विक्रय किया गया और उसे समाप्त संविदा के आधार पर मान्य किया है। हालांकि, आईएनडी एएस -18 के अनुसार, एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर और इंजीन्स के ओवरहाल के लिए विक्रय स्थापित किया है और उसे पीओएस पद्धति के अधीन इसे मान्यता दी है। इससे परिवर्तन तिथि पर रु. 19041 लाख से विक्रय में वृद्धि हुई और चालू कार्यों में रु. 19041 लाख से कमी हुई और जिसे 01.04.2017 तक की प्रतिधारित आय के अंतर्गत समायोजित किया गया था। वर्ष 2015-16 के दौरान, विक्रय में रु. 16033 लाख से वृद्धि हुई और चालू कार्यों में रु. 16033 लाख रु. की कमी हुई और उसे 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ तथा हानि ले विवरण में समायोजित किया गया था। तत्पश्चात, वर्ष 2015-16 के दौरान, रु. 19041 लाख में परिवर्तन हुआ जैसे कि उसे 01.04.2015 तक की प्रतिधारित आय में पीओसी पद्धति के अंदर दर्ज किया था।

(ञ) आईएनडी एएस के अधीन मान्य नए तत्कालीन विभेदों पर आस्थगित कर परिणाम :

आय विवरण दृष्टिकोण का उपयोग कर आईजीएएपी को आस्थगित कर की आवश्यकता होती है, जिसका लक्ष्य उस कालावधि के लिए करयोग्य लाभ और लेखा लाभों के बीच के अंतरों पर होता है। आईएनडी एएस -12 को तुलन पत्र दृष्टिकोण का उपयोग कर आस्थगित कर के लिए लेखा की पात्रता की आवश्यकता होती है, जिसका लक्ष्य परिसंपत्ति की रखाव राशि राशि अथवा तुलन पत्र में देयता और उसके कराधार के बीच में तत्कालीन विभेदों पर होता है। आईएनडी एएस -12 दृष्टिकोण के अनुप्रयोग का परिणाम तत्कालीन विभेदों पर आस्थगित कर में हुआ है जिनकी आईजीएएपी के अधीन आवश्यकता नहीं थी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न संव्यवहार समायोजन अंतरों से तत्कालीन विभेद होते हैं। तदनुसार आस्थगित कर समायोजन को प्रतिधारित आय में अंतर्निरहित संव्यवहार के संबंध में मान्यता दी है। परिवर्तन तिथि पर (अर्थात 01.04.2015), आस्थगित कर देयताओं पर निवल प्रभाव रु. 95844 लाख है और 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए रु. 76891 लाख है।

(ट) निवल परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति के पुनःमापन पर लाभ/हानि :

आईजीएएपी के अनुसार, निवल परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति के पुनरमापन पर लाभ/हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्य किया है, जबकि आईएनडी एएस के अधीन उसे अलग इक्विटी के भाग में जमा कर अन्य व्यापक आय में मान्य किया है। 01 अप्रैल, 2015 तक निवल परिभाषित लाभ देयता के पुनःमापन पर संचित हानि (कर के सिवाय) रु. 6503 लाख को प्रतिधारित आय से इक्विटी के अलग भाग में हस्तांतरित कर दिया गया है। 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए परिभाषित लाभ नियोजन के पुनःमापन पर लाभ के रूप में रु. 1029 लाख की राशि को मान्य किया गया है।

(ठ) विदेशी प्रचालनों के अंतरण पर लाभ/हानि :

आईजीएएपी के अनुसार, विदेशी प्रचालनों के अंतरण पर लाभ और हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्य किया है, जबकि आईजीएएपी के अधीन उसे इक्विटी के अलग भाग में जमा कर अन्य व्यापक आय में मान्य किया जाएगा। रु. 4 लाख की राशि को 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए विदेशी प्रचालनों के अंतरण पर हानि के रूप में मान्य किया गया है।

2. श्रेणीवार वित्तीय लिखत

(क) 31 मार्च, 2017 तक प्रत्येक श्रेणीवार वित्तीय लिखत का रखाव मूल्य और उचित मूल्य निम्नानुसार था : **(रु.लाखों में)**

विवरण	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	कुल रखाव मूल्य	कुल उचित मूल्य
परिसंपत्तियाँ :					
(i) निवेश	98074	–	–	98074	98074
(ii) कर्ज	15761	–	–	15761	15761
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	293944	–	–	293944	293944
(iv) व्यापार प्राप्तियाँ	422051	–	–	422051	422051
(v) नकद और नकद समतुल्य	1112111	–	–	1112111	1112111
देयताएँ :					
(i) व्यापार देय	179722	–	–	179722	179722
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	146806	–	–	146806	146806
(iii) उधार	95000	–	–	95000	95000

(ख) 31 मार्च, 2016 तक प्रत्येक संवर्ग से वित्तीय साधन का रखाव मूल्य और उचित मूल्य निम्नानुसार था : **(रु. लाखों में)**

विवरण	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ देयताएँ	कुल रखाव मूल्य	कुल उचित मूल्य
परिसंपत्तियाँ :					
(i) निवेश	88640	–	–	88640	88640
(ii) कर्ज	15004	–	–	15004	15004
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	261013	–	–	261013	261013
(iv) व्यापार प्राप्तियाँ	483689	–	–	483689	483689
(v) नकद और नकद समतुल्य	1330343	–	–	1330343	1330343
देयताएँ :					
(i) व्यापार देय	215122	–	–	215122	215122
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	137426	–	–	137426	137426

(ग)वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं पर ब्याज आय/व्यय, लाभ/हानि :

विवरण	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष
(i) परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
– बैंक जमा राशि से ब्याज आय	89043	154857
– अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय	312	310
– वित्तीय परिसंपत्तियों के परिशोधन पर लाभ/हानि	254	7
(ii) परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ		
– वित्तीय देयताओं के परिशोधन पर लाभ/हानि	1074	7

3 **वित्तीय जोखिम और पूंजी प्रबंधन**

क) बाजार जोखिम

चूँकि रक्षा सेवाओं से प्राप्त / सेवाओं से कंपनी के महत्त्वपूर्ण राजस्व उपचित होते है, कंपनी को परिवर्तनशील बाजार स्थितियों के अनुरूप उजागर नहीं किया है ।

ख) साख जोखिम

कंपनी के ग्राहक मुख्यतः रक्षा सेवाओं नामतः भारतीय थल सेना, भारतीय नौ सेना तथा तटरक्षक हैं । कंपनी मूल्य संबंधी वार्ता करके रक्षा सेवाओं के साथ संविदाओं में उल्लिखित अग्रिम / उपलब्धि संबंधी भुगतानों के अनुसार धनराशि के आवधिक आगमन के कारण अपनी वित्तीय दायित्वों के निर्वहन का सुनिश्चयन करती है ।

ग) चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम में परिसंपत्ति और प्रचालन निधि की जोखिम शामिल है । ग्राहकों के साथ संविदा में अग्रिम / उल्लिखित शर्तों के अनुसार कार्योत्तर आधारित भुगतान से उत्पन्न आवधिक नकदी प्राप्ति के कारण इस तरह की जोखिम से कंपनी का सुरक्षोपाय किया जाता है ।

घ) प्रचालन जोखिम

कंपनी की जोखिम में प्रचालन विफलताएँ शामिल हैं, जैसे कि कुप्रबंधन अथवा तकनीकी विफलताएँ, जोखिम इत्यादि । कंपनी अपनी विभिन्न प्रक्रियाओं के भाग के रूप में सुशासन लाने में अपने कार्यों को दक्षतापूर्ण रूप से करने में सफल है । आगे बहु प्रभागीय कंपनी के होने के नाते, यूनिटें स्तर पर भी विफलता की स्थिति में प्रबंधन बचाव कर पाने में कंपनी समर्थ है ।

ङ.) कानूनी जोखिम

कंपनी सशक्त आंतरिक विधि विभागों द्वारा संविदा / विलेख की यथा संवीक्षा के पश्चात संविदा / व्यवसाय करते हैं । कंपनी की प्रचलित प्रणाली किसी ऐसे जोखिमों से बचाने के लिए कंपनी समर्थ है ।

4 निवेश के लिए लेखा से संबंधित आईएनडी एएस -109 के अनुसार, संयुक्त उद्यम कंपनियों से प्राप्त लाभांश को, जब लाभांश प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होता है, तब उन्हें मान्यता दी जाती है ।

5 आस्थगित कर देयताएँ और परिसंपत्तियों का विवरण निम्नवत हैं :

अ (क) 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के अवधि हेतु **(रु. लाखों में)**

विवरण	01.04.2016 तक प्रारम्भिक शेष	आय विवरण में परिवर्धन /(वापसी)	इक्विटी में मान्य परिवर्धन/(वापसी)	31.03.2017 तक अंतिम शेष
आस्थगित कर देयता				
चल मूर्त परिसंपत्तियाँ	12455	2026	-	14481
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	57751	8099	-	65850
विशेष टूल और उपकरण	129712	1726	-	131438
कुल	**199918**	**11851**	**-**	**211769**
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ				
उपचित छुट्टी वेतन	27318	866	-	28184
परिनिर्धारित क्षति, दुर्वह संविदा और वेतन संशोधन के लिए प्रावधान	90398	-2835	-	87563
सांविधिक भुगतान	727	-697	-	30
कुल	**118443**	**-2666**	**-**	**115777**
निवल आस्थगित कर देयता	**81475**	**14517**	**-**	**95992**

	(ख) 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की अवधि हेतु				(रु. लाखों में)
	विवरण	**01.04.2015 तक प्रारम्भिक शेष**	**आय विवरण में परिवर्धन /(वापसी)**	**इक्विटी में मान्य परिवर्धन/(वापसी)**	**31.03.2016 तक अंतिम शेष**
	आस्थगित कर देयताएँ				
	चल मूर्त परिसंपत्तियाँ	12879	-424	-	12455
	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	52758	4993	-	57751
	विशेष टूल और उपकरण	120330	9382	-	129712
	कुल	**185967**	**13951**	**-**	**199918**
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ				
	उपचित छुट्टी वेतन	25116	2202	-	27318
	परिनिर्धारित क्षति और दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान	93507	-3109	-	90398
	सांविधिक भुगतान	1266	-539	-	727
	कुल	**119889**	**-1446**	**-**	**118443**
	निवल आस्थगित कर देयता	**66078**	**15397**	**-**	**81475**

	विवरण	**31 मार्च 2017**	**31 मार्च 2016**
ब	कर पूर्व आय से सांविधिक आयकर दर को लागू कर आकलित की गई धनराशि के आय कर प्रावधान के समाधान को नीचे संक्षिप्त में प्रस्तुत किया है :		
	कर पूर्व लाभ	359189	321722
	अधिनियमित कर दरें	34.608%	34.608%
	अपेक्षित कर खर्च/(लाभ)	**124,308**	**111,341**
	प्रभाव :		
	कर उद्देश्य हेतु कटौती योग्य व्यय :		
	-धारा 35 के अधीन वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी व्यय	-15866	-16462
	-संयंत्र और मशीन के परिवर्धन हेतु कटौती (धारा 32एसी(1ए) एवं (1बी))	-1744	-1217
	-वारंटी, प्रतिस्थापन, संदिग्ध ऋण, दावे और सामग्रियाँ इत्यादि के लिए प्रावधान (निवल)	-2043	-
	कर उद्देश्य हेतु कटौतीरहित व्यय :		
		-	19616
	- सतत विकास एवं नैगम सामाजिक दायित्व	2259	1667
	- दीर्घकालीन निवेश की क्षति	42	510
	- अन्य कटौती रहित व्यय	1907	3329
	- आईएनडी एएस समायोजन पर कराधान प्रभाव	-11847	2466
	कर व्यय*	**97016**	**121250**

	(रु. लाखों में)		
	विवरण	**31 मार्च 2017**	**31 मार्च 2016**
6	✲ ओसीआई के प्रत्येक भाग से संबंधित आय कर की राशि:		
	परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन	322	356
	विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों के अंतरण में विनिमय विभेद	-	-2
7	आयकर प्राधिकारी ने संशोधन और विकास के प्रति भारत सरकार से प्राप्त अनुदान पर व्यय का मूल्यांकन वर्ष 2005-06 से 2007-08 तक और 2010-11 से 2014-15 तक के लिए विचार किया है । अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष कंपनी की अपील लंबित है । मूल्यांकन वर्ष 2015-16 के लिए भी जिसका मूल्यांकन लंबित हैं उनके लिए यही पद्धति अपनायी गई है		
8	कार्पोरेट कार्य मंत्रालय के दिनांक 16.05.2017 के पत्र के अनुसार, कंपनी के साथ यह संप्रेषण किया गया है कि आईएनडी एएस के अधीन रियायत का विस्तार करने के लिए -प्रचालन खंड, अधिसूचना का संशोधन संख्या 463 की आवश्यकता होगी। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 462 के निर्दिष्ट प्रक्रियाओं के अधीन, उल्लिखित संशोधन करने की अधिसूचना को संसद के समक्ष रखे जाने की आवश्यकता होगी । कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने आईएनडी एएस 108 के अनुप्रयोग से कंपनी को रियायत देने के लिए संबंधित अधिसूचना को संसद में प्रस्तुत करने हेतु कार्रवाई शुरू की है । उपरोक्त संदर्भ में, कंपनी द्वारा कोई भी प्रकटीकरण नहीं किया गया है जैसे कि आईएनडी एएस 108 के अधीन आवश्यक है ।		
9	**आईएनडी एएस से संबंधित प्रकटीकरण (पट्टे)**	**31 मार्च 2017**	**31 मार्च 2016**
	कंपनी के कार्यालय सुविधाएँ, कर्मचारियों हेतु निवासी परिसर इत्यादि के लिए विभिन्न प्रचालन पट्टे हैं, जो कि जिनका आवधिक आधार पर नवीनीकरण किया जाता है । वर्ष के दौरान पट्टों हेतु किराया व्यय लाभ और हानि के विवरण में इस तरह से है -		
	टिप्पणी 40	1292	1051
	टिप्पणी 43	252	254
10	व्यय को पीपीई के मद की रखाव राशि को उसके निर्माण के क्रम में मान्य किया है ।	-	-
11	उपदान और अर्जित छुट्टी हेतु प्रावधान को वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर बनाया गया है । वास्तविक मूल्यांकन की तिथि 31 मार्च, 2017 है । **कर्मचारी लाभ :** कंपनी ने कर्मचारी लाभ के लिए आईएनडी एएस -19 को अपनाया है । परिणामत: वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर देयता का लेखांकन किया है और उसे अल्पावधि/दीर्घावधि लाभ के रूप में मान्यता दी जा रही है :		
अ	**उपदान:** कंपनी की अपने कर्मचारियों के लिए एक उपदान योजना है, जो कि वित्तपोषित योजना है । कंपनी प्रत्येक वर्ष में निधि दायित्वों पर परिसंपत्तियों की कमी के विस्तार तक उपदान न्यास को निधि देती है, जो कि बीमांकिक मूल्यांकन से निश्चित की जाती है । उपदान योजना के अनुसार, कर्मचारी ने कंपनी में पाँच साल से अधिक सतत सेवा देने के बाद उसकी सेवासमाप्ति पर कर्मचारी को उपदान दिया जाता है । प्रत्येक पूर्ण वर्ष सेवा अथवा उसके छह महीनों से अधिक सेवा के लिए, कंपनी उसके कर्मचारियों को समस्त अधिकतम रु. 10 लाख (दस) के अधीन अंतिम बार निकाली गई परिलब्धियों के आधार पर 15 (पंद्रह) दिनों के दर से परिलब्धि दी जाएगी ।		

निम्नलिखित तालिकाएँ लाभ और हानि के विवरण में मान्य निवल लाभ खर्च और निधि पोषित स्थिति और बीमांकक के द्वारा दिए गए प्रकटीकरण रिपोर्ट में प्रस्तुत योजना के लिए तुलन पत्र में मान्य राशि को संक्षिप्त रूप में बताती हैं :

उपदान :

परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) का विश्लेषण:

मूल्यांकन तिथि तक परिभाषित लाभ देयता का भाग जिसका निवेश नहीं किया गया है और जिसे पूर्ण रूप से निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है :

(रु. लाखों में)

	समाप्त अवधि		
विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016	01 अप्रैल, 2015
असंबद्ध कर्मचारियों के संबंध में डीबीओ	1047	1028	965
संबद्ध कर्मचारियों के संबंध में डीबीओ	90496	88315	86650
कुल डीबीओ	**91543**	**89343**	**87615**

डीबीओ के धारक, जो कि भावी वेतन वृद्धि का कारण है, उसे निम्न तालिका में दर्शाया है : **(रु. लाखों में)**

	समाप्त अवधि		
विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016	01 अप्रैल, 2015
अनुमानित वेतन वृद्धि के प्रभाव से रहित	69089	69156	68596
वेतन वृद्धि में बढोत्तरी प्रभाव	22454	20187	19019
अनुमानित वेतन वृद्धि के साथ डीबीओ	91543	89343	87615

संवेदनशील विश्लेषण:

उपदान एक एकमुश्त योजना है और इस तरह के लाभ प्रदान करने की लागत सामान्य तौर पर जनसांख्यिकी धारणाओं में लघु परिवर्तनों पर कम संवेदनशील है। मुख्य बीमांकिक धारणाएँ जो कि लाभ देयता का परिणाम हैं। वे विशेष रूप से रियायती दर और भविष्यकालीन वेतन वृद्धि दर पर अस्थिर होती हैं। निम्नलिखित तालिका दर्ज परिभाषित लाभ दायित्व वृद्धि की वजह से दर्ज अवधि के अंत में निर्मित लाभ देयता अथवा दर्ज धारणा में 50 के आधार अंक की वृद्धि या कमी पर संवेदनशील प्रतिशत शर्तों में प्रभाव को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करता है।

	31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि	
विवरण	रियायत दर	वेतन वृद्धि दर
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की वृद्धि का प्रभाव	-4.04%	1.96%
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की कमी का प्रभाव	4.38%	-2.09%

	31 मार्च, 2016 को समाप्त अवधि	
विवरण	रियायत दर	वेतन वृद्धि दर
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की वृद्धि का प्रभाव	-3.84%	1.96%
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की कमी का प्रभाव	4.16%	-2.05%

	01 अप्रैल, 2015 को समाप्ति अवधि	
विवरण	रियायत दर	वेतन वृद्धि दर
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की वृद्धि का प्रभाव	-3.70%	2.02%
डीबीओ पर 50 के आधार अंकों की कमी का प्रभाव	4.03%	-2.05%

इन संवेदनाशीलताओं को अलग से डीबीओ में होते हुए परिवर्तन को दिखाने हेतु परिकलित किया गया है और यह माना गया है कि लेखांकन तिथि पर बाजार स्थितियों में कोई अन्य परिवर्तन नहीं है। पद्धतियों में और संवेदनशील विश्लेषण करते समय प्रयुक्त की गई धारणाओं में पूर्व की अवधि से कोई भी परिवर्तन नहीं है।

अनुमानित योजना नकद प्रवाह			(रु. लाखों में)
परिपक्वता अवधि – विवरण	**31 मार्च, 2017**	**31 मार्च,2016**	**01 अप्रैल, 2015**
1 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	13921	15330	16312
2 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	9543	9424	8932
3 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	9658	9146	9200
4 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	9582	9230	8880
5 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	9714	9156	8872
6 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	8695	9245	8723
7 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	7001	8163	8833
8 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	5853	6503	7811
9 वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ	4733	5401	6148
10 वर्ष और उसके अधिक के लिए अपेक्षित लाभ	140598	130822	123511
कुल	**219298**	**212420**	**207222**
इन नकद प्रवाह के भुगतान भारित औसत अवधि इस तरह से है	8.41 वर्ष	7.99 वर्ष	7.72 वर्ष

तुलन पत्र में मान्य राशि :			**(रु. लाखों में)**
विवरण	**31 मार्च, 2017**	**31 मार्च,2016**	**01 अप्रैल, 2015**
निधि पोषित परिभाषित लाभ संबंधी दायित्व का वर्तमान मूल्य	91543	89343	87615
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	89204	86321	74945
निवल निधि पोषित दायित्व	2339	3022	12669
तुलन पत्र में मान्य निवल परिभाषित लाभ देयता /(परिसंपत्ति)	2339	3022	12669
निवल परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) को निम्न रूप में पृथक किया है :			
गैर–चालू	2339	3022	12669
लाभ और हानि के विवरण में मान्य राशि :			
विवरण	**31 मार्च, 2017**	**31 मार्च,2016**	**01 अप्रैल, 2015**
चालू सेवा लागत	3149	3163	2747
निवल परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर ब्याज	120	888	71
निपटान संबंधी लाभ / हानियाँ	–	–	–
लाभ और हानि के विवरण में प्रभारित कुल व्यय	**3269**	**4051**	**2818**
अन्य विस्तृत आय में मान्य राशि :			
विवरण	**31 मार्च, 2017**	**31 मार्च,2016**	**01 अप्रैल, 2015**
लाभ और हानि के विवरण के बाहर ओसीआई में मान्य प्रारंभिक धनराशि	8823	9852	
वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन			
उक्त अवधि के दौरान पुनः मापन के कारण	1141	708	6561
अनुभव समायोजन	-348	695	4999
योजना परिसंपत्ति संबंधी वास्तविक विवरणी में से योजना परिसंपत्ति ब्याज को घटाने पर	-1723	-2432	-1708
लाभ – हानि विवरण के अलावा ओसीआई में मान्य अंतिम राशि	**7893**	**8823**	**9852**

निवल देयता / परिसंपत्ति का समाधान :

कंपनी के तुलन पत्र में यथामान्य लेखावधि के प्रारंभ से अंत तक निवल देयता / परिसंपत्ति का संचलन को निम्न रूप से दर्शाया है : **(रु. लाखों में)**

विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च,2016	01 अप्रैल, 2015
प्रारंभिक निवल परिभाषित लाभ देयता / (परिसंपत्ति)	3022	12669	2292
लाभ और हानि लेखा पर प्रभारित व्यय	3269	4051	2818
लाभ और हानि लेखा के अलावा मान्य राशि	-930	-1029	9852
कर्मचारी अंशदान	-3022	-12669	-2293
अनुमानित देयता अथवा (निपटायी गयी) का प्रभाव*	0	0	
अंतिम निवल परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति)	**2339**	**3022**	**12669**

लाभ दायित्वों में संचलन :

विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च,2016	01 अप्रैल, 2015
परिभाषित लाभ दायित्व की प्रारम्भिक धनराशि	89343	87615	76426
चालू सेवा लागत	3149	3163	2747
विगत सेवा लागत	-	-	
परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज	6412	6317	6173
पुनः मापन के कारक :			
वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से बढ़ी बीमांकिक हानि / (लाभ)	1141	708	6561
जनसांख्यिक धारणाओं में परिवर्तन से बढ़ी बीमांकिक हानि / (लाभ)	-	-	
अनुभव परिवर्तनों के कारण बढ़े बीमांकिक हानि / (लाभ)	-348	696	4999
भुगतान किया गया लाभ	-8154	-9156	-9291
मानी गयी / (निपटान की गयी) देयताएँ*	-	-	
निपटान पर समाप्त देयताएँ	-	-	
परिभाषित लाभ दायित्व की अंतिम धनराशि	**91543**	**89343**	**87615**

योजना परिसंपत्तियों में संचलन:
अंतर मूल्यांकन अवधि के दौरान योजना परिसंपत्तियों का समाधान निम्नवत है :

विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च,2016	01 अप्रैल, 2015
योजना परिसंपत्तियों का प्रारम्भिक उचित मूल्य	86321	74946	74134
नियोक्ता अंशदान	3022	12669	2293
योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज	6292	5429	6102
प्रशासन व्यय	-	-	-
पुन:मापन के कारक :			
योजना परिसंपत्ति संबंधी वास्तविक विवरणी में से योजना परिसंपत्ति ब्याज को घटाने पर	1723	2432	1708
भुगतान किया गया लाभ	-8154	-9156	-9291
अर्जित / (निपटायी की गयी) परिसंपत्ति*	-	-	-
निपटान पर वितरित परिसंपत्तियाँ	-	-	-
योजना परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**89204**	**86321**	**74946**
*व्यापार संयोजन अथवा अंतर समूह अंतरण की वजह से			

भिन्न भिन्न किस्म की योजना परिसंपत्तियाँ **(रु. लाखों में)**

	31-03-2017 को समाप्त अवधि		
	उद्धृत मूल्य	**नॉन कोटेड वैल्यू**	**कुल**
संपत्ति	-	-	-
सरकारी ऋण लिखत	-	2913	2913
अन्य ऋण लिखत	-	-	-
संस्था का इक्विटी लिखत	-	-	-
बीमाकर्ता प्रबंधित निधि	-	86117	86117
अन्य	-	174	174
	-	**89204**	**89204**

	31-03-2016 को समाप्त अवधि		
	उद्धृत मूल्य	**नॉन कोटेड वैल्यू**	**कुल**
संपत्ति	-	-	-
सरकारी ऋण लिखत	-	3463	3463
अन्य ऋण लिखत	-	-	-
संस्था का इक्विटी लिखत	-	-	-
बीमाकर्ता प्रबंधित निधि	-	82644	82644
अन्य	-	214	214
	-	**86321**	**86321**

	01-04-2015 को समाप्त अवधि		
	उद्धृत मूल्य	**नॉन कोटेड वैल्यू**	**कुल**
संपत्ति	-	-	-
सरकारी ऋण लिखत	-	4018	4018
अन्य ऋण लिखत	-	-	-
संस्था का इक्विटी लिखत	-	-	-
बीमाकर्ता प्रबंधित निधि	-	70676	70676
अन्य	-	251	251
	-	**74945**	**74945**

		31 मार्च, 2017	31 मार्च,2016	01 अप्रैल, 2015
क	**प्रमुख धारणाएँ :**			
	बट्टा दर (प्रति वर्ष)	7.70%	7.85%	7.95%
	वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष)	6.00%	6.00%	6.00%
ख	**अर्जित छुट्टी**			
	31 मार्च, को कंपनी के कर्मचारी की अर्जित छुट्टी की वास्तविक देयता	81437	78935	72573
	बट्टा दर	7.70%	7.85%	7.95%
	वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%	6.00%
	सेवानिवृत्ति आयु	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
ग	**भविष्य निधि**			
	अवधि के दौरान, कंपनी ने लाभ और हानि लेखा की निम्नलिखित राशि को मान्य किया है ।			
	परिभाषित अंशदान योजना			
	भविष्य निधि और परिवार पेंशन का अंशदान	19785	21095	–
घ	**पेंशन और चिकित्सा**			
	अवधि के दौरान, कंपनी ने लाभ और हानि लेखा की निम्नलिखित राशि को मान्य किया है ।			
	परिभाषित अंशदान योजना			
	पेंशन पर अंशदान	10033	9797	–
	चिकित्सा पर अंशदान	10112	12470	–

ङ.) निम्नलिखित तालिका बीमांकक: मार्च 2017 (आईएनडी एएस 19) द्वारा प्रदान किए गए प्रकटीकरण रिपोर्ट को संक्षिप्त रूप में बताती है ।

(रु. लाखों में)

नियोक्ता का भविष्य निधि न्यास*	एचएएल (बें.कां)	नाशिक	कोरापुट	हैदराबाद	लखनऊ	कोरवा	कानपुर	मुख्यालय
आंकड़ों का सारांश:								
मूल्यांकन तिथि पर भविष्य निधि का संचित मूल्य	151951	73649	62039	26674	59328	28411	22658	7423
मूल्यांकन तिथि पर अतिरिक्त/(कमी/घाटा) लेखा का मूल्य	2758	870	1039	635	113	28	60	113
निवेश का औसत अवधि	7.24	6.21	7.31	7.18	4.75	5.22	8.00	6.77
तुलन पत्र में मान्य की जाने योग्य राशि:								
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	151951	73649	62039	26674	59328	28411	22658	7423
वर्ष के अंत में नियोजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	151951	73649	62039	26674	59328	28411	22658	7423
निवल देयता	-	-	-	-	-	-	-	-
परिसंपत्ति सूचना:								
संपत्ति	-	-	-	-	-	-	-	-
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	139330	61254	25011	22193	23087	24784	20966	5301
उच्च गुणवत्ता निगमित बंधपत्र/अन्य ऋण साधन	-	-	20474	-	23815	-	-	1804
विशेष जमा योजना								
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	-	-	-	436	790	-	496	-
बीमाकर्ता के साथ निवेश	-	-	-	-	-	-	-	-
एचएएल को देय	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	12621	12395	16554	4045	11636	3627	1196	318
कुल	**151951**	**73649**	**62039**	**26674**	**59328**	**28411**	**22658**	**7423**
प्रमुख बीमांकिक धारणाओ का सारांश:								
बट्टे दर (प्रति वर्ष)	7.70%	7.70%	7.70%	7.70%	7.70%	7.70%	7.70%	7.70%
परिसंपत्तियों पर भविष्यकालीन व्युत्पन्न प्रतिलाभ (प्रति वर्ष)	9.96%	9.98%	8.78%	10.18%	9.70%	10.08%	9.84%	9.66%
निवेश की परिपक्वता से शेष शर्त के लिए रियायत दर (प्रति वर्ष)	7.14%	6.88%	7.15%	7.13%	6.83%	6.74%	7.21%	7.03%
निवेश पर औसत ऐतिहासिक उपज (प्रति वर्ष)	9.40%	9.16%	8.23%	9.61%	8.83%	9.12%	9.35%	8.99%
प्रतिलाभ की गारंटी दर (प्रति वर्ष)	8.65%	8.65%	8.65%	8.65%	8.65%	8.65%	8.65%	8.65%

*यदि कर्मचारी का अंतर-विभागीय स्थानांतरण होता है, तब कर्मचारी के न्यास खाते की साख पर स्थायी राशि को कर्मचारी की जिस विभाग में नियुक्ति की जाती है, उसके न्यास में अंतरित की जाती है ।

ङ.) निम्नलिखित तालिका बीमांकक: मार्च 2016 (आईएनडी एएस 19) द्वारा प्रदान किए गए प्रकटीकरण रिपोर्ट को संक्षिप्त रूप में बताती है ।

(रु. लाखों में)

नियोक्ता का भविष्य निधि न्यास*	एचएएल (बें.कां)	नाशिक	कोरापुट	हैदराबाद	लखनऊ	कोरवा	कानपुर	मुख्यालय
आंकड़ों का सारांश:								
मूल्यांकन तिथि पर भविष्य निधि का संचित मूल्य	127652	66463	52249	24487	58110	26060	20819	6846
मूल्यांकन तिथि पर अतिरिक्त/(कमी/घाटा) लेखा का मूल्य	2052	801	696	485	97	61	60	88
निवेश का औसत अवधि	7.55	6.8	8.65	6.17	4.72	4.75	8.00	5.80
तुलन पत्र में मान्य की जाने योग्य राशि:								
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	127652	66463	53353	24487	58110	26060	20819	6846
वर्ष के अंत में नियोजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	127652	66463	52249	24487	58110	26060	20819	6846
निवल देयता	-	-	1104	-	-	-	-	-
परिसंपत्ति सूचना: :								
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	78163	24150	21763	11005	23587	15657	9419	4641
उच्च गुणवत्ता निगमित बंधपत्र/अन्य ऋण साधन	28388	24128	17872	9120	21420	700	8735	1366
विशेष जमा योजना	14980	9295	6853	507	5900	1585	1548	375
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	1423	-	-	254	140	-	215	-
बीमाकर्ता के साथ निवेश	-	-	-	-	-	-	-	-
एचएएल को देय	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	**4698**	**8890**	**5761**	**3601**	**7063**	**8118**	**902**	**464**
कुल	**127652**	**66463**	**52249**	**24487**	**58110**	**26060**	**20819**	**6846**
प्रमुख बीमांकिक धारणाओ का सारांश:								
बट्टे दर (प्रति वर्ष)	7.85%	7.85%	7.85%	7.85%	7.85%	7.85%	7.85%	7.85%
परिसंपत्तियों पर भविष्यकालीन व्युत्पन्न प्रतिलाभ (प्रति वर्ष)	9.61%	9.28%	8.25%	9.48%	9.14%	9.43%	9.16%	9.01%
निवेश की परिपक्वता से शेष शर्त के लिए रियायत दर (प्रति वर्ष)	7.77%	7.81%	7.86%	7.84%	7.61%	7.65%	7.77%	7.82%
निवेश पर औसत ऐतिहासिक प्रतिफल (प्रति वर्ष)	9.53%	9.24%	8.26%	9.47%	8.90%	9.23%	9.08%	8.98%
प्रतिलाभ की गारंटी दर (प्रति वर्ष)	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%

*यदि कर्मचारी का अंतर-विभागीय स्थानांतरण होता है, तब कर्मचारी के न्यास खाते की साख पर स्थायी राशि को कर्मचारी की जिस विभाग में नियुक्ति की जाती है, उसके न्यास में अंतरित की जाती है ।

ङ.) निम्नलिखित तालिका बीमांकक: मार्च 2015 (आईएनडी एएस 19) द्वारा प्रदान किए गए प्रकटीकरण रिपोर्ट को संक्षिप्त रूप में बताती है ।

(रु. लाखों में)

नियोक्ता का भविष्य निधि न्यास*	एचएएल (बें.कां)	नाशिक	कोरापुट	हैदराबाद	लखनऊ	कोरवा	कानपुर	मुख्यालय
आंकड़ों का सारांश:								
मूल्यांकन तिथि पर भविष्य निधि का संचित मूल्य	113839	55355	48103	22314	55095	23063	18789	6071
मूल्यांकन तिथि पर अतिरिक्त/(कमी/घाटा) लेखा का मूल्य	1852	834	655	485	125	100	55	74
निवेश का औसत अवधि	7.21	7.09	8	6.62	4.8	4.1	6.50	4.64
तुलन पत्र में मान्य की जाने योग्य राशि:								
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	113839	55355	48842	22314	55095	23063	18947	6071
वर्ष के अंत में नियोजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	113839	55355	48103	22314	55095	23063	18789	6071
निवल देयता	–	–	739	–	–	–	158	–
परिसंपत्ति सूचना:								
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–	–	–	–	–	–	–
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	54540	19699	19515	8940	15510	18479	8128	3230
उच्च गुणवत्ता निगमित बंधपत्र/अन्य ऋण साधन	42201	18625	15593	10130	18693	1585	7952	2128
विशेष जमा योजना	14980	9295	6853	507	5900		1548	375
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	–	–	–	–	700	–	–	–
बीमाकर्ता के साथ निवेश	–	–	–	–	–	–	–	–
एचएएल को देय	–	–	–	–	–	–	–	–
अन्य	2118	7736	6142	2737	14292	2999	1161	338
कुल	**113839**	**55355**	**48103**	**22314**	**55095**	**23063**	**18789**	**6071**
प्रमुख बीमांकिक धारणाओ का सारांश:								
रियायत दर (प्रति वर्ष)	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%
परिसंपत्तियों पर भविष्यकालीन व्युत्पन्न प्रतिलाभ (प्रति वर्ष)	9.69%	9.23%	8.33%	9.83%	8.92%	9.28%	8.59%	8.99%
निवेश की परिपक्वता से शेष शर्त के लिए रियायत दर (प्रति वर्ष)	7.97%	7.98%	7.98%	8.02%	7.88%	7.90%	8.03%	7.88%
निवेश पर औसत ऐतिहासिक उपज (प्रति वर्ष)	9.71%	9.26%	8.36%	9.90%	8.85%	9.23%	8.67%	8.92%
प्रतिलाभ का गारंटी दर (प्रति वर्ष)	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%	8.75%

*यदि कर्मचारी का अंतर-विभागीय स्थानांतरण होता है, तब कर्मचारी के न्यास खाते की क्रेडिट पर स्थायी राशि को, कर्मचारी की जिस विभाग में नियुक्ति की जाती है, उसके न्यास में अंतरित की जाती है ।

क्र.सं	अनिवार्य प्रकटीकरण
11च	केंद्र सरकार द्वारा गठित तृतीय वेतन संशोधन समिति (पीआरसी) की सिफ़ारिशों के अनुसार, 01 जनवरी, 2017 से लागू संशोधित वेतनमान कंपनी के कर्मचारी को देय है । कंपनी ने अनुमान के आधार पर रु. 14100 लाख का प्रावधान बनाया है ।
12अ	पेंशन सीपीएसई के कार्यकारियों को 1.1.07 से लागू संशोधित वेतन संरचना के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पंक्तियों में तथा 1.1.07 से सेवानिवृत कार्यकारियों के संबंध में, निर्देशक मण्डल और रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के स्वीकृत अनुमोदन के अनुसार सुस्पष्ट पेंशन योगदान योजना को कंपनी ने 16.7.14 को अधिसूचित किया था । 1.1.12 से सेवानिवृत कर्मचारियों के संबंध में सुस्पष्ट योगदान पेंशन योजना को अधिसूचित किया था, जो कि 1.1.12 से लागू कर्मचारियों के वेतन संशोधन का सहमत भाग था । प्रबंधन द्वारा उपर्युक्त योजनाओं को कोष में योगदान वर्ष दर वर्ष अलग–अलग हो सकता है क्योंकि यह कंपनी द्वारा निर्मित लाभ, वहनीयता, चिरस्थायितता पर निर्भर करता है। इस योजना का प्रबंध विधिवत रूप से गठित न्यास द्वारा किया जाता है ।
12ब	सेवानिवृति पश्चात सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजनाए सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पंक्ति में तथा निर्देशक मण्डल और रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के स्वीकृत अनुमोदन के अनुसार (क) 1.1.07 के पूर्व सेवनिवृत कर्मचारियों (अधिकारियों और कार्मिकों) अथवा (ख) 1.1.07 को अथवा उसके पश्चात सेवानिवृत कार्यकारियों के संबंध में सेवानिवृति पश्चात सामूहिक स्वास्थ्य योजनाओं को 1.2.14 से शुरू किया गया था । कंपनी में 1.1.07 के पश्चात कंपनी के सेवानिवृत कार्मिकों इत्यादि की सेवानिवृति पश्चात सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना को 1.2.15 से शुरू किया गया है, जो कि 1.2.12 से लागू कार्मिकों के वेतन संशोधन का सहमत भाग है । प्रबंधन द्वारा उपर्युक्त योजनाओं को कोष में योगदान वर्ष दर वर्ष अलग–अलग हो सकता है क्योंकि यह कंपनी द्वारा निर्मित लाभ, वहनीयता, चिरस्थायितता पर निर्भर करता है । इस योजना का प्रबंध विधिवत रूप से गठित न्यास द्वारा किया जाता है ।
13	आईएनडी एएस–21 का संबंध विदेश विनिमय दर में बदलाओं के परिणाम हेतु लेखांकन से होता है,

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
	(अ) पूँजीगत परिसंपत्तियों के प्रति लाभ और हानि के विवरण में मान्य विनिमय दर बदलाव	42	62

(ब)	जब कभी, रूसी परिसंघ को भुगतान हेतु आस्थगित ऋण के संबंध में किश्ते देय हो जाती हैं, तो वास्तविक भुगतान एवं प्रत्यक्ष प्रदान की गई देयता की तारीख के आधार पर विनिमय दर का उपयोग कर उसका भुगतान किया जाता है । लागू/नियमन दर पर ऋणों के पुन: आकलन के कारण बढ़े अंतरों को भुगतान के समय में राजस्व के अंतर्गत प्राप्त कर लिया जाता है तथा जब पूंजीगत परिसंपत्तियों से संबंधित सीमा के अतिरिक्त ग्राहक से प्राप्त होने पर उसे बिक्री के रूप में मान्यता प्रदान कर दी जाती है । चालू वर्ष के लिए मान्य विनिमय दर अंतर हेतु बिक्री रु. 4488 लाख (विगत वर्ष 3887 लाख) रही है । गैर चालू अन्य वित्तीय परिसंपत्ति, चालू अन्य वित्तीय परिसंपत्ति (एक वर्ष के अंदर वसूली योग्य), गैर चालू अन्य वित्तीय देयताएँ तथा चालू अन्य वित्तीय देयताएँ (एक वर्ष के अंदर निपटान योग्य) के अधीन प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को आस्थगित क्रेडिट संव्यवहार संबंधी परिसंपत्ति तथा देयताओं को पुन:नियोजित कर दिया जाता है ।

14. संबंधित संस्थाओं के प्रकटीकरण पर आईएनडी-एएस 24 से संबद्ध प्रकटीकरण

(रु. लाखों में)

(क)	लेन-देन से संबंधित संस्था का नाम	मेसर्स इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	मेसर्स बीएई एचएएल साफ्टवेयर लिमिटेड	मेसर्स स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइ-वेट लिमिटेड	मेसर्स सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लिमिटेड	मेसर्स एचएएल-एजवुड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स इंफोटेक एचएएल लिमिटेड	मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलाजीज लिमिटेड	मेसर्स इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्यूफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	मेसर्स एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल कौंसिल	हेलिकॉप्टर इंजिन्स एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स नैनी एरोस्पेस लिमिटेड
(ख)	पक्षों के बीच के संबंध का विवरण	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	सहायक कंपनी
(ग)	लेनदेन के स्वरूप का विवरण	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेवाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेव-ाओं की खरीद और विक्रय	सामग्रियों और सेव-ाओं की खरीद और विक्रय
(घ)	लेन देन की मात्रा या तो राशि के रूप में या माल एवं सेवाओं के संबंध में खरीद समुचित अनुपात के रूप में	9784	933	-	2065	24	358	132	5	151	-	-	-	-	-
	(विगत वर्ष)	(7329)	(873)	-	(3970)	(79)	(13066)	(141)	(6)	(554)	-	-	-	-	-
	लेन देन की मात्रा या तो राशि के रूप में या माल एवं सेवाओं के संबंध में बिक्री समुचित अनुपात के रूप में	1482	-	-	-	-	-	-	10	-	321	-	-	-	-
	(विगत वर्ष)	(895)	-	-	-	-	-	-	(1)	-	(501)	-	-	-	-

(क)	लेन-देन से संबंधित संस्था का नाम	मेसर्स इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	मेसर्स बीएई एचएएल साफ्टवेयर लिमिटेड	मेसर्स स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइ-वेट लिमिटेड	मेसर्स सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लिमिटेड	मेसर्स एचएएल-एजवुड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स इंफोटेक एचएएल लिमिटेड	मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलाजीज लिमिटेड	मेसर्स इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्यूफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	मेसर्स एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल कौंसिल	हेलिकॉप्टर इंजिन्स एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स नैनी एरोस्पेस लिमिटेड
(ङ)	माल एवं सेवाओं की खरीद के संबंध में तुलन पत्र की तारीख पर संबंधित पार्टियों की बकाया मदों की धनराशि अथवा समुचित अनुपात	3946	373	–	16	121	3431	17	–	239	–	–	–	–	–
	(विगत वर्ष)	(2661)	(366)	–	(56)	(97)	(3866)	(4)	(4)	(279)	–	–	–	–	–
	माल एवं सेवाओं की खरीद के संबंध में तुलन पत्र की तारीख पर संबंधित पार्टियों की बकाया मदों की धनराशि अथवा समुचित अनुपात	–	17	–	–	364	44	–	407	–	413	4	–	44	2
	(विगत वर्ष)	(901)	(105)	–	–	(328)	(50)	–	(345)	–	(877)	(8)	–	–	–
(च)	किराया	3	280	–	–	32	48	–	53	–	145	20	–	–	–
	(विगत वर्ष)	(2)	(189)	–	–	(32)	(49)	–	(53)	–	(136)	(18)	–	–	–
(छ)	दि.31.03.2017 को माल एवं सेवाओं की बिक्री के संबंध में बकाया राशि	5	27	1	–	43	14	–	–	–	–	–	–	–	–
	(विगत वर्ष)	(2)	(27)	(1)	(237)	(49)	(101)	–	–	–	–	–	–	–	–
	दि.31.03.2017 को माल एवं सेवाओं की बिक्री के संबंध में बकाया राशि	–	–	–	–	–	–	–	448	–	–	180	–	–	–
	(विगत वर्ष)	–	–	–	–	–	–	–	(448)	–	–	(2685)	–	–	–

(ज)	ब्याज	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–
	(विगत वर्ष)	–	–	–	–	–	–	–	(41)	–	–	–	–	–	–
(झ)	निवेशों पर लाभांश	244	15	46	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	(विगत वर्ष)	(155)	(44)	(23)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–

✼ कोष्ठक की संख्या विगत वर्ष से संबद्ध है।

कंपनी द्वारा प्रकटीकृत राशि में अंतर तथा संयुक्त उद्यम विभिन्न लेखा नीतियों तथा समाधान मदों को अपनाया जाना शेष है ।

संयुक्त उद्यमों में कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक इस प्रकार हैं :

श्री टी.सुवर्णा राजु – अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री वी. एम. चमोला – निदेशक (मा.सं)

श्री एस. सुब्रह्मण्यम –निदेशक (प्रचालन)

श्री डी.के. वेंकटेश– निदेशक –इंजी. व अनु. एवं वि.

श्री सी वी रमणा राव– निदेशक(वित्त) एवं सीएफओ

डॉ. ए.के.मिश्रा – निदेशक (वित्त) 31.01.2016 तक

उपरोक्त प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों द्वारा इन संयुक्त उद्यमों से लिया गया अनुलब्धियों सहित कुल वेतन शून्य है ।

15. इंडो रशियन हेलिकॉप्टर्स लिमिटेड (संयुक्त उद्यम) को एचएएल का 50.5% शेयर, रशियन हेलिकॉप्टर्स का 42% शेयर और रोसोबोरॉन एक्स्पोर्ट्स का 7.5% शेयर के व्यवस्थापन के साथ केए 226 टी हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति तथा विनिर्माण के लिए दि. 02.05.2017 को शामिल किया गया है।

16. कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक **(रु. लाखों में)**

	विवरण	31 मार्च 2017			31 मार्च 2016		
		वेतन	भ.नि/उपदान* के लिए कंपनी का योगदान	कुल	वेतन	भ.नि/उपदान* के लिए कंपनी का योगदान	कुल
1	श्री टी सुवर्ण राजु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	41	3	44	33	3	36
2	श्री वी.एम.चमोला, निदेशक (मा.सं)	44	3	47	33	2	35
3	श्री.एस.सुब्रमण्यम, निदेशक (ऑपरेशन)	46	3	49	31	3	34
4	श्री डी.के.वेंकटेश, निदेशक – अभियांत्रिकी	32	2	34	8	1	9
5	श्री सी.वी. रमणा राव, निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी	30	3	33	2	–	2
6	श्री.जी.वी. शेषा रेड्डी (कंपनी सचिव)	16	1	17	10	1	11
7	डॉ.ए.के.मिश्रा ****	–	–	–	33	15	48
8	श्री अशोक टंडन (कंपनी सचिव) *****	–	–	–	13	14	27
	* चूँकि इसकी पात्रता मात्र अधिवर्षिता होने पर ही है, अतः भविष्य निधि के प्रति कंपनी के अंशदान को इसमें सम्मिलित नहीं किया गया है। **** डॉ.ए.के.मिश्रा अधिवर्षिता पर दि.31.01.2016 को सेवा निवृत्त हुए। ***** श्री अशोक टंडन अधिवर्षिता पर दि 30.04.2015 को सेवा निवृत्त हुए।						

17. ओसीआई में परिवर्तनों की भिन्नताओं को निम्न रूप से दर्शाया जाता है :

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान **(रु. लाखों में)**

विवरण	01.04.2016 तक प्रारंभिक शेष	परिवर्धन	वापसी	31.03.2017 तक अंतिम शेष
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों से निर्मित लाभ और हानियाँ	-3	1	–	-2
सुपष्ट लाभ योजना (उपदान) पर पुनर्निर्मित लाभ/हानियाँ	-5831	608	–	-5223
कुल	**-5834**	**609**	**–**	**-5225**

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान

विवरण	01.04.2015 तक प्रारंभिक शेष	परिवर्धन	वापसी	31.03.2016 तक अंतिम शेष
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों से निर्मित लाभ और हानियाँ	–	–	–	-3
सुपष्ट लाभ योजना (उपदान) पर पुनर्निर्मित लाभ/हानियाँ	-6503	673	–	-5831
कुल	**-6503**	**673**	**-3**	**-5834**

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
18	**प्रति शेयर आय (मूल और मिश्रित) से संबंधित आईएनडी एएस-33 के अनुसार-**		
	कर पूर्व लाभ	358258	320697
	कराधान पूर्व प्रावधान	96695	120892
	कर पश्चात सकल लाभ	261563	199805
	प्रत्येक पूर्ण रूप से प्रदत्त 10 रु. के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर की भारित औसत शेयर संख्या –	361500000	482000000
	प्रति शेयर पर उपार्जित (रुपयों में) – मूल और मिश्रित	72.35	41.45*
	*कंपनी ने 30 मार्च 2016 को प्रत्येक रु. 10/- के 12,05,00,000 साम्या शेयरों की पुनः खरीद की । उक्त अवधि हेतु 48,20,00,000 साम्या शेयरों तक के निवल लाभ या हानि से विभाजित कर प्रति शेयर आय की गणना की गई । चूँकि, इसके मूल्य में कोई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन नहीं रहा है, अतः आय प्रति शेयर की गणना की उद्देश्य से पुनः खरीद के प्रभाव पर विचार नहीं किया गया है ।		
19	आईएनडी एएस-36 के अनुसार, परिसंपत्तियों की क्षति, लेखा पुस्तिका में मान्य क्षतियों पर हानि इस तरह से है	3210	1004

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016	01 अप्रैल, 2015
20	क्रेडिट और गारंटी के आउटस्टैंडिंग लेटर्स के लिए			
	प्रदान नहीं की गई आकस्मिक देयताएँ			
	(क) साख पत्र	106350	93719	158925
	संघीय बैंकर से प्राप्त रु.205000 लाख (विगत वर्ष रु. 250000 लाख) की गैर निधि आधारित सीमाओं को इन्वेंट्री तथा सभी प्राप्यों को दृष्टिबंधक रूप में प्रतिभूत किया जाता है। रु.205000 लाख (विगत वर्ष रु. 250000 लाख) की कुल संस्वीकृत सीमाएँ संघीय बैंक तथा निधि आधारित व गैर-निधि आधारित सीमाओं के बीच परिवर्तनशील है ।			
	(ख) निष्पादन के लिए कंपनी द्वारा दिए गए क्षतिपूर्ति बंधपत्र	593732	513754	503526
	(ग) कंपनी द्वारा दी गई निष्पादन गारंटी	7465	9775	14221
	(घ) कंपनी के विरुद्ध ऋण (सकल) के रूप में अभिस्वीकृत नहीं किए गए दावें/माँग			
	(i) विक्री कर/ प्रवेश कर (खंड 42(ख) का संदर्भ लें)	669536	623406	227265
	(ii) आय कर	176959	200680	184107
	(iii) नगरपालिका कर	4057	7144	-
	(iv) सेवा कर (खंड 42(ख) का संदर्भ लें)	51503	78849	64444
	(v) सीमा शुल्क	23569	23569	23569
	(vi) अन्य	10723	11270	11661
	उप कुल	**936347**	**944918**	**511046**
21	**प्रतिबद्धताएँ**			
	निष्पादित की जाने योग्य शेष संविदाओं के लिए और निम्न के लिए प्रदान नहीं की गई अनुमानित राशि :			
	i) पूँजीगत लेखा पर	126131	110557	92918
	ii) माल और सेवाओं की खरीद हेतु	947278	773917	1008986
	कुल	**1073409**	**884474**	**1101904**

22. प्रावधान, आकस्मिक देयता और आकस्मिक परिसंपत्तियों से संबंधित आईएनडी 37 के अनुसार – लेखा बही में प्रावधानों का संचलन निम्न प्रकार से है

(रु. लाखों में)

	प्रावधान का स्वरूप	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान बनाए गए प्रावधान	वर्ष के दौरान उपयोग	वर्ष के दौरान वापसी	अंतिम शेष
(क)	प्रतिस्थापन और अन्य प्रभारों के लिए प्रावधान	95805	24216	22704	8627	88690
	(विगत वर्ष)	(66276)	(32315)	(2545)	(241)	(95805)
(ख)	वारंटी प्रभारों के लिए प्रावधान	66034	8394	4162	16376	53890
	(विगत वर्ष)	(61448)	(15005)	(4378)	(6041)	(66034)
(ग)	कच्चा माल और भागों, भंडारों और पुर्जों, निर्माण सामग्री और निर्माण सामग्री और खुले (डीश) औजारों की प्रचुरता के लिए प्रावधान	61886	10011	(0)	1817	70080
	(विगत वर्ष)	(60125)	(7345)	–	(5584)	(61886)
(घ)	परिनिर्धारित क्षति के लिए प्रावधान	150736	30877	53111	–	128502
	(विगत वर्ष)	(159720)	(34986)	(43970)	–	(150736)
(ङ)	संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	11066	4530	36	1307	14253
	(विगत वर्ष)	(1163)	(9903)	–	–	(11066)
(च)	दावों के लिए प्रावधान	11903	3036	236	828	13875
	(विगत वर्ष)	(7868)	(4086)	(0)	(52)	(11903)
(छ)	निवेश के मूल्य में क्षति	6462	123	–	–	6585
	(विगत वर्ष)	(4990)	(1472)	–	–	(6462)
(ज)	दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान	110469	–	–	–	110469
	(विगत वर्ष)	(110469)	–	–	–	(110469)

*कोष्ठक के आंकड़े विगत वर्ष से संबद्ध हैं ।

प्रतिस्थापन और अन्य प्रभारों का प्रावधान, सिग्नलिंग आऊट सर्टिफिकेट (एसओसी) की तिथि से फेरी आऊट की तिथि तक किया गया व्यय, ग्राहकों से लिए गए ऋण मदों आदि को दर्शाता है, जिनका प्रतिस्थापन किया जाना आवश्यक है।

वारंटी, एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर/इंजिन्स/रोटेबल्स के निर्माण, मरम्मत और ओवरहॉल, पुर्जों की आपूर्ति और विकास गतिविधियों आदि के लिए निष्पादन वारंटी को दर्शाती है ।

परिनिर्धारित क्षति का प्रावधान वितरण सूची के अनुसार माल/सेवाएं प्रदान करने की देय दिनांक और एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर/इंजिन्स/रोटेबल्स का निर्माण/मरम्मत और ओवरहाल के संबंध में उल्लिखित माल/सेवाएँ प्रदान करना, पुर्जों की आपूर्ति और विकास गतिविधियां आदि के विलंब के लिए प्रदान की जानेवाली राशि को दर्शाता है ।

संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान अपेक्षित साख हानि पर बनाए गए प्रावधान को दर्शाता है ।

संदिग्ध दावों हेतु प्रावधान अपेक्षित साख हानि के प्रावधान को दर्शाता है ।

निवेश के मूल्य में क्षति निवेश से कम निवल मूल्य के शेयर में कमी को दर्शाती है ।

चूँकि दायित्वों को पूरा करने की लागत वित्तीय लाभों से अधिक है, अतः दुर्वह संविदा के लिए प्रावधान को मान्यता दी गयी है । जिसे इस प्रावधान के अधीन प्राप्त किया जाना अपेक्षित था ।

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016
23	**आईएनडी एएस–40 के अनुसार – निवेश संपत्ति :**		
	निवेश संपत्ति की आय और व्यय के संबंध में सूचना		
	निवेश संपत्तियों से व्युत्पन्न किराए संबंधी आय	659	476
	प्रत्यक्ष प्रचालन व्यय (मरम्मत और रखरखाव सहित) से उत्पन्न किराए संबंधी आय निर्माण	1	–
	प्रत्यक्ष प्रचालन व्यय (मरम्मत और रखरखाव सहित) से न उत्पन्न होनेवाली किराए संबंधी आय	1	2
	मूल्यहास और अप्रत्यक्ष व्यय के पूर्व निवेश संपत्तियों से होनेवाला लाभ	657	474
	घटाएँ – मूल्यहास	–	–
	अप्रत्यक्ष व्यय के पूर्व निवेश संपत्तियों से होनेवाला लाभ	657	474
	निवेश संपत्ति का उचित मूल्य 31 मार्च, 2017 तक, संपत्ति का उचित मूल्य 3631 लाख रु. है, जिसे स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता ने मूल्यांकित किया है।		
24	**सीआईएफ़ के आधार पर परिकलित आयात का मूल्य :**		
	(i) कच्ची सामग्रियाँ	412213	443541
	(ii) कल पुर्जे और अतिरित पुर्जे	192300	248047
	(iii) पूँजीगत माल	16030	13301
	(iv) विशेष औजार	28114	41961
	कुल	**648657**	**746850**
25	**प्रयुक्त कच्चा माल, अतिरिक्त पुर्जे और कंपोनेंट :**		
	(i) आयातित (सीमा शुल्क सहित)	765925	841188
	(कुल में %)	86.49	88.73
	(ii) स्वदेशी	119651	106809
	(कुल में %)	13.51	11.27
	कुल (सकल)	**885576**	**947997**
26	**विदेशी मुद्रा में व्यय संबंधी कारक**		
	(i) रॉयल्टी	748	904
	(ii) अनुज्ञप्ति शुल्क	507	2018
	(iii) प्रलेखीकरण	520	781
	(iv) व्यावसायिक, परामर्श कार्य और विदेशी तकनीशियन शुल्क	14722	18530
	(v) विदेश यात्रा	641	1061
	(vi) विदेश के संपर्क कार्यालय	310	278
	(vii) अन्य	2069	1327
	कुल	**19517**	**24899**

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
27	**विदेशी विनिमय में आमदनी :**		
	(i) एफ़ओबी आधार पर निर्यात*	45594	35341
	(ii) सेवाएँ**	908	4826
	* नेपाल को किए गए निर्यात के अंतर्गत (विगत वर्ष 4663 लाख) चालू वर्ष में शून्य लाख रुपए में को छोड़कर		
	** नेपाल को किए गए निर्यात के अंतर्गत (विगत वर्ष रु.176 लाख) चालू वर्ष में शून्य लाख छोड़कर		
	कुल	**46502**	**40167**
28(अ)	कंपोनेंट लेखांकन के कारण लाभ और हानि के विवरण में डाले गए अतिरिक्त मूल्यह्रास पर प्रभाव	–	315
28(ब)	कंपोनेंट लेखांकन के कारण प्रतिधारित उपार्जन में डाले गए अतिरिक्त मूल्यह्रास पर प्रभाव	–	25
28(स)	सीएसआर परिसंपत्तियों पर लेखांकन नीतियों में परिवर्तनों के कारण प्रभाव	–	4254
28(द)	भविष्य निधि के वास्तविक मूल्यांकन की वजह से लेखांकन नीतियों में परिवर्तनों का प्रभाव	–	1104
29	बाहरी एजेंसी की वित्तीय सहायता/रियायत से पूर्णत: अथवा अंशत: अर्जित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को कंपनी के निवल लागत पर पूंजीकृत किया जाता है और उसमें ग्राहक के द्वारा उनके कार्य के लिए दी हुई संपत्ति को कंपनी द्वारा शामिल नहीं किया जाता है ।	117713	117713
30	**संयुक्त कार्यशील समूह से संबंधित प्रकटीकरण**		
	कंपनी ने रैम्प हैंडलिंग बिज़नेस की शुरूआत करने के लिए एयर इंडिया (एआईजेडब्ल्यूजी) और एयर कार्गो हैंडलिंग बिज़नेस करने के लिए कॉन्कोर के साथ संयुक्त कार्यशील करार किया है । संयुक्त कार्यशील समूह अपनी कारोबार संबंधी कार्यकलाप को पूरा करने तथा संबंधित कार्यशील समूह के साथ निहित परिसंपत्तियों के स्वामित्व के लिए संसाधनों का एक साथ उपयोग करता है ।		
	कंपनी के संयुक्त कार्यशील समूह के साथ एयर इंडिया और हालकॉन से आय का शेयर :		
	एआईजेडब्ल्यूजी	183	149
	हॉलकॉन	67	36
	कुल	**250**	**185**

31. संयुक्त कार्यशील समूह से संबंधित प्रकटीकरण				(रु. लाखों में)
संयुक्त कार्यशील समूह का नाम	एआईजेडब्ल्यूजी		हॉलकॉन	
	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016
निगमन – देश (कंट्री ऑफ इनकार्पोरेशन)	भारत		भारत	
कंपनी का शेयर / स्वामित्व ब्याज	50.00%	50.00%	50.00%	50.00%
प्रमुख गतिविधियां	फ्लाइट हैंडलिंग		कार्गो हैंडलिंग	
देयताएँ – कंपनी का शेयर	1347	1301	726	688
गैर–चालू परिसंपत्तियाँ – कंपनी का शेयर	2	2	225	284
चालू परिसंपत्तियाँ – कंपनी का शेयर	1346	1299	502	404
आय – कंपनी का शेयर	214	190	200	136
व्यय – कंपनी का शेयर	31	41	133	100
लाभ/(हानि) कंपनी का शेयर	183	149	67	36
आकस्मिक देयता	444	444	–	–

	विवरण	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2016
32	इस अवधि के दौरान व्यय के रूप में मानी गई अनुसंधान एवं विकास व्यय की समग्र धनराशि निम्नांकित है:		
	अनुसंधान और विकास के व्यय में निम्न मद शामिल हैं :		
	अनुसंधान और विकास व्यय		
	कच्ची सामग्री का उपयोग	23998	20053
	प्रत्यक्ष व्यय	32706	31714
	वेतन और मजदूरी	45852	43999
	अन्य व्यय	7841	7625
	मूल्यह्रास, परिशोधन और क्षति हानियाँ	9263	7361
	प्रावधान	990	459
	अंतर सेवाएँ/सामान्य सेवाएँ	7724	7906
	कुल अ. और वि. व्यय	**128374**	**119117**
33	अनुसंधान व विकास समग्र निधि मंडल ने 10 प्रतिशत कर पश्चात प्रचालन लाभ के वार्षिक अंशदान सहित अनुसंधान एवं विकास समग्र निधि (अनुसंधान एवं विकास के लिए ग्राहक द्वारा प्रदान की गई निधि को छोड़कर) को सृजित करने के संबंध में अनुमोदन दिया है । अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि की उपयोगिता को नोट 24 में दर्शाया जाता है ।		
34	भारत सरकार के निर्देशानुसार नेपाल को एक एएलएच की सुपुर्दगी की संविदा पर निर्णय लंबित है, बिक्री को शुरूआती में 8210 लाख रु. के मूल्य में मान्य किया था (जितने में यह मूल रूप से भारतीय थल सेना को बेचा गया था) भारतीय थल सेना की सुपुर्दगी हेतु प्रतिस्थापन लागत के आधार पर विदेश मंत्रालय, भारत सरकार को रु. 12473 लाख का इन–वायस दिया गया था । रु. 4989 लाख की शेष राशि (40% संशोधित इन–वायस होने पर) के भुगतान के लंबित पुष्टीकरण के लिए प्रावधान बनाया गया है ।		

35	कुल धारित भूमि (एकड़ में) (टिप्पणी संख्या -1 क का संदर्भ लें)	11813.44	11808.44

		विभाग	परिसंपत्तियाँ	एकड़	राशि
35.1	कंपनी ने कब्जा की हुई भूमि और इमारत के संबंध में हस्तांतरण के उपकरणों को निष्पादित नहीं किया गया है ।	लखनऊ/कानपुर/एफ़एमडी/नासिक	भूमि	734.01	290
		(विगत वर्ष)	भूमि	(736.62)	(309)
		कानपुर	भवन	-	35
		(विगत वर्ष)	भवन	-	(35)
35.2	सरकार/अन्य एजेंसियों को सौंपी गई/चिन्हित भूमि के हस्तांतरण उपकरणों का लम्बित निष्पादन	एफ़एमडी/नासिक/कोरवा/इंजिन/कोरापुट	भूमि	141.98	56
		(विगत वर्ष)	भूमि	(180.66)	(56)
35.3	भूमि सरकार/अन्य एजेंसियों को पट्टे पर दी गई है ।	एफ़एमडी/नासिक/लखनऊ/कानपुर	भूमि	1106.09	67
		(विगत वर्ष)	भूमि	(1068.93)	(67)

* कोष्ठक के अंक विगत वर्ष से संबंधित हैं ।

35.4	कंपनी का बैरकपुर यूनिट 22.51 एकड़ (विगत वर्ष 22.51 एकड़) भूमि को स्वामित्व पाने की प्रक्रिया में है, जिस पर कंपनी की इमारतों, हैंगर, संयंत्र और उपस्कर आदि हैं। प्रभाग / कंपनी को भूमि के संबंध में पट्टे या हस्तांतरण के जरिए स्थानांतरण करवाना लाभप्रद है, जोकि निष्पादन लंबित है। पट्टे के किराया के लिए रु.32 लाख (पिछला वर्ष 32 लाख रुपये) का प्रावधान बना दिया गया है। भूमि के हस्तांतरण को रक्षा संपदा अधिकारी, कोलकता के साथ किया जा रहा है। बैंगलोर में 5 एकड़ जमीन के बदले भारतीय सेना से प्राप्त 7.115 एकड़ जमीन (जो राज्य सरकार से 31 मार्च 1969 से पहले मुफ्त में प्राप्त हुई थी)। चूंकि 5 एकड़ जमीन का मूल्य शून्य था, 5 एकड़ जमीन के बदले में प्राप्त 7.115 एकड़ जमीन का मूल्य भी शून्य के रूप में लिया गया है।
	कासरगोड में इकाई की स्थापना हेतु लिए गए जमीन में रु.708 लाख के पट्टे पर लिए गए 200 एकड़ जमीन शामिल है । यह लागत 90 वर्ष की पट्टे अवधि के अनुसार परिशोधित है। वर्ष के पट्टे के शुल्क 8 लाख रुपये को उस वर्ष के अवमूल्यन के तहत माना जाता है।
	संपर्क कार्यालय, मुंबई के लिए 0.27 एकड़ जमीन पट्टे पर ली गई है जो रु.3 लाख की लागत पर है (विकास लागत सहित)। यह लागत 30 वर्ष की पट्टे अवधि के अनुसार परिशोधित है । परिशोधन की राशि को उस वर्ष के अवमूल्यन के तहत माना गया है ।
35.5	सुविधा प्रबंधन प्रभाग के स्वामित्व में 2105.831 एकड़ (विगत वर्ष 2105.831 एकड़) जमीन है, जिसमें से 11.959 एकड़ (विगत वर्ष 11.959 एकड़) तीसरे पक्षों के साथ मुकदमेबाजी / अतिक्रमण के अधीन है और 10.152 एकड़ (पीएआई 10.152 एकड़) मेसर्स.बीईएमएल, बैंगलोर के साथ विवाद में है। ख) सुविधा प्रबंधन प्रभाग में सर्वे संख्या 173 के संबंध में जमीन के अधिकार पत्र नहीं हैं, हालांकि, किरायेदारी प्रमाणपत्र का अभिलेख उपलब्ध है। ग) सुविधा प्रबंधन प्रभाग के खातों की पुस्तकों में विभिन्न पक्षों के साथ पट्टे और किराये की राशि के प्रति 2179 लाख (विगत वर्ष रुपये 2061 लाख) जिसका विवाद निपटान लंबित है पर विचार नहीं किया गया है । घ) नासिक प्रभाग के 1.339 एकड़ जमीन अतिक्रमित है। ङ) कासरगोड़ प्रभाग के 50.21 एकड़ (लगबग) जमीन अतिक्रमित है । च) मेसर्स.बेंगलूर मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (मेसर्स.बीएमआरसीएल), द्वारा मेट्रो रेल परियोजना के लिए मुख्यालय के जमीन में से 711.22 स्का.मी जमीन का अधिग्रहण किया है । मेसर्स कर्नाटक औद्योगिक प्रदेश विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा दी गई क्षतिपूर्ति की राशि रु.549 लाख के प्रति कंपनी ने सिटी सिविल कोर्ट बेंगलूर में चुनौती दी है । मेसर्स केआईएडीबी द्वारा दी गई क्षेतिपूर्ति को एचएएल ने सिटी सिविल कोर्ट बेंगलूर में चुनौती दी है। चूंकि यह मामला न्यायाधीन है, पुस्तक में कोई समायोजन नहीं किया गया है। कोर्ट के बाहर मामले को निपाटने के लिए कंपनी और बीएमआरसीएल की एक संयुक्त समिति की रचना की गयी है।

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
36	विशेष औजार एवं उपकरणों में चालू, निरीक्षणाधीन एवं मार्गस्थ औजार व उपकरण शामिल हैं।	1776	3672
37	बिक्री में सुपुर्दगियाँ शामिल हैं, जिनके लिए ग्राहक से पुष्ट कार्य की बाबत संशोधन की प्रतीक्षा है।	4753	4492
38	रूसी संघ से बड़े ठेकों के अंतर्गत प्राप्त सामग्री के संबंध में, जहाँ आपूर्तिकर्ता मदवार मूल्य सूचित नहीं करते, ऐसी स्थिति में जारी की गई सामग्री का मूल्य चालू कार्य के समापन पर उचित मूल्य के प्रदर्शन के लिए तकनीकी अनुमान पर निर्धारित किया जाता है, ऐसे इस सामग्री की माल–सूची, परियोजना के अंत में समायोजित किए जाने की शर्त पर है।		
39	ग्राहक की ओर से कंपनी के कब्जे में है, उस सामग्री को सामग्री–सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है ।	79390	74905
40	लाभांश		
	(क) साम्या शेयरधारकों में वितरित किए जाने वाले प्रस्तावित लाभांश की धनराशि	शून्य	शून्य
	(ख) प्रस्तावित लाभांश की राशि के लिए संबंधित लाभांश वितरण कर की राशि	शून्य	शून्य
41	वर्ष के दौरान विदेशी मुद्राओं में जमा की गई लाभांश बाबत की कुल राशि		
	(i)अनिवासी शेयरधारकों की कुल संख्या	शून्य	शून्य
	(ii) अनिवासी शेयरधारकों के शेयरों की कुल संख्या जिन पर लाभांश देय थे और लाभांश से संबंधित वर्ष।	शून्य	शून्य
42(क)	भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना के साथ सहमत मूल्य नीति के अनुसार अनुमोदित कीमतों में कर एवं शुल्क अर्थात् बिक्री कर, सेवा कर आदि सम्मिलित नहीं हैं। यदि इस प्रकार के कर लगाए जाते हैं और ग्राहक द्वारा आवश्यक छूट पेश नहीं की जाती तो अदा की गई पूरी राशि की प्रतिपूर्ति ग्राहक द्वारा की जाएगी।		
42(ख)	1.) कर्नाटक राज्य बनाम रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, एच ए एल बनाम भारतीय वायुसेना के प्रतिनिधियों और कर्नाटक सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग एवं वित्त विभाग सहित भारतीय वायु सेना एवं थल सेना के प्रतिनिधियों के बीच के बिक्री कर/ वीएटी /प्रवेश कर से संबंधित काफी समय से लंबित मामला अंततः सुलझ गया है ।		
	क. सहमत सूत्र के अनुसार कंपनी द्वारा भुगतान की गयी धनराशि	130710	130710
	ख. ग्राहक से पहले से ही प्राप्त की गई धनराशि	122980	113405
	ग. ग्राहकों से शेष राशि वसूल की जानेवाली शेषराशि (क–ख)	7730	17305
	2.) उड़ीसा राज्य में देय वीएटी/बिक्री कर के संबंध में सहमत सूत्र के अनुसार भुगतान की गयी धनराशि और ग्राहकों से प्रतिपूर्ति की गयी धनराशि		
	3.) अन्य राज्यों के मामले में, जहाँ बिक्री कर की मांग विवाद के अधीन है, उसे आकस्मिक देयता के अंतर्गत दर्शाया गया है (टिप्पणी संख्या 49 का खंड 20)।		

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
43	सूक्ष्म, लघु, तथा उद्यमों के अधीन सूचना		
	1. दिनांक 31.03.2017 को इस पर देय मूल धन एवं ब्याज		
	क) मूलधन	335	1350
	ख.) ब्याज	7	165
	2. दिनांक 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के दौरान नियुक्त दिन के पश्चात कंपनी द्वारा भुगतान की गई धनराशि		
	क) मूलधन	–	377
	ख.) ब्याज	–	–
	3. उक्त वर्ष के दौरान नियुक्त दिन के पश्चात विलंब की अवधि हेतु देय एवं बकाया ब्याज (उक्त वर्ष के दौरान जिसका भुगतान नियुक्त दिन के पश्चात) परंतु उक्त अधिनियम के अंतर्गत विनिर्दिष्ट ब्याज को बिना जोड़े हुए किया गया है ।	–	9
	4. दिनांक 31.03.2017 को समाप्त वर्ष में प्रोद्भुत ब्याज एवं शेष धनराशि का भुगतान नहीं किया गया है ।	6	2
	5. अगले वर्ष में समान देय राशि एवं शेष ब्याज राशि के संबंध में आगे एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के उद्देश्य से लघु उद्यम को वास्तविक रूप से उपरोक्त राशि का भुगतान ऐसी तिथि से ब्याज सहित किया जाना चाहिए ।	8	1
	ऐसे आपूर्ति कर्ताओं के संबंध में सूचना जहाँ तक हो सके कंपनी में उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के रूप में पहचानकर किया जाना चाहिए ।		
44	कंपनी में वर्ष 2011–12 के दौरान अपने एक प्रभाग में लाभार्थी बैंक खाते में प्रभाग के बैंक खाते से अनधिकृत अंतरण धोखाधड़ी का पता लगाया। धोखाधड़ी की कुल धनराशि रु. 391.06 लाख है। कंपनी ने 2011–12 में आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरु की है। कंपनी ने धोखाधड़ी से आहरित की गई धनराशि की वसूली के लिए आरोपी, उसके साथ सह–अपराधियों, संस्थाओं अर्थात् भारतीय स्टेट बैंक के खिलाफ रु. 289.00 लाख तथा रुपए 102.06 लाख के लिए श्री कृष्णा सौहार्द क्रेडिट काआॅपरेटिव लिमिटेड से वसूली के लिए कंपनी ने वर्ष 2012–13 के दौरान दो सिविल मुकदमे दायर किए हैं। सिविल और आपराधिक दोनों मामले प्रगति पर हैं। संपत्ति की कुर्की न्यायालय द्वारा की गई है, जिसका मूल्य कुल मिलाकर रु. 138 लाख रहा । कोर्ट की कार्यवाही के दौरान, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कोर्ट के बाहर बातचीत के माध्यम से अपनी देनदारी को निपटाने की इच्छा व्यक्त की। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ बातचीत प्रगति पर है। इसके अलावा, कंपनी को उम्मीद है कि आरोपी से राशि की वसूली कोर्ट के माध्यम से बरामद किया जाएगा क्योंकि आरोपी की संपत्ति संलग्न की गई है।		

	विवरण		31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
45	(क). कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के गतिविधियों पर कंपनी द्वारा व्यय करने के लिए अपेक्षित कुल राशि		6692	6831
	2016-17 **(क). वर्ष के दौरान कार्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों में व्यय की गयी राशि**	**नकद रूप में**	**नकद रूप में भुगतान के लिए शेष**	**कुल**
	(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	2311	529	2840
	(ii) उपरोक्त (i) के अतिरिक्त किसी अन्य उद्देश्य हेतु	3892	64	3956
	कुल	**6203**	**593**	**6796**
	2015-16 **(ख) . वर्ष के दौरान कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों में व्यय की गयी राशि**	**नकद रूप में**	**नकद रूप में भुगतान के लिए शेष**	**कुल**
	(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	5337	521	5858
	(ii) उपरोक्त (i) के अतिरिक्त किसी अन्य उद्देश्य हेतु	2808	405	3213
	कुल	**8145**	**926**	**9071**
	कंपनी ने वर्ष 2015-16 में कार्पोरेट सामाजिक दायित्व परियोजना के अंतर्गत कर्नाटक के दावणगेरे जिले में पवन ऊर्जा संयंत्र को स्थापित किया है । 2016-17 में पवन ऊर्जा संयंत्र से ऊर्जा प्रभार में बचत के माध्यम से रु.737 लाख का अतिरिक्त राशि का उपजाना किया है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार बजट में आबंटित 2% के ऊपर अतिरिक्त राशि को वर्ष 2017-18 के अन्य का.सा.उ. परियोजना/गतिविधियों में उपयोग किया जाएगा ।			
46	बोर्ड की राय में, कंपनी के पास अचल परिसंपत्तियों और सामान्य व्यापार की क्रियाविधि में वर्णित राशि से कम विक्रय मूल्यवाले अप्रचलित निवेशों के अतिरिक्त कोई परिसंपत्तियाँ नहीं हैं ।			
	कंपनी की लेखा नीति और विशेषज्ञों की राय के आधार पर विक्रय का लेखांकन ग्राहकों द्वारा जारी सिग्नलिंग आउट प्रमाणपत्र (एसओसी) पर गणना की जाती है । एसओसी और एयरक्राफ्ट/हेलिकॉप्टर के फेरी आउट में लगे समय की दृष्टि से ग्राहक द्वारा फेरी टीम के प्रतिनियुक्ति में संबद्ध समय, उनके उड़ान संचालन और कठिनाइयों का समाधान सम्मिलित है, यदि कोई नए स्क्वॉड्रन की रचना, पाइलटों के प्रशिक्षण आदि के बीच में समयांतर है । फेरीड आउट के लिए शेष एयरक्राफ्ट / हेलिकॉप्टर (जिसका विक्रय तय किया गया है) का विवरण निम्नवत है ;			

वर्ष	विक्रय (कुल उत्पाद शुल्क)	फेरीड आउट किए जानेवाले एयरक्रॉफ्ट / हेलिकॉप्टरों का मूल्य		
		एएलएच	विक्रय की प्रतिशतता	अनुमोदन की तिथि
2014-15	1546615	6050	0.39%	08.08.2015
2015-16	1658627	31762	1.91%	29.06.2016
2016-17	1760544	78342	4.45%	29.06.2017

सिग्नलिंग आउट प्रमाणपत्र (एसओसी) के बाद किए गए कार्य में शामिल व्यय को भावी प्रभार के प्रावधान में पूर्ण रूप से समावेशित किया जाएगा ।

कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के साथ ए एल एच की संविदा के संशोधन के लिए भारतीय वायु सेना और भारतीय सेनाओं को कंपनी की लेखाकरण नीतियों के अनुरूप लाने का प्रयास किया । भारतीय वायु सेना के संदर्भ में रक्षा मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से उपरोक्त की सहमति दी है, बशर्ते कंपनी के साथ भारतीय सेना की उसी प्रकार के संविदाओं में संशोधन के संबंध में अंतिम निर्णय निकलने के पश्चात ही संविदा में संशोधन संभव है। भारतीय सेना के संविदाओं के संबंध में मामला विचाराधीन है ।

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
48अ	एलसीए (एफ ओ सी) के दि.23 मार्च 2014 के कॉन्ट्रैक्ट सं. एयर एच क्यू / एस 96056/6/4/ एएसआर (अफओसी), उक्त जी ई इंजन प्राइस को ई सी 2003 में बिना वृद्धि खंड के शामिल किया गया । आईएएफ/एमओडी सहित संशोधन हेतु वृद्धि खंड को शामिल करने के मुद्दे को हाथ में लिया गया है। अंतरिम रूप में, आईएनडी एएस-2 के प्रभाव हेतु उक्त जी ई इंजन को निम्नतर लागत अथवा निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यांकित किया गया है । परिणामतः उक्त राशि रु. 37591 लाख बिक्री लागत में प्रभारित की गई है ।	-	14655
48ब	**एचटीएफई 25 परियोजना :** कंपनी ने 2013-14 में हिन्दुस्तान टर्बो फैन इंजन के अभिकल्पन एवं विकास की योजना को 6 वर्ष की समय सीमा में पूर्ण करने हेतु लिया है। इस परियोजना का प्रारंभ तकनीकी संभाव्यता और 200 - 250 पृथक भागों की विक्रय संभाव्यता के आधार पर किया गया है। रू.6513 लाख (पीवाई रू.4531 लाख) के व्यय को अचल परिसंपत्तियों के अंतर्गत लेखांकित किया गया है और उसे उत्पादन इकाइयों के ऊपर परिशोधित किया जाएगा। वर्ष 2014-15 के दौरान इंजन का प्रारंभिक अभिकल्प समीक्षा (पीडीआर) पूर्ण हुआ। कोर इंजन - 1 परीक्षा परिणामों के आधार पर कंप्रेसर की क्षमता कम पाया गया । इसलिए कंप्रेसर का पुनः अभिकल्प की पहल की गयी । अप्रैल 2017 में कंप्रेसर का पुनःअभिकल्पना पूर्ण हुई । अभिकल्प और रेखा चित्र मोचन का विवरण मई 2017 तक पूर्ण होगा । कोर इंजन-2 का परिचालन जनवरी 2018 तक और पूर्ण इंजन का परिचालन जुलाई 2018 तक करने की योजना है ।		
48स	**एचटीटी 40 परियोजना :** कंपनी ने हिन्दुस्तान टर्बो प्रोटोटाईप ट्रैनर एयरक्राफ्ट (एचटीटी-40) का अभिकल्प और विकास का दायित्व लिया है । प्रस्तावित टर्बो प्रोटोटाईप एयरक्राफ्ट की क्षमता, व्यापार अध्ययन, उन्नत कार्यक्षमता आदि, 326 एयरक्राफ्ट की आवश्यकता को वर्ष 2020 तक प्रक्षेपित किया है । कंपनी एचटीटी की अभिकल्पन और विकास के लिए वित्त पोषण कर रही है। तदनुसार, रू.12236 लाख (पीवाई 7771 लाख) के व्यय को विकास व्यय के रूप में माना है और उसे अचल परिसंपत्तियों के अंतर्गत लेखांकित किया है ।		
48द	वर्ष 2013-14 में प्रोस्पेक्टिव मल्टी रोल फाइटर (पीएमएफ) परियोजना का प्रारंभिक अभिकल्प पूर्ण हुआ । रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ आर एंड डी संविदा को अंतिम रूप देने में हुई देरी से विक्रय को चालू वर्ष के दौरान पीएमएफ के अभिकल्प और विकास के प्रति की गयी व्यय के रूप में स्वीकृत किया गया है।		
49	कुल अर्धनिर्मित उत्पादनों में से, रु.11262 लाख की राशि हॉक एयरक्राफ्ट के प्रत्याशित आदेश (भारतीय वायु सेना के 20 और नव सेना के 12) के प्रति निर्माण हुई वृद्धि को दर्शाता है ।		
50	प्रचालन घटनाक्रम	कंपनी की अनेक व्यापार गतिविधियाँ है । प्रचालन घटनाक्रम का निर्धारण प्रभागों द्वारा प्रत्येक कारोबार कार्यकलाप के आधार पर किया जाता है ।	
51	एम आर ओ प्रभाग की ओर से विशेष उपकरण के रु.2187 लाख मेसर्स. भारत इलेक्ट्रानिक लिमिटेड (बीईएल) में कांपैक्ट मल्टी परपस एडवांस स्टेबिलाइस्ड सिस्टम (कंपास) परियोजना के प्रति सम्मिलित है, जिसकी कंपनी इलेक्ट्रो ऑप्टिकल पॉड्स के मरम्मत के लिए भविष्य में आर्थिक लाभ प्राप्त करेगा ।		
52	ग्राहकों के निरीक्षक द्वारा विक्रय संविदा में दिए गए कैट-ए मदों के अनुपलब्धि के मामलों में ऋण में लिए गए कैट-बी मदों के उपकरणों के साथ एयरक्राफ्टों को स्वीकार किया गया है और प्रेषण का संकेत भी दिया है । जैसाकि एयरक्राफ्ट उड़न योग्य है, ग्राहक प्रतिनिधि ने सिग्नल आउट प्रमाणपत्र के आधार पर उसे स्वीकार किया है और विक्रय का लेखांकन दृढ़ता से किया है । प्रणाली के अनुसार, एयरक्राफ्ट में सज्जित कैट-बी / ऋण के मदों को स्वीकृत विक्रय के मूल्य में सम्मिलित नहीं किया है। ऐसे मदों के के संबंध में कैट-ए मदों के आपूर्ति के आधार पर विक्रय संविदा अवधि के अंदर व्यवस्थित किया गया है।		

(रु. लाखों में)

53	टिप्पणी सं. 29 में ग्राहकों की अग्रिम राशि रु. 785616 लाख और बाद में उनसे प्राप्त राशि रु. 2087861 लाखों का और टिप्पणी सं.33 में गैर-वर्तमान और अन्य वर्तमान दायित्वों के रूप प्राप्त कुल राशि प्रकटीकरण किया गया है । इस राशि को विशेष प्रकार के उपकरण, अमूर्त संपत्तियों का भारग्रहण, वस्तुसूची के लिए धारित राशि, विक्रेताओं के लिए अग्रिम आदि के रूप उपयोग किया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017		31मार्च 2016	
		टिप्पणी 29 गैर चालू	टिप्पणी 33 चालू	टिप्पणी 29 गैर चालू	टिप्पणी 33 चालू
	ग्राहकों से प्राप्त				
	– रक्षा	307106	469116	323089	427343
	– अन्य	–	9394	–	4607
		307106	**478510**	**323089**	**431950**
	घटाएँ: अग्रिम राशि का उपयोग				
	– माल सूची	219778	276088	234642	217804
	– सामग्री और सेवा के प्रति अग्रिम	4035	–	7180	26508
	– आस्थगित आय का व्यय	–	35956	–	–
	– विशेष सामग्री और उपकरण	15841	11253	17758	4659
	– व्यापार प्राप्तियाँ	–	–	–	1206
	– दावा प्राप्तियाँ	–	1115	1362	–
		239654	**324412**	**260942**	**250177**
	ग्राहकों से प्राप्त निवल अग्रिम (क)	**67452**	**154098**	**62147**	**181773**
	महत्वपूर्ण प्राप्ति				
	– रक्षा	661033	1360874	574638	2072821
	– अन्य	16585	49369	17728	58658
		677618	**1410243**	**592366**	**2131479**
	घटाएँ : अधिक प्राप्त राशि का उपयोग				
	–मालसूची	256171	722929	196984	1225809
	– सामग्री और सेवा के प्रति अग्रिम	4082	43423	2433	35661
	– आस्थगित आय का व्यय	13540	43145	11467	89493
	– विशेष सामग्री और उपकरण	120738	151228	99996	221448
	– व्यापार प्राप्तियाँ	422	20231	–	39192
	– दावा प्राप्तियाँ	35168	2736	905	1723
		430121	**983692**	**311785**	**1613326**
	प्राप्त निवल अधिक राशि (ख)	**247497**	**426551**	**280581**	**518153**
	कुल (क+ख)	**314949**	**580649**	**342728**	**699926**

	सारांश		
	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
	(क) रक्षा उपभोक्ताओं से प्राप्त सकल अग्रिम		
	रक्षा उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रारंभिक अग्रिम	776222	750432
	रक्षा उपभोक्ताओं से प्राप्त महत्वपूर्ण अग्रिम	2021907	2647459
	रक्षा उपभोक्ताओं के सकल अग्रिम (क)	**2798129**	**3397891**
	अन्य द्वारा प्राप्त अग्रिम (ख)	**75348**	**80993**
	कुल (क+ख)	**2873477**	**3478884**
	घटाएँ : अग्रिम / महत्वपूर्ण राशि उपयोग (ग)	1977880	2436230
	अग्रिम / महत्वपूर्ण प्राप्तियाँ (क+ख-ग)	**895597**	**1042654**
	रक्षा ग्राहक	**820249**	**961661**
	अन्य	**75348**	**80993**
	कुल	**895597**	**1042654**

54	**अरक्षित विदेशी मुद्रा प्रवाह का प्रकटन**				
	विवरण	31.03.2017 के अनुसार		31.03.2016 के अनुसार	
		विदेशी मुद्रा	रुपये में राशि (लाखों में)	विदेशी मुद्रा	रुपये में राशि (लाखों में)
	प्राप्तियाँ				
	जीबीपी	1060141	849	1439462	1357
	यूरो	49188	34	0	0
	अमेरिकन डॉलर	24876407	16033	36083092	24048
	देय				
	ब्रिटीश पाउंड	38279844	31327	36238512	34891
	यूरो	37042728	25941	21348496	15700
	अमेरिकन डॉलर	50691763	33108	56038444	37404
	सीएचएफ	651658	427	165921	115

	विवरण			(रु. लाखों में)
55	वर्ष के दौरान, कंपनी ने बैंक नोट या अन्य मूल्यवर्ग नोट का दि.31 मार्च 2017 के एम सी ए अधिसूचना जी.एस.आर 308(ई) के परिभाषा के अनुसार विनिर्दिष्ट किया था। 8 नवंबर, 2016 से 30 दिसंबर, 2016 तक के अवधि के दौरान रखे हुए और लेन-देन के विनिर्दिष्ट बैंक नोट का विवरण अधिसूचना के अनुसार मूल्यवर्ग के आधार पर विनिर्दिष्ट बैंक नोट और अन्य नोट निम्नानुसार है,			
		कुल		
	विवरण	वि.बैं.नो	अन्य मूल्यवर्ग नोट	कुल
	08.11.2016 को समाप्त तिथि पर नकद	509	384	893
	(+) अनुज्ञप्त प्राप्तियाँ	2	1,533	1,535
	(-) अनुज्ञप्त भुगतान	-	1,298	1,298
	(-) बैंकों में जमा की गयी राशि	511	608	1,119
	30.12.2016 को समाप्त तिथि पर नकद	-	11	11
56	जहाँ आवश्यक हो, वहाँ पर विगत वर्ष के आँकडों को पुनर्व्यवस्थित या पुनर्गठित गया है			

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।

हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवा में,
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड,
15/1 कब्बन रोड, बेंगलूर - 560 001

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण संबंधी प्रतिवेदन

1. हमने मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (इसके पश्चात "धारक कंपनी" के रूप में संदर्भित) एवं उसकी सहायक कंपनी (धारक कंपनी तथा उसकी सहायक कंपनी संयुक्त रूप से "समूह" के रूप में संदर्भित) तथा इसके संयुक्त उद्यमों से संबंधित समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की संपरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2017 तक का समेकित तुलन पत्र और लाभ तथा हानि का समेकित विवरण (अन्य विस्तृत आय सहित), नकदी प्रवाह का समेकित विवरण, साम्या में परिवर्तनों का समेकित विवरण, इस तिथि को समाप्त वर्ष और महत्त्वपूर्ण लेखाँकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी (इसमें इसके पश्चात समेकित भारतीय लेखा मानक विवरण के रूप में संदर्भित) का सार शामिल है ।

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के लिए प्रबन्धक का दायित्व

2. धारक कंपनी के निदेशक मण्डल कंपनी अधिनियम 2013 (इसके पश्चात "अधिनियम" के रूप में संदर्भित) की अपेक्षाओं के संदर्भ में इन समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की तैयारी हेतु उत्तरदायी हैं, जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय निष्पादन (अन्य विस्तृत आय सहित), भारत सामान्यत: स्वीकृत लेखाँकन सिद्धांतों के अनुसार अपने संयुक्त उद्यमों, इसके अंतर्गत जारी सुसंगत नियमों के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 133 के अधीन निर्धारित भारतीय लेखा मानक (आईएनडीएस) सहित उक्त समूह की साम्या में परिवर्तन संबंधी समेकित विवरण का वास्तविक एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उक्त समूह तथा उसके संयुक्त उद्यमों में शामिल संबंधित निदेशक मण्डल उक्त समूह तथा इसके संयुक्त उद्यमों की परिसंपत्तियों के सुरक्षोपाय हेतु उक्त अधिनियम के उपबंधों के अनुसार लेखा रिकॉर्डों के रखरखाव और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं का पता लगाने; उपयुक्त लेखाँकन नीतियों के चयन एवं उनके उपयोग; निर्णय लेने एवं तर्कपूर्ण व दूरदर्शितापूर्ण अनुमानित आँकड़ों को तैयार करने तथा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अभिकल्पन, कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण, जो भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए सुसंगत लेखाँकन रिकॉर्डों की यर्थाथता एवं पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर रही थी, जो वास्तविक एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है तथा सामग्री संबंधी गलत विवरण चाहे किसी भी त्रृटि या धोखाधड़ी के कारण हुआ हो, ऐसी प्रस्तुति से मुक्त होता है, जैसा कि ऊपर कहा गया है कि धारक कंपनी के निवेशकों द्वारा समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की तैयारी के उद्देश्य हेतु इसका प्रयोग किया गया है।

लेखा परीक्षकों का दायित्व

3. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर राय प्रस्तुत करना हमारा दायित्व है। लेखापरीक्षा के दौरान, हमने अधिनियम की धाराओं, लेखा एवं लेखापरीक्षा मानकों तथा उन बातों पर ध्यान रखा है, जिन्हें अधिनियम के प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत बने नियमों में लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अंतर्गत शामिल किया जाना अपेक्षित है।

4. हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट संपरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों में यह अपेक्षा होती है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और लेखापरीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें कि हमें यथोचित आश्वासन प्राप्त हो कि समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में कोई गलत प्रस्तुति नहीं है।

5. लेखापरीक्षा में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की धनराशियों एवं प्रकटीकरणों के विषय में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का निष्पादन किया जाता है। चुनी गई प्रक्रियाएँ, समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की गलत प्रस्तुति, चाहे यह धोखाधड़ी या गलती के कारण हुई हो, के जोखिम निर्धारण सहित लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती है। जोखिम वाले निर्णय करते समय, लेखापरीक्षक आंतरिक समेकित वित्तीय निर्णय पर विचार करते हैं, जो समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के संबंध में धारक कंपनी की तैयारी के

अनुसार प्रासंगिक हो और जो वास्तविक एवं निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करते हों, जिससे कि लेखापरीक्षा प्रक्रिया तैयार की जा सके जो परिस्थितियों के अनुसार प्रासंगिक हों । लेखाँकन नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन तथा धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा तैयार किए गए लेखाँकन अनुमानों की तर्कसंगति के साथ–साथ समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति का समग्र मूल्यांकन भी शामिल है।

6. हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त हुए लेखापरीक्षा साक्ष्य तथा निम्नलिखित अन्य मामले के परिच्छेद 14 में संदर्भित उनकी रिपोर्टों के संबंध में अन्य लेखापरीक्षकों के द्वारा प्राप्त लेखा साक्ष्य पर्याप्त है और समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखापरीक्षा संबंधी मत के लिए उपयुक्त आधार प्रस्तुत करते हैं ।

राय

7. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुरूप तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार और पृथक भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों तथा सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय जानकारी के आधार पर अन्य लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदनों पर विचार करते हुए, उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण उक्त अधिनियम द्वारा आवश्यक सूचना इस प्रकार यथापेक्षित रूप में प्रदान करते हैं तथा 31 मार्च, 2017 के अनुसार उक्त समूह तथा अपने संयुक्त उद्यमों की समेकित वित्तीय स्थिति की भारतीय लेखा मानक सहित भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा मानक और उस तिथि को समाप्त वर्ष हेतु अन्य विस्तृत आय, उनके समेकित नकद प्रवाह एवं साम्या में परिवर्तनों के समेकित विवरण सहित उनके समेकित वित्तीय निष्पादन के अनुरूप वास्तविक एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत होती है।

मामलों का महत्त्व

8. मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड, समूह के संयुक्त उद्यम ने दिनांक 2 मई 2017 के द्वारा निम्नलिखित उनके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की ओर ध्यान आकृष्ट किया है, जिन्हें हमारे द्वारा निम्नलिखित रूप से पुनः प्रस्तुत किया गया है :

   क. समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की नोट सं.49 क खंड 13 (i), जो दर्शाता है कि यद्यपि कंपनी ने 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान रु.1045 लाख निवल लाभ प्राप्त किया है और उस तिथि तक कंपनी की वर्तमान देयताएँ इसकी वर्तमान परिसंपत्तियों से रु.7516 लाख तक बढ़ गई हैं । इसके अतिरिक्त तुलन पत्र की तारीख पर, कंपनी की संचित हानि हुई है, जिसके कारण निवल मूल्य में कमी आई है। कंपनी का निवल मूल्य रु.3383 लाख के रूप में कम रहा है ।

   ख. उक्त बोर्ड द्वारा दिनांक 17 मार्च, 2017 को हुई उनकी 47वीं बोर्ड की बैठक में नोट किये गये प्रबंधन के अभ्यावेदन के अनुसार, जिसमें प्रबंधन ने उपर्युक्त सामग्री संबंधी अनियमिताओं के होने के बावजूद कंपनी के सतत विकास का मूल्यांकन किया है तथा अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने की अपनी क्षमताओं का भी निर्धारण किया है। प्रबंधन ने कर पूर्व निवल लाभ स्वरूप रु.487.40 लाख एवं उपयुक्त रूप में विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव के साथ रु. 3775 लाख की अनुमानित कुल बिक्री सहित वर्ष 2017–18 हेतु किये गये अनुमानों का भी अनुमोदन किया है। प्रबंधन आगे इसकी पुष्टि करता है कि आईसीआईसीआई बैंक ने सुविधा करार, यदि अपेक्षित हो, के अनुसार साम्या में ऋण को परिवर्तित करने हेतु हाल में किये गये पत्राचार में दर्शाया है। उपरोक्त अद्यतन जानकारी के अनुसार, प्रबंधन का विश्वास है कि कंपनी अपनी वर्तमान स्थितियों को संभालने में सक्षम है।

   ग. चूँकि कंपनी द्वारा ऋण की शर्तों की अनुपालन संबंधी कार्रवाई नहीं हुई है, अतः बैंक द्वारा दिये गये प्रस्ताव के अनुसार दीर्घकालिक उधार के रूप में ईसीबी ऋण को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दर्शाये गये ऋण को पुनः व्यवस्थित करने का कार्य लंबित है।

9. मेसर्स हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, समूह के संयुक्त उद्यम के लेखा परीक्षको ने दिनांक 29 मई, 2017 के अनुसार उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जोकि निम्न रूप में हमारे द्वारा पुनः प्रस्तुत किया गया है :

क. समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की नोट सं. 49 के खंड 13 (iii) दर्शाता है कि कंपनी को 31 मार्च, 2017 को रु.1002 लाख का संचित नुकसान हुआ है और इसकी वर्तमान देयताएँ कंपनी की वर्तमान परिसंपत्तियों से रु.243 लाख तक बढ़ गई है। ये स्थितियाँ कंपनी की मौजूदा सामग्री की अनिश्चितता को दर्शाती हैं, जो कंपनी के सतत विकास क्षमता पर संदेह पैदा करती हैं । हालांकि, कंपनी भावी वर्षों में अपनी योजना के अनुसार उसके प्रचालन तथा पूँजी व्यय के निधीकरण पर ध्यान देते हुए भविष्य में अपने कारोबार संबंधी प्रचालन को करने में सक्षम है। इन घटकों को देखते हुए, सतत विकास संबंधी धारणाओं के अधीन कंपनी के भारतीय लेखाँकन वित्तीय विवरणों को तैयार किया गया है तथा तत्पश्चात मूल्य अथवा तुलनपत्र के मदों के मूल्यों एवं वर्गीकरण हेतु कोई समायोजन नहीं किया गया है ।

ख. कि, कंपनी ने कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति तथा पारिश्रमिक) संशोधन नियम, 2014 तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में निहित उपबंधों के अनुसार कंपनी सचिव की नियुक्ति नहीं की है, जोकि आवश्यक है ।

10. मेसर्स स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, समूह के संयुक्त उद्यम के लेखापरीक्षकों ने दिनांक 22 मई, 2017 के लेखा रिपोर्ट में निम्नलिखित के संबंध में ध्यान आकृष्ट किया है, जिन्हें निम्नलिखित रूप से हमारे द्वारा पुन: प्रस्तुत किया गया है ।

क. 31 मार्च, 2017 को व्यापार संबंधी प्राप्तियों में माल के निर्यात हेतु रु.68 लाख की धनराशि शामिल है, जो कि निर्यात की तिथि से नौ महीनों से भी अधिक समय से बकाया है। इसी प्रकार, 31 मार्च 2017 तक के व्यापार संबंधी देयताओं में माल/सेवाओं के आयात हेतु देय राशि रु.966 लाख शामिल है । समय-समय पर संशोधित विदेश विनिमय प्रबंधन (माल तथा सेवाओं का निर्यात) विनियम 2000 के अनुसार निर्यात की तिथि से नौ महीनों के अंदर निर्यात के मूल्य को प्राप्त कर लिया जाएगा और आयात मूल्य को लदान की तिथि से अधिकतम छ: माह में प्रेषित किया जाएगा ।

11. मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, समूह के संयुक्त उद्यम के लेखा परीक्षकों ने दिनांक 25 मई, 2017 के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकृष्ट किया है, जिन्हें हमारे द्वारा निम्न रूप से पुन: प्रस्तुत किया गया है :

क. कंपनी का नुकसान हुआ है और उसका मूल्य 31 मार्च, 2017 तक काफी कम हुआ है । ये स्थितियाँ अन्य मामलों के साथ समेकित भारतीय लेखाँकन वित्तीय विवरणों की नोट संख्या 49 के खंड 13 (iv) में उल्लिखित अन्य मामलों के साथ सामग्री की अनियमितताओं को दर्शाती हैं, जो कंपनी के सतत विकास क्षमता पर संदेह पैदा करती हैं । उक्त नोट में उल्लिखित कारणों के लिए सतत विकास के आधार पर वित्तीय विवरणों को तैयार किया गया है।

12. मेसर्स एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, समूह का संयुक्त उद्यम के लेखा परीक्षकों ने 13 मार्च, 2017 के अनुसार उनके लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकृष्ट किया है, जिन्हें हमारे द्वारा निम्न रूप में पुन:प्रस्तुत किया गया है:

क. विगत वर्षों में समय-अंतर के कारण आस्थगित कर परिसंपत्तियों के धारित मूल्य के संबंध में भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की राशि कुल मिलाकर रु.56 लाख रही। (31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष) रु.56 लाख रही, कंपनी के प्रबंधन की राय है कि उक्त आस्थगित की वसूली भावी कर योग्य आय से की जा सकती है।

ख. समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के नोट सं. 49 के खंड 13 (ii) (ग) के अधीन सतत विकास के आधार पर तैयार किये जा रहे उक्त विवरण के अनुसार 31 मार्च, 2017 को कंपनी के निवल मूल्य में उक्त तथ्यों के बावजूद भी कमी आई है । 31 मार्च, 2017 को रु.607 लाख सूचित किया गया कम रहा है। (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष में रु.588 लाख) विकासोन्मुख कंपनी के रूप में, कंपनी की क्षमता अन्य बातों के साथ-साथ ऋण/अन्य देयताओं के पुनर्निधारित अपने दायित्वों (सांविधिक देयताओं एवं माल व परिसंपत्तियों की खरीद हेतु किये गये करार) को पूरा करने हेतु आवश्यक निधियों को शामिल करना कंपनी की क्षमता पर निर्भर है।

ग. अमूर्त परिसंपत्तियों के परिशोधन के संबंध में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के नोट सं. 49 के खंड 13 (ii)(ख) के अंतर्गत लाभ एवं हानि विवरण के लिए प्रोटोटाइप यूनिटों के विकास को मान्यता दी। उत्पादन पद्धति की यूनिटों के अनुसार अमूर्त उपचार का परिशोधन किया जाता है। प्रबंधन की राय में अपने ग्राहकों को 11 प्रोटोटाइप ओसमैक के मौजूदा ऑर्डर की सुपुर्दगी पर 154 ओसमैक हेतु आगे श्रृंखला अपग्रेड के लिए अपने ग्राहकों से क्रय आदेश प्राप्त करने के प्रति आश्वस्त है तथा ओसमैक यूनिटों के विकास का उद्देश्य ग्राहकों के लिए 154 ओसमैक श्रृंखला अपग्रेड का विनिर्माण एवं उसे सुपुर्द करना है।

13. उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के संबंध में हमारी राय तथा नीचे दिए गए अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं से संबंधित हमारी रिपोर्ट किए गए कार्य के संबंध में हमारी निर्भरता से संबंधित उपरोक्त मामलों के लिए तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणिक वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना एवं अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टें संशोधित नहीं है।

अन्य मामले :

14. हमने समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में एक सहायक कंपनी के भारतीय लेखा मानक की लेखापरीक्षा नहीं की है, जिनकी भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में रु.4197 लाख की कुल परिसंपत्ति तथा 31 मार्च, 2017 को रु.2826 लाख की निवल परिसंपत्ति, कुल राजस्व रु.23 लाख तथा उस तारीख को वर्ष के अंत में निवल नकद प्रवाह स्वरूप धनराशि रु.0222 लाख दर्शायी गई है। समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु रु.1673 लाख के निवल लाभ के ग्रुप के शेयर भी शामिल है, जैसा कि समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के अनुसार 13 संयुक्त उद्यमों के संबंध में यह बताया गया है कि उनका समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की संपरीक्षा हमारे द्वारा नहीं की गई है। इन समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की संपरीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है। जिसकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है और समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण पर हमारी राय अब तक सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों के संबंध में उक्त धनराशि एवं उक्त प्रकटन से मेल खाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (3) के संबंध में हमारी रिपोर्ट उपर्युक्त सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों से मेल खाती है, जो अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर मूल रूप से आधारित है।

15. उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के संबंध में हमारी राय तथा नीचे दिए गए अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं से संबंधित हमारी रिपोर्ट किए गए कार्य के संबंध में हमारी निर्भरता से संबंधित उपरोक्त मामलों के लिए तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणिक वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना एवं अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टें संशोधित नहीं है ।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं से संबंधी रिपोर्ट

16. उक्त अधिनियम की धारा 143 (3) द्वारा यथापेक्षित पृथक वित्तीय विवरण एवं सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय जानकारी के आधार पर अन्य मामलों से संबंधित पैराग्राफ में पैरा 14 में नोट किए गए अनुसार, हम लागू सीमा तक सूचित करते हैं कि :

क. हमारे द्वारा यथावांछित सभी सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त हो गई हैं, जो उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्यों हेतु आवश्यक थी।

ख. हमारे मतानुसार, ऊपर कहे गए समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की तैयारी संबंधी विधि द्वारा यथापेक्षित उपयुक्त लेखा–बही रखी गई है जिससे अब तक अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट एवं उन लेखा–बहियों की हमारी जाँच को दर्शाता है।

ग. समेकित तुलन पत्र, लाभ तथा हानि संबंधी समेकित विवरण, नकद प्रवाह संबंधी समेकित विवरण एवं इस रिपोर्ट से संबंधित साम्या में परिवर्तन संबंधी समेकित विवरण, समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की तैयारी के उद्देश्य से सुसंगत लेखा–बहियाँ करार के अधीन हैं ।

घ. नैगम कार्य मंत्रालय के दिनांक 16 मई, 2017 द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार कंपनी को यह सूचित किया गया है कि धारक कंपनी हेतु समेकित भारतीय लेखा मानक 108 – प्रचालन खंड में छूट प्रदान करने के लिए दिनांक 05 जून, 2015 की अधिसूचना सं. 463(ई) में संशोधन अपेक्षित होगा। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 462 के अधीन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कथित संशोधन को पूरा करने के लिए उक्त अधिसूचना को संसद के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की आवश्यकता होगी। संसद में समेकित भारतीय लेखा मानक 108 के आवेदन के लिए धारक कंपनी को छूट प्रदान करने के लिए सुसंगत अधिसूचना प्रस्तुत करने हेतु नैगम कार्य मंत्रालय ने कार्रवाई प्रारंभ की है। उपरोक्त को देखते हुए भारतीय लेखा मानक 108 के अंतर्गत धारित कंपनी द्वारा कोई प्रकटीकरण नहीं किया जाता है। उपरोक्त के अधीन हम अपनी राय के अंतर्गत स्पष्ट करते हैं कि उपर्युक्त समेकित भारतीय लेखा मानक के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत भारतीय लेखा मानक का अनुपालन किया जाता है।

ङ. नैगम कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 05 जून, 2015 को जारी परिपत्र सं. जीएसआर 463(ई) के संदर्भ में, चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, अत: निदेशकों अनर्हता के संबंध में अधिनियम की धारा 164 (2) के प्रावधानों से इसे छूट प्राप्त है। भारत में संस्थापित संयुक्त उद्यमों के सांविधिक लेखापरीक्षकों के रिपोर्ट के अनुसार, अधिनियम की धारा 164 (2) के अधीन निदेशक के रूप में नियुक्तियों से दिनांक 31 मार्च, 2017 के अनुसार भारत में संस्थापित संयुक्त उद्यमों के निदेशक ने अनर्हता प्राप्त नहीं की है।

च. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता तथा ऐसे नियंत्रणों के प्रभावकारिता को लागू करने के संबंध कृपया **"अनुबंध क"** में प्रस्तुत हमारी पृथक रिपोर्ट देखें।

छ. कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षक रिपोर्ट में सम्मिलित किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुरूप एवं अन्य मामलों से संबंधित पैराग्राफ में पैरा 14 में नोट किए गए सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय सूचना के रूप में पृथक वित्तीय विवरणों संबंधी अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार किए जाने के आधार पर :

i. समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण समूह एवं अपने संयुक्त उद्यमों की समेकित वित्तीय स्थिति संबंधी लंबित मुकद्दमों के प्रभाव के संबंध में प्रकटन करते हैं– समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण हेतु नोट सं.49 के खंड–8 देखें।

ii. दीर्घकालिक संविदा संबंधी सामग्री से संबंधित निकट नुकसान हेतु लेखा मानक अथवा लागू कानून के अंतर्गत यथापेक्षित समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में प्रावधान किया गया है – चूँकि अपने संयुक्त उद्यम के संबंध निवल लाभ/हानि के समूह के शेयर के संबंध में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के नोट सं.49 के खंड–10 एवं उक्त समूह से संबंधित है, अत: ऐसे मदों के संबंध में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण हेतु नोट सं.49 के खंड–9 (ज) देखें । उक्त समूह में कोई भी व्युत्पन्न संविदा (डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट) नहीं है।

iii. 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान भारत में निगमित अपनी सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यमों तथा धारित कंपनी द्वारा इन्वेस्टर एड्यूकेशन एवं बचाव निधि में कोई भी राशि अंतरित किये जाने की आवश्यकता नहीं है।

iv. समूह ने धारकों को तथा निर्दिष्ट बैंक नोट्स को 8 नवंबर, 2016 से 30 दिसंबर, 2016 के दौरान समूह ने समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में आवश्यक प्रकटीकरण उपलब्ध किया है और ये समूह द्वारा रखी गयी लेखा–बही के अनुसार है । समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण की टिप्पणी संख्या 49 का संदर्भ देखें ।

कृते एस वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर सं. 0046565

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता सं.201028

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून 2017

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर सम तारीख की स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट के लिए "अनुलग्नक – क"

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट

1. हमने मेसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") के दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है । साथ ही हमने धारक कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तथा इसके सहायक कंपनी और संयुक्त उपक्रम, जिनका निगमन भारत में हुआ है, की लेखापरीक्षा की है ।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन का उत्तरदायित्व

2. इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर उक्त मार्गदर्शी नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों के बारे में विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों के संबंध में आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को स्थापित करने तथा अनुरक्षण हेतु कंपनी प्रबंधन उत्तरदायी है । इन उत्तरदायित्वों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के अभिकल्पन, कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण, जिनका प्रचालन प्रभावी रूप से अपने कारोबार व्यवस्थित तथा दक्षतापूर्ण संचालन का सुनिश्चयन हेतु प्रभावी रूप से प्रचालित करना था, जिसमें कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत यथावश्यक कंपनियों की नीतियों, अपनी परिसंपत्तियों के सुरक्षोपाय, धोखाधड़ी तथा त्रुटियों के निवारण एवं जाँच, लेखाकरण रिकार्डों की परिशुद्धता तथा पूर्णता एवं विश्वसनीय वित्तीय सूचना की समय से तैयारी करना आदि शामिल है ।

3. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को स्थापित करने हेतु बेंचमार्क मानदंड के रूप में कंपनी प्रबंधन द्वारा अन्य क्षेत्रों में से वर्तमान वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित क्षेत्रों को विशेष रूप से पहचाना गया है । i) मार्गस्थ माल ii) वर्तमान पूँजीगत कार्य में प्रगति iii) व्यापार प्राप्ति तथा iv) व्यापार देय ।

लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

4. हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अपनी राय को अभिव्यक्त करना है । हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखापरीक्षा संबंधी उक्त मानकों तथा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत जहाँ तक यथावश्यक समझी गई आईसीएआई द्वारा जारी दोनों वित्तीय रिपोर्टिंग (मार्गदर्शी नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा के लिए मार्गदर्शी नोट के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा संचालित की । ऐसे मानकों तथा मार्गदर्शी नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए उपयुक्त आश्वासन को प्राप्त करने के लिए योजना बनाकर लेखापरीक्षा को पूरा करें, जिससे इसका सुनिश्चयन हो कि क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वित्तीय रिपोर्टिंग के समय स्थापित एवं अनुरक्षित किया गया तथा ऐसे नियंत्रणों को प्रभावी रूप से प्रचालित करने के लिए सभी सार्थक तथ्यों को देखा गया है ।

5. हमारी लेखापरीक्षा के अंतर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग तथा उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु की जानेवाली प्रक्रियाएँ शामिल हैं । हमारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संबंधी समझ को प्राप्त करना शामिल किया गया, जिससे मूल्यांकित जोखिम आधारित आंतरिक नियंत्रण के प्रचालन संबंधी प्रभावकारी एवं अभिकल्पन एवं मूल्यांकन परीक्षण के साथ साथ मौजूदा महत्त्वपूर्ण कमजोरियों को देखा जा सके। लेखापरीक्षा के निर्णयों पर आधारित चयन प्रक्रिया के अतंर्गत स्टैंडअलोन भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिमों का मूल्यांकन जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि का मूल्यांकन शामिल है।

6. हमें विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य और अपने रिपोर्ट के आधार पर निम्नलिखित अन्य मामलों के परिच्छेद 14 में संदर्भित अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर्याप्त एवं वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के संबंध में हमारी लेखापरीक्षा के मतानुसार उपयुक्त है ।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का तात्पर्य

7. वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की प्रक्रिया का अभिकल्पन सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अंतर्गत बाह्य उद्देश्यों हेतु वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करना है । वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अंतर्गत जिन नीतियों एवं प्रक्रियाओं को शामिल किया है, वे निम्नवत हैं – 1) कंपनी की परिसंपत्तियों के संव्यवहार एवं निपटानों को उपयुक्त रूप से परिशुद्धता के साथ निष्पक्ष रूप में प्रतिबिंबित करने से संबंधित रिकार्डों का अनुरक्षण 2) इसके अंतर्गत उपयुक्त आश्वासन जिसमें सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धातों के अनुसार वित्तीय विवरण की तैयारी की अनुमति हेतु यथावश्यक संव्यवहारों को रिकार्ड किया जाता है तथा कंपनी के प्रबंधन एवं निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही कंपनी की प्राप्तियाँ एवं व्यय को मान्य किया जाता है । 3) इसके माध्यम से कंपनी की परिसंपत्तियों के उपयोग एवं निपटान, अप्राधिकृत प्राप्ति की समय पर जाँच अथवा निवारण के संबंध में उपयुक्त आश्वासन प्रदान करना है, जिससे वित्तीय विवरणों पर सार्थक प्रभाव पड़ सके ।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

8. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण मिलीभगत की संभावनाओं अथवा अनुपयुक्त प्रबंधन से अनियंत्रित स्थिति, सामग्रियों का गलत विवरण किया जाना । ये सभी स्थितियाँ धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण घटती है, जिनका पता नहीं लग पाता है । इसके अतिरिक्त भावी अवधियों के लिए अत्यधिक वित्तीय रिपोर्टिंग के कारण आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के मूल्यांकन हेतु लगाया गया अनुमानों में इस बात का जोखिम बहुत अधिक होता है कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों अथवा प्रक्रियाओं एवं नीतियों में कमी होने के कारण अनुपालन की स्थिति कमजोर हो जाती है और शर्तों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्तता बढ़ जाती है ।

राय

9. इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर एकाउंटेट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर उक्त मार्गदर्शी नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों के बारे में विचार करते हुए हमारी राय में धारक कंपनी, सहायक कंपनी और संयुक्त उपक्रम जिनका निगमन भारत में हुआ है, के पास सभी सामग्री के संबंध में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है तथा ऐसे दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को प्रभावी रूप से प्रचालित की गई ।

अन्य मामलें

10. वित्तीय रिपोर्टिंग के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता एवं प्रचालन प्रभाव पर अधिनियम 143(3)(i) के अधीन हमारी रिपोर्ट का संबंध एक सहायक कंपनी, और 13 संयुक्त उपक्रम, जिनका निगमन भारत में हुआ है, के लेखापरीक्षकों के रिपोर्टों के पत्राचार पर आधारित है ।

कृते एस वेंकटराम एवं कंपनी
शासपत्रित लेखाकार
एफ आर सं. 0046565

एस सुंदररामन
भागीदार
सदस्यता सं.201028

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 29 जून 2017

सं. रिपोर्ट/2017-18/एचएएल लेखा/165
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर -560 001
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL
AUDIT and Ex-Officio Member, AUDIT BOARD,
BANGALORE - 560 001

गोपनीय
स्पीड पोस्ट द्वारा

दिनांक / Date 14 जुलाई 2017

सेवा में,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
मुख्यालय, 15/1 कब्बन रोड
बेंगलूर - 560 001

महोदय,

विषय : कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

मैं 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के लेखाओं पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का शून्य टिप्पणी प्रमाण-पत्र अग्रेषित करता हूँ।

कृपया सुनिश्चित करें कि टिप्पणियाँ

1. बिना कोई संशोधन किए पूर्ण रूप से छापी जाए।
2. सूची में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाए।
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत आवश्यकतानुसार वार्षिक आम बैठक में रखा जाए।

कृपया पत्र की पावती भेजें।

भवदीय,

(एस गुणशेकरन, आईए एंड एएस)
उप निदेशक (रिपोर्ट्स)

संलग्न : यथोपरि।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT
पहला तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर -560 001
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bangalore - 560 001
दू.भा./Phone.2226 7646/2261168 फैक्स/Fax. 080-22262491
ई-मेल : mabbangalore@cag.gov.in

दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के समेकित वित्तीय लेखे पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6) (बी) के अधीन भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन निर्धारित वित्तीय प्रतिवेदन ढाँचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी कंपनी के प्रबंध का उत्तरदायित्व है । भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक द्वारा धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139(5) के अधीन नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक इन वित्तीय विवरणों पर अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 के अधीन किए गए स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर मत अभिव्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं । उनके द्वारा ऐसा किया गया है जिसे दिनांक 29 जून 2017 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया है ।

मैंने, भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की तरफ से उक्त अधिनियम की धारा 143(6)(ए) के अधीन दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के समेकित वित्तीय विवरण की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है । हमने हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलूर के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की । लेकिन उक्त वर्ष की तिथि पर हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (अनुबंध के अनुसार) की एक सहायक कंपनी (नैनी एरोस्पेस लिमिटेड, इलाहाबाद) एवं तेरह संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा नहीं की । आगे उक्त संयुक्त उद्यम कंपनियाँ निजी इकाइयों होने के नाते अधिनियम की धारा 139(5) एवं 143(6) (बी) लागू नहीं है तथा इन इकाइयों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति एवं अनुपूरक लेखापरीक्षा लागू नहीं है । तदनुसार, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने इन कंपनियों के लिए न ही सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति की है तथा न ही अनुपूरक लेखापरीक्षा की है । यह अनुपूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्य–पत्रक देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है तथा प्रमुख रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों तथा कंपनी के प्रतिनिधियों से पूछताछ और कुछ चुनिंदा लेखा अभिलेखों की परीक्षा तक सीमित है ।

मेरी लेखा परीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसे किसी प्रकार की टिप्पणी अथवा सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर कोई अनुपूरक स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो ।

कृते एवं भारत के नियंत्रक व
महालेखापरीक्षक की ओर से

(प्राची पाण्डेय, आई ए एण्ड ए एस)
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा व
पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड, बेंगलूर

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 14 जुलाई 2017

अनुबंध

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के संयुक्त उद्यम कंपनियों की सूची

1. बीएई एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड, बेंगलूर
2. इंडो–रशियन एविएशन लिमिटेड, नासिक
3. स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर
4. सैमटेल एचएएल डिसप्ले सिस्टम्स लिमिटेड, नई दिल्ली
5. हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर
6. एचएएल–एजवुड टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर
7. इनफोटेक एचएएल लिमिटेड, बेंगलूर
8. हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर प्रशिक्षण प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर
9. टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड, बेंगलूर
10. इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर
11. मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड, बेंगलूर
12. एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल
13. हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड

सं. रिपोर्ट्स /2017-18/नैनी लेखा/157
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर -560 001
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL
AUDIT and Ex-Officio Member, AUDIT BOARD,
BANGALORE - 560 001

गोपनीय
स्पीड पोस्ट द्वारा

दिनांक/Date 11 जुलाई 2017

सेवा में,
अध्यक्ष
नैनी एरोस्पेस लिमिटेड
यू पी एस आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया
पोस्ट टी.एस.एल., नैनी
इलाहाबाद -211010

महोदय,

विषय : कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

मैं 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए नैनी एरोस्पेस लिमिटेड, इलाहाबाद के लेखाओं पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का "नॉन रिव्यु प्रमाण-पत्र" अग्रेषित करता हूँ।

कृपया सुनिश्चित करें कि टिप्पणियाँ:

1. बिना कोई संशोधन किए पूर्ण रूप से छापी जाए ।
2. सूची में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाए ।
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(बी) के तहत आवश्यकतानुसार वार्षिक आम बैठक में रखा जाए ।

कृपया पत्र की पावती भेजें ।

भवदीय,

(एस गुणशेकरन)
उप निदेशक (रिपोर्ट्स)

संलग्न : यथोपरि ।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT
पहला तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर -560 001
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bangalore - 560 001
दू.भा./Phone.2226 7646/2261168 फैक्स/Fax. 080-22262491
ई-मेल : mabbangalore@cag.gov.in

दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए नैनी एरोस्पेस लिमिटेड. इलाहाबाद के वित्तीय लेखे पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(बी) के अधीन भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के अधीन निर्धारित वित्तीय प्रतिवेदन मानदंड के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए नैनी एरोस्पेस लिमिटेड. इलाहाबाद के वित्तीय विवरणों की तैयारी का उत्तरदायित्व कंपनी के प्रबंधन का है । भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(7)[1] के अंतर्गत नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक इन वित्तीय विवरणों पर अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार धारा 143 के अधीन किए गए स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर मत अभिव्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं । उनके द्वारा ऐसा ही किया गया है, जिसका दिनांक 17.05.2017 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लेख भी है ।

मैंने, भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की ओर से उक्त अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के अधीन दिनांक 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए नैनी एरोस्पेस लिमिटेड. इलाहाबाद के वित्तीय विवरण की अनुपूरक लेखापरीक्षा नहीं करने का निर्णय लिया है ।

कृते एवं भारत के नियंत्रक व
महालेखापरीक्षक की ओर से

Prachi Pandey
11.7/XVII

(प्राची पाण्डेय, आई ए एण्ड ए एस)
प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा व
पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड, बेंगलूर

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 11 जुलाई 2017

---

[1] नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा पहले लेखापरीक्षक की नियुक्ति के संदर्भ में

31 मार्च 2017 के अनुसार समेकित तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015
परिसंपत्तियाँ				
(1) अ . गैर चालू परिसंपत्तियाँ				
(क)–i संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर	1			
सकल ब्लॉक	1ए	1116565	1028892	929156
घटाएँ : संचित मूल्यह्रास	1बी	538119	484450	425573
निवल ब्लॉक		578446	544442	503583
ii. संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर–ग्राहक द्वारा निधिपोषण	1			
सकल ब्लॉक	1डी	5854	–	–
घटाएँ : संचित मूल्यह्रास	1ई	322	–	–
निवल ब्लॉक		5532	–	–
(ख) पूंजीगत चालू कार्य	2	62112	37537	22702
(ग) संपत्ति निवेश	3			
सकल ब्लॉक	3ए	9	9	9
घटाएँ : संचित मूल्यह्रास	3बी	5	5	5
निवल ब्लॉक		4	4	4
(घ) गुडविल	4	–	–	–
(ङ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5			
सकल ब्लॉक	5ए	307310	303562	298009
घटाएँ : संचित परिशोधन	5बी	165948	155478	134314
निवल ब्लॉक		141362	148084	163695
(च) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	6			
सकल ब्लॉक	6ए	130094	102598	76945
घटाएँ : संचित परिशोधन	6बी	31698	29047	25280
घटाएँ : क्षतिग्रस्त	6सी	11762	8552	7548
निवल ब्लॉक		86634	64999	44117
(छ) संयुक्त उद्यम में निवेश	7	20464	19006	19496
(ज) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश–अन्य	7ए	78935	72573	56993
(ii) व्यापार प्रापण	8	1023	–	1554
(iii) ऋण	9	5888	5199	5225
(iv) अन्य	10	36745	40132	37333
(v) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	11	–	–	–
(झ) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	12	121067	148624	135656
उप योग – अ		**1138212**	**1080600**	**990358**
(2) ब. चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) माल सूची	13	2132136	2398162	2495281
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(ii) निवेश	14	–	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	15	421028	483689	609287
(iii) नकद एवं नकद के समतुल्य	16	1115334	1330343	1767139
(iv) उपरोक्त (iii) के अतिरिक्त बैंक में जमा शेष राशि	17	–	–	–
(v) ऋण	18	9881	9805	17596
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	19	258164	220882	198680
(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	20	11493	–	10040
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	21	69011	129697	159404
उप योग – ब		**4017047**	**4572578**	**5257427**
कुल परिसंपत्तियाँ (अ +ब)		**5155259**	**5653178**	**6247785**

31 मार्च 2017 के अनुसार समेकित तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	01 अप्रैल 2015
साम्या एवं देयताएँ				
(1) अ. साम्या				
(क) साम्य शेयर पूंजी	22	36150	36150	48200
(ख) अन्य साम्य	23	1219761	1067071	1441941
उप योग – अ		**1255911**	**1103221**	**1490141**
देयताएँ				
(1) ब. अव्यवहरित देयताएँ				
(क) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	24	–	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	25	19255	–	340
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	26	37157	39731	37323
(ख) प्रावधान	27	202974	248251	257282
(ग) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	28	95992	81475	66078
(घ) अन्य गैर चालू देयताएँ	29	984724	915455	875131
उप योग – ब		**1340102**	**1284912**	**1236154**
(2) स. चालू देयताएँ				
(क) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	30	95000	–	–
(ii) व्यापार प्रापण	31	160467	215122	226757
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	32	109764	97694	111701
(ख) अन्य चालू देयताएँ	33	1906140	2678740	2935853
(ग) प्रावधान	34	287875	263766	247179
(घ) अन्य चालू देयताएँ (निवल)	35	–	9723	–
उप योग – ग		**2559246**	**3265045**	**3521490**
कुल साम्या एवं देयताएँ– (अ +ब+स)		**5155259**	**5653178**	**6247785**

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकद प्रवाह का विवरण

(रुपये लाखों में)

क्र.सं	विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
	राजस्व–			
I.	प्रचालनों से प्राप्त राजस्व	36	1855493	1715850
II.	अन्य आय	37	104189	159614
III.	**कुल आय (I+II)**		**1959682**	**1875464**
IV.	**व्यय**			
	खपत सामग्री की लागत	38	840432	881186
	व्यापारगत माल का क्रय	38ए	29073	36368
	तैयार माल, प्रगत कार्य और व्यापारगत माल एवं रद्दी की माल सूची में परिवर्तन	39	51091	-56231
	उत्पाद शुल्क		60336	40012
	कर्मचारी लाभ पर व्यय	40	357049	327438
	वित्तीय लागतें	41	1022	–
	मूल्यह्रास और परिशोधन पर व्यय एवं क्षतिग्रस्त हानि	42	71292	86282
	अन्य व्यय	43	124923	117607
	प्रगत कार्य पर प्रत्यक्ष इनपुट / पूंजीगत व्यय	44	46561	51193
	प्रावधान	45	81187	105112
	कुल सकल व्यय		1662966	1588967
	घटाएँ : पूंजी एवं अन्य लेखों से संबंधित व्यय	46	60794	33602
	कुल व्यय (IV)		**1602172**	**1555365**
V.	**असाधारण मदों एवं कर से पूर्व लाभ /(हानि) (III-IV)**		**357510**	**320099**
VI.	साम्या पद्धति का उपयोग करके संयुक्त उद्यमों के लाभ/(हानि) का शेयर		1666	1192
VII.	**असाधारण मदें**		–	–
VIII.	**कर पूर्व लाभ/(हानि) (V+VI)**		**359176**	**321291**
IX.	कर व्यय :			
	(1) चालू कर		82178	84589
	(2) न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) ऋण हकदारी		–	20906
	(3) पूर्व कर		–	–
	(4) आस्थगित कर		14517	15397
X.	**चालू प्रचालनों से अवधि की बाबत लाभ (हानि) (VIII-IX)**		**262481**	**200399**
XI.	प्रचालन बंद होने से लाभ/(हानि)		–	–
XII.	प्रचालनों के बंद होने के कर व्यय		–	–
XIII.	प्रचालनों के बंद होने से लाभ/(हानि) (करेपरांत) (XI-XII)		–	–
XIV.	**अवधि की बाबत लाभ/(हानि) (X+XIII)**		**262481**	**200399**
XV.	**अन्य व्यापक आय**			
	क (i) मदें जो लाभ या हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत नहीं की जाएंगी	47	930	1029
	(ii) साम्या पद्धति में लेखा किया गया संयुक्त उद्यमों के अन्य व्यापक आय का शेयर		3	4
	(iii) आयकर संबंधी मदें जो लाभ या हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत नहीं की जाएंगी		-323	-357
	ख (i) मदें जो लाभ या हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत की जाएंगी	48	1	-4
	(ii) साम्या पद्धति में लेखा किया गया संयुक्त उद्यमों के अन्य व्यापक आय का शेयर		4	6
	(iii) आयकर संबंधी मदें जो लाभ या हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत की जाएंगी		–	2
			615	680
XVI.	**अवधि हेतु कुल व्यापक आय** (XIV-XV) **(अवधि हेतु लाभ (हानि) तथा अन्य व्यापक आय शामिल)**		**263096**	**201079**
XVII.	प्रति साम्या शेयर पर उपार्जन (चालू प्रचालनों के लिए):			
	(1) मूल		72.61	41.58
	(2) मिश्रित		72.61	41.58
XVIII.	प्रति साम्या शेयर पर उपार्जन (बंद प्रचालनों के लिए):			
	(1) मूल		–	–
	(2) मिश्रित		–	–
XIX.	प्रति साम्या शेयर पर उपार्जन (चालू एवं बंद प्रचालनों के लिए):			
	(1) मूल		72.61	41.58
	(2)मिश्रित		72.61	41.88

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028
स्थान : बेंगलूरु
दिनांकः 29 जून, 2017

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

समेकित – 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए साम्या में परिवर्तन का विवरण

क. साम्या शेयर पूंजी (रु. लाखों में)

1 अप्रैल 2015 को शेष	वर्ष 2015-16 के दौरान साम्या शेयर पूंजी में परिवर्तन	31 मार्च 2016 को शेष	वर्ष 2016-17 के दौरान साम्या शेयर पूंजी में परिवर्तन	31 मार्च 2017 को शेष
48200	-12050	36150	–	36150

ख. अन्य साम्या (रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षण एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
1 अप्रैल 2015 के दौरान शेष	**17438**	**–**	**1431009**	**–**	**-6506**	**–**	**1441941**
चालू वर्ष अंतरण	14669	12050	–	–	–	–	26719
वर्ष के दौरान लाभ	–	–	–	200399	–	–	200399
चालू वर्ष में वापसी	-593	–	–	–	–	–	-593
लाभ एवं हानि विवरण से अंतरित अधिशेष	–	–	112298	–	–	–	112298
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि से अंतरण	–	–	593	–	–	–	593
परिवर्तन में मूलह्रास	–	–	-25	–	–	–	-25
शेयर की पुनः खरीद पर आहरित	–	–	-514542	–	–	–	-514542
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-14669	–	–	-14669
कर सहित अंतरिम लाभांश	–	–	–	-61382	–	–	-61382
पूंजी मोचन आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-12050	–	–	-12050
सामान्य आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-112298	–	–	-112298
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद	–	–	–	–	–	2	2
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	–	2	2
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद	–	–	–	–	1033	–	1033

(रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षण एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	-357	–	-357
31 मार्च 2016 को शेष	**31514**	**12050**	**1029333**	**–**	**-5830**	**4**	**1067071**
1 अप्रैल 2016 को शेष	**31514**	**12050**	**1029333**	**–**	**-5830**	**4**	**1067071**
चालू वर्ष अंतरण	19656	–	–	–	–	–	19656
वर्ष के लिए लाभ	–	–	–	262481	–	–	262481
चालू वर्ष में वापसी	-1604	–	–	–	–	–	-1604
लाभ एवं हानि के विवरण से अंतरण अधिशेष	–	–	146539	–	–	–	146539
लाभ एवं हानि के विवरण को अंतरण	–	–	-14120	–	–	–	-14120
सामान्य आरक्षित निधि से अंतरण	–	–	–	14120	–	–	14120
कर सहित अंतरिम लाभांश	–	–	–	-96286	–	–	-96286
कर सहित अंतिम लाभांश	–	–	–	-14120	–	–	-14120
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-19656	–	–	-19656
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद	–	–	–	–	–	5	5
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	–	–	–
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद	–	–	–	–	933	–	933

(रु. लाखों में)

विवरण	आरक्षण एवं अधिशेष				साम्या का अन्य घटक		कुल योग
	अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि	पूंजी मोचन आरक्षित निधि	सामान्य आरक्षित निधि	प्रतिधारित उपार्जन	निवल सुस्पष्ट लाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	
लाभ अथवा हानि के रूप में पुनःवर्गीकृत न किए जाने वाले मद से संबंधित आय कर	–	–	–	–	-323	–	-323
सामान्य आरक्षित निधि को अंतरण	–	–	–	-146539	–	–	-146539
अनुसंधान एवं विकास आरक्षित निधि से अंतरण	–	–	1604	–	–	–	1604
31 मार्च 2017 को शेष	**49566**	**12050**	**1163356**	**–**	**-5220**	**9**	**1219761**

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक: 29 जून, 2017

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकद प्रवाह का विवरण

(रु. लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	2016-17		2015-16	
I.	**प्रचालन कार्यकलापों से नकद प्रवाह**				
	लाभ एवं हानि विवरण के अनुसार निवल लाभ		360114		322326
	प्रचालन कार्यकलापों द्वारा प्रावधान किए गए निवल नकद की तुलना में प्रचालन संबंधी कार्यकलापों द्वारा प्रदत्त:				
	संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर की बिक्री पर (लाभ) / हानि	-80		-198	
	प्रदत्त ब्याज	1022		-	
	प्राप्त ब्याज-ग्राहक को निवल ब्याज की देयता	-		-	
	प्राप्त लाभांश	-47		-14	
	उचित मूल्य समायोजन पर निवल (अभिलाभ)/ हानि	820		-	
	निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	123		1472	
	मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	71292		86282	
	उप-योग		73130		87542
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ		433244		409868
	प्रचालन परिसंपत्तियों और देयताओं में परिवर्तन हेतु समायोजन:				
	व्यापार प्राप्य	61638		127153	
	ऋण, वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं अन्य परिसंपत्तियाँ	52508		-452	
	सामग्री सूचियाँ	266026		97118	
	व्यापार देय	-35401		-11974	
	वित्तीय देयताएँ, प्रावधान एवं अन्य देयताएँ	-714748		-220825	
	उप-योग		-369977		-8980
	प्रचालनों से उत्पन्न नकद		63267		400888
	प्रदत्त प्रत्यक्ष कर		-103717		-86088
	प्रचालन कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध निवल नकद (क)		-40450		314800
II.	**निवेश कार्यकलापों से नकद प्रवाह**				
	किया गया निवेश	-6362		-15580	
	संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर में निवेश[1]	-120147		-116129	
	अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-31244		-31206	
	संयुक्त उद्यम में निवेश	-1581		-982	
	सहायक कंपनी में निवेश	-		-	
	अल्पावधि जमा का निवेश/ (अवधिपूर्ण)	459560		298344	
	प्राप्त ब्याज-ग्राहक को देयता निवल ब्याज	-		-	
	प्राप्त लाभांश	47		14	
	संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर का बिक्री	1156		261	
	निवेश कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध कराया गया (प्रयुक्त) निवल नकद (ख)		301429		134722

(रु. लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	2016-17		2015-16	
III.	**वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह**				
	शेयरों की पुनः खरीद	-		-526592	
	प्रदत्त ब्याज	-1022		-	
	बैंक से ऋण	95000		-	
	प्रदत्त लाभांश (अंतरिम/ कर सहित अंतिम लाभांश)	-110406		-61382	
	वित्तीय कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (ग)		**-16428**		**-587974**
	सार-संक्षेप :				
I.	प्रचालन कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (क)		-40450		314800
II.	निवेश कार्यकलापों द्वारा उपलब्ध कराया गया (प्रयुक्त) निवल नकद (ख)		301429		134722
III.	वित्तीय कार्यकलापों से उपलब्ध कराया गया निवल नकद (ग)		-16428		-587974
	वर्ष के दौरान नकद एवं नकद के समतुल्य निवल वृद्धि		**244551**		**-138452**
	वर्ष के प्रारंभिक नकद एवं नकद के समतुल्य[2]		34405		172857
	वर्ष के अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य[2]		278956		34405
	वर्ष के दौरान नकद एवं नकद के समतुल्य निवल वृद्धि		**244551**		**-138452**
	आईएनडी-एस 7 के अनुसार अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य		278956		34405
	जोड़ें : नोट 16 में शामिल अन्य बैंक शेष		836378		1295938
	नोट 16 अनुसार अंतिम नकद एवं नकद के समतुल्य		**1115334**		**1330343**

टिप्पणी :

1. अवधि के प्रारंभ और अंत में प्रगति कार्यपूंजी सहित अचल परिसंपत्तियों की खरीद का उल्लेख किया गया है।
2. नकद एवं नकद के समतुल्य में बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं में रखे गए अल्पावधिक जमाएँ शामिल हैं।
3. जहाँ कहीं भी आवश्यक हुआ है, विगत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्व्यवस्थित अथवा पुनर्समूहित किया गया है।
4. नकद एवं नकद का समतुल्य उपयोग के लिए पूर्ण रूप से उपलब्ध है।

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखांकन का आधार

समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 01 अप्रैल, 2016 से कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली के सुसंगत नियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम – 2013 की धारा 133 के अंतर्गत यथा निर्धारित भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) में निहित सभी महत्त्वपूर्ण पहलुओं के अनुपालन हेतु तैयार किये जाते हैं ।

2. अनुमानित आँकड़ों का उपयोग

भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) की मान्यता एवं मापन सिद्धांतों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी, निर्णय तथा धारणा को मूर्त रूप देने में कम्पनी प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जो परिसंपत्तियों एवं देयताओं के सूचित किए गए बकायों, वित्तीय विवरणों की तारीख तक आकस्मिक देयताओं संबंधी प्रकटन तथा सूचित की गई राजस्व राशि एवं रिपोर्ट की अवधि से संबंधित व्यय को प्रभावित करती है।

वर्तमान आधार पर अनुमानित आँकड़ों तथा रेखांकित धारणाओं की समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानित आँकड़ों में संशोधन स्थिति में यदि उक्त अवधि में सामग्री के संबंध में जानकारी प्राप्त हो जाती है, तो लेखांकन अनुमानित आँकड़ों में संशोधन किया जाता है ।

3. समेकन का आधार

संयुक्त उद्यम कंपनियों में हितों का आकलन किए गए निवेश की सीमा तक लेखांकन की साम्या पद्धति का उपयोग करके किया गया है। सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण को पंक्तिबद्ध आधार पर समेकित किया जाता है ।

4. संपत्ति, संयत्र एवं उपस्कर :

क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण से संबंधित संचित मूल्यह्रास तथा क्षति, नुकसान यदि कोई हो तो उन्हें निवल लागत कहा जाता है ।

ख) प्रबंधन के उद्देश्य के अनुरूप जब संयंत्र और उपकरण उपयोग के लिए तैयार हो जाते हैं, तब योग्य परिसंपत्ति संबंधी उधार लागत सहित प्रत्यक्ष रूप से लगी लागत भी पूँजीगत हो जाती है ।

ग) प्रमुख निरीक्षण लागतें, सहायक पुर्जे, वैकल्पिक एवं सेवाकार्य उपकरणों सहित संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर संबंधी परवर्ती व्यय, को तभी पूँजीकृत किया जाता है, जब इनसे संबंधित भावी आर्थिक हित जिनसे कंपनी को आगे बढ़ने में मदद मिले और वस्तु की लागत का भलीभाँति मूल्यांकन हो सके ।

घ) पहली बार अधिग्रहण संबंधी आईएनडी एएस 101 के उपबंधों के अनुसार, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2015 के अनुसार प्रारंभिक तुलन पत्र में आँकी गई लागत के अनुरूप अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की धारित कीमत के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है ।

ङ) पट्टे की भूमि को पूँजीगत किया जाता है तथा पट्टे की अवधि के साथ इसका अवमूल्यन होता है ।

च) आईएनडी एएस के पैरा डी–36 के अनुसार, ग्राहक द्वारा वित्तपोषित परिसंपत्तियों के संबंध में कंपनी ने दिनांक 01–04–2016 के बाद खरीदी गई पूँजीगत परिसम्पत्तियों को अधिग्रहण करते हुए आईएनडी एस के परिशिष्ट–ग के माध्यम से आवेदन दिया है ।

छ) कंपनी अधिनियम – 2013 की अनुसूची II में यथानिर्धारित अनुमानित उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक होने पर अवमूल्यन का आकलन साधारण रूप से किया जाता है। रु.50,000 एवं उससे कम की लागत वाले संयंत्र और उपस्कर में भी खरीद के वर्ष में पूर्णत: अवमूल्यन हो जाता है।

ज) जहाँ सम्पत्ति, संयंत्र और उपस्कर के किसी मद की लागत अधिक है तथा जिनकी अलग उपयोगी कार्यक्षमता अवधि होती है, उन्हें पृथक कलपुर्जों के रूप में मान कर उनके अनुमानित उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक होने पर उनमें भी अवमूल्यन होता है।

झ) संबंधित परिसंपत्तियों की प्रकृति एवं उपयोग के आधार पर तकनीकी मूल्यांकन एवं प्रबंधन के अनुमानित आँकड़ों पर आधारित उक्त परिसंपत्तियों से प्राप्त किये जाने में अपेक्षित उत्पादन के यूनिटों की संख्या अधिक होने पर कतिपय विशेष औजार जैसे मदों में परिशोधन किया जाता है।

ञ) उक्त पूँजीकरण वर्ष में सीएसआर परिसम्पत्ति का पूर्णत: अवमूल्यन हो जाता है।

ट) उक्त परिसंपत्ति की बिक्री अथवा अमान्य अथवा परिसम्पत्ति की समाप्त अवधि के साथ-साथ उक्त सुसंगत अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्य प्राप्ति अथवा नुकसान होने पर वित्तीय विवरण से लागत तथा संबंधित संचित अवमूल्यन को हटा दिया जाता है।

ठ) किसी संभावना के आधार पर आंकलित अनुमानित आँकड़ों में परिवर्तन करते हुए प्रत्येक रिपोर्ट की अवधि के अंत तक अनुमानित उपयोगी कार्यक्षता अवधि, निम्नतम मूल्यों एवं अवमूल्यन/परिशोधन पद्धति की समीक्षा की जाती है ।

5. निवेश संपत्ति

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण से संबंधित संचित मूल्यह्रास तथा क्षति, नुकसान यदि कोई हो तो उन्हें निवल लागत कहा जाता है। पहली बार अधिग्रहण संबंधी आईएनडी एएस 101 के उपबंधों के अनुसार, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2015 के अनुसार, परिवर्तित तिथि यथा 01 अप्रैल, 2015 को मानी गई लागत के अनुसार अपने भारतीय जीएएपी वित्तीय विवरण में मान्य अपनी सभी निवेश संपत्ति के लिए धारित मूल्यों के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है।

6. अर्मूत परिसंपत्तियाँ

क) संचित परिशोधन तथा संचित क्षति, नुकसान, यदि कोई हो, के संबंध में निम्न लागत पर अमूर्त परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है ।

ख) अनुसंधान एवं विकास संबंधी व्यय, जिस वर्ष में किया जाता है, उसी वर्ष में उसे प्रभारित किया जाता है ।

ग) किसी उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से संबंधित विकास लागत को अमूर्त परिसंपत्ति तथा उसके उपयोगी कार्यक्षमता अवधि से अधिक परिशोधन के रूप में मान्यता दी जाती है ।

घ) उक्त परिसंपत्तियों से भावी आर्थिक लाभ तथा लागत के मापन की विश्वसनियता के संदर्भ में अमूर्त परिसंपत्तियों के मानदंडों की परिभाषा पर आधारित लाईसेंस शुल्क, प्रलेखन प्रभार आदि संबंधी व्यय में तकनीकी अनुमानों संबंधी अति उत्पादन की स्थिति में परिशोधन किया जाता है तथा किसी सीमा तक परिशोधित न किये जाने पर उसे आगे ले लिया जाता है ।

ङ) आंतरिक प्रयोग हेतु सृजित/प्राप्त आंतरिक रूप से सॉफ्टवेयर की लागत, जो कि संबंधित हार्डवेयर का एकीकृत भाग नहीं है को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है तथा सीधी रेखा पद्धति के अनुसार इसके उपयोगी कार्यक्षमता अवधि में परिशोधन किया जाता है। परिशोधन का कार्य तब प्रारंभ होता है जब उक्त परिसंपत्ति उपयोग किये जाने के लिए उपलब्ध हो ।

च) जहां कहीं किसी अमूर्त परिसंपत्ति की उपयोगी कार्यक्षमता अवधि का मूल्यांकन करना संभव न हो, तो उसे परिशोधित नहीं किया जाता। अमूर्त परिसंपत्तियों से संबंधित क्षति की वार्षिक रूप से समीक्षा की जाती है तथा जब क्षति होने का संकेत हो तभी परिसंपत्ति में क्षति देखी जाती है ।

7. **दीर्घकालिक निवेश**

क) भारतीय लेखा मानक 101 के अनुसार, पहली बार अधिग्रहण संबंधी उपबंधों के अंतर्गत कंपनी ने 01 अपैल, 2015 को प्रारंभिक तुलन पत्र में दर्शायी गई लागत के अनुसार निवेश की गई धनराशि के संबंध में विचार करने का निर्णय लिया है।

ख) ऐसे निवेश के मूल्य में निम्न लागत की संचित क्षति पर प्रत्येक के संबंध में निवेश किये जाते हैं।

ग) निवेश लागत में दलाली, शुल्क एवं सीमा शुल्क जैसे अधिग्रहण प्रभार शामिल है।

घ) जब निवेश के मूल्य में गिरावट होती है तब निवेश के मूल्य में क्षति देखी जाती है।

8. **परिसंपत्तियों की क्षति**

जैसा कि प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख के अंत में, परिसंपत्ति की धारित राशि का मूल्यांकन किया जाता है, मानो जैसे वहां कोई क्षति का संकेत हो। यदि अनुमानित वसूली राशि धारित राशि से कम पाई जाती है, तो क्षति की हानि को मान कर वसूली योग्य राशि को परिसंपत्ति के साथ लिखा जाता है।

9. **वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ**

कंपनी प्रारंभ से सभी वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं के उचित मूल्य को जानती है तथा परवर्ती मूल्यांकन परिशोधित लागत पर किये जाते हैं।

10. **आस्थगित ऋण**

आयातित सामग्री की लागत हेतु आस्थगित भुगतान शर्तों के अधीन भुगतान न की गई किस्तों तथा उपस्कर/उत्पाद की टूलिंग मात्रा को ग्राहक से आस्थगित ऋण के रूप में आँका जाता है तथा यदा-कदा वसूली कर किस्तों का भुगतान किया जाता है।

11. **व्यापार से प्राप्य राशियाँ**

सरकारी विभागों से प्राप्त ऋण को सामान्यत: पूर्ण रूप से वसूली योग्य माना जाता है तथा इस प्रकार कंपनी ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के ऋण जोखिम को नहीं मानती है। अपेक्षित ऋण-हानि के कारण हुई क्षति का मूल्यांकन किसी महत्त्वपूर्ण समयावधि के लिए शेष बकायों के संबंध में मामलों के आधार पर किया जा रहा है।

12. **व्यापार एवं अन्य देयताएँ**

ऐसे माल/सेवाओं, जिसके संबंध में आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल प्राप्त हुआ हो या नहीं, भविष्य में भुगतान की जाने वाली राशियों को देयताएँ माना जाता है ।

13. **माँग-सूचियाँ**

क) निम्नतर लागत एवं निवल वसूली योग्य मूल्य पर माँग-सूचियों का मूल्य निर्धारण होता है ।

ख) मार्गस्थ माल को छोड़कर कच्ची सामग्री की लागत में, भार संबंधी औसत लागत सूत्र का उपयोग करके कलपुर्जे एवं सामग्रियाँ सुपुर्द की जाती हैं। मार्गस्थ माल का मूल्य प्राप्ति की तारीख पर लागत के अनुसार निर्धारित की जाती है। तैयार माल, विक्रय माल एवं प्रक्रिया चालू कार्य की स्थिति में, लागत के अंतर्गत क्रय लागत, संपरिवर्तन लागत एवं मांग-सूचियों के अनुसार उनके वर्तमान स्थान एवं स्थिति से लाये जाने में व्यय की गई अन्य लागत शामिल है ।

ग) प्रचुरता के प्रावधान का मूल्यांकन कच्ची सामग्री तथा कलपुर्जों, माल एवं स्पेयर पुर्जों तथा निर्माण कार्य से संबंध सामग्रियों की अंतिम मांग सूची के मूल्य की उपयुक्त प्रतिशतता/स्तर पर पुरानेपन के आधार पर किया जाता है। इसके अतिरिक्त जहां कही आवश्यक हो पूरे किये गये/विशिष्ट प्रोजेक्टों तथा अवशिष्ट माल के रूप में अंतरण हेतु लंबित अन्य अधिशेष/प्रचुर सामग्री के संबंध में ऐसी सामग्री की प्रचुरता के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है ।

घ) निवल प्राप्य मूल्य पर बिक्री योग्य/निपटान योग्य अवशिष्ट की कीमत बढ़ जाती है ।

ङ) वर्ष के अंत में घोषित अधिशेष/अप्रयुक्त/प्रचुर माल मांग–सूची के रूप में मान्य नहीं होते हैं ।

च) वर्ष के अंत में भंडार से जारी खपत योग्य माल एवं अप्रयुक्त माल मांग–सूची में मान्य नहीं होते हैं ।

14. राजस्व मान्यता

14.1 विनिर्माण, मरम्मत तथा पुनर्कल्पन/अतिरिक्त बिक्री

क) विक्रय निम्न आधार पर किया जाता है ।

i. विमानों एवं हेलिकॉप्टरों के विनिर्माण के संबंध में सिग्नलिंग आउट प्रमाणपत्र रूप में विक्रेता के निरीक्षक द्वारा स्वीकृति।

ii. अतिरिक्त पुरज़ों जैसे अन्य प्रदेय सामग्री के लिए विक्रेता की निरीक्षण एजेंसी या विक्रेता की सहमति के आधार पर बिक्री की जाती है ।

iii. विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन एवं मरम्मत रोटेबल की मरम्मत/ओवरहॉल, साइट रिपेयर, कैट "बी" रिपेयर सर्विसिंग आदि के लिए, विक्रेता की निरीक्षण एजेंसी की स्वीकृति अथवा विक्रेता की सहमति की मान्यता पर बिक्री की जाती है ।

iv. विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन के लिए कार्यासमाप्ति सेवा की प्रतिशतता (पीओसी) पद्धति के आधार पर बिक्री की जाती है ।

ख) ग्राहकों से मूल्य संबंधी सहमति के आधार पर बिक्री की जाती है । जहां ग्राहकों से मूल्य के संबंध में सहमति अभी होनी है, तो वहां अनंतिम आधार पर बिक्री की जाती है।

ग) रिपोर्ट की अवधि के अंदर आने वाली वारंटी की सीमा तक वारंटी संबंधी राजस्व को अनुपातिक रूप में मान्य किया जा रहा है ।

14.2 विकास बिक्री

कार्यादेशों एवं ठेके के अनुसार प्राप्त उपलब्धियों के अनुरूप जानने योग्य व्यय के आधार पर विकास बिक्री को मान्यता दी जाती है। जहां संबंधित संविदा के अनुसार उपलब्धियां परिभाषित नहीं की गई हैं, वहां वास्तविक होने वाले व्यय के आधार पर बिक्री को मान्यता दी जाती है।

15. कर्मचारियों के लिए लाभ

क) उपदान तथा भविष्य निधि सुस्पष्ट लाभप्रद योजनाएँ हैं और पात्र कर्मचारियों के संबंध में वास्तविक बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता प्रदान की जाती है तथा प्रगामी रूप से ट्रस्ट को प्रेषित की जाती है

ख) अर्जित छुट्टी के लिए प्रावधान सुस्पष्ट लाभप्रद योजना के अंतर्गत हैं तथा बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता प्रदान की जाती है।

ग) कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना और सेवानिवृति पश्चात सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना सुस्पष्ट अंशदान योजना के अंतर्गत है और इस संबंध में मूल निधि (कॉर्पस) में दिए गए अंशदान को कंपनी द्वारा ट्रस्ट को भेजा जाता है । कंपनी की देयता इन निधियों के लिए किए गए अंशदान की सीमा तक सीमित है।

16. विदेशी मुद्रा संबंधी लेनदेन

परिसंपत्ति एवं देयताओं को प्रत्येक तुलन पत्र में प्रचलित दर के अनुसार पुन: स्थापित किया जाता है। इसके कारण आय/व्यय को लाभ तथा हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ।

17. आयकर

क) आयकर अधिनियम, 1961 ('अधिनियम') के उपबंधों के अनुसार यथानिर्धारित उक्त कर के लिए कर योग्य आय संबंधी देयकर की धनराशि वर्तमान कर होती है। वर्तमान कर में उक्त अधिनियम की धारा 115 जेबी के अधीन/तथा उक्त अधिनियम के सामान्य उपबंधों के अनुसार आकलित कर–देयता शामिल है ।

ख) आस्थगित कर को कर–निर्धारण उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त उक्त धन राशियों तथा वित्तीय रिपोर्ट के उद्देश्य से परिसंपत्तियों एवं देयताओं की धारित राशि के बीच के अस्थायी अंतरों के लिए तुलन पत्र पद्धति का उपयोग करके आस्थगित कर को स्वीकृति प्रदान की जाती है। आस्थगित कर देयता से अधिक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को उस सीमा तक मान्यता दी जाती है, जहां तक यह संभावित हो कि भावी कर योग्य लाभ अस्थायी अंतर के उपयोग किये जाने पर भी उपलब्ध रहेंगे। आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर की जाती है तथा उसे उस सीमा तक कम किया जाता है, जिससे इसके अधिक लंबे समय तक होने की संभावना कम करते हुए संबंधित कर लाभ भी प्राप्त हो जाए।

18. कंपनी द्वारा दावे

आपूर्तिकर्ताओं/हामीदारों/संवाहकों संबंधी दावों, निर्यात, सब्सिडी, ड्यूटी ड्राबैक्स हेतु दावों तथा वापसी हेतु सीमा शुल्क संबंधी दावों का आकलन तब तक किया जाता है ,जब दावों को वरीयता दी जाती है और इसे आगे उस समय तक रखना होता है, जब तक कि कंपनी के पास ऐसी धनराशियों की वसूली करने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो।

19. प्रावधान तथा आकस्मिक देयताएँ

क) विगत घटनाओं के परिणामस्वरूप जब कंपनी के पास वर्तमान दायित्व होता है और इसकी संभावना भी हो कि अधिक संसाधनों की आवश्यकता होगी तो ऐसे उपबंध मान्य होते हैं जिसके अंतर्गत दायित्वों के निर्वहन के लिए विश्वसनीय अनुमान तैयार किये जा सकते हैं।

ख) जहाँ पर विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है अथवा जहां दायित्व की संभावना अथवा वर्तमान दायित्व हों, जो अधिक संसाधनों की अपेक्षा रखती हो, लेकिन उसकी संभावना न हो तो भी आकस्मिक देयता के रूप में प्रकटन किया जाता है।

ग) जब संसाधनों की अधिकता की संभावना के संबंध में कोई संभावित दायित्व अथवा वर्तमान दायित्व सुदूर हो, तो कोई भी प्रावधान अथवा प्रकटीकरण नहीं किया जाता है।

19.1 वारंटी के लिए प्रावधान

विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन/रोटेबल्स का ओवरहाल तथा पुरजे और विकास गतिविधियां आदि के लिए विनिर्माण एवं मरम्मत हेतु बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वारंटी का प्रावधान मान्य होता है ।

19.2 परिसमापन नुकसान के लिए प्रावधान

जब सुपुर्दगी समय के अनुसार किसी माल की आपूर्ति/सेवाएँ प्रदान करने की देय तिथि तथा विमान/हेलिकॉप्टर/इंजन/रोटेबल्स, पुर्जे एवं विकास संबंधी आदि के विनिर्माण एवं मरम्मत व ओवरहॉल के संबंध में उक्त माल के संबंध में सेवाएँ प्रदान करने की अपेक्षित तारीख में विलंब होता है, तो परिशोधन क्षति का प्रावधान मान्य हो जाता है।

19.3 दुर्वह (Onerous) संविदाओं के लिए प्रावधान

जब उक्त संविदा से कंपनी द्वारा सुपुर्द किये जाने वाले अपेक्षित लाभ उक्त संविदा के अंतर्गत दायित्वों के अधीन मिलने वाले अपरिहार्य लागत से कम हो तो दुर्वह (onerous) संविदा हेतु प्रावधान मान्य हो जाता है। प्रावधान के स्थापित होने से पूर्व, उस संविदा से संबद्ध परिसंपत्तियों के संबंध में किसी भी क्षति–नुकसान को कंपनी मान्य करती है।

(सी वी रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी. सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी.वी. शेषा रेड्डी)
कंपनी सचिव

स्थान : बेंगलूर
दिनांक: 29 जून 2017

टिप्पणी – 1 : संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर
टिप्पणी – 1क : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत					
अचल परिसंपत्तियाँ[1]					
भूमि					
– पट्टे के अधीन	846	–	–	–	846
– पूर्ण स्वामित्व	1781	6	–	–	1787
भवन	92350	9665	–	–	102015
संयंत्र तथा उपस्कर	276444	36411	-4	777	312074
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	12225	1252	1	36	13442
वाहन	8357	1356		176	9537
कार्यालय उपस्कर	18331	2114	3	32	20416
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	4254	268	–	–	4522
अन्य					
सड़कें तथा नालियाँ	6351	927	–	–	7278
जल आपूर्ति	4086	643	–	–	4729
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71
रनवेज	5566	–	–	–	5566
विमान/हेलिकॉप्टर	15343	2676	–	–	18019
उप योग	**446005**	**55318**	**–**	**1021**	**500302**
विशेष उपकरण	582887	34400	–	1024	616263
कुल	**1028892**	**89718**	**–**	**2045**	**1116565**

टिप्पणी – 1ख : संचित मूल्यह्रास–संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रवधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधन	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यास[2]							
भूमि							
– पट्टे के अधीन*	64	12	–	–	76	770	782
– पूर्ण स्वामित्व	–	–	–	–	–	1787	1781
भवन	34013	3218	–	–	37231	64784	58337
संयंत्र तथा उपस्कर	191448	16705	2	765	207390	104684	84996
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	9033	1365	(2)	33	10363	3079	3192
वाहन	5310	699	–	142	5867	3670	3047
कार्यालय उपस्कर	15207	1929	–	29	17107	3309	3124
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	4254	268	–	–	4522	–	–
अन्य							
सड़कें तथा नालियाँ	4982	745	–	–	5727	1551	1369
जल आपूर्ति	2634	258	–	–	2892	1837	1452
रेल रोड साइडिंग	71	0	–	–	71	–	–
रनवेज	4821	260	–	–	5081	485	745
विमान/हेलिकॉप्टर	4531	790	–	–	5321	12698	10812
उप–योग	**276368**	**26249**	**–**	**969**	**301648**	**198654**	**169637**
विशेष उपकरण	208082	28389	–	–	236471	379792	374805
कुल योग	**484450**	**54638**	**–**	**969**	**538119**	**578446**	**544442**

उपरोक्त सम्मिलितः	**31 मार्च 2017**
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	1195
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का संचित मूल्यह्रास	823
	73

	31 मार्च 2017
1 सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	2974
2 घटाएँ : सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का संचित अपकर्षित मूल्य	2968
सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों अवलिखित मूल्य (डब्ल्यूडीवी)	6

*वर्ष के कुल मूल्यह्रास के अंतर्गत कासरगोड़ एवं संपर्क कार्यालय, मुम्बई में इकाई की स्थापना के लिए पट्टे पर ली गई भूमि हेतु पट्टा प्रभार सम्मिलित है

टिप्पणी – 1 : संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

टिप्पणी – 1क : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत					
अचल परिसंपत्तियाँ					
भूमि					
– पट्टे के अधीन*	711	135	–	–	846
– पूर्ण स्वामित्व	1781	–	–	–	1781
भवन	84774	7540	52	16	92350
संयंत्र तथा उपस्कर	249368	27831	146	901	276444
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	10604	1724		103	12225
वाहन	7451	1028		122	8357
कार्यालय उपस्कर	16771	2102	-146	396	18331
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	–	4254	–	–	4254
अन्य					
सड़कें तथा नालियाँ	5965	402	–	16	6351
जल आपूर्ति	3889	253	-52	4	4086
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71
रनवेज	5566	–	–	–	5566
विमान/हेलिकॉप्टर	15343	–	–	–	15343
उप योग	**402294**	**45269**	–	**1558**	**446005**
विशेष उपकरण	526862	56025	–	–	582887
कुल योग	**929156**	**101294**	–	**1558**	**1028892**
विगत वर्ष – अचल परिसंपत्तियाँ	372862	30584	–	1152	402294
विगत वर्ष – विशेष उपकरण	501037	25825	–	–	526862

टिप्पणी – 1ख : संचित मूल्यह्रास– संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान / वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2015 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूलह्रास							
भूमि							
– पट्टे के अधीन*	56	8	–	–	64	782	655
– पूर्ण स्वामित्व	–	–	–	–	–	1781	1781
भवन	30168	3809	52	16	34013	58337	54606
संयंत्र तथा उपस्कर	175452	16838	28	870	191448	84996	73916
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	7501	1615	-3	80	9033	3192	3103
वाहन	4873	543	–	106	5310	3047	2578
कार्यालय उपस्कर	13353	2257	–	403	15207	3124	3418
सीएसआर कार्यकलापों हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियाँ	–	4254	–	–	4254	–	–
अन्य							
सड़कें तथा नालियाँ	4106	892	–	16	4982	1369	1859
जल आपूर्ति	2463	227	-52	4	2634	1452	1426
रेल रोड साइडिंग	71	–	–	–	71	–	–
रनवेज	4555	266	–	–	4821	745	1011
विमान/हेलिकॉप्टर	3807	724	–	–	4531	10812	11536
उप योग	**246405**	**31433**	**25**	**1495**	**276368**	**169637**	**155889**
विशेष उपकरण	179168	28914	–	–	208082	374805	347694
कुल योग	**425574**	**60347**	**25**	**1495**	**484450**	**544442**	**503583**
विगत वर्ष – अचल परिसंपत्तियाँ	214695	26243	6215	748	246405	155888	–
विगत वर्ष – विशेष उपकरण	150885	28283	–	–	179168	347693	–

	31 मार्च 2016	31 मार्च 2015
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	1195	1195
मेसर्स मिधानी द्वारा धारित परिसंपत्तियों का संचित मूल्यह्रास	532	444
	663	752

	31 मार्च 2016	31 मार्च 2015
1 सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	2730	2883
2 घटाएँ : सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों का संचित अपकर्षित मूल्य	2724	2870
सक्रिय रूप से उपयोग में न आने वाली परिसंपत्तियों अवलिखित मूल्य (डब्ल्यूडीवी)	6	13

*वर्ष के कुल मूल्यह्रास के अंतर्गत कासरगोड़ एवं संपर्क कार्यालय, मुम्बई में इकाई की स्थापना के लिए पट्टे पर ली गई भूमि हेतु पट्टा प्रभार सम्मिलित है

टिप्पणी – 1घ : सकल ब्लॉक –संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर (ग्राहक निधिपोषित)

वर्ष की समाप्ति पर संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
लागत अथवा समतुल्य लागत					
अचल परिसंपत्तियाँ					
भूमि	–	1704	–	–	1704
भवन	–	3908	–	–	3908
संयंत्र तथा उपस्कर	–	97	–	–	97
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	–	71	–	–	71
वाहन	–	37	–	–	37
कार्यालय उपस्कर					
अन्य	–	37	–	–	37
जल आपूर्ति	–	**5854**	–	–	**5854**
उप–योग	–		–	–	
कुल योग	–	**5854**	–	–	**5854**

टिप्पणी – 1 ख : संचित मूल्यह्रास – संयंत्र, संपत्ति एवं उपस्कर (ग्राहक निधिपोषित)

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
भवन	–	30	–	–	30	1674	–
संयंत्र तथा उपस्कर	–	169	–	–	169	3739	–
फर्नीचर तथा फिक्चर्स	–	90	–	–	90	7	–
वाहन	–	17	–	–	17	54	–
कार्यालय उपस्कर	–	15	–	–	15	22	–
अन्य							
सड़कें तथा नालियाँ	–	–	–	–	–	–	–
जल आपूर्ति	–	1	–	–	1	36	–
उप–योग	–	**322**	–	–	**322**	**5532**	–
विशेष उपकरण	–	–	–	–	–	–	–
कुल योग	–	**322**	–	–	**322**	**5532**	–

टिप्पणी – 2 : चालू पूंजीगत कार्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
भवन	39625	19396	10220
संयंत्र एवं उपस्कर	8879	12830	7022
सड़कें तथा नालियाँ	–	98	97
कार्यालय उपस्कर	15	165	28
जल आपूर्ति	–	178	45
निरीक्षणाधीन तथा मार्गस्थ संयंत्र, मशीनरी एवं उपस्कर	12785	4749	5189
विशेष उपकरण	808	121	101
कुल योग	**62112**	**37537**	**22702**

टिप्पणी – 3: निवेश संपत्ति

वर्ष की समाप्ति पर संपत्ति निवेश से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 3क : सकल ब्लॉक – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार सकल ब्लॉक
अचल परिसंपत्तियाँ					
भवन	9	–	–	–	9
कुल योग	**9**	**–**	**–**	**–**	**9**

टिप्पणी – 3ख : संचित मूल्यह्रास – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2017 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2017 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भवन	5	–	–	–	5	4	4
कुल योग	**5**	**–**	**–**	**–**	**5**	**4**	**4**

टिप्पणी – 3: निवेश संपत्ति

वर्ष की समाप्ति पर संपत्ति निवेश से हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 3क : सकल ब्लॉक – निवेश संपत्ति

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार सकल ब्लॉक	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार सकल ब्लॉक
अचल परिसंपत्तियाँ					
भवन	9	–	–	–	9
कुल योग	**9**	**–**	**–**	**–**	**9**
विगत वर्ष निवेश संपत्ति	9	–	–	–	9

टिप्पणी – 3ख : संचित मूल्यह्रास – संपत्ति निवेश

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार प्रावधान	योग	पुनर्वर्गीकरण/ समायोजन	निपटान/ वापसी	31 मार्च 2016 के अनुसार प्रावधान	31 मार्च 2016 के अनुसार निवल ब्लॉक	31 मार्च 2015 के अनुसार निवल ब्लॉक
मूल्यह्रास							
भवन	5	–	–	–	5	4	4
कुल योग	**5**	**–**	**–**	**–**	**5**	**4**	**4**
विगत वर्ष निवेश संपत्ति	**5**	**–**	**–**	**–**	**5**	**4**	**4**

टिप्पणी – 5 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 5क : सकल ब्लॉक – अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	योग	31 मार्च 2017 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	248613	507	249120
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	11607	723	12330
प्रलेखन	43342	2518	45860
कुल योग	**303562**	**3748**	**307310**

टिप्पणी – 5ख : संचित परिशोधन–अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	परिशोधन	31 मार्च 2017 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	132575	7353	139928
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	8807	1129	9936
प्रलेखन	14096	1988	16084
कुल योग	**155478**	**10470**	**165948**

टिप्पणी – 5 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 5क : सकल ब्लॉक – अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	योग	31 मार्च 2016 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	246452	2161	248613
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	9062	2545	11607
प्रलेखन	42495	847	43342
कुल योग	**298009**	**5553**	**303562**
विगत वर्ष	310960	12438	298009

टिप्पणी – 5ख : संचित परिशोधन–अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	परिशोधन	31 मार्च 2016 के अनुसार
लाइसेंस शुल्क	113946	18629	132575
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	7789	1018	8807
प्रलेखन	12579	1517	14096
कुल योग	**134314**	**21164**	**155478**
विगत वर्ष	136437	23255	134314

टिप्पणी – 6 : विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 6क : सकल ब्लॉक – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	योग	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	102598	27496	130094
कुल योग	**102598**	**27496**	**130094**

टिप्पणी – 6ख : संचित परिशोधन– विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	परिशोधन	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	29047	2651	31698
कुल योग	**29047**	**2651**	**31698**

टिप्पणी – 6ग : क्षतिग्रस्त हानि – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2016 के अनुसार	क्षतिग्रस्त हानि	31 मार्च 2017 के अनुसार
विकास व्यय	8552	3210	11762
कुल योग	**8552**	**3210**	**11762**

टिप्पणी – 6 : विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में हुए परिवर्तनों को निम्न सारणी इंगित करती है

टिप्पणी – 6क : सकल ब्लॉक –विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	योग	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	76945	25653	102598
कुल योग	**76945**	**25653**	**102598**
विगत वर्ष	61590	15355	76945

टिप्पणी – 6ख : संचित परिशोधन – विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	परिशोधन	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	25280	3767	29047
कुल योग	**25280**	**3767**	**29047**
विगत वर्ष	22298	2982	25280

टिप्पणी – 6ग : क्षतिग्रस्त हानि –विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	1 अप्रैल 2015 के अनुसार	क्षतिग्रस्त हानि	31 मार्च 2016 के अनुसार
विकास व्यय	7548	1004	8552
कुल योग	**7548**	**1004**	**8552**
विगत वर्ष	7548	–	7548

टिप्पणी – 7 : निवेश –संयुक्त उद्यम

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
कम लागत पर निवेश का प्रावधान (व्यापारेतर / जो कोट न किए गए)			
साम्या लिखतों में निवेश			
संयुक्त उद्यमों में			
क) मे. बीएई–एचएएल सॉफ्टवेयर लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 10 के अंकित मूल्य के साम्या शेयर 29,40,000 (29,40,000 वि.व.)	294	294	294
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	444	437	584
नेट– मेसर्स बीएई–एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	**738**	**731**	**878**
ख) मे. स्नेकमा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 11,40,000 (11,40,000 वि.व.) शेयर	1140	1140	1140
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	1480	1396	1035
नेट–मे. स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	**2620**	**2536**	**2175**
ग) मे. इंडो रशियन एविएशन लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के 9,36,525 (9,36,525 वि.व.) शेयर	94	94	94
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	3047	2602	2345
नेट–मेसर्स इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	**3141**	**2696**	**2439**
घ) मे. एचएएलबीआईटी एवियॉनिक्स प्राइ. लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 3,82,500 (3,82,500 वि.व.) शेयर	383	383	383
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	–	–	–63
घटाएँ : निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	383	383	320
नेट– एचएएल बीआईटी एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	**–**	**–**	**–**
ङ) मे. एचएएल एजबुड टेक्नोलॉजीज़ प्राइ. लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 3,00,000 (3,00,000 वि.व.) शेयर	300	300	300
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	–	–	–
घटाएँ : निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	300	300	300
नेट– मेसर्स एजवुड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	**–**	**–**	**–**
च) मे. सेमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 1,60,000 (1,60,000–वि.व.) शेयर	160	160	160
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	–	–55	–107
घटाएँ : निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	160	105	–
नेट– मेसर्स सेमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स लिमिटेड	**–**	**–**	**53**
छ) मे. इंफोटेक एचएएल लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के 20,00,000 (20,00,000–वि.व.) शेयर	200	200	200
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	–34	–34	–34
घटाएँ : निवेश के मूल्य में क्षति के लिए प्रावधान	166	166	166
नेट– मेसर्स इन्फोटेक एचएएल लिमिटेड	**–**	**–**	**–**

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
ज) मे. हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइ. लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के 3,84,04,204 (3,84,04,204 वि.व.) शेयर	3840	3840	3840
घटाएँ : निवेश के मूल्य में क्षति के लिए प्रावधान	3840	3840	3840
नेट– मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	–	–	–
झ)मे. टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य के 50,70,000 (50,70,000 वि.व.) शेयर	507	507	507
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	-84	-145	-145
घटाएँ : निवेश के मूल्य में क्षति के लिए प्रावधान	423	362	362
नेट– मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	–	–	–
ञ)मे. इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइ. लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 42,50,000 (42,50,000 – वि.व.) शेयर	4250	4250	4250
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	-11	-812	-1089
घटाएँ : निवेश के मूल्य में क्षति के लिए प्रावधान	855	855	–
नेट– मेसर्स इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	**3384**	**2583**	**3161**
ट) मे. मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयक्राफ्ट लि. – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 113,46,564 (शून्य 113,46,564 वि.व.) शेयर	11347	11347	11347
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	-457	-450	-570
घटाएँ : निवेश के मूल्य में क्षति के लिए प्रावधान	457	450	–
नेट– मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	**10433**	**10447**	**10777**
ठ) मेसर्स एरोस्पेस एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी) 125 (विगत वर्ष शून्य) प्रत्येक को प्रति वर्ष पूर्णतः अदा किया गया शेयर रु. 10000	13	13	13
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	–	–	–
नेट– मेसर्स एरोस्पेस एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल	**13**	**13**	**13**
ड) मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन्स एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड*	195	–	–
+/– संयुक्त उद्यम पर ब्याज	-60	–	–
नेट– मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन्स एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	**135**	–	–
संयुक्त उद्यम के अंतर्गत कुल साम्या	**20464**	**19006**	**19496**
कुल योग	**20464**	**19006**	**19496**

प्रकटीकरण

(i) कोट किए गए निवेश तथा बाजार मूल्य की कुल धनराशि	शून्य	शून्य	शून्य
(ii) कोट न किए गए निवेशों की कुल धनराशि	20464	19006	19496
(iii) निवेश के मूल्य में घटौती का समग्र प्रावधान	6584	6461	4988

* कुल रुपए 195 लाख निवेश में से, रुपए 50 लाख (रु. 100 प्रति शेयर के 50,000 शेयर) मात्र धनराशी दिनांक 31 मार्च 2017 को आबंटित किया गया है ।

टिप्पणी – 7क : वित्तीय परिसंपत्तियाँ –निवेश – अन्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क) निवेश (जो कोट नहीं किए गए)			
अ) एचएई कोऑपरेटिव सोसायटी – पूर्ण चुकता प्रत्येक 100 रुपए अंकित मूल्य के 25 (25 वि.व.) शेयर	–	–	–
ब)मे. सतनाम अपार्टमेंट लि. – एक फ्लैट के अधिग्रहण के लिए लागत पर प्रत्येक 100 रुपए के 41 (41 वि.व) शेयर	–	–	–
अन्य के संबंधी कुल साम्य (क)	–	–	–
ख) अन्य निवेश (जो कोट नहीं किए गए)			
मे. भारतीय जीवन बीमा निगम (दीर्घावकाश के निधीकरण के लिए)	78935	72573	56993
अन्य निवेश – कुल योग (ख)	78935	72573	56993
कुल योग (क)+(ख)	**78935**	**72573**	**56993**

टिप्पणी – 8 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ–व्यापार प्राप्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
व्यापार प्राप्य			
सुरक्षित, जिन्हें उचित माना गया है	–	–	–
असुरक्षित, जिन्हें उचित माना गया है	1023	–	1554
संदिग्ध	1313	994	253
	2336	994	1807
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	1313	994	253
कुल योग	**1023**	**–**	**1554**

टिप्पणी – 9 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – ऋण

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क. सुरक्षित, जिन्हें उचित माना गया है			
अ) प्रतिभूति जमा			
ब) अन्य			
संबंधित पार्टियों को ऋण एवं अग्रिम	–	–	400
कर्मचारी अग्रिम	–	1	1
उप–योग (क)	**–**	**1**	**401**
ख. असुरक्षित, जिन्हें उचित माना गया है			
अ) प्रतिभूति जमा			
सीमा शुल्क और आपूर्तियों के लिए सरकारी विभाग	633	250	288
जन सुविधाओं से संबंधित	3023	2941	2697
अन्य	519	553	542
ब) अन्य			
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	1713	1454	1297
उप–योग (ख)	**5888**	**5198**	**4824**
कुल योग (क +ख)	**5888**	**5199**	**5225**
($) वर्ष के अंत में कंपनी के अधिकारियों द्वारा देय धनराधि	–	–	–

टिप्पणी – 10 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ–अन्य

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क) प्राप्य दावे			
उचित माना गया है	1	1375	504
संदिग्ध माना गया है	9299	7925	4816
	9300	9300	5320
घटाएँ: संदिग्ध दावे हेतु प्रावधान	9299	7925	4816
उप–योग(क)	**1**	**1375**	**504**
ख) बैंक शेष			
अल्पावधि जमा – 12 महीने से अधिक*	61	–	48
उप–योग(ख)	**61**	**–**	**48**
ग) अन्य			
उपचित ब्याज जो देय नहीं है	1	–	–
आस्थगित ऋण	36682	38757	36781
उप–योग (ग)	**36683**	**38757**	**36781**
कुल योग (क +ख +ग)	**36745**	**40132**	**37333**
*12 महीने से अधिक की प्रतिबद्ध देयताएँ हेतु पूर्णतः निर्धारित			

टिप्पणी – 11 : आस्थगित कर संपत्तियाँ (निवल)

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
कुल योग	–	–	–

टिप्पणी – 12 : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क) सामग्री सूची (लागत अथवा निवल वापसी मूल्य जो भी कम हो)#			
(i) कच्चा माल तथा घटक	43206	35397	30658
घटाएँ: अनावश्यक के लिए प्रावधान	43206	35397	30658
	–	–	–
(ii) भंडार तथा फुटकर पुर्जे	2977	2100	2661
घटाएँ: अनावश्यक के लिए प्रावधान	2977	2100	2661
	–	–	–
(iii)खुले औजार तथा उपस्कर	2296	2175	810
घटाएँ: अनावश्यक के लिए प्रावधान	2296	2175	810
	–	–	–
(iv) निर्माण सामग्री	5	2	2
घटाएँ: अनावश्यक के लिए प्रावधान	5	2	2
	–	–	–
(v) सामग्री सूची – वारंटी	1656	–	–
घटाएँ: अनावश्यक के लिए प्रावधान	1656	–	–
	–	–	–
उप–योग सामग्री सूची	–	–	–
ख) अग्रिम			
पूंजीगत अग्रिम	12155	11758	9393
माल और सेवाओं पर अग्रिम	3001	3117	1584
विशेष औजारों पर अग्रिम	666	4022	8285
अन्य ऋण एवं अग्रिम	651	791	1779
	16473	**19688**	**21041**
ग) अन्य			
विवादाधीन राजस्व प्राधिकरणों के साथ बकाया राशि			
– आय कर	104071	128936	114595
– अन्य	523	–	–
घ) पूर्वदत्त व्यय	–	–	20
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**121067**	**148624**	**135656**
(#) इसमें वे शामिल हैं जिन्हें कार्य के उद्देश्य से उप–ठेकेदारों को जारी किया गया है।	–	–	–

टिप्पणी – 13 : माल सूची

(रुपये लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
माल सूची (लागत अथवा निवल वापसी मूल्य जो भी कम हो)#			
(i) कच्चा माल तथा घटक	1030326	1229622	1308305
घटाएँ : अनावश्यक के लिए प्रावधान	19044	21433	24977
	1011282	1208189	1283328
(ii) चालू कार्य	1024345	1072115	1013654
(iii) तैयार माल	–	–	–
(iv) व्यापारगत माल	2304	4646	5347
(v) भंडार तथा फुटकर पुर्जे	30209	30009	24640
घटाएँ : अनावश्यक के लिए प्रावधान	586	567	798
	29623	29442	23842
(vi) खुले औजार तथा उपस्कर	8651	7672	8059
घटाएँ : अनावश्यक के लिए प्रावधान	153	144	136
	8498	7528	7923
(vii) निर्माण सामग्री	105	100	88
घटाएँ : अनावश्यक के लिए प्रावधान	4	4	4
	101	96	84
(viii) निपटान योग्य रद्दी	402	1381	1789
(ix) निरीक्षण एवं मार्गस्थ माल			
– कच्चा माल एवं घटक	42507	64945	149563
– भंडार व फुटकर पुर्जे	447	4013	2804
– खुले औजार एवं उपस्कर	65	1571	1725
	43019	70529	154092
(x) सामग्री सूची	12714	4301	5302
घटाएँ : अनावश्यक के लिए प्रावधान	152	65	80
	12562	4236	5222
कुल योग	**2132136**	**2398162**	**2495281**
(#) इसमें वे शामिल हैं जिन्हें कार्य के उद्देश्य से उप-ठेकेदारों को जारी किया गया है।	37553	31783	32504

टिप्पणी – 14 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – निवेश (व्यापारेतर / जो कोट नहीं किए गए)

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
लागत पर निवेश (व्यापारेतर / जो कोट नहीं किए गए)	–	–	–
कुल योग	–	–	–

टिप्पणी – 15 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – व्यापार प्राप्य

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
व्यापार प्राप्य			
सुरक्षितः जिन्हें उचित माना गया है	15	10	132
असुरक्षितः जिन्हें उचित माना गया है	398533	477319	602785
संदिग्ध	12941	10071	909
	411489	487400	603826
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	12941	10071	909
उप–योग	**398548**	**477329**	**602917**
बिलरहित राजस्व	22480	6360	6370
उप–योग	**22480**	**6360**	**6370**
कुल योग	**421028**	**483689**	**609287**

टिप्पणी – 16 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ – नकद एवं बैंक के समतुल्य

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क) बैंक शेष			
– चालू खाता	33429	33391	47053
– अल्पावधि जमा	240965	–	125000
– वित्तीय संस्थानों के साथ अन्य अल्पावधि जमा	1273	998	783
ख) उपलब्ध नकद	6	16	20
ग) उपलब्ध चैक, ड्राफ्ट	3283	–	1
उप–योग (क+ख+ग)	**278956**	**34405**	**172857**
घ) अन्य बैंक शेष			
मार्जिन धनराशि	522	–	–
अन्य			
– अल्पावधि जमा *	835856	1295938	1594282
उप योग (घ)	**836378**	**1295938**	**1594282**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)+(घ)	**1115334**	**1330343**	**1767139**
* उधार, गारंटी, अन्य प्रतिबद्धताओं हेतु मार्जिन राशि अथवा प्रतिभूति के रूप में धारित सीमा तक बैंक में शेष	**100019**	**18**	**16**

टिप्पणी – 17 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– उपरोक्त (iii) के अलावा बैंक शेष

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
कुल योग	–	–	–

टिप्पणी –18 : वित्तीय परिसंपत्तियाँ– ऋण

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क. सुरक्षितः जिन्हें उचित माना गया			
प्रतिभूति जमा	–	–	–
संबंधित पार्टियों के ऋण एवं अग्रिम	–	–	1782
अन्य			
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	102	107	277
उप–योग (क)	**102**	**107**	**2059**
ख. असुरक्षितः जिन्हें उचित माना गया			
i) प्रतिभूति जमा			
सीमा शुल्क और आपूर्तियों के लिए सरकारी विभाग	3425	3481	3280
जन सुविधाओं से संबंधित	38	38	49
अन्य	2866	1687	1387
ii) अन्य			
संबंधित पार्टियों के ऋण एवं अग्रिम	33	266	6931
कर्मचारियों के लिए अग्रिम ($)	3415	4226	3890
उप–योग (ख)	**9779**	**9698**	**15537**
कुल योग (क +ख)	**9881**	**9805**	**17596**
($) वर्ष के अंत में कंपनी के अधिकारियों द्वारा देय धनराशि	7	43	8

टिप्पणी – 19 : अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
प्राप्य दावे			
जिन्हें उचित माना गया	213287	156792	121154
जिन्हें संदिग्ध माना गया	4576	3978	3052
	217863	**160770**	**124206**
घटाएँ : संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	4576	3978	3052
प्राप्य दावे	**213287**	**156792**	**121154**
उपचित ब्याज जो देय है	7163	5986	5586
उपचित ब्याज जो देय नहीं है	29504	49390	63424
आस्थगित ऋण की वर्तमान परिपक्वता राशि	8210	8714	8516
कुल योग	**258164**	**220882**	**198680**

टिप्पणी – 20 : चालू कर संपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
चालू कर (निवल)	11493	–	10040
कुल योग	**11493**	**–**	**10040**

टिप्पणी – 21 : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
माल और सेवाओं पर अग्रिम	66014	125949	152619
विशेष औजारों पर अग्रिम	–	1024	1485
अन्य ऋण एवं अग्रिम	1185	1109	722
अन्य			
पूर्वदत्त व्यय	1805	1585	4572
राजस्व प्राधिकारी से शेष			
– आय कर	2	–	–
राजस्व टिकट	–	25	–
फ्रैंकिंग मशीन में शेष	5	5	6
कुल योग	**69011**	**129697**	**159404**

साम्या

टिप्पणी – 22 : साम्या शेयर पूंजी

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
प्राधिकृत पूंजी			
प्रत्येक 10 रुपये के 60,00,00,000 के साम्या शेयर	60000	60000	60000
जारी, अंशदत्त और पूर्णचुकता पूर्ण			
चुकता 10 रुपए के 36,15,00,000 साम्या शेयर	36150	36150	48200
अंशदत्त तथा अपूर्ण चूकता	–	–	–
प्रत्येक शेयर का सममूल्य (रू)	10	10	10
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों का समाधान			
प्रारंभिक साम्या शेयेर (संख्या)	361500000	482000000	482000000
जोड़ें : जारी बोनस शेयर (संख्या)	–	–	–
घटाएँ : वापस खरीदे गए शेयर (संख्या)	–	120500000	–
अंतिम साम्या शेयर (संख्या)	361500000	361500000	482000000
कंपनी के 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरों धारकों के पास कुल शेयरें की संख्या	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास 36,15,00,000 शेयर हैं ।	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास 36,15,00,000 शेयर हैं ।	भारत के राष्ट्रपति एवं इनके नामितियों के पास 48,20,00,000 शेयर हैं ।

साम्या शेयरों के साथ शर्तें / अधिकारः

कंपनी के पास एक (1) श्रेणी के शेयर अर्थात साम्या शेयर हैं।

साम्या शेयर हर प्रकार से बराबर है, जिसमें लाभांश का अधिकार, नए शेयर जारी करने का अधिकार और परिसमापन की स्थिति में कंपनी की परिसंपत्तियों में वोटिंग का अधिकार शामिल हैं। संपूर्ण पूंजी एकल शेयरधारी के पास है । संपूर्ण पूंजी एकल शेयरधारी के पास है ।

शेयरों की पुनः खरीदः

निदेशक मंडल की दिनांक 22 मार्च, 2016 को हुई अपनी 39वीं बैठक में उनके अनुमोदन तथा उक्त तिथि पर हुई असाधारण आम बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से शेयरधारकों के अनुमोदन के अनुसार कंपनी ने चुकता शेयर पूँजी तथा जिसमें भारत के राष्ट्रपति से रु. 355.55 प्रति साम्या शेयर में रु. 428438 लाख की कुल धनराशि के लिए कंपनी का निःशुल्क आरक्षित निधि का 25% के समतुल्य रु.10/- के 12,05,00,000 पूर्णतः चुकता साम्या शेयर की पुनर्खरीद की है। शेयरों की पुनः खरीद हेतु मान्य धनराशि भारत सरकार को दि.30 मार्च, 2016 को अदा की गई तथा पुनः खरीदे गए शेयरों को दिनांक 5 अप्रैल 2016 को समाप्त किया गया ।

टिप्पणी – 23 : अन्य साम्या

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
अन्य राजस्व		
क. अनुसंधान एवं विकास राजस्व		
प्रारंभिक शेष	31514	17438
जोड़ें : चालू वर्ष अंतरण	19656	14669
घटाएँ : उपयोगिता पर सामान्य राजस्व का अंतरण	1604	593
अंत शेष(क)	**49566**	**31514**
ख. पूंजी मोचन आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	12050	–
जोड़ें : चालू वर्ष अंतरण	–	12050
अंत शेष (ख)	**12050**	**12050**
क. विगत तुलन-पत्र के अनुसार सामान्य आरक्षित निधि	1029333	1431009
(+/-) लाभ एवं हानि के विवरण से अंतरित अधिशेष	146539	112298
जोड़ें : अनुसंधान एवं विकास राजस्व से अंतरण	1604	593
घटाएँ: परिवर्तन में मूल्यह्रास	–	25
घटाएँ: शेयरों की पुनः खरीद हेतु आहरित राशि	–	514542
घटाएँ: लाभ एवं हानि के विवरण को अंतरण*	14120	–
अंत शेष (ग)	**1163356**	**1029333**
(ii) लाभ एवं हानि के विवरण से अंतरित अधिशेष		
जोड़ें : चालू वर्ष के लिए निवल लाभ/ (निवल हानि) (i)	262481	200399
जोड़ें : सामान्य आरक्षित निधि से अंतरण (ii)*	14120	–
घटाएँ: विनियोजन / आबंटन		
अनुसंधान एवं विकास राजस्व में अंतरण	19656	14669
समाप्त 31 मार्च 2017 अवधि के लिए कर सहित अंतरिम लाभांश : लाभांश रु.80000 लाख + कर रु.16286 लाख (31 मार्च 2016 को समाप्त अवधि के लिए : लाभांश रु. 51000 लाख + कर रु.10382 लाख)	96286	61382
31 मार्च 2016 को समाप्त अवधि के लिए कर सहित अंतिम लाभांश : लाभांश रु.11732 लाख + कर रु.2388 लाख)	14120	–
पूंजी प्रतिदान आरक्षित निधि में अंतरण	–	12050
कुल योग (iii)	**130062**	**88101**
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण (i)+(ii)-(iii)	**146539**	**112298**
घ. साम्या का अन्य घटक		
अन्य विस्तृत आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीओसीआई)		
प्रारंभिक शेष	-5826	-6506
जोड़ें :- वर्ष के दौरान बढ़ी राशि	615	680
घटाएँ :- वर्ष के दौरान हटायी गई राशि	–	–
अंत शेष (घ)	**-5211**	**-5826**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**1219761**	**1067071**

* वर्ष 2015-16 हेतु लाभांश सहित अंतिम लाभांश को इंगित करता है।

टिप्पणी – 24 : उधार

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
कुल योग (क+ख)	–	–	–

टिप्पणी – 25 : व्यापार देय राशियाँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
व्यापार देय राशियाँ	19255	–	340
कुल योग	**19255**	**–**	**340**

टिप्पणी – 26 : अन्य वित्तीय देयताएँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
अन्य देयताएँ	71	563	151
आस्थगित ऋण	37086	39168	37172
कुल योग	**37157**	**39731**	**37323**

टिप्पणी – 27 : प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क. कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान			
उपदान	2970	3023	12669
अर्जित अवकाश	46616	45348	39785
उप–योग (क)	**49586**	**48371**	**52454**
ख. अन्य			
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	10619	9518	9460
परिनिर्धारित क्षतियाँ	58925	79893	84899
दुर्वह संविदा	83844	110469	110469
उप–योग (ख)	**153388**	**199880**	**204828**
कुल योग (क + ख)	**202974**	**248251**	**257282**

टिप्पणी – 28 : आस्थगित कर देयताएँ (निवल)

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
महत्त्वपूर्ण अस्थायी अंतरों के कर प्रभाव के परिणामस्वरूप आस्थगित कर देयताएँ			
विगत तुलन पत्र के अनुसार	81475	66078	168160
जोड़ें / (घटाएँ):– चालू वर्ष के प्रावधान	14517	15397	-99931
जोड़ें / (घटाएँ):– परिवर्तन पर मूल्यह्रास का प्रभाव	–	–	-2151
कुल योग	**95992**	**81475**	**66078**

टिप्पणी – 29 : अन्य गैर चालू देयताएँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
ग्राहकों से बकाया अग्रिम			
रक्षा	307106	323089	259594
उप–योग (क)	**307106**	**323089**	**259594**
महत्त्वपूर्ण प्राप्तियाँ			
रक्षा	661033	574638	615537
अन्य	16585	17728	–
उप–योग (ख)	**677618**	**592366**	**615537**
कुल योग (क + ख)	**984724**	**915455**	**875131**

टिप्पणी – 30 : ऋण

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क. सुरक्षित दीर्घावधि ऋण :			
माँग पर चुकाए जानेवाले ऋण			
(i) बैंक से	95000	–	–
उप–योग (क)	**95000**	**–**	**–**
ख. असुरक्षित दीर्घावधि ऋण:			
उप योग (ख)	–	–	–
कुल योग (क + ख)	**95000**	**–**	**–**

सुरक्षा	रु. 1,00,000 लाख की सीमा तक समान बैंक में सावधि जमा
ऋण की अवधि / चुकौती शर्तें	जारी होने की तिथि से देय तिथि पर एक वर्ष का एक बारगी भुगतान
ब्याज दर	5.90% प्रति वर्ष

टिप्पणी – 31 : व्यापार देयताएँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
व्यापार देयताएँ	160467	215122	226757
कुल योग	**160467**	**215122**	**226757**

टिप्पणी – 32 : अन्य वित्तीय देयताएँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
कर्मचारियों को देय	39862	30763	37285
अन्य देयताएँ	62699	58948	66576
आस्थगित ऋण का चालू परिपक्वता	7203	7983	7840
कुल योग	**109764**	**97694**	**111701**

टिप्पणी – 33 : अन्य चालू देयताएँ

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क) ग्राहकों से अग्रिम			
रक्षा	469116	427343	549594
अन्य	9394	4607	3270
उप-योग (क)	**478510**	**431950**	**552864**
ख) महत्त्वपूर्ण प्राप्तियाँ			
रक्षा	1360874	2072821	2305079
अन्य	49369	58658	56895
उप-योग (ख)	**1410243**	**2131479**	**2361974**
ग्राहकों से अग्रिम (क + ख)	**1888753**	**2563429**	**2914838**
ग) अन्य देयताएँ			
कर (आय के संबंध में कर को छोड़कर)	8431	108256	14486
अन्य	8956	7055	6529
कुल योग (क + ख + ग)	**1906140**	**2678740**	**2935853**

टिप्पणी – 34 : प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
क. कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान			
उपदान	12	–	–
अर्जित अवकाश	35434	33587	32788
अन्य	23944	5894	21306
उप–योग (क)	**59390**	**39481**	**54094**
ख. अन्य			
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	78071	86288	56816
वारंटी	53890	66034	61448
परिनिर्धारित क्षतियाँ	69577	70842	74821
उत्पाद शुल्क	322	1121	–
दुर्वह संविदा	26625	–	–
उप–योग (ख)	**228485**	**224285**	**193085**
कुल योग (क + ख)	**287875**	**263766**	**247179**

टिप्पणी – 35 : चालू कर देयताएँ (निवल)

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
चालू कर देयताएँ (निवल)	–	9723	–
कुल योग	–	9723	–

टिप्पणी – 36 : प्रचालनों से राजस्व

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क) उत्पादों की बिक्री		
(i) अंतर्देशीय बिक्रियाँ		
तैयार माल	982979	1012062
फुटकर पुर्जे	147226	174358
विकास	61520	61091
विविध	1930	2046
उत्पादों की कुल अंतर्देशीय बिक्रियाँ	**1193655**	**1249557**
(ii)निर्यात बिक्रियाँ		
तैयार माल	27124	23131
फुटकर पुर्जे	18470	16477
उत्पादों की कुल निर्यात बिक्रियाँ	**45594**	**39608**
उत्पादों की कुल बिक्री (क)	**1239249**	**1289165**
ख) सेवाओं की बिक्री		
(i) सेवाओं की अन्तर्देशीय बिक्री		
मरम्मत एवं ओवरहॉल	579146	402702
अन्य सेवाएँ	1549	1760
सेवाओं की कुल अन्तर्देशीय बिक्री	**580695**	**404462**
(ii) सेवाओं की निर्यात बिक्री		
मरम्मत एवं ओवरहॉल	889	3058
अन्य सेवाएँ	19	1944
सेवाओं की कुल निर्यात बिक्रियाँ	**908**	**5002**
सेवाओं की कुल बिक्रियाँ (ख)	**581603**	**409464**
कुल बिक्रियाँ (क+ख)	**1820852**	**1698629**
ग) अन्य प्रचालन राजस्व		
(i) रद्दी एवं अधिशेष/अनुपयोगी भण्डार का निपटान	1513	366
(ii) दीर्घावधि प्रावधान आवश्यक नहीं	29754	11918
(iii) अन्य	3374	4937
कुल प्रचालन राजस्व (ग)	**34641**	**17221**
प्रचालनों से प्राप्त राजस्व (क + ख + ग)	**1855493**	**1715850**

टिप्पणी – 37 : अन्य आय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
ब्याज आय		
– अल्पावधि जमा / ऋण	89065	154857
– फुटकर अग्रिम – कर्मचारी	124	119
– अन्य जमा	188	191
उप योग	**89377**	**155167**
लाभांश आय		
लाभांश आय	47	14
अन्य चालू आय		
विदेशी मुद्रा लेन–देन तथा अंतरण संबंधी लाभ	7006	–
परिसंपत्ति की बिक्री पर लाभ(निवल)	80	198
विविध	7425	4228
उचित मूल्य समायोजन पर प्राप्ति	254	7
कुल योग	**104189**	**159614**

टिप्पणी – 38 : खपत की गई सामग्री की लागत

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
कच्चे माल, घटकों, भंडारों तथा अतिरिक्त पुर्जों की खपत		
प्रारंभिक स्टॉक	1301531	1371655
जोड़ें : क्रय	678584	855994
जोड़ें : उप–ठेका, संरचना एवं मशीनीकरण प्रभार	26942	22273
घटाएँ: अंतिम स्टॉक	1121198	1301531
	885859	**948391**
घटाएँ: निम्न का अंतरण		
विशेष औजार एव उपस्कर	32227	51471
पूंजीगत कार्य	–	5
विकास व्यय	2339	4216
व्यय लेखे तथा अन्य	10861	11513
	45427	**67205**
कुल योग	**840432**	**881186**

टिप्पणी – 38क : व्यापरगत क्रय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
व्यापारगत क्रय	29073	36368

टिप्पणी – 39 : तैयार माल, चालू कार्य, व्यापारगत माल तथा रद्दी की माल सूची में परिवर्तन

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
तैयार माल, चालू कार्य, व्यापारगत माल तथा रद्दी की माल सूची में परिवर्तन		
प्रारंभिक शेष		
(i) तैयार माल	–	–
(ii) चालू कार्य	1072115	1013654
(iii) व्यापारगत माल	4646	5347
	1076761	**1019001**
अंतशेष		
(i) तैयार माल	–	–
(ii) चालू कार्य	1024345	1072115
(iii) व्यापारगत माल	2304	4646
	1026649	**1076761**
घटाएँ : स्टॉक हेतु वृद्धि/कमी पर उत्पाद शुल्क	–	-1121
वृद्धि / (कमी) –क	**-50112**	**56639**
निपटान योग्य रद्दी में परिवर्तन		
अथशेष	1381	1789
अंतशेष	402	1381
वृद्धि / (कमी)– ख	**-979**	**-408**
कुल योग (क + ख)	**-51091**	**56231**

टिप्पणी – 40 : कर्मचारी लाभ पर व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
वेतन तथा मजदूरी	298235	264944
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान		
– भविष्य निधि में अंशदान/ अन्य	39944	43362
– उपदान में अंशदान	3270	4051
स्टाफ कल्याण पर व्यय(निवल)	14308	14030
अधिकारियों/स्टाफ के लिए आवास भाड़ा लेने हेतु किराया	1292	1051
कुल योग	**357049**	**327438**
*इसमें निदेशकों का पारिश्रमिक शामिल है		
वेतन	171	128
भविष्य निधि में अंशदान	13	11
उपदान	–	10

टिप्पणी – 41 : वित्तीय लागत

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
नकद ऋण– अन्य	667	–
अल्पावधि ऋणों पर ब्याज	355	–
कुल योग	**1022**	**–**

टिप्पणी – 42 : मूल्यह्रास तथा परिशोधन व्यय एवं क्षतिग्रस्त हानि

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क. परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास	26572	31433
ख. परिशोधन		
अमूर्त परिसंपत्तियाँ – विकास व्यय	2651	3767
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ		
– लाइसेंस शुल्क	7353	18629
– कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	1129	1018
– प्रलेखन	1988	1517
– अन्य		
विशेष टूल्स	28389	28914
उप–योग	**41510**	**53845**
ग. क्षतिग्रस्त हानि	**3210**	**1004**
कुल योग (क + ख + ग)	**71292**	**86282**

टिप्पणी – 43 : अन्य व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
शॉप आपूर्तियाँ	10485	10657
बिजली एवं इंधन	17201	17149
जल प्रभार	5538	6229
कार्यालय परिसर आदि का किराया	252	254
यात्रा (विदेश यात्रा सहित)	7302	7144
प्रशिक्षण (विदेशी प्रशिक्षण सहित)	1264	1186
मरम्मतेः		
भवन	8071	7592
संयंत्र, मशीनरी एवं उपस्कर	13524	10481
अन्य	4166	3786
औजारों एवं उपस्करों पर व्यय	4875	5059
बीमा	1938	1707
दरें एवं कर	2018	847
डाक व्यय तथा टेलीफोन	1133	1190
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	1227	1223
प्रचार	3086	1983
विज्ञापन	1219	1809
बैंक प्रभार	615	593
विदेशी मुद्रा विनिमय तथा अंतरण पर हानि (निवल)	–	4408
विधिक व्यय	526	303
लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिकः		
लेखापरीक्षा शुल्क के लिए	39	38
कर लेखापरीक्षा के लिए	7	4
अन्य सेवाओं के लिए	98	43
विक्रय एजेंटों का कमीशन	69	42
दान	2	1
संचालन प्रभार	413	371
बट्टे खाता :		
अचल परिसम्पत्तियाँ	–	2
भंडार	151	192
कमी/अस्वीकृति	1	1
फ्रैट एवं बीमा	1565	1076
जेडब्ल्यूजी शेयर लाभ	250	185
नैगम सामाजिक दायित्व #	6528	4817
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संबंधी ब्याज	8	1
समायोजन	1074	7
अन्य प्रचालन व्यय (@)	30277	27227
कुल योग	**124923**	**117607**
(@) इसमें निदेशकों का उपस्थिति शुल्क शामिल है।	16	19

(#) नोट – 1क के अधीन पूँजीगत रूपए 268 लाख के सीएसआर परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं । सीएसआर के संबंध में कुल व्यय रु. 6796 लाख.

टिप्पणी – 44 : चालू कार्य में सीधे समायोजन तथा पूंजीकृत व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
क) चालू कार्य में प्रत्यक्ष समायोजन		
परियोजना संबंधी यात्रा	730	672
परियोजना संबंधी प्रशिक्षण	363	1008
परियोजना संबंधी अन्य व्यय	1961	4181
स्वत्व शुल्क	748	904
विदेशी तकनीशियन शुल्क	6733	8489
भू–जोखिम बीमा	2178	2261
अभिकल्प एवं विकास	11505	6426
फुटकर प्रत्यक्ष प्रभार – अन्य	18595	21699
उप–योग (क)	**42813**	**45640**
ख) पूंजीकृत व्यय		
लाइसेंस शुल्क	507	2161
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	723	2545
प्रलेखन	2518	847
उप–योग (ख)	**3748**	**5553**
कुल योग (क + ख)	**46561**	**51193**

टिप्पणी – 45 : प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
प्रतिस्थापन एवं अन्य प्रभार	24216	32315
वारंटी	8394	15005
कच्चा माल व घटक, भंडार एवं अतिरिक्त पुर्जे तथा निर्माण सामग्री	10011	7345
परिनिर्धारित क्षतियाँ	30877	34986
संदिग्ध ऋण	4530	9903
संदिग्ध दावे	3036	4086
निवेश	123	1472
कुल योग	**81187**	**105112**

टिप्पणी – 46 : पूंजी तथा अन्य लेखों से संबंधित व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
निम्न के लिए आबंटित व्यय:		
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ व्यय	3748	5553
विशेष औजार	2173	4554
पूँजीगत कार्य	1040	
विकास व्यय	25157	21437
अन्य	28676	2058
कुल योग	**60794**	**33602**

अन्य विस्तृत आय

टिप्पणी – 47 : लाभ या हानि में पुनःवर्गीकृत नहीं की जानेवाली मदें

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
(क) पुनर्मूल्यांकन अधिशेष में परिवर्तन	–	–
(ख) सुस्पष्ट लाभ योजना का पुनःमापन	930	1029
(ग) अन्य विस्तृत आय के माध्यम से साम्या लिखित	–	–
कुल योग (क + ख + ग)	**930**	**1029**

टिप्पणी – 48 : लाभ या हानि में पुनःवर्गीकृत की जानेवाली मदें

(रु. लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरणों को अंतरित करने में विनिमय अंतर	1	–4
कुल योग	**1**	**–4**

नोट सं. – 49 : लेखा हेतु समेकित नोट

(रु. में अन्यथा लाखों में बताया गया है)

1. भारतीय लेखांकन मानक 112 के अनुपालन अनुसार – अन्य कंपनियों में ब्याज के प्रकटन हेतु अपेक्षित सूचना निम्नवत है:–
संयुक्त उद्यम के निम्नलिखित श्रेणी में ब्याज का प्रकटन:

संयुक्त उद्यम का नाम*	व्यापार की प्रकृति	प्रतिभागिता ब्याज		
		31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड (आईएएमपीएल)	संपीड़ित वलय, टर्बाइन ब्लेड का विनिर्माण	50%	50%	50%
बीई–एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड (बीईएचएल)	कम्प्यूटर सॉफ्ट्वेयर का विकास, सुधार, विपणन, विक्रय, लीज़ या ऋण	49%	49%	49%
स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (स्नेक्मा)	इंजन पार्ट्स एवं घटकों का उत्पादन	50%	50%	50%
सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड (सैमटेल)	एयरबॉर्न, मिलिट्री व ग्राउंड एप्लिकेशन के लिए विभिन्न प्रकार के डिस्प्ले सिस्टम का अभिकल्पन, विकास एवं विनिर्माण	40%	40%	40%
इन्फोटेक एचएएल लिमिटेड (इन्फोटेक)	एरो इंजन क्षेत्र में अभियांत्रिकी सेवाएँ, तकनीकी प्रकाशन, ओईएम के कार्य	50%	50%	50%
एचएएल– एजवुड टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड (एचएएल– एजवुड)	उच्च तकनीक वांतरिक्ष एवं रक्षा उत्पाद अभिकल्पन, विकास विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	50%	50%	50%
हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (हॉलबिट)	उत्पादों का अभिकल्पन, विकास, विपणन एवं सहयोग(प्रचालन एवं अनुरक्षण)	50%	50%	50%
इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड (आई आर ए एल)	विमान, इंजन की मरम्मत एवं पुनर्कल्पन	48%	48%	48%
हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड (हैट्सऑफ)	सैन्य व असैन्य हेलिकॉप्टर पाइलट प्रशिक्षण सेवाएँ, प्रशिक्षण सेवाओं की मार्केटिंग	50%	50%	50%
टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (टाटा–एचएएल)	अभियांत्रिकी एवं अभिकल्पन सॉल्यूशन मुहैया कराना।	50%	50%	50%
मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड (एमटीएएल)	एमटीए की प्रारंभिक एवं विस्तृत अभिकल्पन एमटीए प्रोटोटाइप उत्पादन *एमटीए का फैक्टरी परीक्षण * एमटीए का उडान विमान परीक्षण	50%	50%	50%
एरोस्पेस एविएशन एंड सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)	विमानन एवं वांतरिक्ष उद्योग के कौशल आवश्यकताओं के लिए अनुसंधान एवं समेकन	50%	50%	50%
हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	हेलिकॉप्टर इंजन को सहायता, अनुरक्षण, मरम्मत एवं पुनर्कल्पन प्रदान करना ।	50%	–	–

* सभी संयुक्त उद्यम भारत में निगमित किए गए हैं एवं व्यापार का मूल स्थान भारत में है।

उक्त वर्ष के दौरान दिनांक, 04.02.2017 को कंपनी द्वारा एक पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी, नैनी एरोस्पेस लिमिटेड का अधिग्रहण किया गया। (29.12.2016 को शामिल किया गया)

सहायक कंपनी का नाम	व्यापार की प्रकृति	नियंत्रण ब्याज (% में)		
		31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
नैनी एरोस्पेस लिमिटेड	हेलिकॉप्टर और वायुयान के लूम का विनिर्माण व टीएडी कानपुर में हेलिकॉप्टर के द्वितीय लाइन विनिर्माण में सहयोग देना।	100%	-	-

2. समेकन के सिद्धांत:

क्रम सं.	विवरण
1	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), इसके संयुक्त उद्यम एवं सहायक इकाइयों का समेकित वित्तीय विवरण आईएनडी एएस 28 (सहायक एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश), आईएनडी एएस110 (समेकित वित्तीय विवरण) तथा आईएनडी एएस 111 (संयुक्त व्यवस्था) के अनुरूप किया गया है तथा इसे यथासंभव उसी प्रकार प्रस्तुत किया गया है जैसे कंपनी की स्टैंडअलोन रिपोर्ट होती है।
2	सहायक इकाइयाँ भी सभी कंपनियों की भाँति होती हैं, जिन पर उक्त समूह का नियंत्रण होता है। उक्त समूह किसी कंपनी को तब नियोजित करता है, जब वह संपर्क में रहकर विभिन्न विवरणियों को तैयार करने में संलग्न रहते हुए कंपनी के सुसंगत कार्यकलापों को निदेशित करने की अपनी क्षमता द्वारा विवरणियों पर दी गई शक्तियों के माध्यम से प्रभाव डालता है। सहायक कंपनियों को पूर्णतः समेकित उस तिथि से किया जाता है, जब से इनके नियंत्रण को उक्त समूह में स्थानांतरित कर दिया जाता है। जब नियंत्रण समाप्त होता है, उस तिथि से इनको विसमेकित किया जाता है।
3	उक्त समूह मूल कंपनियों एवं इसकी सहायक कंपनियों एवं इसकी सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों, देयताओं, साम्या, आय एवं व्यय सभी को एक-एक करके साथ में जोड़ता चला जाता है। समूह कंपनियों के बीच लेन-देन में अंतर कंपनी संबंधी लेन-देन, शेष धनराशि एवं अप्राप्त लाभों को तब तक के लिए हटा दिया जाता है, जब तक कि उक्त लेन-देन अंतरित परिसंपत्तियों को हानि का साक्ष्य नहीं प्रदान करता है, जहाँ समूह द्वारा अपनायी गई नीतियों से निरंतरता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यकता महसूस हुई, वहाँ सहायक कंपनियों की लेखाँकन नीतियाँ बदल दी गई हैं ।
4	लेखाँकन की साम्या पद्धति के अंतर्गत निवेशों को प्रारम्भिक रूप से लागत के रूप में मान्यता दी जाती है तथा लाभ एवं हानि में निवेशकर्ता के लाभों एवं हानियों की प्राप्ति के उपरांत समूह के शेयरों और अन्य विस्तृत आय में निवेशकर्ता की अन्य विस्तृत आय के समूह के शेयर को मान्यता प्रदान करने हेतु बाद में समायोजित किया जाता है। संयुक्त उद्यमों से प्राप्त या प्राप्य लाभांश को निवेशों की धारित राशि में हुई कमी के रूप में मान्यता दी जाती है। जब संयुक्त उद्यमों में समूह के शेयरों में हुई किसी अन्य दीर्घावधि हानि अप्रतिभूत प्राप्यों सहित, कंपनी में अपने ब्याज के बराबर या उससे बढ़ जाती है, तो जब तक कि अन्य कंपनी की ओर से देयताएँ व्यय न की गई हो या भुगतान न किए गए हों, तब तक समूह आगे होने वाली हानियों को मान्यता प्रदान नहीं करता है । समूह एवं अपने संयुक्त उद्यमों के बीच लेन-देन में अप्राप्य लाभों को इन कंपनियों के समूह के हित में जहाँ तक हो सके हटा दिया जाता है। जब तक उक्त लेन-देन के अंतरित परिसंपत्तियों की किसी क्षति का साक्ष्य नहीं मिलता, तब तक अप्राप्य हानियों को भी हटा दिया जाता है जहाँ समूह द्वारा अपनायी गई नीतियों के साथ निरंतरता सुनिश्चयन की आवश्यकता होती है वहाँ संयुक्त उद्यमों की लेखा नीतियों में परिवर्तन किया गया है। साम्या लेखाँकित निवेशों की धारित राशि की क्षति जाँची जाती है।
5	समेकित तुलन पत्र में लागत में प्रारंभिक रूप से मान्यता प्रदान किए जाने के पश्चात साम्या पद्धति के उपयोग हेतु संयुक्त उद्यमों के हितों की गणना की जाती है।
6	सभी संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी द्वारा किए गए शेयर धारक करार के आधार पर जो कि स्पष्ट रूप से कहता है कि अंशदान देने एवं प्रारंभ से साम्या की विनिर्दिष्ट प्रतिशतता को बनाए रखने के लिए विनिर्दिष्ट करता है, कोई पूर्व अधिग्रहण लाभ/हानि समेकन पर नहीं हुई।
7	कंपनी की फुटकर/आकस्मिक देयताएँ एवं प्रतिबद्ता के संबंध में आनुपातिक शेयर तथा संयुक्त उद्यमों द्वारा दर्शाई गई अन्य समस्त धनराशि प्रकटीकरण के लिए विचारणीय है।
8	विगत वर्ष के आंकड़ों के संबंध में सहायक कंपनी/संयुक्त उद्यमों के लेखापरीक्षण किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर विचार किया गया है।

(रु. में अन्यथा लाखों में बताया गया है)

क्रम सं.	अनिवार्य प्रकटीकरण
3.	**भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) का पहली बार प्रयोग**

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड का यह समेकित वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) के अनुसार तैयार किया गया है। भारतीय लेखाकरण मानक (आईएनडी एएस) में बदलने के लिए कंपनी द्वारा भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) 101 के दिशानिर्देशों का पालन किया गया है, पहली बार भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) को अपनाना, 1 अप्रैल 2015 परिवर्तन तिथी के रूप में एवं पूर्व जीएएपी के रूप में सामान्यत: भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांत (आईजीएएपी) । भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) को अपनाने से वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण, नोट में प्रकटीकरण एवं लेखा नीतियों एवं सिद्धांतों में परिवर्तन हुआ है। 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण एवं तुलनात्मक सूचना के लिए तैयार करने हेतु टिप्पणियों में निर्दिष्ट लेखाकंन नीतियों का प्रयोग किया गया है।

खंड 3(i) व (ii) में दर्शाया गया है कि पूर्ववर्ती जीएपीपी से भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) में परिवर्तन कंपनी के तुलन पत्र पर एवं लाभ व हानि के विवरण पर क्या प्रभाव पड़ा है। पहली बार भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) अपनाने के कारण भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) 101 के अनुरूप प्राप्त छूट खंड 3(iv) में निर्दिष्ट किया गया है।

निम्नलिखित समाधान आईएनडी एएस 101 के अनुसार आईजीएएपी से आईएनडी एएस में परिवर्तन को दर्शाता है :

1. 01 अप्रैल, 2015 और 31 मार्च, 2016 तक की इक्विटी
2. 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए निवल लाभ

(i) आईजीएपीपी से भारतीय लेखाकरण मानक से साम्या का समाधान निम्नानुसार है — **(रु. लाखों में)**

विवरण	01 अप्रैल 2015	31 मार्च, 2016
पूर्व जीएपीपी के अनुसार साम्या	**1673026**	**1236063**
भारतीय लेखा मानक समायोजन:		
1) प्रस्तावित लाभांश की वापसी	-	14120
2) परिनिर्धारित क्षतियों हेतु प्रावधान	-109183	-107322
3) दुर्वह संविदाओं हेतु प्रावधान	-110469	-110469
4) अमूर्त परिसंपत्तियों का ह्रास	-7548	-8553
5) वारंटी देयता की वापसी	41627	45573
6) वारंटी विक्रय की वापसी/ पहचान	-34545	-46029
7) उचित मूल्य समायोजन	508	508
8) पूर्व अवधि समायोजन	-65420	-4688
9) सेवा संविदा के लिए पीओसी विक्रय की पहचान	19041	16033
10) पीओसी विक्रय की वापसी से संबंधित कार्य प्रगति पर।	-19041	-16033
11) भारतीय लेखा मानक के तहत पहचाने गए नए अस्थायी अंतरों पर आस्थगित कर प्रभाव	95844	76891
12) संयुक्त उद्यम तथा लेखा मानक समायोजन	6302	7127
भारतीय लेखा मानक के अनुसार साम्या	**1490141**	**1103221**

(ii) 31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निवल लाभ का समाधान	(रु. लाखों में)
विवरण	**31 मार्च, 2016**
आईजीएएपी के अनुसार कर पश्चात लाभ (क)	**165157**
आईएनडी एएस समायोजन :	
1) 1 अप्रैल 2015 तक प्रदान किए गए परिनिर्धारित क्षतियों की वापसी	22171
2) परिनिर्धारित क्षतियों हेतु प्रावधान	
3) वारंटी विक्रय की पहचान	27730
4) वारंटी विक्रय की वापसी	-39214
5) वारंटी देयता की वापसी	3946
6) सेवा संविदा के लिए पीओसी विक्रय की पहचान	16033
7) पीओसी विक्रय से संबंधित वर्क इन प्रोग्रेस की वापसी	-16033
8) दिनांक 1 अप्रैल 2015 तक बुक किए गए पीओसी विक्रय की वापसी	-18927
9) दिनांक 1 अप्रैल 2015 के अनुसार बुक किए गए बिक्री संबंधी प्रगति पर कार्य की वापसी में पूर्णतः वापस नहीं	18927
10) अमूर्त परिसंपत्तियों का ह्रास	-1004
11) रशियन रूबल के प्रति देयताओं का परिशोधन	7
12) रशियन रूबल के प्रति देयताओं की प्रतिपूर्ति का परिशोधन	-7
13) पूर्व की अवधि समायोजन	60732
14) उपरोक्त समायोजन पर आस्थगित कर प्रभाव	-18953
15) प्रस्तावित लाभांश की वापसी	-
16) ओसीआई को अंतरित निश्चित निवल लाभ पर मुनाफा	-1029
17) ओसीआई को अंतरित निश्चित निवल लाभ पर कर	356
18) ओसीआई को अंतरित विदेशी मुद्रा प्रचालन में नुकसान	4
19) ओसीआई को अंतरित विदेशी मुद्रा प्रचालन में नुकसान पर कर (टैक्स)	-2
20) जे वी तथा ए एस समायोजन	815
कुल समायोजन (बी)	**35243**
भारतीय लेखा मानक के अनुसार करोपरांत लाभ (ए)+(बी)	**200400**
अन्य व्यापक आय/ हानि	**670**
संयुक्त उद्यम से संबंधित ओसीआई	9
भारतीय लेखा मानक के अनुसार कुल विस्तृत आय	**201079**

(iii) 1 अप्रैल 2015 तक तुलन पत्र का समाधान **(रु. लाखों में)**

विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) संपत्ति संयंत्र और उपकरण	503743	-156	-4	503583
2) चालू पूँजी	22702	-	-	22702
3) निवेश संपत्ति	-	-	4	4
4) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	163707	-12	-	163695
5) निर्माणाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	51665	-7548	-	44117
6) संयुक्त उद्यमों में निवेश	13194	6302	-	19496
7) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	56993	-	-	56993
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	1554	-	-	1554
(iii) ऋण	5225	-	-	5225
(iv) अन्य	86928	-49595	-	37333
8) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	-	-	-	-
9) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	140344	-4688	-	135656
चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) माल	2513996	-18716	-	2495281
2) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	-	-	-	-
(ii) व्यापार प्राप्त राशियाँ	624260	-14973	-	609287
(iii) नकद और नकद तुल्य	1767139	-	-	1767139
(iv) उपर्युक्त(ळळळ) के अलावा बैंक शेष	-	-	-	-
(v) ऋण	17596	-	-	17596
(vi) अन्य	199002	-322	-	198680
3) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	-	-13546	23586	10040
4) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	230619	-47629	-23586	159404
कुल	**6398668**	**-150883**	**-**	**6247785**

1 अप्रैल 2015 तक तुलन पत्र का समाधान (रु. लाखों में)

विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
साम्या व दायित्व:				
साम्या:				
1) साम्या शेयर पूँजी	48200	–	–	48200
2) अन्य साम्या	1624826	-182885	–	1441941
देयताएँ				
गैर–चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार देय	50439	-50099	–	340
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	37290	33	–	37323
2) प्रावधान	49245	195368	12669	257282
3) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	161922	-95844	–	66078
4) अन्य गैर चालू देयताएँ	875131	–	–	875131
चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताए				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार देय	227000	-244	–	226757
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	111569	131	–	111701
2) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	2935853	–	–	2935853
3) प्रावधान	277191	-17342	-12669	247179
4) अन्य कर देयताएँ (निवल)	–	–	–	–
कुल	**6398668**	**-150883**	**–**	**6247785**

(iv) 31 मार्च, 2016 तक के तुलन पत्र का समाधान				(रु. लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
गैर–चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) संपत्ति संयंत्र और उपकरण	544446	–	-4	544442
2) चालू पूँजी	37537	–	–	37537
3) निवेश संपत्ति	–	–	4	4
4) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	148084	–	–	148084
5) निर्माणाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	73552	-8553	–	64999
6) संयुक्त उद्यमों में निवेश	11881	7125	–	19006
7) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	72573	–	–	72573
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	–	–	–	–
(iii) ऋण	5199	–	–	5199
(iv) अन्य	89710	-49579	–	40132
8) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	–	–	–	–
9) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	153312	-4688	–	148624
चालू परिसंपत्तियाँ :				
1) माल	2414196	-16033	–	2398162
2) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(ii) निवेश	–	–	–	–
(ii) व्यापार प्राप्त राशियाँ	513182	-29493	–	483689
(iii) नकद और नकद तुल्य	1330343	–	–	1330343
(iv) उपर्युक्त (iii) के अलावा बैंक शेष	–	–	–	–
(v) ऋण	9805	–	–	9805
(vi) अन्य	221227	-345	–	220882
3) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)				
4) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	119974	1	9723	129697
कुल	**5745021**	**-101566**	**9723**	**5653178**

31 मार्च, 2016 तक के तुलन पत्र का समाधान				(रु. लाखों में)
विवरण	समायोजित आईजीएएपी	आईएनडी एएस समायोजन	आईएनडी एएस पुनवर्गीकरण	आईएनडी एएस के अनुसार
साम्या व दायित्व:				
साम्या:				
1) साम्या शेयर पूँजी	36150	–	–	36150
2) अन्य साम्या	1199913	-132842	–	1067071
देयताएँ				
गैर चालू देयताएँ :				
1) वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार देय	50083	-50083	–	–
(iii) अन्य वित्तीय देय	39731	–	–	39731
2) प्रावधान	46038	199190	3023	248251
3) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	158367	-76891	–	81475
4) अन्य गैर-चालू देयताएँ	915455	–	–	915455
चालू देयताएँ:				
1) वित्तीय देयताए				
(i) उधार	–	–	–	–
(ii) व्यापार भुगतान	215471	-349	–	215122
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	97694	–	–	97694
2) अन्य चालू देयताएँ	2678236	503	–	2678740
3) प्रावधान	307881	-41092	-3023	263766
4) वर्तमान कर देयताएँ (सकल)	–	–	9723	9723
कुल	**5745019**	**-101563**	**9723**	**5653178**

v) आईजीएएपी के तहत एवं भारतीय लेखा मानक के तहत निर्मित नकद प्रवाह के बीच कोई महत्वपूर्ण समाधान नहीं है।

(vi) पहली बार भारतीय लेखा मानक 101 (आईएनडी एएस101) अपनाने पर परिवर्तित तिथि तक प्राप्त छूट :

आईएनडी एएस 101 पहली बार इसे अपनानेवालों को आईएनडीएस की कुछ शर्तों के पूर्वव्यापी अनुप्रयोगों से छूट की अनुमति देती है। तद्रुसार कंपनी द्वारा निम्नलिखित छूट के लिए आवेदन किया गया है।

(क) आईएनडी एएस 101 के अनुच्छेद डी7एए के अनुसार संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर तथा अमूर्त परिसंपत्तियों को 31 मार्च 2015 को आईजीएएपी के अनुसार तैयार किए गए वित्तीय विवरण में दर्शाया गया है। कंपनी ने ऐसे मूल्यों को परिवर्तित तिथि पर लागत के रूप में मानना तय किया है।

(ख) आईएनडी एएस 101 के अनुच्छेद डी36 के अनुसार ग्राहक द्वारा वित्त पोषित परिसंपत्तियों के संबंध में कंपनी आईएनडी एएस18 के परिशिष्ट सी के तहत आवेदन करने का प्रस्ताव करता है, जिसके अनुसार 01.04.2016 के बाद ग्राहक द्वारा वित्त पोषण से निर्मित की गई परिसंपत्ति का पूँजीकरण किया जाना चाहिए।

(ग)आईएनडी एएस 101 के अनुच्छेद बी8सी के अनुसार कंपनी द्वारा वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ दायित्वों का वास्तविक सही मूल्य आईएनडी एएस अपनाने की तिथि पर उस वित्तीय परिसंपत्ति के नए सकल मूल्य पर अथवा उस वित्तीय दायित्व के परिशोधित मूल्य पर निश्चित किया है।

(घ) आईएनडी एएस 101 के अनुच्छेद डी13 के अनुसार, जो कहता है कि कंपनी द्वारा आईएनडीएएस 21 में उल्लेख के अनुसार परिवर्तित तिथि को मौजूद संचयी अंतरण अंतर (क्यूम्यूलेटिव ट्रांसलेशन डिफरेंस) की आवश्यकताओं के अनुपालन की जरूरत नहीं है। इसके बदले सभी विदेशी प्रचालनों से संबंधित अंतरों को परिवर्तित तिथि पर शून्य माना जा सकता है तथा इसके पश्चात किसी भी विदेशी प्रचालन के निपटान में हुए लाभ या हानि आईएनडी एएस की बदलाव की तिथि से पूर्व आया अंतर शामिल न करते हुए उक्त तिथि के बाद हुए अंतर शामिल हैं।

(vii) अन्य :

(क) आईजीएएपी के तहत, कर्मचारियों के छुट्टी भुगतान के एवज में उपदान एवं देयता हेतु निर्धारित लाभ योजना से संबंधित बीमांकिक लाभ एवं हानि को लाभ या हानि विवरण में सम्मिलित किया गया था। आईएनडी एएस के तहत, बीमांकिक लाभ एवं हानि निवल निश्चित लाभ दायित्व/ परिसंपत्ति के पुनःमापन का हिस्सा होता है, जो कि अन्य विस्तृत आय (ओसीआई) में उल्लिखित किए जाते हैं । परिणामत: इसके कर प्रभाव को भी लाभ अथवा हानि विवरण के बजाय ओसीआई में इसका उल्लेख किया गया है।

(ख) मानक जारी किन्तु अप्रभावी – आईएनडी एएस 115 – ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व :

फरवरी 2015 ने कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने आईएनडी एएस 115, ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व को अधिसूचित किया था। नए मानक का मूल सिद्धान्त है कि कंपनी द्वारा माल व सेवाओं के लिए अपेक्षित राशि में ग्राहक को वादा किए गए माल एवं सेवाओं के स्थानान्तरण को दर्शाने के लिए कंपनी द्वारा राजस्व की पहचान की जानी चाहिए। तत्पश्चात नए मानक के लिए ग्राहकों के साथ संविदाओं से उत्पन्न कंपनी के राजस्व की प्रकृति, मात्रा, समय एवं अनिश्चितता एवं नकद प्रवाह से संबंधित वृहत स्पष्टीकरण आवश्यक है । आईएनडी एएस 115 की प्रभावी तिथि कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा आस्थगित की गई है।

(viii) खंड 3(i) के टिप्पणी :

(क) प्रस्तावित लाभांश की समाप्ति:

आईजीएएपी के तहत, प्रस्तावित लाभांश को संबंधित अवधि के दौरान दायित्व के रूप में माना जाता है। आईएनडीएएस के तहत लाभांश भुगतान की गई अवधि में प्रत्यक्ष रूप से साम्या में समायोजित किया जाता है, यह संबंधित अवधि से नहीं जुड़ा होता। तद्रुसार आईजीएएपी की समाप्ति के बाद वर्ष 2014-15 में प्रस्तावित लाभांश के एवज में कोई राशि नहीं है एवं इसे वर्ष 2015-16 में किए गए भुगतान के अनुसार साम्या में समायोजित किया गया है। वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 14120 लाख प्रस्तावित लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) के रूप में माना गया जोकि आईजीएएपी के समाप्ति के बाद 01.04.2016 से 31.03.2017 की अवधि में किए गए भुगतान के अनुसार साम्या में समायोजित किया गया।

(ख) परिनिर्धारित क्षतियों के लिए प्रावधान:

आईजीएएपी के तहत, कंपनी द्वारा भुगतान किए जाने वाली परिनिर्धारित क्षतियों स्वीकृति यथा विक्रय के शुरूआत करते समय, पर लेखा में शामिल किया जाता है। आईएनडी एएस के तहत, वायुयान/ हेलिकॉप्टर/ इंजन/रोटेबल के विनिर्माण/ मरम्मत एवं पुनर्कल्पन, स्पेयर की आपूर्ति तथा विकास क्रियाकलापों आदि से संबंधित सुपुर्दगी कार्यक्रम के अनुसार माल की आपूर्ति/ सेवा प्रदान करने की तिथि तथा उक्त माल की सुपुर्दगी/सेवा प्रदान करने की तिथि के बीच हुई देरी के लिए परिसमापन क्षतियों के रूप में प्रावधान किया गया है। इसके कारण परिसमापन क्षतियों में परिनिर्धारित कर तिथि (01 अप्रैल 2015 तक) तक रु. 109183 लाख की बढ़ोत्तरी हुई जिसे प्रतिधारित उपार्जन के तहत समायोजित किया गया। तत्पश्चात वर्ष 2015-16 के दौरान, रू. 20310 लाख की परिसमापन क्षति के प्रावधान को लाभ एवं हानि विवरण में शामिल किया गया तथा रु. 22171 लाख की परिसमापन क्षति हेतु प्रावधान को लाभ एवं हानि विवरण में नहीं शामिल किया गया क्योंकि इससे 01 अप्रैल 2015 तक प्रतिधारित उपार्जन के तहत रखा गया।

(ग) दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान:

140 सु–30 विनिर्माण कार्यक्रम (ब्लॉक– IV) को दुर्वह संविदा माना गया है। संविदा के तहत इसकी सुपुर्दगी वर्ष 2012–13 से 2014–15 में की जानी थी, जबकि 2017–18 से 2019–20 तक इसकी सुपुर्दगी की संभावना है। यद्यपि विक्रय मूल्य स्थिर है लेकिन सामग्री लागत, श्रम लागत एवं अन्य लागतों में वृद्धि के कारण संविदा दुर्वह हो गई है तथा दिनांक 01 अप्रैल 2015 तक नुकसान रु. 110469 लाख तक पहुँच चुका है ।

(घ) अमूर्त परिसंपत्तियों का ह्रास :

जहाँ कहीं भी अमूर्त परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन काल का मूल्यांकन संभव नहीं है, वहाँ इसे परिशोधित नहीं किया गया है। हालांकि जहाँ कहीं भी दर्शाया गया है कि अमुक अमूर्त संपत्ति का ह्रास हो सकता है, वहाँ इसके ह्रास का आकलन किया गया है। तदनुसार 01 अप्रैल 2015 तक अमूर्त संपत्ति के ह्रास के कारण हुआ नुकसान रु. 7548 लाख है तथा वर्ष 2015–16 के लिए रु. 1004 लाख है।

(ड) वारंटी दायित्व की समाप्ति:

आईजीएएपी के तहत, वायुयान/ हेलिकॉप्टर/ इंजन/रोटेबल के विनिर्माण/ मरम्मत एवं पुनर्कल्पन, स्पेयर की आपूर्ति तथा विकास क्रियाकलापों आदि हेतु विक्रय प्रारंभ के समय ग्राहकों के साथ सहमत हुए स्थितियों के भीतर वारंटी का प्रावधान किया जाता है। आईएनडी एएस के तहत, वायुयान/ हेलिकॉप्टर/ इंजन/रोटेबल तथा स्पेयर के विनिर्माण/ मरम्मत एवं पुनर्कल्पन, के संबंध में वारंटी का प्रावधान बीमांकिक मूल्य के आधार पर किया जाता है। इसके कारण परिवर्तित तिथि (01 अप्रैल 2015 तक) इस प्रावधान में रु. 41627 लाख की कमी आई एवं जिससे 01.04.2015 तक के प्रतिधारित उपार्जन में समायोजित किया गया। तत्पश्चात वर्ष 2015–16 के दौरान वारंटी दायित्व के प्रावधान में रु. 3946 लाख की कमी आई एवं इसे लाभ एवं हानि विवरण में समायोजित किया गया।

(च) वारंटी विक्रय की समाप्ति:

आईजीएएपी के तहत, वारंटी से संबंधित राजस्व को विनिर्मित/पुनर्कल्पित वायुयान/ हेलिकॉप्टर / इंजन / रोटेबल/ उपसाधन तथा स्पेयर की आपूर्ति ग्राहकों के साथ सहमत हुए स्थितियों के भीतर विक्रय के प्रारंभ के समय ही शामिल किया जाता है। आईएनडी एएस के तहत, विनिर्माण एवं पुनर्कल्पन संबंधी वारंटी से संबंधित राजस्व ग्राहकों के साथ सहमत हुए स्थितियों के भीतर वारंटी अवधि के दौरान अनुपातिक रूप से शामिल की जाती है। उपरोक्त बदलाव के कारण, 01.04.2015 तक प्रतिधारित उपार्जन तथा 31.03 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लाभ एवं हानि विवरण में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं ।

(रु. लाखों में)

विवरण	01.04.2015 तक प्रतिधारित उपार्जन	31 मार्च 2016 के समाप्त वर्ष के लिए लाभ व हानि
वारंटी विक्रय की वापसी	34545	39214
पूर्व वर्ष से वारंटी विक्रय का प्रभाव विस्तार	–	27730

(छ) रूसी ऋण के लिए उचित मूल्य का समायोजन:

(i) आईजीएएपी के अनुसार, रूसी ऋण के तहत देयता धनराशि एवं ग्राहक से इसकी संगत प्रतिपूर्ति को लेखा खाते की सकल राशि में शामिल किया गया। हालांकि आईएनडी एस–109 के तहत रूसी ऋण के तहत देयता धनराशि एवं ग्राहक से इसकी संगत प्रतिपूर्ति दोनों को प्रारंभ में उचित मूल्य पर शामिल किया जाना चाहिए तथा बाद में परिशोधित लागत पर शामिल किया जाना चाहिए। हस्तांतरण मूल्य एवं उचित मूल्य के अंतर को उचित मूल्यांकन पर लाभ/ हानि के रूप में ग्रहण किया जाता है। दिनांक 01 अप्रैल 2015 तक प्रतिधारित ऊपार्जन में रु.50424 लाख की वृद्धि एवं रु.49917 लाख की कमी हुई तथा इससे संबंधित आस्थगित देयता एवं आस्थगित परिसंपत्तियों में भी निम्नानुसार कमी आई।

(रु. लाखों में)

विवरण	चालू	गैर चालू	प्रतिधारित आमदनी पर परिणाम
क) आस्थगित देयताएँ	325	50100	50425
ख) आस्थगित परिसंपत्तियाँ	322	49595	49917
कुल (क–ख)	**3**	**505**	**508**

(ii)7 लाख रु. के रशियन कर्ज की देयता और रु. 7 लाख के रशियन कर्ज की प्रतिपूर्ति पर हानि ये दोनों लाभ और हानि के विवरण में परिशोधित किया है, जिसे नीचे दिया है :

(रु. लाखों में)

विवरण	चालू	गैर चालू	प्रतिधारित आमदनी पर परिणाम
क) आस्थगित देयताएँ	23	-16	7
ख) आस्थगित परिसंपत्तियाँ	-23	16	-7
कुल (क+ख)	-	-	-

(ज) पूर्व अवधि सामग्री :

कंपनी ने त्रुटि से संबंधित पूर्व अवधि हेतु तुलनात्मक राशि की पुनःआकलन कर वित्तीय विवरण के प्रथम सेट में पूर्व अवधि त्रुटियों को पूर्व व्यापी प्रभाव से सुधार लिया है। जहाँ कहीं त्रुटि 01 अप्रैल 2015 के पहले हुई है कंपनी ने 01 अप्रैल 2015 तक परिसंपत्तियों दायित्व एवं साम्या के प्रारंभिक बकाया का पुनःआकलन किया है।

विवरण	(रु. लाखों में)
क) आयकर *	65863
ख) अन्य विविध समायोजन	-443
कुल (क+ख)	**65420**

* कंपनी वारंटी, पुनर्स्थापन, सामग्री, परिसमापन क्षतियों के प्रावधानों की नामंजूरी एवं ऐसे प्रावधानों की समाप्ति की मंजूरी के संबंध में आयकर विभाग के समाधान पर पहुँच चुकी है। आईएनडी एएस 8 के अनुसार, 01 अप्रैल 2015 तक रु. 54620 लाख के प्रावधान को प्रारंभिक साम्या में रु. 11243 लाख के ब्याज के समायोजित किया गया है।

(झ) परसेंटेज़ कंप्लीशन मेथड (पीओसी) के तहत ओवरहाल विक्रय को शामिल करना :

आईजीएएपी के अनुसार, विक्रय पूर्ण संविदा के आधार पर निर्धारित और शामिल किए जाते हैं। यद्यपि आईएनडी एएस-18 के अनुसार, वायुयान/हेलिकॉप्टर तथा इंजन के पुनर्कल्पन हेतु विक्रय पीओसी मेथड के तहत निर्धारित और शामिल किया जाता है। इसके कारण परिवर्तित तिथि तक विक्रय में रू. 19041 लाख की बढ़ोत्तरी एवं वर्क इन प्रोग्रेस में रु. 19041 लाख की कमी हुई, जिसे 01-04-2015 तक प्रतिधारित उपार्जन के तहत समायोजित किया गया। वर्ष 2015-16 के दौरान विक्रय में रु. 16033 लाख की बढ़ोत्तरी एवं वर्क इन प्रोग्रेस में रु. 16033 लाख की कमी हुई एवं इसे 31.03.2016 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु लाभ एवं हानि विवरण में समायोजित किया गया । तत्पश्चात, वर्ष 15-16 के दौरान रु. 19041 लाख के विक्रय को समाप्त किया गया क्योंकि इसे पीओसी मेथड के तहत 01.04.2015 तक प्रतिधारित उपार्जन के तहत दर्ज किया गया।

(ट) आईएनडीएएस के तहत नए अस्थायी अंतरों पर आस्थगित कर प्रभाव:

आईजीएएपी के लिए आयकर विवरण का प्रयोग करते हुए आस्थगित कर लेखाँकन की आवश्यकता होती है, जो कि अवधि के लिए कर योग्य लाभ एवं लेखाँकन लाभ के अंतर पर ध्यान केंद्रित करता है। आईएनडी एएस-12 के लिए कंपनियों की बैलेंस शीट (तुलन पत्र) का प्रयोग करते हुए आस्थगित करों के लेखा की आवश्यकता होती है, जो कि तुलन पत्र में किसी परिसंपत्ति अथवा दायित्व के चालू मूल्य एवं इसके कर आधार के अस्थायी अंतर पर ध्यान केंद्रित करता है। आईएनडी एएस-12 के आवेदन के कारण अस्थायी अंतरों पर आस्थगित कर उत्पन्न हुआ है जो कि आईजीएएपी तहत आवश्यक नहीं था। इसके अतिरिक्त विभिन्न संक्रमण कालीन समायोजनों के कारण अस्थायी अंतर उत्पन्न हुए हैं। तद्नुसार आस्थगित कर समायोजन को प्रतिधारित उपार्जन में किए जाने वाले हस्तांतरण के तहत शामिल किया गया है। परिवर्तित तिथि (यथा 01.04.2015) पर आस्थगित कर दायित्वों पर निवल प्रभाव रु. 95844 लाख एवं 31.03.2016 को समाप्त होने वाले वर्ष ने रू. 76891 लाख है।

(ठ) निवल लाभ दायित्व /परिसंपत्ति के पुनः मापन पर लाभ एवं हानि:

आईजीएएपी के अनुसार, निवल लाभ दायित्व /परिसंपत्ति के पुनः मापन पर लाभ एवं हानि को लाभ तथा हानि विवरण के तहत शामिल किया जाता है, जबकि आईएनडीएएस के तहत इसे साम्या के अलग घटक में संचित कर अन्य व्यापक आय में शामिल किया जाता है। दिनांक 01 अप्रैल 2015 तक निवल लाभ दायित्व के पुनः मापन पर संचित हानि (कर छोड़कर) रु. 6503 लाख हैं, जिसे प्रतिधारित उपार्जन से साम्या के एक अलग घटक ने स्थानांतरित किया गया है। 31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निवल लाभ योजना के पुनःमापन पर रु. 1029 के रूप में शामिल किया गया है।

(ड) विदेशी प्रचालनों के अंतरण पर लाभ/ हानि:

आईजीएएपी के अनुसार, विदेशी प्रचालनों के अंतरण पर लाभ एवं हानि को लाभ एवं हानि विवरण में शामिल किया जाता है जब कि आईएनडी एएस-21 के तहत इसे साम्या के अलग घटक में संचित कर अन्य व्यापक आय में शामिल किया जाता है। 31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु विदेशी प्रचालनों पर नुकसान रु. 4 लाख पाया गया है।

4. वर्ग के अधीन वित्तीय उपकरण

(क) 31 मार्च 2017 तक प्रत्येक वर्ग के अधीन वित्तीय उपकरणों के चालू मूल्य एवं उचित मूल्य निम्नानुसार हैं। **(रु. लाखों में)**

विवरण	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	कुल रखाव मूल्य	कुल उचित मूल्य
परिसंपत्तियाँ :					
(i) निवेश	99399	–	–	99399	99399
(ii) कर्ज	15769	–	–	15769	15769
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	294908	–	–	294908	294908
(iv) व्यापार प्राप्तियाँ	422051	–	–	422051	422051
(v) नकद और नकद समतुल्य	1115334	–	–	1115334	1115334
देयताएँ :					
(i) व्यापार देय	179722	–	–	179722	179722
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	146921	–	–	146921	146921
(iii) उधार	95000	–	–	95000	95000

(ख) 31 मार्च 2016 तक प्रत्येक वर्ग के अधीन वित्तीय उपकरणों के चालू मूल्य एवं उचित मूल्य निम्नानुसार हैं।

विवरण	परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ/देयताएँ	कुल रखाव मूल्य	कुल उचित मूल्य
परिसंपत्तियाँ :					
(i) निवेश	91579	–	–	91579	91579
(ii) कर्ज	15004	–	–	15004	15004
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	261013	–	–	261013	261013
(iv) व्यापार प्राप्तियाँ	483689	–	–	483689	483689
(v) नकद और नकद समतुल्य	1330343	–	–	1330343	1330343
देयताएँ :					
(i) व्यापार देय	215122	–	–	215122	215122
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	137426	–	–	137426	137426

(ग) वित्तीय परिसंपत्तियों तथा देयताओं में शामिल ब्याज आय/व्यय, लाभ/हानि

विवरण	31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष
(i)परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
–बैंक जमा से ब्याज आय	89065	154857
– अन्य परिसंपत्तियों से ब्याज आय	312	310
– वित्तीय परिसंपत्तियों के परिशोधन पर लाभ/हानि	254	7
(ii) परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ		
– वित्तिय देयताओं के परिशोधन पर लाभ/हानि	1074	7

5. वित्तीय जोखिम एवं पूँजी प्रबंधन

किसी भी व्यापारिक कंपनी में वित्तीय जोखिम को बाजार जोखिम, क्रेडिट जोखिम, चलनिधि जोखिम, प्रचालन जोखिम एवं विधि संबंधी जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

कंपनी में इन जोखिमों की स्थिति नीचे दर्शाई गई है:

क) बाजार जोखिम

चूँकि कंपनी को राजस्व मुख्यत: रक्षा सेवाओं को की जाने वाली आपूर्तियों/ सेवाओं से प्राप्त होती है, अत: बदलती बाजार की परिवर्तित स्थितियों से कंपनी को जोखिम नहीं है।

ख) साख जोखिम

रक्षा सेवाएँ नामत: भारतीय वायुसेना (आईएएफ), भारतीय थलसेना, भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक बल कंपनी के मुख्य ग्राहक हैं। कंपनी मूल्यवार्ताओं द्वारा रक्षा सेवाओं के साथ संविदा में निहित अग्रिम/महत्वपूर्ण भुगतान शर्तों के अनुसार आवधिक निधि आगमन के कारण वित्तीय दायित्वों को पूरा करना सुनिश्चित करती है।

ग) चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम में परिसंपत्ति चलनिधि एवं प्रचालन निधि का जोखिम होता है। ग्राहकों के साथ किए गए संविदाओं में निहित अग्रिम/ महत्त्वपूर्ण भुगतान शर्तों के अनुसार आवधिक निधि आगमन के कारण कंपनी ऐसे जोखिमों से सुरक्षित है।

घ) प्रचालन जोखिम

प्रचालन जोखिम में प्रचालन संबंधी विफलता जैसे कि कुप्रबंधन या तकनीकी विफलता, धोखाधड़ी जोखिम आदि शामिल है। कंपनी विभिन्न प्रक्रियाओं के तहत विधिवत प्रशासन द्वारा अपने कार्यों का दक्षतापूर्वक प्रबंधन करने में सफल रही है। इसके साथ ही, बहु- प्रभागीय कंपनी होने के कारण कंपनी इकाई स्तर पर होने वाले तकनीकी विफलताओं का प्रबंधन करने में सक्षम है।

ड.) विधि संबंधी जोखिम

कंपनी आन्तरिक सशक्त विधि विभाग द्वारा संविदा/ विलेख का विधिवत पुनरीक्षण करने एवं यदि आवश्यक हो तो बाह्य विधि विशेषज्ञों से विधि संबंधी सलाह लेकर ही संविदा/ व्यापार संबंधी लेन-देन करती है। कंपनी में ऐसे जोखिमों से सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था मौजूद है।

6. कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने दिनांक 16.05.2017 के पत्र के द्वारा कंपनी को संप्रेषित किया है कि भारतीय लेखाकरण मानक 108- प्रचालन खंड(सेगमेंट) के तहत छूट को बढ़ाने के लिए अधिसूचना सं 463(ए) दिनांक 05.06.2015 में संशोधन किए जाने की आवश्यकता होगी। कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 462 के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उक्त संशोधन करने के लिए दी गई अधिसूचना को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने कंपनी को भारतीय लेखाकरण मानक 108 के प्रयोग से छूट दिलाने के लिए संगत अधिसूचना को संसद के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया है।

7. समेकित वित्तीय विवरण के निर्माण हेतु सामान्य अनुदेश के अनुच्छेद – 2 के अनुसरण में अतिरिक्त सूचना

(रु. लाखों में)

समूह में कंपनी का नाम	निवल परिसम्पत्तियाँ,यथा. कुल परिसम्पत्तियाँ में से कुल देयताएँ घटाना		निवल लाभ या हानि में हिस्सा		अन्य व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
	समेकित निवल परिसंपत्तियों का %	धन राशि	समेकित निवल परिसंपत्तियों का %	धन राशि	समेकित निवल परिसंपत्तियों का %	धन राशि	समेकित निवल परिसंपत्तियों का %	धनराशि
मूल कंपनी								
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड	98	1253662	99	261563	98	609	99	262172
सहायक कंपनी								
नैनी एरोस्पेस लिमिटेड	–	2826	–	-174	–	–	–	-174
संयुक्त उद्यम (साम्या पद्धति के अनुसार निवेश)								
1. मेसर्स बीएई–एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	–	742	–	26	1	3	–	29
2. मेसर्स स्नेकमा–एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	–	2620	–	136	–	2	–	138
3. मेसर्स इंडो रशियन लिमिटेड	–	5040	–	965	–	1	–	966
4. मेसर्स हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	–	-118	–	1	1	5	–	5
5. मेसर्स एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड	–	-368	–	-40	–	–	–	-40
6. मेसर्स सैमटेल– एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड	–	-97	–	-154	–	1	–	-152
7. मेसर्स इंफोटेक एचएएल लिमिटेड	–	167	–	51	–	-1	–	50
8. मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	–	-1692	–	523	–	-1	–	522
9. मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड	–	84	–	-146	–	1	–	-146
10. मेसर्स इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	–	4267	–	819	–	–	–	819
11. मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	1	10890	–	-7	–	–	–	-7
12. मेसर्स एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)	–	13	–	-34	–	–	–	-34
13. मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	–	135	–	-60	–	–	–	-60
कुल		**1278171**		**263470**		**619**		**264089**

8. आकस्मिक देयताएँ एवं प्रतिबद्धताएँ

(रु. लाखों में)

क्र. सं.	विवरण	31 मार्च 17			31 मार्च 16			1 अप्रैल 15		
		एचएएल	संयुक्त उद्यम	कुल	एचएएल	संयुक्त उद्यम	कुल	एचएएल	संयुक्त उद्यम	कुल
1	**जिनके लिए आकस्मिक देयताएँ नहीं प्रदान की जाती है**									
	क्रेडिट एवं गारंटी के बकाया पत्र									
	(i) क्रेडिट पत्र	106350	–	106350	93719	–	93719	158925	–	158925
	संघीय बैंकरों से प्राप्त रु.205000 लाख (विगत वर्ष रु.205000 लाख) की निधि रहित आधारित सीमा मालसूचियों एवं सभी प्राप्य धनराशियों के द्वारा प्रतिभूत किए जाते हैं। रु. 250000 लाख (विगत वर्ष रु.250000 लाख) की संस्वीकृत कुल सीमाएँ संघीय बैंकों के बीच तथा निधि आधारित एवं निधि रहित आधारित सीमाओं के बीच में अंतर-परिवर्तनीय होता है।									
	(ii) कंपनी द्वारा निष्पादन के लिए दिया जाने वाला क्षतिपूर्ति बाँड	593732	1484	595217	513754	1365	515120	503526	1365	504892
	(iii) निष्पादन गारंटी	7465	621	8086	9775	965	10741	14221	985	15207
	दावे / कंपनी से की जाने वाली ऐसी माँगें जिन्हें कर्ज (सकल) नहीं माना गया हो									
	(i) विक्रय कर / प्रवेश कर	669536	–	669536	623406	–	623406	227265	–	227265
	(ii) आयकर	176959	130	177088	200680	130	200810	184107	23	184130
	(iii) नगर पालिका कर	4057	–	4057	7144	–	7144	–	–	–
	(iv) सेवा कर	51503	15	51518	78849	15	78864	64444	15	64459
	(v) सीमा शुल्क	23569	59	23628	23569	59	23628	23569	59	23628
	(vi) अन्य	10723	72	10795	11270	23	11293	11661	226	11886
	कुल	**936346**	**276**	**936622**	**944917**	**227**	**945145**	**511045**	**324**	**511369**
2	**प्रतिबद्धताएँ**									
	निष्पादित किए जाने हेतु शेष/अप्रदत संविदा की अनुमानित धनराशि									
	i) पूँजी खाते पर	126131	2156	128287	110557	1906	112463	92918	1885	94803
	ii) माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए	947278	9	947287	773917	9	773927	1008986	163	1009149
	कुल	**1073409**	**2166**	**1075574**	**884474**	**1915**	**886390**	**1101904**	**2048**	**1103952**

9. प्रावधानों, आकस्मिक देयताएँ एवँ आकस्मिक परिसंपत्ति संबंधी भारतीय लेखा मानक – 37 के अनुसार लेखा बहियों के प्रावधानों में परिवर्तन निम्नवत प्रस्तुत है:

(रु. लाखों में)

	प्रावधान की प्रकृति	प्रारंभिक राशि	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	वर्ष के दौरान उपयोग	वर्ष के दौरान वापसी	अंतिम राशि
क)	बदलाव एवं अन्य प्रभारों के लिए प्रावधान	95805	24216	22704	8627	88690
	(पिछले वर्ष)	(66276)	(32315)	(2546)	(241)	(95805)
ख)	वारंटी शुल्क का प्रावधान	66034	8394	4163	16376	53890
	(विगत वर्ष)	(61448)	(15005)	(4378)	(6041)	(66034)
ग)	कच्चा माल एवं पुर्जे, भंडार एवं स्पेयर, संरचना हेतु माल एवं खुदरा टूल की प्रचूरता के लिए प्रावधान	61886	10011	(0)	1817	70080
	(विगत वर्ष)	(60125)	(7345)	–	(5584)	(61886)
घ)	परिनिर्धारित क्षतियों हेतु प्रावधान	150736	30877	53111	–	128502
	(विगत वर्ष)	(159720)	(34986)	(43970)	–	(150736)
ङ)	संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान	11066	4530	35	1,307	14253
	(विगत वर्ष)	(1163)	(9903)	–	–	(11066)
च)	दावों का प्रावधान	11903	3036	236	828	13875
	(विगत वर्ष)	(7,868)	(4,086)	–	(52)	(11903)
छ)	निवेश के मूल्य में ह्रास	6462	123	–	–	6585
	(विगत वर्ष)	(4990)	(1472)	–	–	(6462)
ज)	दुर्वह संविदा हेतु प्रावधान	110469	–	–	–	110469
	(विगत वर्ष)	(110469)	–	–	–	(110469)
	कुल योग	**514360**	**81188**	**80249**	**28954**	**486344**
	विगत वर्ष*	**(472060)**	**(105112)**	**(50894)**	**(11918)**	**(514360)**

* कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

बदलाव एवं अन्य शुल्कों का प्रावधान सिग्नल आउट सर्टिफिकेट (एसओसी) की तिथि से उडान भरने की तिथि तक व्यय की गई राशि, ग्राहकों से लिए गए ऋण मद के बदलाव आदि को दर्शाते हैं।

वारंटी वायुयान/हेलिकॉप्टर/इंजन/ रोटेबल्स के विनिर्माण, मरम्मत एवं पुनर्कल्पन हेतु निष्पादन वारंटी, स्पेयर की आपूर्ति एवं विकास गतिविधियों आदि को दर्शाता है।

कच्चा माल एवं पुर्जे, भंडार एवं स्पेयर, निर्माण सामग्री तथा खुले टुल की प्रचूरता के लिए प्रावधान अवशिष्ट भंडार में स्थानांतरित करने हेतु लंबित पूर्ण / विशिष्ट प्रोजेक्टों तथा अधिशेष / प्रचुर ऐसी सामग्रियों को दर्शाते हैं।

परिनिर्धारित क्षति हेतु प्रावधान, वायुयान/हेलिकॉप्टर/इंजन/ रोटेबल्स के विनिर्माण, मरम्मत एवं पुनर्कल्पन, स्पेयर की आपूर्ति एवं विकास गतिविधियों आदि के संबंध में सुपुर्दगी कार्यक्रम के अनुसार माल आपूर्ति / सेवा प्रदान करने की नियत तिथि तथा कथित माल आपूर्ति / सेवा प्रदान करने की अपेक्षित तिथि में हुई देरी के लिए दी जाने वाली धनराशि को दर्शाता है।

संदिग्ध कर्ज हेतु प्रावधान अपेक्षित ऋण नुकसान पर किए गए प्रावधानों को दर्शाता है।

संदिग्ध दावे हेतु प्रावधान अपेक्षित ऋण नुकसान पर किए गए प्रावधानों को दर्शाता है।

निवेश मूल्य में ह्रास कुल मूल्य में निवेश से नीचे शेयर में आई कमी को दर्शाता है।

दुर्वह संविदा के प्रावधान का तात्पर्य है कि संविदा के दायित्वों को पूरा करने का खर्च इससे प्राप्त होने वाले अपेक्षित आर्थिक लाभों से बहुत अधिक है।

(रु. लाखों में)

10. दीर्घावधि संविदाओं पर दूरगामी नुकसान वाली सामग्री हेतु प्रावधान संबंधित संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरण में निम्नानुसार किया गया है:	2016-17	2015-16
हैलबिट एवियोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड	32.07	32.07

11. सहायक कंपनी की सारबद्ध वित्तीय सूचना (रु. लाखों में)

सारबद्ध तुलन पत्र	नैनी एरोस्पेस लिमिटेड 31 मार्च 2017
चालू परिसंपत्तियाँ	4197
चालू देयताएँ	179
निवल चालू परिसंपत्तियाँ	**4019**
गैर- चालू परिसंपत्तियाँ	
गैर- चालू देयताएँ	1192
निवल गैर- चालू परिसंपत्तियाँ	**-1192**
निवल परिसंपत्तियाँ	**2826**

लाभ एवं हानि का सारबद्ध विवरण	नैनी एरोस्पेस लिमिटेड 31 मार्च 2017
राजस्व	23
वर्ष के दौरान लाभ	-174
अन्य व्यापक आय	-
कुल विस्तृत आय	**-174**

सारबद्ध नगद प्रवाह	नैनी एरोस्पेस लिमिटेड 31 मार्च 2017
प्रचालन क्रियाकलापों से नकद प्रवाह	209
निवेश क्रियाकलापों से नकद प्रवाह	13
वित्तीय क्रियाकलापों से नकद प्रवाह	3000
नकद एवं नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि/(कमी)	**3222**

सहायक कंपनी को दिनांक 29.12.2016 को शामिल किया गया

12. संयुक्त उद्यमों की सारबद्ध वित्तीय सूचना

(रु. लाखों में)

सारबद्ध तुलन पत्र	बीएई– एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड			स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड			सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड			एचएएल एजवुड प्राइवेट लिमिटेड*		
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
चालू परिसंपत्तियाँ												
– नकद एवं नकद समतुल्य	97	158	58	250	1277	2010	1	3	12	3	98	2
– अन्य परिसंपत्तियाँ	1739	1915	1982	5489	4542	3426	451	865	1164	405	320	313
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**1835**	**2073**	**2039**	**5739**	**5818**	**5436**	**453**	**868**	**1176**	**409**	**418**	**315**
कुल गैर चालू परिसंपत्तियाँ	**451**	**514**	**664**	**1810**	**1972**	**1664**	**137**	**297**	**319**	**812**	**831**	**850**
चालू देयताएँ												
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	–	–	–	916	1180	928	452	452	604	336	339	323
– अन्य देयताएँ	672	987	780	1243	1227	1511	292	272	152	1108	1086	993
कुल चालू देयताए	**672**	**987**	**780**	**2159**	**2408**	**2439**	**743**	**723**	**756**	**1443**	**1425**	**1315**
निवल चालू देयताएँ												
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	–	–	–	46	78	102	–	–	–	381	343	251
– अन्य देयताएँ	99	108	121	105	233	207	90	303	607	4	9	8
कुल गैर चालू देयताएँ	**99**	**108**	**121**	**151**	**311**	**309**	**90**	**303**	**607**	**385**	**352**	**259**
निवल परिसंपत्तियाँ	**1515**	**1492**	**1803**	**5239**	**5072**	**4351**	**-243**	**139**	**132**	**-607**	**-528**	**-409**
* आबंटन हेतु लंबित धनराशि से संबंधित शेयर आवेदन										128	128	128

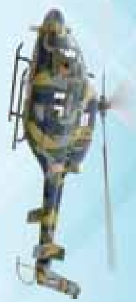

12. संयुक्त उद्यमों की सारबद्ध वित्तीय सूचना

(रु. लाखों में)

सारबद्ध तुलन पत्र	हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड			इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड			इनफोटेक एचएएल लिमिटेड			हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड		
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
चालू परिसंपत्तियाँ												
– नकद एवं नकद समतुल्य	462	658	512	8408	8046	6858	10	45	10	891	1873	163
– अन्य परिसंपत्तियाँ	4701	5053	4391	4595	4181	3510	994	609	366	2525	921	693
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**5163**	**5711**	**4903**	**13004**	**12227**	**10368**	**1004**	**653**	**376**	**3415**	**2794**	**856**
कुल गैर चालू परिसंपत्तियाँ	**126**	**252**	**399**	**88**	**84**	**77**	**55**	**69**	**48**	**20618**	**21376**	**22175**
चालू देयताएँ												
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	10320	9057	6106
– अन्य देयताएँ	5406	6056	4727	2142	2732	2224	708	472	277	611	543	457
कुल चालू देयताएँ	**5406**	**6056**	**4727**	**2142**	**2732**	**2224**	**708**	**472**	**277**	**10931**	**9599**	**6564**
निवल चालू देयताएँ												
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	–	–	–	1	152	141	–	–	–	16382	18923	20039
– अन्य देयताएँ	120	154	189	448	446	441	17	18	13	103	76	71
कुल गैर चालू देयताएँ	**120**	**154**	**189**	**448**	**598**	**582**	**17**	**18**	**13**	**16485**	**18998**	**20110**
निवल परिसंपत्तियाँ	**-237**	**-248**	**386**	**10501**	**8981**	**7640**	**333**	**233**	**134**	**-3383**	**-4428**	**-3643**

12. संयुक्त उद्यमों की सारबद्ध वित्तीय सूचना

(रु. लाखों में)

सारबद्ध तुलन पत्र	टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड			इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड			मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड			एरोस्पेस व एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)			हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड		
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	1 अप्रैल 2015
चालू परिसंपत्तियाँ															
– नकद एवं नकद समतुल्य	59	172	47	371	36	28	3033	27	107	3	4	24	215	–	–
– अन्य परिसंपत्तियाँ	349	438	396	12332	11790	9994	6695	13355	14008	306	359	1		–	–
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**408**	**609**	**443**	**12703**	**11826**	**10022**	**9728**	**13382**	**14115**	**309**	**363**	**25**	**215**	**–**	**–**
कुल गैर चालू परिसंपत्तियाँ	**79**	**95**	**151**	**10210**	**11063**	**11883**	**12444**	**8425**	**7499**	**8**	**3**		**200**	**–**	**–**
चालू देयताएँ															
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	237	–	6	7697	8608	9806	–	2	31	–	–	–	–	–	–
– अन्य देयताएँ	53	223	140	5217	5420	5227	15	12	30	292	341	1	145	–	–
कुल चालू देयताएँ	**290**	**223**	**146**	**12914**	**14028**	**15033**	**16**	**14**	**61**	**292**	**341**	**1**	**145**	**–**	**–**
निवल चालू देयताएँ															
– वित्तीय देयताएँ (व्यापार देयताओं को छोड़कर)	–	–	–	1350	1856	426	3	–	–	–	–	–	–	–	–
– अन्य देयताएँ	30	22	21	115	109	84	374	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल गैर चालू देयताएँ	**30**	**22**	**21**	**1465**	**1965**	**510**	**377**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
निवल परिसंपत्तियाँ	**168**	**459**	**427**	**8534**	**6896**	**6363**	**21779**	**21793**	**21552**	**25**	**25**	**24**	**270**	**–**	**–**

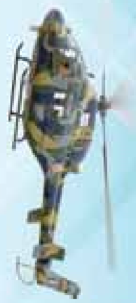

(रु. लाखों में)

लाभ एवं हानि का सारबद्ध विवरण	बीईएल – एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड		स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड		सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड		एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड		हॉलविट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड		इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
राजस्व	2108	2182	7382	6946	1572	4187	113	92	748	1212	11789	8696
ब्याज आय	56	70	20	16	–	–	–	1	49	88	629	662
मूल्यहास एवं परिशोधन	37	35	417	325	30	36	16	18	58	69	15	9
ब्याज व्यय	–	–	13	29	39	101	17	23	–	–	–	3
आयकर व्यय	18	71	430	351	127	-4	–	–	18	79	1085	932
जारी प्रचालनों से लाभ	**52**	**-213**	**273**	**775**	**-384**	**6**	**-80**	**-118**	**2**	**-634**	**2011**	**1704**
बंद प्रचालनों से लाभ	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
वर्ष के दौरान लाभ	**52**	**-213**	**273**	**775**	**-384**	**6**	**-80**	**-118**	**2**	**-634**	**2011**	**1704**
अन्य विस्तृत आय	7	11	4	–	3	1	–	–	9	–	1	–
कुल विस्तृत आय	**59**	**-202**	**277**	**775**	**-381**	**7**	**-80**	**-118**	**11**	**-633**	**2013**	**1704**
घोषित लाभांश (एचएएल शेयर)	15	44	46	23	–	–	–	–	–	–	197	140

(रु. लाखों में)

पिछली राशि का समाधान	बीईएल – एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड		स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड		सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड		एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड		हॉलविट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड		इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
प्रारंभिक निवल परिसंपत्तियाँ	1492	1803	5072	4351	139	132	-656	-409	-248	386	8981	7640
अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों से संबंधित शेयर आबंटन हेतु लंबित धनराशि से संबंधित शेयर आवेदन	-	-	-	-	-	-	-	-128	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	52	-213	273	775	-384	6	-80	-118	2	-634	2011	1704
अन्य व्यापक आय	7	11	4	-	3	1	-	-	9	-	1	-
भुगतान किया गया लाभांश	-36	-108	-110	-53	-	-	-	-	-	-	-492	-352
विनियोग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-12
जारी शेयर पूँजी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतिम निवल परिसंपत्तियाँ	**1515**	**1492**	**5239**	**5072**	**-243**	**139**	**-736**	**-656**	**-237**	**-248**	**10501**	**8981**
ग्रुप का शेयर % में	49%	49%	50%	50%	40%	40%	50%	50%	50%	50%	48%	48%
ग्रुप का शेयर रु में	742	731	2620	2536	-97	55	-368	-328	-118	-124	5040	4311
अप्राप्त लाभ/हानि	-4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-1900	-1615
अज्ञात हानियाँ (निवल अनुवर्ती लाभ)	-	-	-	-	257	49	668	628	501	506	-	-
ह्रास का प्रावधान	-	-	-	-	160	105	300	300	383	383	-	-
सुनाम (गुडविल)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विगत राशि	**738**	**731**	**2620**	**2536**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**3141**	**2696**

(रु. लाखों में)

लाभ एवं हानि का सारबद्ध विवरण	इंफोटेक एचएएल लिमिटेड		हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड		टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड		इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड		मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड		एरोस्पेस व एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएसएससी)		हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
राजस्व	655	614	3759	1835	509	941	19121	13940	433	30	-	-	-	-
ब्याज आय	1	1	60	14	4	6	12	17	693	702	23	10	-	-
मूल्यह्रास एवं परिशोधन	1	-	966	981	18	36	1938	1964	483	8	1	-	-	-
ब्याज व्यय	-	-	917	841	17	11	343	230	-	-	-	-	-	-
आयकर व्यय	13	1	-	-	-	9	709	291	496	119	-	-	-	-
जारी प्रचालनों से लाभ	**102**	**99**	**1046**	**-791**	**-293**	**32**	**1637**	**528**	**-13**	**240**	**-68**	**-14**	**-120**	**-**
बंद प्रचालनों से लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	**102**	**99**	**1046**	**-791**	**-293**	**32**	**1637**	**528**	**-13**	**240**	**-68**	**-14**	**-120**	**-**
अन्य विस्तृत आय	-2	1	-1	7	1	-	-	5	-	-	-	-	-	-
कुल विस्तृत आय	**100**	**100**	**1045**	**-785**	**-291**	**32**	**1637**	**534**	**-13**	**240**	**-68**	**-14**	**-120**	**-**
घोषित लाभांश (एचएएल शेयर)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(रु. लाखों में)

विगत राशि का समाधान	इंफोटेक एचएएल लिमिटेड		हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड		टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड		इंटरनेशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड		मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड		एरोस्पेस व एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)		हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड	
	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
प्रारंभिक सकल परिसंपत्तियाँ	233	134	-4428	-3643	459	427	6896	6363	21793	21552	25	24	-	-
अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों से संबंधित शेयर आबंटन हेतु लंबित धनराशि से संबंधित शेयर आवेदन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	290	-
वर्ष के दौरान लाभ	102	99	1046	-791	-293	32	1637	528	-13	240	-68	-14	-120	-
अन्य विस्तृत आय	-2	1	-1	7	1	-	-	5	-	-	-	-	-	-
भुगतान किया गया लाभांश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विनियोग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	68	15	-	-
जारी शेयर पूँजी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100	-
अंतिम सकल परिसंपत्तियाँ	**333**	**233**	**-3383**	**-4428**	**168**	**459**	**8534**	**6896**	**21779**	**21793**	**25**	**25**	**270**	
ग्रुप का शेयर % में	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	-
ग्रुप का शेयर रु. में	167	117	-1692	-2214	84	230	4267	3448	10890	10897	13	13	135	-
अप्राप्त लाभ/हानि	-	-	-	-	-	-	-28	-10	-	-	-	-	-	-
अज्ञात हानियाँ (सकल अनुवर्ती लाभ)	-	50	5532	6054	339	133	-	-	-	-	-	-	-	-
ह्रास का प्रावधान	166	166	3840	3840	423	362	855	855	457	450	-	-	-	-
सुनाम (गुडविल)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विगत राशि	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**3384**	**2583**	**10433**	**10447**	**13**	**13**	**135**	**-**

13. संयुक्त उद्यमों के संबंध में टिप्पणियाँ

(i) हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

उन्नतशील व्यवसाय

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान कंपनी को रु 1045 लाख का निवल मुनाफा हुआ है एवं उस तिथि तक कंपनी की चालू देयताएँ इसकी चालू परिसंपत्तियों से अधिक हो गई हैं। इसके अतिरिक्त, तुलन पत्र तिथि तक कंपनी के भारी नुकसान के कारण निवल मूल्य में गिरावट आई है। 31 मार्च 2017 को कंपनी का निवल मूल्य रु 3383 लाख ऋणात्मक रहा। (31 मार्च 2016 को यह रु. 4428 लाख/- था) । हालांकि, ये वित्तीय विवरण उन्नतशील व्यवसाय के आधार पर बनाए गए हैं, जो निम्नलिखित से अलग हैं:

1) कंपनी एवं सीएई (जिसके पास समान रूप से कंपनी के 100% शेयर हैं) ने पूर्व में भी जब कभी आवश्यकता हुई है, आवश्यक निधि प्रदान की है।

2) कंपनी शेयरधारकों समेत कपंनी के बैंक के साथ विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है जैसे-आईसीआईसीआई बैंक द्वारा मौजूदा मामले में उनके बैंक में ऋण खाता को गैर निष्पादन संपत्ति (एनपीए) मानना । इसके अतिरिक्त, आईसीआईसीआई बेंक के पास यह भी विकल्प है कि आवश्यक होने पर वह फैसिलिटी एग्रीमेंट के अनुसार ऋण को साम्या में तब्दील कर कंपनी को इस संबंध में सूचित करें। कंपनी द्वारा नियत तिथि तक ईसीबी ऋण ब्याज भुगतान किया गया है एवं ब्याज संबंधी प्रतिबद्धताओं को नियमित रूप से पूरा करेगी। कंपनी की आवश्यकताओं को निधि प्रदान करने एवं निष्पादन के लिए ऑर्डर खरीदने की क्षमता होने के कारण प्रबंधन का यह मत है कि कंपनी एक उन्नतशील व्यवसाय है।

(ii) एचएएल- एजवुड प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

(क) मांग ऋण एवं नगद क्रेडिट के रूप में कार्य पूँजी ऋण भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त किया गया है एवं यह कंपनी की व्यापार प्राप्तियों एवं ऋणभारमुक्त भंडार पर लगने वाले शुल्क से सुरक्षित है। ब्याज भुगतान में व्यतिक्रम होने पर बैंक द्वारा ऋण सुविधा को गैर निष्पादन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत किया है एवं ऋण खातों पर ब्याज लेना बंद कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2013-14 तक बैंक द्वारा दिए गए पत्र पर भरोसे के आधार पर ब्याज दिया गया है। वित्त वर्ष 2014-15 से आगे 31 दिसम्बर 2016 तक मंजूरी पत्र में निर्दिष्ट दरों के अनुसार ब्याज का भुगतान किया गया है।

तत्पश्चात, भारतीय स्टेट बैंक, एसेट रिकवरी ब्रॉंच ने गैर निष्पादन परिसम्पत्तियों के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना शुरु की। इसी योजना के तहत कंपनी को 23 जुलाई 2017 से पूर्व लंबित पूँजी एवं ब्याज राशि के एवज में रु 82.06 लाख भुगतान करने की पेशकश की गई थी। कंपनी द्वारा ओटीएस योजना के अनुरूप रु 20.52 का भुगतान किया गया।

(ख) अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन उत्पादन प्रक्रिया की इकाई के अनुरूप किया जाता है। प्रबंधन के मतानुसार, प्रबंधन अपने ग्राहकों को 11 प्रोटोटाइप ओसमैक यूनिटों के मौजूदा ऑर्डर संबंधी सुपुर्दगी की 154 ओसमैक यूनिटों के लिए आगे श्रृंखला अपग्रेड करने हेतु अपने ग्राहकों से क्रय आदेश प्राप्त करने तथा ग्राहकों को 154 ओसमैक यूनिटों की श्रृंखला अपग्रेड की सुपुर्दगी के प्रति विश्वस्त है।

(ग) कंपनी के निवल मूल्य में गिरावट आई है। (31 मार्च 2017 को निवल मूल्य रु 607 लाख दर्ज किया गया।) कंपनी का उन्नतशील व्यवसाय के रूप में बने रहने की क्षमता अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए आवश्यक निधि जुटाने,कर्ज /अन्य देयताओं की रिशेड्यूलिंग करने की क्षमता कंपनी परस्पर एक दूसरे पर निर्भर है। यह वित्तीय विवरण उन्नतशील व्यवसाय के आधार पर बनाया गया है।

(iii) हॉलबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के संबध में

31 मार्च 2017 तक कंपनी को रु 1002 लाख (31 मार्च 2016- रु 1013 लाख) का नुकसान हुआ है। कंपनी की चालू देयताएँ इसकी चालू परिसम्पत्तियों से रु 243 लाख अधिक (31 मार्च 2016- रु 345 लाख) है। हालांकि, व्यापार योजना एवं दर्शाए गए नगद प्रवाह के अनुसार अनुमानित भविष्य विकास आधार पर कंपनी को इसके प्रचालनों एवं पूँजी खर्चों की फंडिंग एवं भविष्य में लगातार व्यापार के चालू रहने का पूरा विश्वास है। तदनुसार, ये वित्तीय विवरण उन्नतशील व्यवसाय के आधार पर बनाए गए हैं।

(iv) टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के संबंध में

उन्नतशील व्यवसाय

कंपनी के राजस्व में भारी गिरावट (पूर्व वर्षों की तुलना में) आई है एवं 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष में कंपनी को घाटा हुआ है। उस तिथि तक कंपनी का निवल मूल्य महत्वपूर्ण रूप से गिरा है। ये वित्तीय विवरण उन्नतशील व्यवसाय के आधार पर बनाए गए हैं, कंपनी के लिए पर्याप्त निधि हासिल करने, प्रबंधन के व्यापार योजना से अपेक्षित नकद प्रवाह, कंपनी के उद्यमों से प्राप्त होने वाले अपेक्षित नियमित प्रचालन सहयोग आदि के आधार पर प्रबंधन द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर कंपनी सामान्य रूप से अपनी परिसम्पत्तियों को पाने एवं जिम्मेदारियों को पूरा करने में सक्षम रहेगी। कंपनी का उन्नतशील व्यवसाय का बना रहना, प्रबंधन की शमन योजनाओं (मिटिगेशन प्लान) एवं उद्यमों से लगातार मिलने वाले प्रचालन सहयोग पर निर्भर करता है।

14. वर्ष के दौरान, कंपनी के पास एमसीए अधिसूचना जी.एस.आर 308 (ई) दि. 31 मार्च 2017 में उल्लेख के अनुसार स्पेसिफायड बैंक नोट (एसबीएन) या अन्य मूल्यवर्ग नोट थे। अधिसूचना के अनुसार 8 नवम्बर 2016 से 30 दिसम्बर 2016 की अवधि के दौरान रखे एवं अंतरित किए गए एसबीएन, मूल्यवर्ग के अनुसार एसबीएन एवं अन्य नोट का विवरण निम्नानुसार हैं:

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड **(रु. लाखों में)**

विवरण	कुल		
	एसबीएन	अन्य मूल्यवर्ग नोट	कुल
दिनांक 08.11.2016 तक कंपनी के पास अंतिम नकद	509	384	893
(+) अनुमति प्राप्त पावती	2	1,533	1,535
(+) बैंक से आहरित धनराशि	–	–	-
(–) अनुमति प्राप्त भुगतान	–	1,298	1,298
(–) बैंक में जमा धनराशि	511	608	1,119
दिनांक 30.12.2016 तक कंपनी के पास अंतिम नकद	**–**	**11**	**11**

संयुक्त उद्यम **(रु. लाखों में)**

विवरण	कुल		
	एसबीएन	अन्य मूल्यवर्ग नोट	कुल
दिनांक 08.11.2016 तक कंपनी के पास अंतिम नकद	2	1	3
(+) अनुमति प्राप्त पावती	1	7	8
(+) बैंक से आहरित धनराशि	–	1	1
(–) अनुमति प्राप्त भुगतान	2	7	9
(–) बैंक में जमा धनराशि	1	–	1
दिनांक 30.12.2016 तक कंपनी के पास अंतिम नकद	**–**	**2**	**2**

सहायक कंपनी को दिनांक 29.12.2016 को निगमित किया गया।

(रु. लाखों में)

	विवरण	31 मार्च 2017	31 मार्च 2016
15	**प्रति शेयर अर्जन से संबंधित भारतीय लेखा मानक-33 के अनुसार (मूल एवं मिश्रित)-**		
	कर पूर्व लाभ	359176	321291
	कराधान का प्रावधान	96695	120892
	करोपरांत निवल लाभ	262481	200399
	अंकित मूल्य 10/- वाले पूर्ण रूप से भुगतान* किए गए साम्या शेयरों की संख्या	361500000	482000000
	प्रति शेयर अर्जन (रुपये में) - मूल एवं मिश्रित*	72.61	41.58*
	* कंपनी द्वारा 30 मार्च 2016 को 10/- प्रति शेयर की दर से 12,05,00,000 साम्या शेयरों की पुन: खरीद की गई है। प्रति शेयर अर्जन का आकलन इस अवधि के लिए सकल लाभ या हानि को 48,20,00,000 साम्या शेयरों से भाग देकर किया गया है। प्रति शेयर अर्जन के आकलन के लिए वापसी-खरीद के प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि उसके मूल्य में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।		
16	पिछले वर्ष के आँकड़ों को यथावश्यक पुनर्व्यवस्थित या पुनःवर्गीकृत किया गया है।		

संलग्न नोट '1' से '49' तक एवं लेखा नीतियाँ खाते का भाग हैं ।

हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरू
दिनांक: 29 जून, 2017

प्रपत्र एओसी–1

सहयोग/सहायक कंपनियाँ/संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की प्रमुख विशेषताओं का विवरण

(कपंनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 129 की उपधारा(3) के पहले उपबंध के अनुसरण में)

भाग "क" : सहायक कंपनियाँ

(रु. लाखों में)

क्रम सं.	विवरण	31st चरीलह 2017
1	सहायक कंपनी का नाम	मेसर्स नैनी एरोस्पेस लिमिटेड
2	यदि धारक कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग हो, तो सहायक कंपनियों हेतु रिपोर्टिंग अवधि	लागू नहीं
3	विदेशी सहायक कंपनियों के संबंध में वित्त वर्ष के अंतिम तिथि तक मुद्रा एवं विनिमय दर की रिपोर्टिंग	लागू नहीं
4	शेयर पूँजी	3000
5	आरक्षित एवं अधिशेष	-174
6	कुल परिसंपत्तियाँ	4197
7	कुल देयताएँ	1371
8	निवेश	0
9	कुल बिक्री	0
10	कर–निर्धारण से पूर्व लाभ–हानि	-174
11	कर–निर्धारण हेतु प्रावधान	0
12	कर–निर्धारण के उपरांत लाभ/हानि	-174
13	प्रस्तावित लाभांश	0
14	शेयरधारिता की प्रतिशतता (%)	100%

1. सहायक कंपनियों का नाम जिनसे प्रचालन का प्रारंभ लंबित है – मेसर्स नैनी एरोस्पेस लिमिटेड
2. वर्ष के दौरान परिसमापन या बेचे गए सहायक कंपनियों का नाम – शून्य

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक: 29 जून, 2017

भाग "ख" : सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम

(रु. लाखों में)

क्र. सं	संयुक्त उद्यम का नाम	मेसर्स बीएई-एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	मेसर्स स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम लिमिटेड	मेसर्स एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स इंडो रशियन एविऐशन लिमिटेड	मेसर्स इनफोटेक एचएएल लिमिटेड	मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रैनिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	मेसर्स इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	मेसर्स एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)	मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड
1	नवीनतम लेखापरीक्षा तुलनपत्र तथि	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017	31.03.2017
2	सहयोग अथवा संयुक्त उद्यम कंपनियों के संबद्ध अथवा अधिग्रहण की तिथि फरवरी 1993	फरवरी 1993	अक्टूबर 2005	जनवरी 2007	अप्रैल 2007	मई 2007	सितंबर 1994	अगस्त 2007	जनवरी 2008	मई 2008	जुलाई 2010	दिसंबर 2010	सितंबर 2014	अगस्त 2016
3	वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोग /संयुक्त उद्यमों के शेयर													
क	संख्या	2940000	1140000	160000	300000	382500	936525	2000000	38404204	5070000	4250000	11346564	125	50000
ख	सहयोग /संयुक्त उद्यमों में निवेश की राशि	294	1140	160	300	383	94	200	3840	507	4250	11347	13	195
ग	धारिता के विस्तार की प्रतिशतता (%)	49%	50%	40%	50%	50%	48%	50%	50%	50%	50%	50%	50%	50%
4	महत्त्वपूर्ण प्रभावकारिता के संबंध में विवरण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5	सहयोग /संयुक्त उद्यमों के समेकन न करने का कारण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(रु. लाखों में)

क्र. सं	संयुक्त उद्यम का नाम	मेसर्स बीएई-एचएएल सॉफ्टवेयर लिमिटेड	मेसर्स स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स सैमटेल एचएएल डिसप्ले सिस्टम लिमिटेड	मेसर्स एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स इंडो रशियन एविऐशन लिमिटेड	मेसर्स इनफोटेक एचएएल लिमिटेड	मेसर्स हैट्सऑफ हेलिकॉप्टर ट्रैनिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	मेसर्स इंटरनैशनल एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	मेसर्स एरोस्पेस एंड एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल (एएएसएससी)	मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड
6	नवीनतम लेखापरीक्षा तुलनपत्र के अनुसार शेयरधारिता से स्रोतजन्य निवल लाभ	742	2620	-97	-368	-118	5040	167	-1692	84	4267	10890	13	135
i	समेकन में विचार किया गया	29	138				966				819	-7		-60
ii	समेकन में विचार नहीं किया गया	30	138	-381	-80	11	1047	100	1045	-291	819	-7	-68	-60

1. संयुक्त उद्यम (मों) के नाम जिनसे प्रचालन प्रारंभ करना लंबित है

   क. मेसर्स हेलिकॉप्टर इंजन एमआरओ प्राइवेट लिमिटेड

   ख. मेसर्स मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड

2. सहयोग अथवा संयुक्त उद्यमों के नाम जिनका वर्ष के दौरान परिसमापन अथवा बिक्री की गई है – **शून्य**

कृते **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
शासपत्रित लेखाकार
संस्था पंजीकरण सं.004656S

(एस. सुंदररामन)
भागीदार
सदस्यता सं. 201028

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक: 29 जून, 2017

(सी.वी. रमणा राव)
निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्त अधिकारी

(टी सुवर्ण राजु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(जी वी शेषा रेड्डी)
(कंपनी सचिव)

पंजीकृत कार्यालय:

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

पोस्ट बाक्स संख्या.5150, 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूर- 560 001

दूरभाष : 00-91-80-22320001 फैक्स : 00-91-80-22320758

ई-मेल : cosec@hal-india.com वेबसाइट : www.hal-india.com

मुख्यालय

श्री टी. सुवर्ण राजु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री वी. एम. चमोला
निदेशक (मा.सं.)

श्री सी वी रमणा राव
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

सतर्कता

श्री बी सेल्व कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी

एचएएल प्रबंध अकादमी

श्री पी एस भूपति
महाप्रबंधक (मा.सं.)

श्री संदीप पटनायक
स्था.महाप्रबंधक (मा.सं.-एसडी)

कम्पनी सचिवालय

श्री जी वी शेषा रेड्डी
कम्पनी सचिव

संपर्क कार्यालय, नई दिल्ली

श्री मृगेंद्र कुमार
निवासी प्रबंधक, दिल्ली

योजना एवं परियोजना

श्री मो. मजहर अली कुरैशी
अधिशासी निदेशक (योजना एवं परियोजना)

श्री दिब्येंदु मैति
महाप्रबंधक (योजना एवं परियोजना - रूसी)

ग्राहक सेवा

श्री मलय डे
अधिशासी निदेशक (ग्रा.से. एवं गु.आ.)

श्री वेणुगोपाल गुप्ता
स्था.महाप्रबंधक (ग्राहक सेवा)

विमान प्रचालन - फिक्सड विंग

एयर कमां.के ए मुत्तन्ना वीएसएम (से.नि.)
मुख्य उड़ान परीक्षण (एफ डब्ल्यू)

वित्त एवं लेखा

श्री सी बी अनंत कृष्णन
महाप्रबंधक (वित्त)

श्री डी सुधाकरन नायर
महाप्रबंधक (वित्त)

मानव संसाधन

श्री ए. के. त्यागी
अधिशासी निदेशक (मा.सं.)

श्री जोस जेकब
अधिशासी निदेशक (मा.सं.- क.सं.)

श्री एम आर उदय कुमार
महाप्रबंधक (सीएसआर एंड एसडी)

श्री आलोक वर्मा
महाप्रबंधक (मा.सं.)

विपणन

श्री वेणुगोपाल डी
महाप्रबंधक (विपणन)

प्रणाली लेखापरीक्षा

श्री संजीव कपूर
महाप्रबंधक (प्रणाली लेखापरीक्षा)

स्वदेशीकरण

श्री के रामकृष्ण
महाप्रबंधक (स्वदेशीकरण)

संयुक्त उद्यम एवं बाह्यस्रोत

श्री एम एम तपासे
महाप्रबंधक (संयुक्त उद्यम एवं बाह्यस्रोत)

एकीकृत सामग्री प्रबंधन

श्री एस के टण्डन
महाप्रबंधक (आईएमएम)

गुणवत्ता आश्वासन

श्री सैयद अब्दुल रज़ाक
महाप्रबंधक (गु.आ.)

श्री ए के सिन्हा
स्था.महाप्रबंधक (गुणवत्ता एवं उत्पादन सुधार)

सूचना प्रौद्योगिकी

श्री राजीव अग्रवाल
महाप्रबंधक (सू.प्रौ.)

प्रबंध सेवाएँ

श्री जी. बालकृष्णन
महाप्रबंधक (प्र.से.)

बेंगलूर कॉम्प्लेक्स

श्री कावेरी रेंगनाथन
मुख्य कार्यपालक अधिकारी
(बेंगलूर कॉम्प्लेक्स)

श्रीमती विद्या उपाध्याय
महाप्रबंधक (वित्त)

श्री डी दीपक
महाप्रबंधक (मानव संसाधन)

आईजेटी-एलएसपी परियोजना समूह

श्री उमेश चंद्र
अपर महाप्रबंधक (परियोजनाएँ)

फाउण्ड्री व फोर्ज प्रभाग

श्री वेंकटेश एम एस
महाप्रबंधक

इंजन प्रभाग

श्री के. राजामणि
महाप्रबंधक (इंजन)

श्री बी कृष्ण कुमार
परियोजना प्रमुख

एयरक्राफ्ट प्रभाग

श्री ई. एंड्रयू सुंदरराज
महाप्रबंधक

एलसीए-तेजस प्रभाग

श्री वी. श्रीधरन
अधिशासी निदेशक (एलसीए-तेजस)

श्री पी जी योगींद्र
अधिशासी निदेशक (एलसीए एमके1ए)

श्री वेल्परि एम एस
परियोजना प्रमुख

एरोस्पेस प्रभाग

श्री शेखर श्रीवास्तव
महाप्रबंधक (एरोस्पेस)

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

डॉ.सी. एस. रंगाराव
चिकित्सा सेवा प्रमुख

आईएमजीटी प्रभाग

श्री के रमेश
अपर महाप्रबंधक
(विनिर्माण, विपणन एवं रखरखाव)

ओवरहॉल प्रभाग

श्री राकेश कौल
महाप्रबंधक

श्री राधा कृष्ण एच एस
परियोजना प्रमुख

सुविधा प्रबंधन प्रभाग

श्री जी वेंकटेश्वर राव
महाप्रबंधक (सुविधा प्रबंधन प्रभाग)

उड़ान प्रचालन – फिक्सड विंग

ग्रु.कैप्ट.(से.नि.) सी सुब्रमणियम
मुख्य परीक्षण पाइलट (फिक्सड विंग)

एयरपोर्ट सेवा केंद्र

श्री राजेंदर शर्मा
प्रमुख (एएससी)

अभिकल्प कॉम्प्लेक्स

श्री डी के वेंकटेश
निदेशक (अभियांत्रिकी एवं अनुसंधान व विकास)

श्री एस पी भट्टाचार्य
अधिशासी निदेशक
(अभियांत्रिकी एवं अनु.व वि.)

श्री प्रवीण चंदर
अधिशासी निदेशक (प्रणाली)

श्री ए के श्रीवास्तव
महाप्रबंधक (वित्त)

श्री महाबलेश्वर भट्ट के
मुख्य अभिकल्पक (आरडब्ल्यू)

एयरक्राफ्ट अनु. व अभि. केंद्र

श्री संजीव शुक्ला
अधिशासी निदेशक (एआरडीसी)

श्री आर वी हुलिराज
मुख्य अभिकल्पक (एआरडीसी)

श्रीमती नेमिचंद्रम्मा
मुख्य अभिकल्पक (यूएवी)

श्री कुप्पुराज सी
मुख्य अभिकल्पक (संरचना)

मिशन कॉम्बैट सिस्टम अनु. व अभि. केन्द्र

श्री प्रकाश के
महाप्रबंधक (एमसीएसआरडीसी)

श्री दोराईस्वामी एन
मुख्य अभिकल्पक

एरो इंजन अनु. व अभि. केंद्र

डॉ टी आर राजन्ना
मुख्य अभिकल्पक

विमान उन्नयन अनु. व अभि. केंद्र, नासिक

श्री ए के मलगौडनवर
मुख्य अभिकल्पक

गैस टर्बाइन अनु. व अभि. केंद्र, कोरापुट

श्री नबिन चंद्र सतपथी
अपर महाप्रबंधक (अभिकल्प)

एरोस्पेस सिस्टम्स एवं उपस्कर अनु. व अभि. केंद्र – लखनऊ

श्री बी के शर्मा
मुख्य अभिकल्पक

परिवहन एयरक्राफ्ट अनु. व अभि. केंद्र – कानपुर

श्री ए के श्रीवास्तव
अपर महाप्रबंधक (अभिकल्प)

अभिकल्प विभाग, एवियॉनिक्स प्रभाग – कोरवा

श्री माता प्रसाद
अपर महाप्रबंधक (अभिकल्प)

स्ट्रैटजिक इलेक्ट्रॉनिक्स अनु. व अभि. केंद्र, हैदराबाद

श्रीमती एस. थेनमोज़ी
महाप्रबंधक (एसएलआरडीसी)

पन्नगेश्वरी एस
मुख्य अभिकल्पक

केंद्रीय सामग्री एवं प्रक्रम प्रयोगशाला

डॉ राघवेंद्र भट्ट आर
उप महाप्रबंधक (सीएमपीएल)

रोटरी विंग एवं अनु. व अभि. केन्द्र

श्री चलवड़े डी बी
महाप्रबंधक (आरडब्ल्यूआरडीसी)

श्री शौकत अली बेग एम
मुख्य अभिकल्पक

श्री एस भट्टाचार्य
मुख्य अभिकल्पक (टीएस, आरएस एंड आईटी)

श्री कुरैशी एमए
मुख्य अभिकल्पक (एलयूएच)

श्री रवींद्रनाथ आर
मुख्य अभिकल्पक (एसएस, डीवाईएन एवं एमएटी)–आरसी

श्रीमती वासंती एस
मुख्य अभिकल्पक (ईएस)

श्री कुमारस्वामी के जी
मुख्य अभिकल्पक (एलसीएच)

हेलिकॉप्टर कॉम्प्लेक्स

श्री वी. सदगोपन
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एचसी)

श्री समीर कुमार पाढ़ी
अधिशासी निदेशक (वित्त)

श्री एच के सिंह
महाप्रबंधक (मा.सं.)

हेलिकॉप्टर प्रभाग

श्री वी नटराजन
अधिशासी निदेशक (हेलिकॉप्टर)

श्री आई नारायण रेड्डी
परियोजना प्रमुख

श्री अमिताभ भट्ट
परियोजना प्रमुख (एलयूएच)

श्री ग्रुप कैप्ट. (से.नि.) हरि कृष्णन नायर एस सीडीटीपी (आरडब्ल्यू)

हेलिकॉप्टर एमआरओ प्रभाग

श्री जी वी एस भास्कर
महाप्रबंधक (हेलिकॉप्टर- एमआरओ)

श्री गणेश डी
परियोजना प्रमुख

उड़ान प्रचालन (रोटरी विंग)

विंग कमा. (से.नि.) उन्नि पिल्लै
अधिशासी निदेशक (सीटीपी – आर डब्ल्यू)

कमा. अनिल कुमार गुलाटी (से.नि.)
उप मुख्य परीक्षण पाइलट (आरडब्ल्यू)

एन सी कर्णिक
स्था. उड़ान परीक्षण अभियंता प्रमुख

बैरकपुर प्रभाग

श्री अन्बुवेलन एस
महाप्रबंधक (बैरकपुर)

एरोस्पेस कम्पोजिट प्रभाग

श्री प्रमोद कुमार
महाप्रबंधक

मिग कॉम्प्लेक्स

श्री दलजीत सिंह
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमसी)

एयरक्राफ्ट विनिर्माण प्रभाग, नासिक

श्री ए बी घारड
महाप्रबंधक (एएमडी)

श्री एसपी खपली
स्था. परियोजना प्रमुख

एयरक्राफ्ट ओवरहॉल प्रभाग, नासिक

श्री बी वी शेषागिरि राव
महाप्रबंधक (एओडी)

आर के मिश्र
सीईओ (IX), एनएईएल

श्री यू बी सिंह
परियोजना प्रमुख

कोरापुट प्रभाग

श्री देबाशीष देब
अधिशासी निदेशक (कोरापुट)

इंजन प्रभाग, कोरापुट

श्री आशुतोष मल्लिक
महाप्रबंधक, इंजन प्रभाग

सुखोई इंजन प्रभाग, कोरापुट

श्री अरूप चटर्जी
महाप्रबंधक, सुखोई इंजन प्रभाग

श्री जितेंद्र मोहन साहू
महाप्रबंधक, सुखोई इंजन प्रभाग

उपसाधन कॉम्प्लेक्स

श्री राजीव कुमार
मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसी)

श्री आर बी शर्मा
महाप्रबंधक (मा.सं.)

श्री रजत प्रभात
स्था.महाप्रबंधक (मा.सं. – क.सं.)

उपसाधन प्रभाग, लखनऊ

श्री आर माधवन
अधिशासी निदेशक

श्री के ए हुसैन
परियोजना प्रमुख (एम एवं आई)

परिवहन वायुयान प्रभाग, कानपुर

श्री सजल प्रकाश
महाप्रबंधक

एवियॉनिक्स प्रभाग, कोरवा

श्री आशीष मुखर्जी
महाप्रबंधक

श्री अरुण कृष्ण
परियोजना प्रमुख

एवियॉनिक्स प्रभाग, हैदराबाद

श्री सुनील कुमार
अधिशासी निदेशक (हैदराबाद एवं कोरवा)

श्री निर्मल बाबू के
परियोजना प्रमुख

श्री अनिल मट्टू
स्था. परियोजना प्रमुख

नोट्स

नोट्स

नोट्स